وجیشور جنتری

(رجسٹرڈ نمبر ۹۸۲)

किं पिवन्ति। मम पदरसं मुनयः सुधां विहाय। ज्ञातुमिदं बालो हरिः स्वपदं मुखे विनाय॥

وجیشور جنتری کاریالیہ جہلم

राजा — शनि:

ॐ

असतो मा सद्गमय तमसो मा ज्योतिर्गमय

मन्त्री — शनि:

विजयेश्वर पंचाङ्ग

जगल्लग्न



वर्षलग्न



सप्तर्षि सम्वत ५०५०

वि० सम्वत २०३१

सम्पादक :— ज्योतिषी प्रेमनाथ शास्त्री

गणितकर्ता :—ज्यो० कण्ठशर्मा, (बिजविहारा)

(२०३१ एक नजर में)

साहिब सप्तमी—मलमासियों को ८ सप्तम्बर रविवार को, भानुमासियों की ७ अक्टूबर सोमवार को।

दुर्गाष्टमी—मलमासियों की २३ सप्तम्बर सोमवार। भानुमासियों की २३ अक्टूबर बुधवार।

चैत्र दुर्गाष्टमी—३१ मार्च रविवार को।

जन्माष्टमी—दो १० अगस्त तथा ११ अगस्त रविवार को।

चन्दनषष्ठो—८ अगस्त गुरुवार को।

शिवरात्री—दो ९ मार्च रविवार तथा १० मार्च सोमवार।

शिवचतुर्दशी—दो (फाल्गुण की) १० मार्च सोमवार, ११ मा० मंगलवार।

शिवचतुर्दशी—(माघ की) ६ फर्वरी रविवार को।

श्रावणपूर्णिमा—३ अगस्त शनिवार को।

ज्वाला चतुर्दशी—३ जुलाई बुधवार को।

पित्रामावसी—मलमासियों की १५ सप्तम्बर रविवार को। भानुमासियों की १५ अक्टूबर मंगलवार को।

पित्रपक्षारम्भ—मलमासियों का २ सप्तम्बर सोमवार को। भानुमासियों का १ अक्टूबर मंगलवार को।

रामनवमी—१९७४ १ अप्रेल सोमवार।

विजयासप्तमी—वैशाखशुक्लपक्ष सप्तमी रविवार २८ अप्रेल को सूर्योदय से सूर्यास्त तक मार्तण्ड यात्रा।

कुमारषष्ठी—२७ अप्रेल शनिवार, २६ मई रविवार, २५ जून मंगलवार, २४ जुलाई बुधवार, २२ अगस्त गुरुवार २१ सप्तम्बर शनिवार, २० अक्टूबर रविवार, १९ नबम्बर मंगलवार, १६ दसम्बर गुरुवार, १८ जन. शनिवार, १७ फर्वरी सोमवार, १८ मार्च मंगलवार।

संकट चतुर्थी—१० अप्रेल बुधवार, ९ मई गुरुवार, ८ जून शनिवार, ८ जुलाई सोमवार, ६ अगस्त मंगलवार, ५ सप्तम्बर गुरुवार, ४ अक्टूबर शुक्रवार, ३ नवंबर रविवार, २ दसम्बर सोमवार, १ जनवरी बुधवार, ३० जनवरी गुरुवार। १ मार्च शनिवार १९७५। ३० मार्च रविवार।

संक्रान्ति व्रत—१४ अप्रेल रविवार को वैशाख का। १४ मई मंगलवार ज्येष्ठ का, १५ जून शनिवार आषाढ का। १६ जुलाई मंगलवार श्रावण का। १७ अगस्त शनि. भाद्र का। १७ सप्तम्बर मंगलवार असूज का। १७ अक्टूबर गुरुवार कतक का। १६ नवम्बर शनिवार मघर का। १३ फर्वरी गुरुवार फाल्गुण का, १४ मार्च शुक्रवार चैत्र का संक्रांति व्रत होगा।

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण—



यह ग्रहण ज्येष्ठशुक्लपक्ष पूर्णिमा २२ ज्येष्ठ मंगलवार को रात के २ बजे ३ मिनट से आरम्भ हो कर ५ वजे १९ मिनट रात को समाप्त होगा।

इस ग्रहण का प्रभाव मेष, वृष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मीन पर हानिकारक रहेगा।

उपवास—चन्द्र ग्रहण के दिन उपवास रखना आवश्यक है, यदि शरीर उपवास रखने में असमर्थ हो तो भी ५ बजे दिन तक ही भोजन करें, क्योंकि इस ग्रहण का सूतक ५ बजे दिन से ही आरम्भ होगा। चूंकि यह ग्रहण वृश्चिक राशि पर ही होगा इस लिये वृश्चिक राशि वाले यह ग्रहण न देखें और ग्रहण जितने समय तक रहेगा "ॐ जुंसः हंसः मां पालयों हंसः जुं ॐ" इस मन्त्र का लगातार जप करके अन्त में यथाशक्ति दान करें।

इस ग्रहण का प्रभाव ब्योपारीवर्ग पर विशेष हानिकारक होगा, किरयाना, तेल, दालें आदि में अधिकाधिक उतार चढाव होगा।

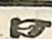
खग्रासचन्द्रग्रहण—



यह ग्रहण कार्तिकशुक्लपक्ष पूर्णिमा १४ मघर तदनुसार २९ नवम्बर शुक्रवार को ६ बजे ५७ मिनट शां से आरम्भ हो कर १० वजे २८ मिनट रात को समाप्त होगा। उपवास न रखने वालों को चाहिये १२ बजे दिन से पहले ही भोजन करें क्योंकि इस ग्रहण का सूतक १२ बजे दिन से ही आरम्भ हो जायेगा।

यह ग्रहण मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, कुम्भ राशि वालों के लिये हानिकारक है, वृषराशि पर ही यह ग्रहण होने से वृषराशि वालों के लिये विशेष हानिकारक होगा, उन के लिये आवश्यक है कि वह ग्रहण का दर्शन न करें और जितनी देर तक ग्रहण रहेगा "ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्—उर्वा रुकम्—इव बन्धनात्—मृत्योर्मुक्षीय मा मृतात् ॐ" इस मन्त्र का जप करें।

इस ग्रहण के प्रभाव से खाद्यपदार्थों में महंगाई तथा संसार में राजनैतिक उत्थलपुथ्ल देखने में आयें गे।

 दैवज्ञ की दृष्टि में २०३१ 

राजा=शनि, मन्त्री=शनि, रक्षामन्त्री=शनि, मेघ के स्वामी=शनि, धान्य के स्वामी=चन्द्रमा। सस्य के स्वामी=भौम। रस के स्वामी=बृहस्पति, धन के स्वामी=भौम। धातुओं के स्वामी=भौम। फलों के स्वामी=शुक्र। वर्षा का वाहन=घोड़ा। बसन्त का वाहन=सुग्रर। वर्षाभगवती=त्रिपुकारी। (ठंठरभाय) ग्रषाढ नवमी शुक्रवार को।

संसार

इस वर्ष के दस अधिकारों में से चार महत्वपूर्ण अधिकार शनिदेवता ने एक साथ सम्भाले हैं। यह योग संसार में अशांत वातावरण बनाये रखने का सूचक है। शनि के राजा होने के बारे में फलित शास्त्रों में लिखा है "युद्धंनृपाणमित्यादि" राजाओं में युद्ध, डाकुओं लुटेरों से डर, कहीं छत्रभंग, कहीं फौजी अनुशासन, कहीं तखत उल्टना इत्यादि। ऐसे ही शनि के मन्त्री होने के विषय में लिखा है "पार्थिवा विनयसंरहिता बहुदुःखदाः" शासकों में अपना प्रभुत्व जमाने की धुन, जनता को दुःख देने की प्रवृत्ति। ऐसे ही जनता में भी अनुशासन भंग तथा मनमानी करने की प्रवृत्ति पाई जायेगी। शनि के प्रभाव से इस वर्ष छोटे से छोटे तथा बड़े से बड़े शक्तिशाली देश भी अपनी ग्रान्तरिक समस्याओं में उलझे रहेंगे। अन्य देशों की समस्याओं की ओर कम ध्यान देंगे। प्रायः सभी देश अपनी ही उलझनों की गुथियां सुलझाने में लगे रहेंगे। शनिदेव के प्रभाव से जहां प्रायः राजनैतिक उथलपुथल होंगे वहां शनिदेवता आकस्मिक दुर्घटनायें प्रकट करने में भी पीछे नहीं रहेगा। महामारी, अतिवृष्टि अनावृष्टि, भूकम्प आदि उत्पातों से असंख्य धन जन का नाश होगा। शनिदेव के क्रूर स्वभाव को शांत बनाये रखने में बृहस्पति देवता का खास हाथ है, संसार को महान युद्ध की भट्ठी में झोंकने से बचाये रखने का सेहरा बृहस्पति देवता के ही सिर है जबकि बृहस्पति देवता जगल्लग्न तथा वर्षलग्न में शनि को पूर्ण दृष्टि से देख रहे हैं। यद्यपि बृहस्पति के प्रभाव से इस वर्ष सार्वभौम युद्ध का योग नहीं बनता है परन्तु तो भी शनि महाराज खण्डयुद्धों से ही अपनी प्यास बुझाने में लगे रहेंगे। उन खण्डयुद्धों का लक्ष्य मुस्लिम देश बनाये रखेगा, जिन युद्धों में असंख्य धन जन का संहार होगा। अरब और इसराईल संघर्ष नये रूप में संसार के सामने आयेगा, ऐसे ही कई कई समस्यायें खड़ी होंगी जो तटस्थ देशों को भी नग्नरूप में आपसी टकर लेने पर विवश करेंगे।

भारत

इस वर्ष ग्रहचाल भारत के भाग्य के कुछ अनुकूल है विशेषतया बृहस्पति भारत की अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा बनाये रखने में सहायक होगा। भारत की खाद्य तथा आर्थिक स्थिति में आशातीत सुधार होगा, धन का साम्य विभाजन, शहरी सम्पत्ति का नियन्त्रण, भूपरिसीमन आदि गरीबी को दूर करने की समस्यायें बार बार मन्त्रीमण्डल के विचारणीय विषय होंगे। धनविजाजन के विषय में सरकार की कारवाइयों से पूंजीपतियों में घबराहट पैदा होगी। सरकार बेरोज़गारी, बेकारी तथा कमर-तोड़ महंगाई से फैली हुई अशान्ति को दूर करने में प्रयत्नशील रहेगी। जहां एक ओर बृहस्पति भारत के अनुकूल है वहां शनिदेव भी अपना क्रूरस्वभाव दिखाये विना रहेगा नहीं। विरोधी दल सरकार के हर काम में कडी आलोचना तथा रोडा अटकाने में कटिबद्ध रहेंगे। देश में तोड़-फोड़ की कारवाइयां, हत्याकाण्ड, हड़तालें आदि होंगी। रक्षा-विभाग के स्वामी शनिदेवता होने से देश में नवीनतम संहारक शस्त्रास्त्र बनाने के विशाल कारखाने तथा भट्टियां खोली जायें गी, भारत सैनिक शक्ति में युद्धप्रिय देशों से बराबरी करने के प्रयत्न में रहेगा। समुद्रीय, आकाशीय तथा स्थलीय सैनिक शक्ति में असाधारण युद्ध होंगे। अन्न की समस्या में सुधार होगा, बाढ़, सूखा अतिवृष्टि अनावृष्टि से अन्न के स्वल्पप्राय भाग की हानि होगी। सामूहिकरूप से अन्न के उत्पादन में सन्तोषजनक वृद्धि होगी, जीवनोपयोगी वस्तुओं विशेषतया खाद्यपदार्थों के मूल्य में आश्चर्यजनक उतार चढाव होगा। सरकार ब्योपार के प्रत्येक विभाग में हस्ताक्षेप करती रहेगी जिस से चोरबाज़ारी में कुछ रोकथाम होगी, सरकार के बार बार हस्ताक्षेप से ब्योपारीवर्ग में घबराहट, अशांति तथा कारोबार को बढावा देने में ढीलापन। कर सी का फैलाव अधिक। मुद्रा की क्रय शक्ति में कमी। वस्तुओं की महंगाई तथा जनता में आर्थिक संकट।

वर्ष के आरम्भ पर देश के प्रधान मन्त्री श्रीमती इन्द्रागांधी को गोचर से पहला शुक्र छटे भाव में शनि और ग्यारवां राहु उनकी बुद्धि की सूझ बूझ की धाक बनी रहेगी के योग का सूचक है, बेकारी मंहगाई से फैली हुई अशांति को दूर करने में अपने अधिकार को सावधानी से प्रयोग में लायेगी, और उस में बहुत हद तक सफल भी होगी। वृश्चिक राशि का ग्यारवां राहु लम्बी लम्बी विदेश यात्राओं का सूचक है, गोचर से पांचवां मंगल होने से विरोधीदल ज़ोर पकड़े गा। शनि

और भौम की एक साथ आठवें भाव पर दृष्टि होने से अकस्मात् शारीरिक दुर्घटना की सम्भावना है।

काश्मीर

यद्यपि आकाशीय ग्रहों के दस अधिकारों का प्रभाव अखिल संसार पर होता है, परन्तु तो भी ज्योतिषफलित शास्त्रों में लिखा है कि राजा का विशेष प्रभाव कश्मीर पर ही होता है। इस वर्ष शनि देवता ने चार विभाग (१) राष्ट्रपतिपद (२) मन्त्री की पदवी (३) रक्षा विभाग तथा (४) मेघ का नियन्त्रण अपने हाथों में लिया है, इस क्रूर योग का कुप्रभाव विशेषतया काश्मीर पर ही होगा, मन्त्रीमण्डल में आश्चर्यजनक उल्टफेर होंगे परन्तु अनुशासन में कोई विशेष ढील होगी नहीं, देश में तोड़फोड़ की कारवाइयां, दंगे फ़साद, जनता में अशान्ति और घबराहट रहेगी।

वर्ष का वाहन घोड़ा और बसन्त की सवारी सूअर (बराह) घोड़ा वाहन के बारे में लिखा गया है "अश्वारूढो वत्सरश्च भूमिकम्पो महाभयम्" जब वर्ष का वाहन घोड़ा हो तो भूकम्प के भयंकर झटके, युद्धप्रिय देशों का हर समय युद्ध कीतयारी में लगा रहना, वर्षा का अभाव, महार्घता (कीमतों में अधिकता) से जनता में हाहाकार।

गतवर्ष भी घोड़ा वाहन रह चुका है परन्तु इस वर्ष वाहन घोड़े के साथ आलस्य तथा तमोगुण के प्रतीक सूअर (वराह) का भी सहयोग है, इस योग से जनता में उत्साह की कमी, कागजी काम अधिक अमली रूप कम, सरकारी दफतरों के अनुशासन में ढील तथा आलस्य, जनता से सम्बन्धित सभी काम कागजों के रूप में अफसरों के मेजों पर चक्कर काटते रहेंगे।

वाहन का सम्बन्ध विशेषतया यातायात के साधनों से भी होता है, घोड़ा और सूअर का एक साथ वाहन होना ट्रांसपोर्ट के साधनों को अस्तव्यस्त रूप मे रखेगा. ट्रांसपोर्ट की समस्या जनता के लिये अशान्ति और बेचेनी का कारण बनेगी।

वर्षाभागवती त्रिपुकारी (ठंठरिभाय)— जनता में छोटी छोटी इण्डस्ट्रियां खोलने की प्रवृत्ति, सोना, चांदी, तांबा, पीतल कांसी आदि धातुओं के कीमतों में आशातीत वृद्धि।

धान्य के स्वामी चन्द्रमा देवता—वर्ष के आरम्भ में जहां वर्षा की अधिकता से खेत लहलहाते रहेंगे वहां मेघ के स्वामी शनिदेवता के प्रभाव से वही खेत कभी कभी पानी के अभावसे मुर्झाये हुये नज़र आयेंगे, खेतों के पक जाने पर धारासार वर्षा से खड़ी फसलों को हानि होगी। देश के भिन्न भिन्न विभागों में भिन्न भिन्न रूप में कहीं कम कहीं अधिक उपज

होगी, आकाशीय उत्पात तथा बाढ आदि से भी अन्न का कुछ हिस्सा नष्ट होगा, सामूहिक रूप से धान्य की उपज मध्यम होगी।

सस्य के स्वामी भौमदेवता—गेहूं, मक्की, लाल रंग के सस्य राजमाष आदि की उपज उत्तम होगी। मूंग, माष आदि की उपज कम होगी।

फलों के स्वामी शुक्रदेवता—फलों की बहुतात होगी, फल रस से पूर्ण होंगे, काश्मीर के हर विभाग में फलों की उपज प्रायः एक जैसी होगी, मूल्य में कोई हानिकारक उतार चढाव नहीं होगा, ब्योपारी वर्ग प्रायः लाभ में रहेगा। अखरोटों, बादामों की कमी होगी, खुशक मेवा का ब्योपार लाभदायक होगा। आश्विन मास में फलों के स्वामी शुक्रदेवता अस्त होंगे, जिस के प्रभाव से मेवों में दाग लगने की सम्भावना है, कर्क-पात (चालाभारी) से हानि, आंधी से फलों के वृक्षों का टूट जाना तथा मेवों के गिरने से क्षत्ति। नाशपाती, आड़ू, गिलास, खोबानी आदि की अधिक होगी।

धन के स्वामी भौम देवता—भगवान् को भूल कर जनता को धनोपार्जन की धुन लगी रहेगी। चोरबाज़ारी, धूसखुरी प्रायः बड़े बड़े ब्योपारियों तथा अफसरों के धन कमाने के साधन होंगे। भूमि निश्चित रूप से काश्तकारों की होने वाली है, यह समस्या इस वर्ष फिर से कुछ खट्टाई में पड़ेगी, टेक्सों की जांच-पडताल सखती से की जायेगी, नये नये टेक्स लगाने के कानून लागू होंगे, हत्याकाण्ड तया राष्ट्रीय सम्पत्ति लूटने की आश्चर्यजनक दुर्घटनायें होंगी। लक्ष्मी भगवती का फैलाव खुले रूप में होगा, बढती हुई कीमतों के रोकने के निमित सरकार के आदेश सखत तथा कडे होंगे। ब्योपार की दशा ढांवाढोल होगी। यात्रियों (सयाहों) का आना सरकार के नियत किये हुए ध्रुवांक (निशान) से अधिक होगा।

रक्षा विभाग के स्वामी शनिदेव है, देश में तोड़फोड़ की कारवाइयां, हड़तालें, हुलडबाज़ी, अनुशासन भंग तथा राष्ट्रीय सम्पति के विनाश के भयंकर दृश्य देखने में आयेंगे, यद्यपि शनिदेवता ही उपरिलिखित उपद्रवों के उत्पन्न करनें वाले हैं परन्तु शनिदेव स्वयं ही उन उपद्रवकारी देशविद्रोहियों को दबाने तथा कुचलने में कोई कसर शेष नहीं रखेगा।

मेघ के स्वामी शनिदेव, समय समय पर वर्षा होने पर भी पानी की कमी, बाढ का खतरा, बिजलियों का गिरना, आंदी, तूफान, आकाशीय उत्पातों की अधिकता होगी, हेमन्त ऋतु में बर्फबारी की अधिकता, कठिन सर्दी, बालन (लकड़ी) आदि साधनों की कमी।

औषधियों के स्वामी चन्द्रदेवता—शारीरिक रोगों की कमी

होगी। चन्द्रमा मानसिक अस्थिरता (वहम) उत्पन्न करने वाला ग्रह है। इसलिये वहम के रोगों की अधिकता होगी, दवाईयों की खप्त अधिक, डाक्टरों, हस्पतालों और डिस्पन्स-रियों पर प्रायः लोगों के तांते लगे रहेंगे।

विद्या के स्वामी भौम देवता—विद्यार्थी जीवन तपस्वी जीवन है विद्या प्राप्त करने के लिये गुरु का आदर और भय होना आवश्यक है परन्तु इस वर्ष गुरुओं को ही विद्यार्थियों का भय होगा। विद्यार्थियों को खेलने कूदने की ओर अधिक और पठन पाठन की ओर अल्प प्रवृत्ति रहेगी।

आर्द्रा नक्षत्र में सूर्य का प्रवेश २२ जून शनिवार तृतीया तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र मे प्रातः ८ बजे ५५ मिनट कर्कट लग्न पर होगा।

फलादेश क्रमश : निम्नलिखित है : —

(१) शनिवार होने से 'मन्दे मन्दफलं भवेत्' सरकार तथा जनता के हर एक काम में सुस्ती। धार्मिक कामों में बाधा। नीच कामों की लगन। चरित्रहीनता। नशीले वस्तुओं के प्रयोग में अधिकता होगी।

(२) तृतीया तिथि होने से—"तृतीयातिबाधनम्" सरकार तथा जनता के हर काम में प्रायः उलझनें तथा रुकावटें होंगी।

(३) पुनर्वसु नक्षत्र होने से—"अदितिश्चाभिवृद्धये" अन्न और धन में वृद्धि होगी।

आषाढ नवमी शुक्रवार को—इसी शुभ दिन पर कश्यप ऋषि ने भूस्वर्ग काश्मीर की नींव डाली है। कश्मीरी पण्डित जनता इस दिन काश्मीर का जन्मदिन मनाते हैं। जब आषाढ नवमी क्रूरवार को होगी तो अशुभफल, शुभवार को होगी तो शुभ फल होता है। चूंकि इस वर्ष आषाढ नवमी शुक्रवार को है, शुक्रदेवता ऐश्वर्य आदि का स्वामी माना गया है इस के प्रभावानुसार काश्मीर को एक आदर्श सुन्दर दुल्हन की भांति सजाने की योजनायें बनाई जायें गी, सड़कों, पुलों, नहरों, तथा आकर्षक सैरगाह बनाने पर सार्थक धन खर्च होगा।




—स्मरण रखने योग्य—

शुक्रास्त : १८ अक्टूबर। शुक्रोदय : ७ दसम्बर। बृहस्पति-अस्त : १२ मार्च। बृहस्पति उदय : १० अप्रेल।
मलमास : आरम्भ ३० सप्तम्वर। समाप्त ३० अक्टूबर।
भानुमास : आरम्भ १७ अगस्त। समाप्त १६ सप्तम्बर।

मेष राशि का वर्षफल

वर्ष के आरम्भ पर ग्रहों की स्थिति कुछ अच्छी है, यदि आप तिजारत करते हैं तो उलझनों के होने पर भी यह वर्ष कारोबार की दृष्टि से उत्तम रहेगा। यदि आप विद्यार्थी हैं तो पढ़ाई की ओर अधिक रुचि होने पर भी सफलता मध्यम होगी, यदि आप नौकरी करते हैं तो अवश्य उन्नति होगी, यदि आप का जन्मकाल रात्रि का होगा तो तबदीली का योग बनता है। जो तबदीली वर्ष के पहले छः मास तक परेशानी का कारण बने गी । परन्तु अन्त में प्रत्येक काम सुधरने का ही योग है। धन प्राप्ति का योग यद्यपि इस वर्ष उत्तम है परन्तु खर्च का योग भी बलवान् है । सामूहिक रूप से इस वर्ष धन की कमी रहेगी, भाई बन्धुओं, रिशतेदारों, मित्रों के के साथ भी सम्बन्ध बनता बिगड़ता रहेगा। कोई तामीरी काम करने का विचार और उस में सफलता, शत्रुओं से इस वर्ष सावधान रहिये। विशेषतया १६ जुलाई से ४ सप्तम्बर तक जब कि आप का मंगल गोचर से : गांचवां हो गा। शारीरिक स्थिति भी इस वर्ष नर्म गर्म ही रहेगी। राहु गोचर से चूंकि आठवां है उस के प्रभाव से सिर में अथवा आंखों में तकलीफ की सम्भावना हैं। धार्मिक कामों की ओर आप की प्रवृत्ति अकस्मात बढ़ेगी । अच्छे पुरुषों से मिलाप अथवा उनकी सेवा करने का अवसर मिले गा। इस वर्ष प्रत्येक सप्ताह का बुधवार, शुक्रवार आप के लिये लाभदायक और शनिवार तथा रविवार प्रायः हानिकारक रहेगा।

मेष राशि का फलादेश २०३१ वि० के लिये

अप्रेल—इस मास में आपको दौड़धूप अधिक करनी होगी, परेशानी अधिक, लाभ मध्यम परन्तु खर्च की भरमार रहेगी, प्रायः हर आरम्भ किये हुये कार्य में उलझन, अकस्मात् किसी चिन्ता से दुचार होगा। आप इस वर्ष, वर्ष के आरम्भ से ही "बहुरूपगर्भ" का पाठ किया करें निश्चय रखिये उस का पाठ करने से हर कठिन उलझन सुलझती हुई दिखाई देगी।

मई—इस मास में मंगल आप का गोचर से तीसरा होगा जो आपके हर बिगड़े काम को सुधारने में सहायक होगा । बारहवां शुक्र होने से आमदनी अधिक होने पर भी खर्च का योग बलवान है। २८ मई को आपको गोचर से लग्न में शुक्र आयेगा जिसके प्रभाव से इस मास के अन्त में कोई शुभ संदेश अथवा कोई गुप्त लाभ मिलेगा।

जुन—इस मास में भी आप की ग्रहचाल अनुकूल नहीं होगी, प्रायः प्रत्येक कार्य उल्टा होगा। परिश्रम करने पर भी भरपूर लाभ मिलने का योग नही है। यदि आप विद्यार्थी हैं

तो प्रयत्न करने पर भी इच्छानुसार सफलता नही होगी, शरीर सुख भी इस मास में मध्यम रहेगा, गोचर से चौथा मंगल होने से हानि की भी सम्भावना हो सकती है, इस लिये आप के लिये आवश्यक है कि जून और जुलाई के मास में "ॐ ह्रीं श्रीं कमला-वासिन्ये श्रियै नमः" मन्त्र का जप अवश्य करें

जुलाई—इस मास में दौड़धूप अधिक रहेगी। घरेलू चिन्तायें अधिक, अकस्मात् तबदीली की सम्भावना, १६ जुलाई के पश्चात् पांचवां मंगल होने से सन्तान पक्ष से परेशानी। विद्यार्थी होने पर पठन पाठन में रुचि का अभाव, अथवा पढ़ाई में अकस्मात् कोई रुकावट पड़े। शत्रुओं से भय, आदर मान में कमी।

अगस्त—यह मास हर काम में सफलता देने वाला होगा। ८ अगस्त से चौथा शुक्र आ रहा है जो आपके हर काम को सफल बनाने में सहायक होगा। आमदनी की दृष्टि से यह मास भी उत्तम रहेगा। नया कार्य करने का विचार लाभदायक होगा, सिंह राशि का मंगल गोचर से पांचवां होने पर सन्तान पक्ष से अशान्त रखने का अथवा विद्या में कोई रुकावट डालने का कारण बनेगा।

सप्तम्बर—२ सप्तम्बर को पांचवां शुक्र तथा ४ तारीख से छटा मंगल गोचर से आ रहे हैं। इस शुभ योग के प्रभाव से यह मास हर पहलू से आप के लिये उत्तम रहेगा। दरबार में वृद्धि, घर में कोई मंगल कार्य रचाने का प्रोग्राम। अच्छे कामों पर खर्च। लाभ उत्तम।

अक्टूबर—काम धन्धों में अकस्मात् उलझन आती रहेगी। अकस्मात् हानि की सम्भावना। यह सब कुछ होते हुए भी सन्तान पक्ष तथा गृहस्थ पक्ष से मानसिक शान्ति रहेगी। धन की इस मास कमी और खर्च में अधिकता रहेगी। यदि आप विद्यार्थी जीवन में हैं तो पठन पाठन में कुछ सफलता होगी।

नवम्बर—इस मास में आप को सातवां मंगल गोचर से रहेगा। जो आप की मानसिक अशान्ति तथा शारीरिक कष्ट का कारण बनेगा, परन्तु बृहस्पति की भौम पर पूर्ण दृष्टि होने से अकस्मात् धन का लाभ अथवा कोई तर्की का योग बने। विद्यार्थी जीवन होने पर अवश्य सफलता होगी।

दसम्बर—गोचर से आठवां मंगल ३ दसम्बर से आयेगा जो आपके शरीर के लिये हानिकारक होगा। पृथ्वी पर अकस्मात् खून गिरने अथवा चोट लगने का अन्देशा है, आप के लिये आवश्यक है कि आप शारीरिक रक्षा के लिये इस मास के आरम्भ से ही भगवान शंकर पर जल चढ़ाया करें। यदि ऐसा न हो सके तो दैनिक १०८ बार "अग्नमूर्धा दिवः ककुत्पतिः पृथिव्या अयमयां रेतांसि जिन्वते ॐ" का पाठ

अवश्य ही किया करें।

जनवरी– १४ जनवरी से मंगल की स्थिति कुछ कुछ सुधरने का योग है शुक्र भी दसवे भाव का अच्छा प्रभाव डालने का ही सूचक है, कोई शुभ सन्देश मिले, तामीरी कामों का विचार, अचानक किसी अनजाने से लाभ, दौड़ धूप अधिक।

फर्वरी—खर्च का योग अधिक, प्राय: प्रत्येक काम में दिलचस्पी और सफलता, घरेलू चिन्तायें अधिक। इस मास का ३, १२, १४, १७, १९, २१ तिथियां विशेषतया लाभदायक रहेंगी।

मार्च कोई नया काम आरम्भ करने का विचार, हर काम में सफलता आदर मान में वृद्धि, आमदनी उत्तम, खर्च उत्तम, शरीर सुख उत्तम इस मास का पहला और अन्तिम सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

वृष राशि का वर्षफल

यह वर्ष आप के लिये प्राय: लाभदायक ही रहेगा विशेषतया आप की आर्थिक स्थिति इस वर्ष अच्छी रहेगी, कोई भी काम जो आप हाथ में लेगे आप के लिये लाभदायक रहेगा, तामीरी कामों की ओर आप की प्रवृत्ति बनी रहेगी। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो इस वर्ष अवश्य वृहस्पति के प्रभाव से उन्नति का योग है यदि आप विद्यार्थी हैं तो इस वर्ष निश्चय रखिये आप को आशा से अधिक सफलता होगी, पठन पाठन की ओर विशेष प्रवृत्ति होगी, तिजारत पेशा होने पर तिजारत में दिनों दिन तर्की होगी, आर्थिक स्थिति अच्छी होने पर भी मंगल और राहु आप को चैन से बैठने न देंगे। घरेलू परेशानियां नित्य नये रंग में सामने आयें गी। शरीर की समस्या भी आप के लिये परेशानी का कारण बनी रहेगी। यात्रा का प्रोग्राम बनाने से राहु के क्रूर प्रभाव में कुछ कमी होने की सम्भावना है, नित्य प्रात: उठ कर हाथ मुंह धोकर "ॐ ह्रीं अमृत प्रियायै नम:" का १०८ बार पाठ किया करें, यदि आप इस वर्ष को विशेष लाभदायक बनाना चाहते हैं तो नित्यप्रति 'बहुरूपगर्भ' का भी पाठ किया करें।

वृष राशि का फलादेश २०३१ वि० के लिये

अप्रेल—इस मास के आरम्भ में शरीर सुख मध्यम और कारोबार में ढीलापन, ९ अप्रेल से आप के ग्रहों की चाल सुधरने से आप का शरीर ठीक होने लगेगा और कारोबार में भी दिनों दिन वृद्धि होती रहेगी। इस मास के २४, २५, २७, २८ और ३० तारीख लाभदायक हैं।

मई– हर दृष्टि से यह मास हानिकारक रहेगा, शरीर कष्ट, घर के किसी मेम्बर की ओर से परेशानी। इस मास के अतिरिक्त आगामी मास में भी बनी रहेगी, हानि की भी

सम्भावना है। भाई बन्धुओं अथवा दोस्तों से बिगाड़, खान-पान की प्रवृत्ति बढ़ेगी।

जून—इस मास में रुके हुये काम सुधर जायें गे, शत्रुओं का भय दूर होगा, बल्कि शत्रु भी मित्र बनें गे। १६ जून से गोचर से लग्न में शुक्र आयेगा, शुक्र के प्रभाव से अकस्मात् लाभ मिलने का योग है। तीसरा मंगल होने से भ्रातृपक्ष से साधारण सी मानसिक अशान्ति रहेगी।

जुलाई—इस मास का पहला अर्ध भाग हर प्रकार से लाभ दायक रहेगा। आमदनी, गृहस्थ सुख, शरीर सुख आदि ठीक रहेंगे। परन्तु १६ जुलाई के पश्चात् मंगल आप के लिये कष्टकारक बनेगा। हर सुधरा हुआ काम बिगड़े गा, आवश्यक है आप इन दिनों "ॐ अग्निमूर्धा, दिवः ककुत्पति पृथिव्याः अयमपां रेतांसि जिन्वते ॐ" का नित्य १०८ बार जप किया करें यह मन्त्र आप के लिये कल्याणकारी होगा।

अगस्त—इस मास में चौथा मंगल आप की अशान्ति बनाये रखेगा परन्तु बृहस्पति आप की पुजिशन बनाये रखने में सहायक बना रहेगा। आमदनी की दृष्टि से यह मास मध्यम रहेगा, परन्तु खर्च की दृष्टि से उत्तम रहेगा। सामूहिक रूप से यह मास आप के लिये ऊंच नीच का महींना होगा।

सप्तम्बर—यदि आप विद्यार्थी हैं तो इस मास में पठन पाठन की प्रवृत्ति बिल्कुल कम रहेगी, या पढ़ाई में कोई विघ्न पड़ेगा, नौकरी और तिजारत पेशा के लिये यह मास जूं का तूं रहेगा। इस मास का अन्तिम सप्ताह विशेषतया लाभदायक होगा।

अक्टूबर—यह मास अशान्ति का होगा। कोई भी कार्य बिना उलझन के सिद्ध नहीं होगा। गृहस्थ की उलझनें खास रूपों मे सामने आयें गी। २० अक्टूबर से ३१ अक्टूबर तक अकस्मात् कोई झगड़ा उपस्थित होगा अथवा अकस्मात् हानि होगी। इस मास में आप वैष्णव रह कर शां को सोते समय दस बार और प्रातः उठते ही दस बार जरूर पढ़ें "सर्वमंगल मंगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते।"

नवम्बर—हर काम आपके प्रतिकूल होगा, अचानक परेशानियां डालेंगी। हर आरम्भ किया हुआ कार्य अधूरा रहे गा। इस बुरे योग का प्रभाव १४ नवम्बर से ग्रहों की स्थिति कुछ कुछ सुधरे गी। इस मास में दक्षिण दिशा की यात्रा प्रायः न करें।

दसम्बर—आर्थिक दृष्टि से यह मास उत्तम रहेगा यदि आप विद्यार्थी हैं तो निश्चय रखिये इस मास में आप ने जो कुछ भी याद किया होगा वह आप की परीक्षा में खास सहा-

यक होगा। ऐसे तो नौकरी पेशा तथा तिजारत पेशा के लिये भी यह मास लाभदायक ही रहेगा।

जनवरी—जनवरी का मास आप के लिये सुख और शांति का महीना होगा। अच्छे कामों में धन का खर्च और आमदनी की दृष्टि से भी यह मास कुछ कम न होगा परन्तु सावधान रहिये १४ जनवरी से २२ फर्वरी तक आपका मंगल आठवां होगा जो अचानक चोट अथवा शरीर कष्ट का कारण बनेगा आप उपाय के लिये नित्य इन्द्राक्षी का पाठ किया करें।

फर्वरी—आदर मान की दृष्टि से यह मास उत्तम रहेगा, १५ फर्वरी से मीन में बृहस्पति आप का ग्यारवां आ रहा है, यह योग आप की शान व मान को बढ़ाने वाला होगा, ऐसे ही १७ फर्वरी को मीन राशि में ही शुक्र देवता १४ मार्च तक डेरा डाले रहें गे यह योग सोने पर सुहागा है।

मार्च—१८ मार्च को शनि मार्गी हो रहा है, जो आपको इस मास के आरम्भ से ही अच्छा प्रभाव डालता रहेगा। आमदनी में वृद्धि रुके हुए काम सुधरें गे। यानी यह मास हर पहलू से उत्तम होगा।

मिथुन राशि का वर्षफल

वर्ष के आरम्भ पर मंगल शुक्र और शनि यद्यपि इस वर्ष आप के प्रतिकूल (उल्ट) है परन्तु ऐसा होने पर भी बृहस्पति वर्ष भर आप के लिये लाभदायक होगा, यदि आप कारोबार करते हैं तो निश्चय रखिये कि यह वर्ष आप के लिये आर्थिक दृष्टि से स्मारक होगा। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो बिना किसी रुकावट के आपको नौकरी में अकस्मात् उन्नति अथवा लाभ का योग है, यदि आप विद्यार्थी जीवन में हैं तो यह वर्ष विद्या की दृष्टि से आप के भविष्य की नींव डालने वाला है, नवें भाव में बुध और बृहस्पति का योग होना शुभ शुकन का सूचक है। इस वर्ष में प्रायः आप को शुभ सन्देश मिलते रहेंगे। यह सब कुछ होते हुए भी शनि और भौम अपना प्रभाव दिखाये बिना नहीं रहेंगे। कभी शरीर कष्ट, कभी घरेलू परेशानियों का सामना करना पड़ेगा इन दोनों क्रूर ग्रहों से बंचने का एक मात्र उपाय यह है कि आप नित्य-प्रति "महिम्नस्तोत्र" का पाठ किया करें, याद रखें कि शनि और मंगल का प्रभाव आप पर विशेष कष्टदायक तभी होगा यदि आप का जन्म दिन मंगलवार या शनिवार का हो।

मिथुन राशि का फलादेश २०३१ वि० के लिये

अप्रेल—यह मास हर दृष्टि से अच्छा रहेगा, शरीर सुख, गृहस्थ सुख, धन का लाभ, अच्छे कामों में धन का खर्च, अच्छे अच्छे पुरुषों से मिलाप, धार्मिक कामों की ओर प्रवृत्ति, इस मास की १, ३, ५, ७ आदि अयुंग्म (ताक) तारीखें प्रायः

आप के लिये लाभदायक रहेंगे।

मई — जो कार्य आप के हाथ में आयेगा बिना परिश्रम के सिद्ध होता जायेगा, इस मास में किया हुआ कोई तामीरी कार्य आप के लिये लाभदायक रहेगा, घर के किसी मेम्बर की परेशानी बनी रहेगी। मास के अन्त में धन के अकस्मात् खर्च का कोई परोग्राम बनेगा।

जून — इस मास में बिना किसी कारण के परेशानियों का सामना होगा, १६ जून को गोचर से आप को बारवां शुक्र आ रहा है, इस के प्रभाव से इस मास के अन्तिम सप्ताह में अकस्मात् कोई दुर्घटना होने की सम्भावना है। आप के लिये आवश्यक है कि इस मास के आरम्भ से ही वैष्णव रहें यदि हो सके तो "ॐ नमः शिवाय" इस मन्त्र से भगवान् शंकर पर नित्य जल चढाया करें।

जुलाई — इस मास में आप को हर प्रकार से मानसिक शांति रहेगी, बहुत समय से रुके हुएकाम सुधर जायें गे, आदर मान की दृष्टि से यह मास उत्तम रहेगा इस मास की ३, १३, १७, १९ और २१ तारीखें अशुभ रहेंगी और १५, १६, १८, २७, २८ तारीखें शुभ रहेंगी।

अगस्त — आर्थिक लाभ के लिये यह मास उत्तम रहेगा, बिछड़े दोस्तों और अच्छे पुरुषों से समागम का अवसर मिलेगा, अच्छे कामों में धन का खर्च, कोई नई तामीर बनाने का परोग्राम बनेगा।

सप्तम्बर — इस मास में संघर्ष अधिक, लाभ मध्यम, घर के किसी सदस्य की ओर से परेशानी बनी रहेगी। शरीर सुख भी मध्यम रहेगा। अच्छे कामों में धन का खर्च, आमदनी के लिये यह मास साधारण रहेगा, धार्मिक कामों की ओर अधिक प्रवृत्ति बनी रहेगी।

अक्टूबर — २१ अक्टूबर तक चौथा मंगल होने से घरेलू परेशानियों का ज़ोर रहेगा। शनि की दृष्टि सातवें घर पर होने से स्त्री को शरीर कष्ट। यदि आप विवाहित नहीं हैं तो माता पिता की ओर से अकस्मात् परेशानी का सामना होगा, १६ अक्टूबर से शनि वक्री होगा जिस के प्रभाव से परेशानियों में कमी होगी।

नवम्बर — धन की प्राप्ति, मन की शान्ति, शरीर में बल, बुद्धि का विकास, आदर मान, धार्मिक प्रवृत्ति, गृहस्थ सुख, विद्यार्थी जीवन होने पर विद्या में सफलता तथा पठन पाठन में रुचि, यदि आप नौकरी करते हैं तो इस मास में तर्की की सम्भावना है।

दसम्बर — ३ दसम्बर को मंगल वृश्चिक राशि का आपके लिये गोचर से [illegible] ७ दसम्बर को धन राशि का शुक्र आप

के लिये सातवां होगा इस योग के अनुसार यह मास आपके लिये महत्व का होगा, हर कार्य में सफलता। बिगड़े हुये काम सुधरें गे।

जनवरी—इस मास के पहले दस दिन शान व मान के होंगे परन्तु अन्तिम दस दिन अशान्ति तथा परेशानी के होंगे। ऐसा तो १४ जनवरी से धनु राशि में भौम आने के कारण से होगा, यदि आप ने कोई तामीरी या शुभ काम का परोग्राम बनाना हो तो पहले दस दिनों में बनायें।

फर्वरी– ऐसे तो यह मास भी परेशानी का ही होगा, घरेलू हालात आप को अशांत रखने का कारण बनें गे। दस फर्वरी को आप का दसवां बृहस्पति मीन राशि का आयेगा यदि आप नौकरी पेशा हैं तो बृहस्पति आप की पदवी में वृद्धि तथा उन्नति का कारण बनेगा, यदि आप नौकरी के लिये परेशान हैं तो इस मास में आशा की झलक दिखाई देगी।

मार्च—आप के लिये यह मास बहुत लाभदायक रहेगा, दरवार में वृद्धि, शत्रु भी मित्र बन कर हाथ जोड़ने पर विवश होगा, सन्तान गृहस्थपक्ष से शांति रहेगी।

कर्क राशि का वर्षफल

सामाजिक पारिवारिक और आर्थिक हर प्रकार से इस वर्ष मानसिक शान्ति रहने पर भी शारीरिक सुख का अभाव रहेगा जब कि वर्ष के आरम्भ पर बुध और बृहस्पति आप के गोचर से आठवें हैं इस लिये आप को थोड़ा बहुत परिश्रम करने से ही हर काम में सफलता मिलती रहेगी, ग्यारवें मंगल के प्रभाव से सम्भव है, इस वर्ष तामीरी काम बने, यदि आप तिजारत पेशा हैं तो हर काम में आप को लाभ होगा। इस का पहला मास अप्रेल मानते हुए सभी अयुग्म (ताक) मास कारोबारी दृष्टि से उत्तम रहेंगे, कारोबार को महत्व देने के लिये भी यही मास शुभ हैं, यदि आप विद्यार्थी जीवन में हैं तो सफलता अवश्य मिले गी परन्तु राहु पांचवां होना तोविशेष परिश्रम चाहता है। सोमवार गुरुवार और शुक्रवार का पढ़ा हुआ पाठ परीक्षा मे विशेषतया सहायक होगा, यदि आप विवाहित हैं तो इस वर्ष गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा, विवाह के योग्य होने पर इस वर्ष में विवाह का योग अवश्य बनेगा। यद्यपि इस वर्ष में आप को लाभ उत्तम रहेगा परन्तु वर्ष भर बारवां शनि होने से खर्च भी हद से अधिक होगा। अक्टूबर और नवम्बर के मास में आप सावधान रहिये क्योंकि २६ अक्टूबर को शनि वक्री हो रहा है जो आप के लिये कष्टकारक होगा, इस से सुरक्षित रहने का उपाय यह है कि आप अक्टूबर और नवम्बर के महीनों में वैष्णव तथा ब्रह्मचर्य का व्रत रखें, तो ठीक है।

कर्क राशि का फलादेश २०३१ वि० के लिये

<u>अप्रेल</u>—इस मास के आरम्भ में ही कोई शुभ समाचार मिले। मनोवाञ्छित वस्तुओं की अकस्मात् प्राप्ति होती रहेगी। बहुत दिनों से रुके हुए कार्य सुधरने का योग इस मास में है। आमदनी उत्तम रहेगी।

<u>मई</u>—इस मास में अकस्मात् किसी सरकारी मुसीबत से दुचार होगा, चोट लगने और हानि की सम्भावना है। इन कष्टों से बचने का उपाय है, कि दो मई शुक्रवार को पांचपाव चावल की तहर उस में से एक बड़ा सा चुट्ट रख कर बाकी तहर कुत्तों को डालें। यह उपाय करने से यह मास कल्याणकारी होगा।

<u>जून</u>—इस मास में अकस्मात् घर के किसी मेम्बर अथवा नज़दीकी रिश्तेदार का शरीर कष्ट आप के लिये दुःखदायी होगा दरबार अथवा कारोबार की जो ज़िम्मेवारी आप पर है में पूर्ण सफलता मिलेगी, केवल बाह्य परेशानियों में आप घिरे रहें गे।

<u>जुलाई</u>—यह मास सुख और शान्ति में गुज़रेगा। लाभ खर्च एक जैसा रहेगा। घरेलू हालात भी जूं के तूं ही रहें गे। मास के अन्तिम सप्ताह में ग्रहों की शुभ दृष्टि से अकस्मात् लाभ का योग है।

<u>अगस्त</u>—सन्तानपक्ष अथवा किसी भाई बन्धु की ओर से आप को अकस्मात परेशानी होगी। लाभ के लिये यह मास बहुत ही उत्तम रहेगा। थोड़े परिश्रम से ही आप को अधिक लाभ होगा। इस मास के १, ३, १७, १९, २७ तारीखें खास लाभदायक होंगी।

<u>सप्तम्बर</u>—प्रत्येक कार्य में आदरपूर्वक सफलता होगी। इस मास में दौड़धूप अधिक रहेगी। भाई बन्धुओं से भी अकस्मात् नाराज़गी का योग है। लाभ के लिये उत्तम मास होने पर भी खर्च का योग अधिक है। अच्छे और शुभ कामों में धन का सार्थक खर्च होगा। इस मास का अन्तिम सप्ताह फलदायक होगा।

<u>अक्टूबर</u>—इस मास के अन्तिम सप्ताह में शरीर कष्ट होने की सम्भावना हैं। यह मास आमदनी के लिये उत्तम और खर्च भी अधिक होगा। आरम्भ किया हुआ कोई भी कार्य इस मास में रुकेगा नहीं। आप के थोड़े से परिश्रम से ही हल हो जाये गा।

<u>नवम्बर</u>—यह मास हर दृष्टि से हानिकारक ही होगा। आमदनी कम और खर्च की भर्मार। परिश्रम अधिक और सफलता कम। शरीर कष्ट, शरीर ठीक रहा तो आप के

किसी नजदीक रिशतेदार के कारण से परेशान रहेंगे।

दसम्बर—इस मास में आप की दशा बिल्कुल सुधर जाये गी। हर रुका हुआ काम सफलता के साथ आगे बढ़ेगा, भाई बन्धुओं और दोस्तों से मिलाप तथा सुख और शांति, हर शुक्रवार, शनिवार लाभदायक रहेगा।

जनवरी—नया मास आप को नया रंग दिखायेगा। हर काम में आदर व मान के साथ सफलता। घर के किसी खास मेम्बर का ऐसा काम या धन्धा बनेगा जो आप के परिवार को सुखीबनाने का सहारा बनेगा। यह मास हर दृष्टि से आप के लिये लाभदायक रहेगा।

फर्व री—१५ फर्वरी से बृहस्पति आप के भाग्य स्थान में आयेगा। इस मास से आप के सोये हुए भाग्य जाग उठें गे। निराशा आशा में बदल जायेगी। नित्यप्रति 'महिम्न स्तोत्र' का प्रातः काल पाठ करें।

मार्च - यह मास हर प्रकार से लाभदायक रहेगा। कारोबार तथा नौकरी में तर्की होगी। झगड़े झंझट सभी समाप्त हो जायें गे। काम काज, पढ़ाई आदि का रास्ता आप के लिये हमवार होगा, हर काम में कामयाबी होगी।

सिंह राशि का वर्षफल

वर्ष के आरम्भ पर ग्रहों की स्थिति अच्छी होने से अवश्य यह वर्ष सुख शान्ति तथा आदर मान से गुजरे गा और आप को किसी उलझन से दुचार नहीं होना पड़ेगा, परन्तु यह भी आवश्यक है आप के जन्मपत्री के ग्रह तथा दशा भी अनूकूल हो, केवल आठवां सूर्य चन्द्रमा कभी कभी शरीर के अस्वस्थ रहने का कारण बनेगा। इस वर्ष घर में अवश्य कोई शुभ कार्य करना होगा। दसवां मंगल नौकरी में कोई तर्की का योग अवश्य बनाये गा। सातवां बृहस्पति तथा बुध का योग आप की आर्थिक स्थिति में वृद्धि करने का कारण होगा। ऐसे तो यह वर्ष हर प्रकार से आपके मान तथा यश को बढ़ायेगा, परन्तु यह भविष्यवाणी तभी पूरी उतरे गी जब आप इस वर्ष बिना किसी रुकावट के उस सर्वव्यापक प्रभु को नियम से याद करने का परोग्राम बनायें और उस परोग्राम में गायत्री का जप भी अ वश्य रूप से सम्मिलित होना चाहिये।

सिंह राशि का मासिक फलादेश

अप्रेल—हर काम में शोभा के साथ सफलता होगी। शरीर में चुस्ती, रूप रंग कारोबार रोजगार अथवा नौकरी में मानसिक शान्ति। परिश्रम कम, फल अधिक, शुभ कामों के भी

अकस्मात् परोग्राम बनते जायेंगे।

मई—इस मास में धन का खास लाभ होगा, मेल मिलाप अधिक होगा। अच्छे पुरुषों के साथ सम्बन्ध में वृद्धि होगी, शुभ कामों में खर्च होगा। अन्तिम सप्ताह हानिकारक होगा।

जून—३१ मई से ही आप का मंगल बारहवां आ रहा है और २४ मई से ही भाग्य स्थान में शुक्रदेवता ठहरे हैं। इस योग के प्रभाव से आप का कोई बड़ा शुभ फलदायक काम सम्पूर्ण होने वाला है, परन्तु मंगल के प्रभाव से उलझनों का सामना करना होगा, अन्त में हर काम में सफलता होगी।

जुलाई यह मास संघर्ष का होगा। कोई भी कार्य बिना उलझन के सिद्ध नहीं होगा बल्कि उलझनों से दुचार होगा। शरीर सुख मध्यम, घरेलू चिन्तायें, विद्यार्थी होने पर पढ़ाई में दिलचस्पी कम।

अगस्त—इस मास मे पैसा पानी की तरह खर्च होगा और धन आने के सभी रास्ते मध्यम पड़ेंगे। घर में खर्च के अकस्मात् परोग्राम। १७ अगस्त को लग्न में बुध आने से आमदनी आरम्भ होगी।

सप्तम्बर—इस मास में प्रत्येक कार्य सर्व साधारण रूप में चलता रहेगा। नौकरी या कारोबार में किसी प्रकार की कमी या अधिकना होने की [illegible] र्थक खर्च होने के परोग्राम बनते रहेंगे, शत्रुओं से भी सावधान रहिये।

अक्टूबर—भाई बन्धु अथवा किसी मित्र से अनबन होने का योग है परन्तु दूसरे पहलुओं से यह मास लाभदायक रहेगा लाभ के साथ खर्च भी अधिक होगा, धार्मिक कामों की ओर प्रवृत्ति बनी रहेगी। अकस्मात् सतसंग का योग बने।

नवम्बर—यह मास जूं का तूं चलता रहेगा। घर के किसी मेम्बर के कारण खुशी देखने का योग बनेगा। केवल खर्च की अधिकता से कुछ परेशानी रहेगी। इस मास की २, ४, ८, १२, २८ तारीखें प्रतिकूल रहेंगी।

दसम्बर गृहस्थपक्ष से इस मास में परेशानियों का जोर रहेगा। ७ दसम्बर को धनु राशि का शुक्र आप के छटे भाव में पड़ता है, शत्रुओं से हुशियार रहिये। अपने सम्बन्धी भी शत्रुओं का सा बर्ताव करेंगे। रुके हुए काम या कारोबार और धन प्राप्ति के लिये यह मास उत्तम रहेगा।

जनवरी—यदि आप विद्यार्थी जीवन में हैं तो इस मास में बुरी संगति से बचे रहो। यह मास आप को तेज़ी से गिरावट की ओर ले जाने वाला है। यदि आप कुसंगति से बच गये तो इस मास में पढ़ा हुआ पाठ परीक्षा में सहायक होगा। नौकरी [illegible] कारोबार करने के लिये यह मास काफी दौड़ धूप

परन्तु थोड़े लाभ प्राप्ति का मास होगा।

फर्वरी– मानसिक अशान्ति इस मास में कुछ कम ही होगी मानसिक शान्ति के साधन स्वतः सिद्ध ही प्राप्त होंगे। धन प्राप्ति की दृष्टि से यह मास उत्तम रहेगा। खर्च कुछ कम होगा।

मार्च—इस मास में खर्च की अधिकता होगी। अकस्मात् नये नये खर्च करने के प्रोग्राम बनते रहेंगे। नौकरी अथवा कारोबार में उन्नति। हर प्रकार से लाभ।

कन्या राशि का वर्षफल

वर्ष के आरम्भ पर आप के ग्रहों की स्थिति ठीक नहीं है, परन्तु आगे आ कर ग्रहों का कुछ सुधार होगा। इस वर्ष निम्नलिखित बातें याद रखें :– (१) शत्रुओं से सावधान रहिये (२) बुरी संगति से बचिये (३) रविवार को दक्षिण की ओर सफर न करें (४) किसी बुजर्ग का अनादर न करें। यदि मां बाप जीवित हैं तो उन की आज्ञा के बिना कोई काम न करें। नहीं तो खतरा है। यदि आप उपरिलिखित पांच नियमों को अपनाओगे तो आपके बुरे ग्रह भी आप के अनुकूल होंगे। इस वर्ष के पहले छः मास विशेषतया आपके लिये हानिकारक होंगे, परन्तु अन्तिम छः मास हर प्रकार से लाभदायक होंगे। यदि इस वर्ष आपका जन्मदिन बुधवार को होगा तो पहले छः मास भी आप के लिये कुछ न कुछ लाभदायक ही रहेंगे। यद्यपि यह वर्ष हर प्रकार से कुछ ढीला ही है परन्तु आप का शरीर इस वर्ष चालाक और चुस्त रहेगा। दसवें शनि के प्रभाव से अकस्मात् कुछ गुप्त काम मिलने का योग भी है। १५ फर्वरी तक हर काम में संघर्ष तथा दौड़धूप के पश्चात् ही सफलता होगी। १५ फर्वरी १९७४ के पश्चात् आपकी आर्थिक स्थिति में अकस्मात् उन्नति होगी। प्रत्येक काम में सफलता होगी।

कन्या राशि का फलादेश २०३१ वि० के लिये

अप्रेल—यह मास हर प्रकार से परेशानी का होगा। गृहस्थ पक्ष से चिन्ता रहेगी। शत्रुओं का भय उन की ओर से धोखा मिलने का भी अन्देशा है। मन में बुरे तरंग उठते रहेंगे। अकस्मात् दुष्ट पुरुषों से दुचार होने का खतरा।

मई–आरम्भ किये हुए कार्य में सफलता, घर से बाहर रहने की सम्भावना। भाई बन्धुओं से अकस्मात् नाराजगी धार्मिक कामों की ओर प्रवृत्ति कम। कोई नया काम चालू करने का प्ररोग्राम परन्तु उसे अमली रूप देने में रुकावट।

जून—लाभ के लिये यह मास उत्तम है परन्तु खर्च लाभ

से अधिक होगा। गृहस्थपक्ष से मानसिक अशांति रहेगी। इस मास का पहला सप्ताह खास लाभदायक रहेगा। दूसरा सप्ताह मध्यम फलदायक होगा और अन्तिम दो सप्ताह हानिकारक होंगे।

जुलाई—घर में अकस्मात् कोई झगड़ा होने का अन्देशा है। घर में किसी मेम्बर को शरीर कष्ट का योग बनेगा। धन निरर्थक खर्च होगा। आमदनी की दृष्टि से भी यह मास कोई खास अच्छा नहीं है। इस मास में सभी गुरुवार तथा शुक्रवार आप के लिये लाभदायक होंगे।

अगस्त—बिगड़े हुए काम फिर से बिगड़ें गे। किसी भी काम में सफलता नहीं होगी अपितु रात दिन दौड़ धूप में रहना होगा। शान्ति का मांस दूसरे मास सप्तम्बर में लेना होगा। यह मास आप के लिये बहुत ही हानिकारक होगा। आवश्यक है आप अगस्त मास के आरम्भ से ही बराबर 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मन्त्र का उच्चारण किया करें।

सप्तम्बर—इस मास से आपकी दशा सुधरने की झलक दिखाई देगी। हर आरम्भ किये हुए काम में सफलता होगी, घर के हालात में कोई परिवर्तन होगा नहीं। यदि आमदनी में कोई वृद्धि न भी होगी तो भी खर्च में कोई कमी न होगी, आप को इस मास में तंगदस्ती से सामना होगा।

अक्टूबर—शरीर सुख, अच्छे विचार, आमदनी उत्तम, खर्च कम, अच्छे पुरुषों से मिलाप, गृहस्थ सुख। भाईबन्धुओं की ओर से मानसिक शान्ति, हर कार्य में सफलता।

नवम्बर—मानसिक चंचलता देने वाले साधन अकस्मात् प्रकट होंगे। आर्थिक स्थिति इस मास कुछ ठीक रहेगी। परन्तु खर्च के द्वार भी विशाल होंगे। धार्मिक कामों में भी लगन रहेगी।

दसम्बर घर बैठे कोई शुभ सन्देश मिले। नौकरी पेशा होने पर अकस्मात् तर्की का योग बने। कोई शुभ काम करने का परोग्राम बने। आमदनी कम होने पर भी यह मास मानसिक शांति का होगा। इस मास के २, ४, ६ आदि युग्म (जुफ्त) तिथियां लाभदायक रहेंगी।

जनवरी—नये वर्ष का यह पहला मास आप के लिये शुभ सन्देश लाये गा। प्रत्येक काम स्वतः सिद्ध सुधरता जायेगा। आमदनी में अकस्मात् वृद्धि होगी। आदर मान मिलेगा। अच्छे पुरुषों की संगती होगी।

फर्वरी—१५ फर्वरी से आप का बृहस्पति अच्छी स्थिति में होगा। गृहस्थपक्ष से विशेष शांति। यदि कोई घरेलू चिन्ता होगी, तो वह अवश्य दूर होगी, प्रत्येक काम आप के अनुकूल होगा।

मार्च—१२ मार्च से बृहस्पति अस्त होगा जो आपके शरीर के भाव को देख रहा है इस के प्रभाव से १२ मार्च के पश्चात् शरीर कष्ट का अन्देशा तथा स्त्री को भी शरीर कष्ट का योग है। इस मास का पहला डेढ सप्ताह हर दृष्टि से उत्तम रहेगा। अन्तिम सप्ताह हानिकारक होगा। आप नित्यप्रति गायत्री मन्त्र का जाप किया करें, जो आपकी कामनायें पूर्ण करने का साधन है।

तुला राशि का वर्षफल

गत वर्ष की अपेक्षा यह वर्ष आप के लिये लाभदायक तथा शान्तिप्रद होगा। यदि आपके पुत्र हैं तो निश्चय रखिये यह वर्ष उनके भविष्य को बनाने वाला होगा; यदि आप विद्यार्थी हैं तो आप थोड़ा सा परिश्रम कीजिये फल अधिक मिलेगा। यदि आप थर्ड डिविजन की आशा में हैं तो सैकंड डिविजन में पास हो जाओ गे। यदि सैकण्ड डिविजन की आशा रखते हैं तो प्रथम डिविजन में पास होने का विश्वास रखिये केवल आप के परिश्रम की आवश्यकता है। यदि आप हाथ पर हाथ रख कर बैठ गये तो पांचवां बृहस्पति भी आपके उल्ट होगा, शत्रुओं का ज़ोर रहेगा। इस विषय में आप को चौकस रहना चाहिये, मंगल और केतु आठवां होना शरीर में अकस्मात् चोट अथवा स्त्री के शरीर कष्ट का सूचक है। जिस का उपाय है कि आप हर मंगलवार को तहर बना कर पक्षियों को डाला करें, आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा और जितना पैसा आप का खर्च होगा सार्थक होगा। यदि आप इस वर्ष तामीरी काम का परोग्राम बनायें गे तो वह परोग्राम बहुत देर तक लटकता रहेगा।

तुला राशि का मासिक फलादेश

अप्रेल—इस मास में आप की बुद्धि हर काम को सफल बनाने में रामबाण का काम देगी, प्रायः कामों में आप सफल रहेंगे। आदर मान की दृष्टि से भी यह मास उत्तम रहेगा।

मई—यह मास भी हर दृष्टि से सफलता का होगा, गृहस्थ पक्ष से मानसिक शान्ति रहेगी। अच्छे अच्छे पुरुषों से मिलाप किसी शुभ कार्य को रचाने का परोग्राम।

जून—यह मास हर दृष्टि से मध्यम तथा डांवांडोल होगा, कभी मानसिक अशांति और कभी शारिरक अशांति रहेगी। कभी लाभ और कभी हानि रहेगी। यह मास परेशानी का ही होगा। इस मास का पहला सप्ताह तथा अन्तिम सप्ताह परेशानी का होगा।

जुलाई—अकस्मात अच्छे पुरुषों की संगति में बैठने का

अवसर मिले। शुभकार्य रचाने के बनाये गये परोग्राम झटपट कार्यरूप में परिणत होंगे। इस मास में आमनी हद से भी ज़्यादा होगी।

अगस्त—दौड़धूप अधिक, आमदनी में रुकावट। गृहस्थ सुख उत्तम, आदर में वृद्धि, शरीर सुख उत्तम, घर के किसी मेम्बर की ओर से मन को शान्ति मिलने का योग, इस मास की १, ३, ७, ६, १७, १९, २१ तारीखें विशेषतया लाभदायक होंगी।

सप्तम्बर—हर काम में उलझन, धन का फजूल खर्च। संघर्ष अधिक, कोई नया काम आरम्भ करने का बिचार और उस में बाधा। इस मास का हर शनिवार हानिकारक रहेगा।

अक्टूबर—कारोबार, रोज़गार अथवा नोकरी में वृद्धि अथवा उन्नति होगी। यात्रा की सम्भावना और वह भी आप के लिये लाभदायक रहेगी। यह मास हर दृष्टि, से अच्छी प्रकार व्यतीत होगा।

नवम्बर—किसी परेशानी का अकस्मात् सामना करना होगा। आप के परिवार के लिये भी परेशानी का कारण बनेगा आप के लिये योग्य है कि आप वैष्णव रह कर प्रातः गायत्री मन्त्र का जप यथा सम्भव करें, आमदनी खर्च इस मास बराबर रहेंगे। यह मास धीरज से गुज़ारना होगा।

दसम्बर—इस मास में हर प्रकार से शान्ति रहेगी, आर्थिक तथा घरेलू हालात आप के अनुकूल होंगे। भाई बन्धुओं और रिश्तेदारों में सम्मान बढ़ेगा।

जनवरी—नये वर्ष का नया मास आप के लिये शुभ सन्देश लेकर आया है। आप की सभी कामनायें आने वाले तीन मासों में अवश्य पूरी होंगी। यदि आप नौकरी पेशा हैं या विद्यार्थी तो आप के लिये यह आवश्यक है नित्य प्रति किसी वृद्ध या अपने माता पिता के चरणों का स्पर्श करें।

फर्वरी—यह मास हर दृष्टि से हानिकारक है। चुगलखोरों से सावधान रहें। अकस्मात् कोई झगड़ा खड़ा होगा। भाई बन्धुओं के साथ भी तकरार रहे।

मार्च—इस मास में घरेलू हालात ठीक नहीं रहेंगे, दरबार तथा कारोबार में बाधा का मास है परन्तु आदर और मान उत्तम। आमदन में भी कोई रुकावट नहीं होगी।

वृश्चिक राशि का वर्षफल

आरम्भ पर ही ग्रहों की स्थिति ठीक न होने से यह वर्ष आप के लिये सर्व साधारण रूप से उलझनों का वर्ष होगा। कारोबार या नौकरी के दृष्टिकोण से यह वर्ष उत्तम है परन्तु घरेलू हालात ठीक नहीं रहेंगे। बुध और बृहस्पति के प्रभाव

से तामीरी कामों की ओर प्रवृत्ति रहेगी साथ ही साथ सफलता का भी योग है। मातृपक्ष पितृपक्ष दोनों पक्षों से आप को लाभ तथा मानसिक शांति मिलेगी। सन्तानपक्ष से कोई शुभ सन्देश या किसी शुभ काम की आशा मत रखिये, भाई बन्धुओं रिश्तेदारों और मित्रों से भी इस वर्ष सावधान ही रहिये। किसी पक्ष से कोई लाभ प्राप्त होने की आशा न रखें, बलिक कुछ न कुछ हानि की ही सम्भावना है। यह वर्ष दौड़ धूप के चक्र में ही आप को व्यतीत होगा वर्ष के अन्त में लाभ और हानि एक जैसा दिखाई देगा। शरीर सुख भी डांवांडोल रहेगा। सामूहिक रूप से यह वर्ष आप के लिये कोई विशेष शान्ति दायक नहीं होगा।

वृश्चिक राशि का मासिक फलादेश

अप्रेल—संघर्ष तथा दौड़धूप अधिक, परन्तु लाभ कम शरीर कष्ट। किसी सम्बन्धी अथवा स्त्री को शरीर कष्ट होने से मानसिक अशान्ति रहेगी। इस मास का अन्तिम सप्ताह विशेषतया हानिकारक रहेगा।

मई—प्रत्येक कार्य यथाक्रम चलता रहेगा। आमदनी लाभ मध्यम, घर में अतिथियों का आना जाना। भाई बन्धुओं और रिश्तेदारों से मेल मिलाप, दूसरा सप्ताह लाभदायक रहेगा।

जून—किसी शुभ कार्य में धन खर्च। अच्छे पुरुषों से अकस्मात् मिलाप। अकस्मात् सत्संग का अवसर मिले। धार्मिक कामों की ओर प्रवृत्ति बढे। यदि आप विद्यार्थी हैं तो पढ़ाई की ओर ध्यान दें। यह मास ही परीक्षा में सफलता देने का कारण बनेगा।

जुलाई—घर में कोई मंगल कार्य रचाने का परोग्राम बने, शरीर सुख उत्तम रहे, भाई बन्धुओं और रिश्तेदारों से प्रेम तथा मेल मिलाप का मास है, खर्च की अधिकता होगी।

अगस्त—हर आरम्भ किये हुये कार्य में अकस्मात् रुकावट पड़ने की सम्भावना है। बना बनाया काम रुक जायेगा। शरीर सुख उत्तम रहने पर भी मानसिक चंचलता बनी रहेगी, इस मास का तीसरा सप्ताह हानिकारक है।

सप्तम्बर—यह मास भी आशा और निराशा में ही गुज़रे कोई कार्य सुधरेगा ही नहीं और न सफल होने की कोई सम्भावना है। घर में भी कई नई नई समस्यायें खड़ी होती रहेंगी। इस मास का पहला और अन्तिम सप्ताह हानिकारक होगा।

अक्टूबर—प्रत्येक आरम्भ किया हुआ कार्य उलझनों के पश्चात् ही सफल होगा। अकस्मात कोई गुप्त चिन्ता खड़ी

होगी। धन की कमी खर्च की अधिकता। मित्रों से मेल मिलाप। यात्रा की सम्भावना।

नवम्बर—मानसिक चंचलता में अधिकता, खर्च की भरमार आमदनी में कमी। भाई बन्धुओं अथवा रिश्तेदारों से नराज़गी। शत्रुओं का भय, यह मास हर दृष्टि से कमज़ोर ही रहे गा।

दसम्बर—अच्छे अच्छे पुरुषों से मेल मिलाप का अवसर मिलेगा। अच्छी संगती अकस्मात् प्राप्त होगी, धार्मिक या अच्छे कामों में धन का बहुत सा भाग खर्च करने का योग है।

जनवरी—घर बैठे ही अकस्मात् रुके कामों में सुधार होगा। अच्छे कामों में धन का सार्थक खर्च होगा। कारोबार अथवा नौकरी में अकस्मात् तर्की का योग बने गा।

फर्वरी—बने हुए काम बिगड़ने का अन्देशा है। आदर में कमी। धन का निर्थक खर्च, यह सब कुछ होते हुये भी शरीर सुख उत्तम रहेगा। आमदनी खर्च से अधिक होगी।

मार्च—इस मास में भाई बन्धुओं से सम्बन्ध में वृद्धि होगी, घरेलू परेशानियों में कमी। अच्छे कामों में धन का खर्च। घर में कोई शुभ कार्य। इस मास का अन्तिम सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

धनु राशि का वर्षफल

वर्ष के आरम्भ पर ग्रहों की स्थिति सर्वसाधारण होने पर भी आगे जा कर ग्रहचाल आप के अनुकूल होगी जिस के प्रभाव से यह वर्ष कारोबार रोज़गार तथा नौकरी में वृद्धि और तर्की देने वाला होगा, इस वर्ष में कोई भी विरोधी या शत्रु आप का सामना न कर सकेगा, बल्कि ग्रहचाल के अनुसार आप को इस वर्ष शत्रुनाशक योग पड़ा है। यदि आप इस वर्ष में कोई तामीरी काम आरम्भ करेंगे तो बहुत परिश्रम और कोशिश करने पर भी उसे पूरा न कर सकें गे, भाई बन्धुओं और रिश्तेदारों के साथ प्रेम में अधिकता, सातवां शनि वर्षभर आप के लिये घरेलू चिन्ता का सूचक होगा। आपके लिये आवश्यक है कि हर शनिवार को तहर वना कर पक्षियों को डाला करें। इस वर्ष ऐसा भी सम्भव है कि परोग्राम छोटी मोटी यात्रा का भी बने गा, जो आपके लिये आरम्भ में हानिकारक परन्तु अन्त में लाभदायक बने। आमदनी और खर्च सामूहिक रूप से एक जैसा रहेगा। कोई हर्ष महोत्सव देखने का अवसर मिलेगा।

धनु राशि का फलादेश २०३१ वि० के लिये

अप्रेल—यह मास दौड़ धूप का है। कोई भी कार्य सन्तोष-

जनक रूप में सिद्ध नहीं होगा । आमदनी के साधन ढीले होंगे, घर में साधारण गृहस्थी परेशानियां रहेंगी ।

मई—यह मास हर प्रकार से लाभदायक रहेगा । शरीर सुख उत्तम, गृहस्थ के हालात जूं के तूं रहेंगे । आदर व मान की दृष्टि से यह मास उत्तम है । जिस कार्य में दिलचस्पी लोगे सफलता मिलेगी ।

जून—नौकरी अथवा कारोबार में बाधा । किसी परेशानी का अकस्मात सामना करना पड़ेगा । धन निरर्थक खर्च होगा दोस्तों और सम्बन्धियों से अकस्मात बिगाड़ । आमदनी में भी कुछ वृद्धि होगी ।

जुलाई—हर काम में इच्छानुसार सफलता । काम की अधिकता, आमदनी उत्तम, खर्च अधिक, घर के किसी सदस्य की और से मानसिक शान्ति । अच्छे कामों में धन का खर्च होगा ।

अगस्त—बहुत समय से रुके हुए कामों में सफलता की आशा । बिगड़े कामों में सुधार होगा । प्रायः प्रत्येक कार्य से दिलचस्पी, आमदन और खर्च एक जैसा रहेगा । इस मास का दूसरा सप्ताह लाभदायक होगा ।

सप्तम्बर—कोई नई समस्या आने का योग । प्रायः हर उलझन में सफलता । आर्थिक स्थिति इस मास ठीक रहने पर भी खर्च का योग अधिक बलवान है । इस मास की १, ३, ५, १७, १८ और १९ तिथियां विशेषतया लाभदायक रहेंगी ।

अक्टूबर—चोट का भय, अकस्मात् कोई चिन्ता । गृहस्थ की परेशानियों में अधिकता । खर्च में वृद्धि । आमदनी भी बिल्कुल कम, घर में अतिथियों का यातायात जोरों पर रहेगा इस मास का दूसरा सप्ताह हानिकारक होगा ।

नवम्बर—हर प्रकार से मानसिक शान्ति । हर काम में सफलता । भाई बन्धुओं से सम्बन्ध में वृद्धि । सन्तान अथवा गृहस्थ पक्ष से विशेष शान्ति रहेगी । इस मास की जुफ्त तारोखें २, ४, ६ आदि लाभदायक रहेंगी ।

दसम्बर—बहुत समय से हाथ में आया हुआ काम हाथ से निकल जाने की सम्भावना, हर प्रकार से दौड़धूप का मास है परन्तु आमदनी के लिये उत्तम है, इस मास में नौकरी अथवा कारोबार में कोई कमी या अधिकता होने का योग है ।

जनवरी—दरबार में अकस्मात् कोई वृद्धि अथवा कारोबार में अकस्मात् तबदीली का प्रोग्राम, जो आप के लिये बहुत लाभदायक रहेगा । आमदनी और खर्च एक जैसा रहेगा, शुभकामों में खर्च ।

फर्वरी—यह मास हर प्रकार से सुख और शान्ति का मास

है, हर आरम्भ किये हुए कार्य में सफलता। भाई बन्धुओं में आदर। अच्छे कामों से लगन, इस मास की ३, १३, १४, १९, २१, २२, २३, २५ तारीखें लाभदायक होंगी।

मार्च—गृहस्थपक्ष से साधारण सी परेशानी, शरीर सुख उत्तम। नौकरी अथवा कारोबार के लिये यह मास उत्तम है, अच्छे पुरुषों से संगति, आमदनी उत्तम, खर्च में कुछ कमी होगी। मास के अन्त में हानि। "सर्वाबाधा" मन्त्र का रोज जप किया करें।

मकर राशि का वर्षफल

वर्ष के आरम्भ पर ग्रहों की स्थिति मध्यम होने से यह वर्ष भी हर प्रकार से आप के लिये मध्यम ही होगा। धन की दृष्ठि से यह वर्ष नहीं के बराबर होगा। आमदनी इतनी सीमित रहेगी कि आप अपना खर्च भी कठिनता से पूरा करोगे। नौकरी पेशा होने पर आप नौकरी के विषय में भी प्राय: चिन्तित रहेंगे। यदि आप तिजारत पेशा हैं तो किसी भी काम में आप को इच्छानुसार लाभ नहीं होगा। घरेलू हालात भी अशान्त रहेंगे, यदि आपके पुत्र हों तो उन से भी परेशान रहोगे। यदि आप विद्यार्थी हैं तो परिश्रम कीजिये नहीं तो सफल होने की कोई [illegible] नहीं। [illegible] अकस्मात् कोई यात्रा करने का अवसर मिले इस वर्ष आमदनी कम होगी पर लग्न में शुक्र के कारण घर में कोई शुभ मंगल रचाने का प्रोग्राम बने।

मकर राशि का मासिक फलादेश

अप्रेल—हर काम में रुकावट के पश्चात् ही सफलता होगी खर्च अधिक होगा परन्तु आमदनी कम होगी। गृहस्थ के हालात आपको बेचैन रखेंगे। इस मास का अन्तिम सप्ताह आप के लिये हानिकारक रहेगा।

मई—खर्च की अधिकता, आमदनी में कमी परन्तु आदर मान के लिये यह मास उत्तम रहेगा। अच्छे पुरुषों से अकस्मात् मिलने का अवसर मिलेगा। शरीर सुख भी उत्तम रहेगा। गृहस्थ से कुछ शान्ति रहेगी।

जून—दोस्तों भाई बन्धुओं से मिलाप, अच्छे कार्यों में धन का खर्च, इच्छानुसार आमदनी, कोई नया कार्य आरम्भ हो, उस में सफलता। यह मास हर दृष्टि से उत्तम रहेगा। इस मास की ३, १३, १४, १५, २१ और २७ तारीखें लाभदायक होंगी।

जुलाई—यह मास हर दृष्टि से ढांवाढोल रहेगा। कोई [illegible] सिद्ध नहीं होगा, शारीरिक अवस्था

भी कुछ ढीली रहेगी, घरेलू हालात भी असन्तोषजनक होंगे, केवल इस मास का पहला सप्ताह कुछ ठीक रहेगा।

अगस्त – किसी अच्छे परोग्राम के करने में सफलता होगी, अकस्मात् किसी कुसंगति में फंसने का अन्देशा। आमदनी के लिये यह मास उत्तम रहेगा परन्तु खर्च भी हद से ज़्यादा होगा।

सप्तम्बर—घर बैठे अकस्मात् कार्य सिद्धि, परन्तु थोड़ा सा परिश्रम स्वयं अवश्य करें। तामीरी कामों से दिलचस्पी, घरेलू परेशानियों से मानसिक अशान्ति। इस मास की १२, १३, १४, १५, २१, २२ और २९ तारीखें लाभदायक होंगी।

अक्टूबर—इस मास में हाथ पर हाथ धर कर रहना होगा, किसी भी कार्य से दिलचस्पी नहीं होगी बल्कि बने हुए कामों से भी घृणा होगी। आवश्यक है कि आप इस मास के आरम्भ से ही नित्य "बहुरूपगर्भ" का पाठ किया करें। आप प्रत्यक्ष देखें गे इस छोटे पाठ से आप के सभी काम सुधर जायेंगे और मनोकामनायें सिद्ध होंगी।

नवम्बर—मानसिक चंचलता अधिक, खर्च अधिक, आमदनी अधिक, घरेलू परेशानियों में अधिकता। धार्मिक प्रवृत्ति अधिक, मिज़ाज में तेज़ी, दौड़धूप अधिक। शत्रुओं से भय, दोस्तों से मिलाप।

दसम्बर—इस मास में किसी नज़दीकी सम्बन्धी की परेशानी, विशेषतया अपने माता पिता की ओर से सावधान रहिये, खर्च की अधिकता इस मास में जोरों पर रहेगी परन्तु उसकी पूर्ति दूसरे मास में होने का योग है। ऐसे तो आदर मान के लिये यह मास उत्तम रहेगा।

जनवरी—आमदनी की दृष्टि से यह मास उत्तम है अकस्मात् कोई लाभ मिलने का योग है। अच्छे कामों में खर्च करने का परोग्राम बने, नौकरी या कारोबार में वृद्धि और आशायें पूर्ण होंगी।

फर्वरी—यह मास सर्वसाधारण रहेगा, परन्तु मानसिक शान्ति रहेगी। आमदनी खर्च एक जैसा होगा, शरीर सुख उत्तम रहेगा, गृहस्थ सुख मध्यम, इस मास की २१, २३, तारीखों पर सावधान रहिये क्योंकि इन दो तारीखों पर हानि का योग है।

मार्च—यह मास दौडधूप का होगा, आमदनी की दृष्टि से कमज़ोर रहेगा, शरीर सुख मध्यम, भाई बन्धुओं से भी साधारण सी मानसिक अशान्ति रहेगी। इस मास में किसी यात्रा का कोई विशेष परोग्राम न बनायें।

कुम्भ राशि का वर्षफल

बृहस्पति और बुध आपके गोचर से लग्न में है जो आप

के शरीर की रक्षा करने में सहायक होंगे और शरीर रक्षा के साथ आप के शान व मान की रक्षा करेंगे। बृहस्पति अनुकूल होने पर भी मंगल और शनि इस वर्ष आप के प्रतिकूल रहेंगे, यह दोनों ग्रह इस वर्ष को आपके लिये उलझनों का वर्ष बनाने में कोई कसर बाकी न छोड़ें गे। कोई भी काम थोड़े से परिश्रम से सिद्ध नहीं होगा। इस लिये आप हिम्मत और सरतोड़ कोशिश से आगे बढ़ें और बृहस्पति के बल को बढायें, बृहस्पति का बल बड़ाने के लिए आवश्यक है कि आप हर प्रकार की बुरी संगति से बचें और विशेषतया सात्विक भोजन का प्रयोग करें यदि हो सके तो पूरी तरह वैष्णव रहें। शनि के प्रभाव से घरेलू खास कर सन्तानपक्ष से भी आपको कुछ न कुछ अशान्ति बनी रहेगी। यदि आप विद्यार्थी हैं तो आप को इस वर्ष सखत परिश्रम करने की आवश्यकता है यद्यपि

मंगल के प्रभाव से आप में पहले पहल ढीलापन रहे गा परन्तु विश्वास रखिये अन्त में सफलता अवश्य होगी क्यों कि बृहस्पति आपके पांचवें स्थान को देखता है जो आपके उद्योग को सफल बनाने में सहायक होगा।

कुम्भ राशि का फलादेश २०३१ वि० के लिये

अप्रैल—यह मास आप के लिये यद्यपि उत्तम ही नहीं है परन्तु हानि या किसी खास परेशानी का भी नहीं है। इस मास के २, १३, १८, २७, २९ तारीखें आप के लिये लाभदायक हैं।

मई—यह मास भी कुछ कमजोर सा रहेगा, आमदनी कम खर्च की अधिकता परन्तु खर्च शुभ कामों पर होगा, हानि का कोई अन्देशा नहीं, इस मास के अन्त में लाभ मिलने की सम्भावना है। भाई बन्धु और दोस्तों से मेलजोल भी अच्छा ही रहेगा।

—यह मास दौड़धूप में ही गुज़रे गा, कोई भी कार्य सन्तोषजनक रूप से सिद्ध नहीं होगा। खर्च की अधिकता और आमदनी में कमी रहेगी। बनाये हुए परोग्रामों में बाधा।

जुलाई—इस मास के पहले १८ दिन हर दृष्टि से आपके अनुकूल रहेंगे। आदर मान तथा शरीर सुख उत्तम रहेगा। हर काम में सफलता होगी, परन्तु १९ जुलाई से आप को गोचर में सातवां मंगल आ रहा है जो आप के लिये अवश्य परेशानी का कारण बनेगा।

अगस्त—इस मास में शरीर की कमज़ोरी के अतिरिक्त मानसिक चिन्ता भी रहेगी। सुख के साधन प्राप्त करने में अकस्मात् कोई विघ्न पड़ेगा। सिर अथवा आंखों में तकलीफ का अन्देशा है।

सप्तम्बर—सन्तान सुख अथवा विद्या के पठन पाठन में रुकावट, पढ़ने की सम्भावना है। शरीर सुख उत्तम रहेगा। घर के किसी मेम्बर अथवा नज़दीकी रिश्तेदार से परेशानी मिले गी।

अक्तूबर—इस मास के पहले २३ दिन अच्छे गुज़रेंगे। अन्तिम सप्ताह में आप सावधान रहिये, क्योंकि इस सप्ताह में हानि की सम्भावना है; शरीर कष्ट और घरेलू परेशानी का भी योग है।

नवम्बर— आप बुरी संगती से बचने का यत्न करें। यदि आप ऐसा करेंगे तो यह मास आपके लिये महत्व का होगा, इस मास में पैसे की बहुतात रहेगी।

दसम्बर—काम धंधे में दिलचस्पी बनी रहेगी। शरीर सुख उत्तम रहेगा, आमदनी भी खर्च के अनुसार होगी, कोई शुभ काम रचाने का परोग्राम बनेगा, इस मास का दूसरा सप्ताह लाभदायक होगा।

जनवरी—आर्थिक दशा सुधरेगी, शरीर सुख उत्तम रहेगा भाई बन्धुओं से मिलाप तथा प्रेम बढ़ेगा। यह मास आप के लिये खास लाभदायक होगा, अन्तिम और पहला सप्ताह लाभदायक होगा।

फर्वरी—गृहस्थ सुख में कमी होने के अतिरिक्त शरीर सुख भी मध्यम होगा और अशान्ति का कारण बनेगा, आमदनी मध्यम, शुभ कामों पर ही धन का ख़र्च होगा।

मार्च—कोई नया काम करने की योजना इस मास में न बनायें। हाथ में आया हुआ काम भी हाथ से निकल जाने की सम्भावना है। यह मास हर दृष्टि से प्रतिकूल रहेगा। आवश्यक है आप प्रायः "सर्वमंगले" इत्यादि मन्त्र का नित्य उच्चारण करें ऐसा करने से बिगड़े काम भी सुधर जायेंगे और अशान्ति शान्ति में बदल जायेगी।

मीन राशि का वर्षफल

इस वर्ष आप के ग्रह आप के अनुकूल रहेंगे, शरीर सुख उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ भी उत्तम रहेगा, अच्छे कामों से धन मिले और शुभकामों पर खर्च का प्ररोग्राम बनेगा भाई बन्धुओं तथा दोस्तों के साथ मेल मिलाप बढेगा। नौकरी पेशा होने पर तर्की का योग, आठवां राहु होने से तबदीली परेशानी परन्तु अन्त में शान्ति। तिजारत में लाभ, आपकी शान में वृद्धि का वर्ष है।

मीन राशि का मासिक फलादेश

अप्रेल—हर प्रकार से मानसिक शान्ति, हर काम में सफलता, गृहस्थ तथा माता की ओर से मानसिक शान्ति।

मई—शरीर में गर्मी अथवा सिर में दर्द, भाई बन्धुओं से नाराजगी। अयोग्य कामों में फंसाव, दौड़धूप अधिक, लाभ कम खर्च अधिक।

जून हर प्रकार से लाभदायक मास है शुभ परोग्राम के तरंग, केवल अन्तिम सप्ताह में थोड़ी से परेशानी।

जुलाई—मानसिक शान्ति और सफलता के लिये शुभ मास, सभी उलझनें सुलझें। शुभ साधनों से आमदनी।

अगस्त—इस मास में जरा हुशयारी से काम लें, चुगलखोरों से बचें, बिना किसी कारण के झगड़ा होने का अन्देशा आदर मान व लाभ के लिये उत्तम मास है।

सप्तम्बर—उलझन और परेशानी, गृहस्थ की चिन्ता, धन में कमी खर्च अधिक, बार बार "ॐ नमः शिवाय" मन्त्र का उच्चारण किया करें।

अक्टूबर—धन का अधिक भाग खानपान पर खर्च होगा अतिथियों का आगमन अधिक, आमदनी के साधनों में अकस्मात् वृद्धि, शरीर सुख उत्तम रहेगा, सन्तान पक्ष अथवा गृहस्थपक्ष से शान्ति रहेगी।

नवम्बर—आमदनी मध्यम खर्च भी कम, भाई बन्धुओं, दोस्तों, अफसरों से मिलने में...

दसम्बर—हर काम में तेजी, दिनरात काम करने की लगन, नई नई सकीमें, हर प्रकार से सफलता।

जनवरी—शरीर में चुस्ती, नई लगन और नई उमंगें हर काम में सफलता। इस मास का तीसरा सप्ताह विशेष लाभदायक होगा।

फर्वरी—भाई बन्धुओं तथा मित्रों से मिलाप, शुभ काम करने के परोग्राम, अच्छी कमाई से धन मिले, शुभ कामों में खर्च। इस मास की ३, १२, १३, १४, १७, १८, १९ तारीखें खास लाभदायक रहेंगी।

मार्च—१८ मार्च तक आप के लिये सुखशान्ति का मास है, इस के पश्चात् बृहस्पति बारहवें भाव में आ रहा है, यह योग आपकी आर्थिक दशा पर बुरा प्रभाव डालेगा। निरर्थक खर्च अथवा हानि की सम्भावना है।

साढ़सती

वृष, मिथुन, कर्क राशि वालों के लिये

(२०३१ में साढसती का प्रभाव)

वृष—वृषराशि की साढसती ९ चैत्र २०२५ विक्रमी से आरम्भ हुई है। २०३१, १९ आषाढ तक साढसती वृषराशि वालों को बायें हाथ पर ठहरेगी, यह समय आपके लिये उत्तम तथा शुभ फलदायक ही होगा, आप की प्रवृत्ति शुभ

कामों की ओर लगी रहेगी, घर में कोई मंगल कार्य रचाने का परोग्राम बने, यदि आप नौकरी करते हैं तो इस समय में उन्नत्ति का कोई सिलसिला बने। यदि आप तिजारत पेशा हैं तो आपको अकस्मात् लाभ होगा। यदि आप विद्यार्थी हैं तो इस समय में शनि आपके अनुकूल है, आप परिश्रम कीजिये आशा से अधिक सफलता अवश्य होगी। इस सुनहरी चानस को हाथ से मत जाने दीजिये।

२०३१, १९ आषाढ से २०३२, ६ फाल्गुण तक पावों पर साढसती का निवास है जो हर प्रकार से हानिकारक तथा दूषित माना गया है, यह एक वर्ष और आठ मास आप को दौड़धूप तथा अशान्ति में ही व्यतीत होगा। १३ कतक तक शनि का प्रभाव आप पर विशेष हानिकारक होगा, १३ कतक के बाद शनि वक्री होगा जो वक्री हो कर गोचर से आपके भाग्यस्थान ग्यारवें और दसवें घर को प्रभावित करके देख रहा है, इस योग का प्रभाव इस वर्ष २०३१ के अन्त तक वृष राशि वालों को हर दृष्टि से लाभदायक होगा, आर्थिक, शारीरिक, घरेलू तथा पठन पाठन सम्बर्धित हर काम में शान व मान से सफलता होगी। यदि जन्मकुण्डली से भी आपका शनि तीसरे, छटे, दसवें और ग्यारवें भाव में हो तो नोट कीजिये कि १३ कतक के बाद यह समय सुखशांति से गुज़रेगा

———

<u>मिथुन</u>—२०२८, २० वैशाख से आपकी साढसती आरम्भ हुई है, इस बर्ष २०३१ के आरम्भ से अन्त तक साढसती का निवास हृदय पर होगा, ऐसे तो हृदय पर साढसती का होना शुभ फलदायक ही होता है। २७ चैत्र ६ अप्रेल से २८ ज्येष्ठ ३१ मई तक शनि और मंगल का मिथुन राशि में योग होगा। यह समय इस वर्ष हर प्रकार से हानिकारक तथा कष्टदायक होगा। १८ ज्येष्ठ से शनि का प्रभाव वर्ष के अन्त तक सामूहिक रूप से अच्छा रहेगा। विशेषतया २८ श्रावण से जब कि शनि अकेला ही मिथुन राशि में ठहरेगा। आप साढसती के नाम से घबरायें नहीं, यह समय आप के लिये बहुत ही लाभदायक रहेगा, हर काम में थोड़ा बहुत परिश्रम करने से ही सफलता मिलेगी, मंगलकार्य रचाने के परोग्राम बनेंगे। यदि हो सके तो नित्य "बहुरूपगर्भ" का पाठ करें यदि ऐसा न हो सके तो निम्नलिखित मन्त्र का जप नित्य कम से कम १०८ बार करें: "नमामि त्वां महा देवं महाभयविनाशनं, महादुर्गप्रशमनं महाकारुण्यरूपिणम्।"

<u>कर्कराशि</u>—२०३०, २६ चैत्र से आप को साढसती ६

मास २० दिन के लिये गुह्यस्थान पर रहेगी। यह योग अनिष्ठ फलदायक का सूचक है । यदि आप का शनि जन्मपत्री से अच्छी स्थिति में भी है परन्तु ऐसा होने पर भी आप पर शनि देवता प्रभाव डाले बिना नहीं रहेगा, इस लिये हर प्रकार की परेशानी सहन करने के लिये तयार रहें। आप "महिम्न स्तोत्र" का नित्य पाठ करें या 'नमोस्तु भगवति । मातरस्मान् पाहि सर्वतः" मन्त्र का बार बार उच्चारण किया करें, २०३१ १६ कतक के पश्चात् साढसती का निवास १० मास के लिये सिर पर होगा। ज्योतिष फलित के आधार से यह योग कुछ अच्छा माना गया है।



आय व्यय चक्र —		मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	वृं	धं	म	कुं	मी
राशि	आय -	८	२	८	२	५	८	२	८	५	१४	१४	५
	व्यय -	५	१४	११	८	५	११	१४	५	११	११	११	११

आमदनी और व्यय के अङ्कों को जोड़ के एक कम करें और शेष को ८ से भाग दीजिये यदि शेष एक बचे तो इस वर्ष में हर प्रकार से सुख शान्ति, नौकरी कारोबार अथवा जिस काम में आप का हाथ होगा अवश्य लाभ होगा, अच्छे पुरुषों से मेल मिलाप और अच्छे अच्छे कार्यों में धन का सार्थक व्यय होगा यह वर्ष मानिये आप के जीवन का एक प्रकार का सुनहरी वर्ष होगा बहुत समय से रुकी हुई कामनायें इस वर्ष में बिना किसी रुकावट के पूर्ण होंगी, आदर मान तथा शरीर सुख के लिये भी यह वर्ष उत्तम रहेगा यह सभी फलादेश आप पर तभी पूरा उतरे गा जब आप इस वर्ष के आरम्भ से ही इस जन्त्री के मुखपृष्ठों पर दर्ज नित्य प्रार्थनाविधि का पूर्णरूप से नित्यप्रति पाठ किया करेंगे । २ बचे तो जिन सुख और शान्ति की आशाओं की आप देर से प्रतीक्षा कर रहे थे वे सभी आशाएं इस वर्ष अवश्य पूर्ण होंगी, प्रत्येक कार्य में सफलता के साथ साथ लाभ तथा आदर मिलेगा, तामीरी कामों में अथवा अच्छे अच्छे उत्सवों पर धन का सार्थक व्यय होगा, यह फलादेश आप पर अवश्य पूरा उतरेगा परन्तु जब आप नित्यप्रति बज़ुर्गों ... कर माता पिता के चरणों का स्पर्श करके उनसे आशीर्वाद

प्राप्त करेंगे। यदि शेष ३ बचे तो यह वर्ष शारीरिक रूप में आप के लिये हानिकारक रहेगा। हर आरम्भ किये हुए कार्य में रुकावट, यदि किसी काम में दैवयोग से सफलता होगी भी वह भी बहुत सी उलझनों का मुकालबा करने के पश्चात् ही होगी, मित्र भी शत्रु बनने का योग है, घरेलू परेशानियां भी रहें गी, वर्ष के अन्तिम तीसरे भाग में अकस्मात् हानि तथा चोट का भय इन सभी कष्टों से बचने का एक मात्र उपाय है आप नित्यप्रति भवानी नाम सहस्र का पाठ किया करें यदि ऐसा न हो सके तो नियम से 'इन्द्राक्षी' का दशांश किया करें। यदि शेष ४ बचे तो यह वर्ष आप के लिये संघर्ष तथा दौड़-धूप का ही वर्ष होगा, हर आरम्भ किये हुये कार्य में उलझनें, प्रायः प्रत्येक कार्य में असफलता, स्थान तबदीली, घरेलू चिन्तायें अधिक, मित्र भी शत्रु बनें गे, आमदनी का अभाव, यदि आप इन सभी कष्टों से बचना चाहते हैं तो आप वैष्णव रह कर जन्त्री के मुख पृष्टों पर दर्ज "देवी प्रार्थना" नित्यप्रति प्रातः उठ कर किया करें। शेष ५ बचने पर कारोबार में अकस्मात् रुकावट, बहुत परिश्रम करने पर ही कुछ सफलता मिलेगी, वर्ष का पहला और अन्तिम चौथा भाग विशेष हानिकारक रहेगा, घरेलू परेशानियां भी ज़ोर पकड़ेंगी, मित्र भी शत्रु बनें गे, यानी यह वर्ष आप के लिये हर प्रकार से हानिकारक रहेगा, परन्तु ऐसा होने पर भी घबरायें मत, आप अवश्य हमारे उपाय को अपनायें तो यह हानिकारक वर्ष भी आप के लिये लाभदायक रहेगा। वह उपाय है आप सत्यनारायण व्रत रखें उस दिन श्रद्धा और भक्ति से मिष्टान्न प्रसाद बना कर सत्यनारायण पूजन किया करें। ६ शेष बचे प्रभु के शरण में रहिये ! आप निश्चय रखिये आप की जन्मपत्री से दशा आदि हानिकारक भी क्यों न हो परन्तु ऐसा होने पर भी यह वर्ष आप के लिये बहुत ही लाभदायक रहेगा, धन लाभ के साथ साथ अच्छे अच्छे कामों में खर्च का भी योग है, अच्छे अच्छे पुरुषों से अचानक मेल-मिलाप होता रहेगा, गृहस्थपक्ष से भी विशेष मानसिक शान्ति का योग है यदि आप को जन्मपत्री से भी दशा अच्छी हो तो यह वर्ष आप के जीवन का सुनहरी वर्ष होगा। ७ बाकी बचे तो ज्योतिष फलित से यह बात निश्चित है इस वर्ष में आप की प्रायः सभी कामनायें सम्पूर्ण होंगी, नौकरी अथवा कारोबार में वर्ष के अन्त में अकस्मात् तरकी होगी, कोई नया कार्य हाथ में आने वाला है जिस में पूर्ण सफलता होगी, अच्छे अच्छे कार्यो में भी धन का सार्थक खर्च होगा, यह फलादेश तभी पूरा उतरेगा जब आप हर सोमवार को भगवान् शंकर पर दूधसहित जल चढ़ाया करेंगे। यदि शेष कुछ न बचे तो यह वर्ष आप के लिये दौड-धूप तथा संघर्ष का वर्ष होगा

चैत्रशुक्लपक्ष

सप्तर्षि सम्वत ५०५८ मीन में सूर्य, वृष में भौम, के। कुम्भ में बुध, बृहस्प. मकर शुक्र मिथुन

रार्ध	चैत्र	मार्च	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) में शनि । वृश्चक में राहू
५१	१०	२३	शनि	पूभा दि	२२	४९	अं प्र	२०	५५	९-१७ दिन मीन में चन्द्र । विचारनाग यात्रा, कालदण्डः
४९	११	२४	रवि	उभा दि	२४	५१	प्र प्र	२०	४७	९-१९ रात वृश्चिक में राहु, वृषमें केतु, नवरात्र आरम्भ । स्थिरः
४६	१२	२५	सोम	रेव दि	२५	३७	द्वि प्र	१९	२१	४-३९ दिन मेष में चन्द्र, पंचक समाप्त । १०-३८ दिन से गंडांत ●
४३	१३	२६	भौम	अश्वि दि	२५	१४	तृ प्र	१६	४२	अमृतम् । ● १०-४२ रात तक । मातंगः ।
४१	१४	२७	बुध	भर दि	२३	४५	च प्र	१३	१	९-४२ रात वृष में चन्द्र । काण्डः
३८	१५	२८	गुरु	कृति दि	२१	२७	पं प्र	८	३१	अलापकः ।
३५	१६	२९	शुक्र	रोहि दि	१८	२४	ष प्र	३	२२	१-२ रात मिथुन में चन्द्र । कुमार षष्ठी । मैत्रम् ।
३३	१७	३०	शनि	मृग दि	१४	५०	स दि	२८	४०	वज्रम् ।
३०	१८	३१	रवि	आर्द्र दि	१०	५१	अ दि	२२	५१	८-३२ प्रातः कुम्भ में शुक्र । ३-२७ रात कर्क में चन्द्र । ध्वांक्षः
२८	१९	अप्रे.	सोम	पुन दि	६	५१	न दि	१६	५४	रामनवमी, उमाजयंती भारी आंगन । शैलपुत्री जयंति, धौम्यः ।
२५	२०	२	भौम	तिष्य दि	२	५०	द दि	११	४	१०-४२ रात से गंडान्त । प्रवर्धः ।
२२	२१	३	बुध	मघा प्र	२४	३३	ए दि	५	३१	५-५५ प्रातः सिंह में चन्द्र । ११-३४ दिन तक गंडान्त कामदा ★
२०	२२	४	गुरु	पूफा प्र	२१	५०	द्वा दि	०	२९	त्र्यहः । मुसलम् । ★११ । चरः ।
१७	२३	५	शुक्र	उफा प्र	१८	५३	चं प्र	२१	०	९-१७ दिन कन्या में चन्द्र । ५.४० शां मीन में बुध । शूलम् ।
१४	२४	६	शनि	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

वैशाख कृष्णपक्ष

वि० सम्वत् २०३१ मीन में सूर्य, बुध। वृषमें भौम, केतु, कुम्भ में बृह०,शुक्र मिथुन

रार्ध	चैत्र	अप्रे	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) में शनि। वृश्चिक में राहु
१२	२५	७	रवि	चित्र प्र	१९	१०	प्र प्र	१६	४८	२-२५ दिन तुला में चन्द्र। काम्यः। कालदण्डः।
९	२६	८	सोम	स्वा. प्र	२०	४०	द्वि प्र	१६	३३	छत्रम्। मासान्त। शनि वर्ष शनिमास। मुसलम्।
७	२७	९	भौम	विशा प्र	२३	२३	तृ प्र	१७	३८	९-५१ रात वृश्चिक में चन्द्र। ६-४६ शां मिथुन में भौम, श्रीवत्सः।
४	२८	१०	बुध	अनू प्र	२७	१७	च प्र	१९	५३	संकट चतुर्थी। सौम्यः। चन्द्र और मूल आरम्भ, चरः।
१	२९	११	गुरु	ज्ये. प्र	२८	२	पं प्र	२३	१६	१-१३ रात से गंडान्त, ३-३ रात बुध अस्त। श्री पंचमी।
५९	३०	१२	शुक्र	ज्ये. दि	४	११	ष प्र	२७	३७	२-२० दिन तक गंडान्त। ऋषि पीर श्राद्ध। ७-४७ प्रातः धनु में
५६	वैश.	१३	शनि	मूल दि	१०	१	स प्र	२७	५२	१२-४२ रात से मेष में सूर्य मुहूर्त ३० दरयाई। दिन अधिक।
५४	२	१४	रवि	पूषा दि	१६	२२	स दि	४	३१	७-१५ रात मकर में चन्द्र। सक्रांति व्रत। शूलन्
५१	३	१५	सोम	उषा दि	२२	५३	अ दि	९	४४	मृत्युः। जन्मोत्सव। मुसलम्।
४८	४	१६	भौम	श्रव दि	२९	६	न दि	१४	४०	अलापकः।
४६	५	१७	बुध	धनि प्र	२	११	द दि	१८	५६	६-५० प्रातः कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। श्री लक्ष्मी
४३	६	१८	गुरु	शत प्र	६	४६	ए दि	२२	२२	वरूथिनी ११। वज्रम्। नारायण जयंति। मैत्रम्
४१	७	१९	शुक्र	पूभा प्र	१०	१६	द्वा दि	२८	४१	४-४८ दिन मीन में चन्द्र। शैवाचार्य स्वामी लक्ष्मण जी
३८	८	२०	शनि	उभा प्र	१२	३२	त्रो दि	२५	४९	धौम्यः। + प्रवर्धः। वल्लभाचार्य जयंती, क्षयः।
३६	९	२१	रवि	रेव प्र	१३	३२	चं दि	२५	३५	१२-२८ रात मेष में चन्द्र, पंचक समाप्त। ६-२३ शां से गंडान्त +
३४	१०	२२	सोम	अश्वि प्र	१३	१९	अं दि	२४	८	९-५ रात मेष में बुध। सोमामावसी। ६-२७ प्रातः तक गंडान्त

वैशाख शुक्लपक्ष

वि० सम्वत् २०३१ मेष में सूर्य बुध, मिथुन में भौम शनि, कुम्भ में बृहस्प. शुक्र

राष्ट्रं	वंश	अप्रे.	बार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) वृश्चिक में राहु, वृष में केतु
३२	११	२३	भौम	भर	प्र	१२	०	प्र	दि	२१	२५	यज्ञ श्री शकर साहिब बट्टगुंड हंदवारा। गजः।
३०	१२	२४	बुध	कृति	प्र	६	४४	द्वि	दि	१७	५४	५-४१ प्रातः वृष में चन्द्र। परशुराम जयंती। सिद्धः।
२८	१३	२५	गुरु	रोहि	प्र	६	४४	तृ	दि	१३	२६	अक्षया ३। त्रेतायुग जन्म। उन्मूलम्।
२६	१४	२६	शुक्र	मृग	प्र	३	१	च	दि	८	२०	९-६ दिन मिथुन में चन्द्र। शंकराचार्य जयंती। सूरदास जयंती ※
२३	१५	२७	शनि	आर्द्र	दि	३२	२८	पं	दि	२	४६	त्र्यहः। कुमार षष्ठी। मुदगरम्। ※ मानसम्।
२१	१६	२८	रवि	पुन	दि	२८	२३	स	प्र	१७	३२	विजया सप्तमी प्रातः से सूर्यास्त तक। ११-३७ दिन कर्क में चंद्र ※
१९	१७	२९	सोम	तिष्य	दि	२४	१९	अ	प्र	११	२८	सौम्यः। ※ ६-२३ प्रातः अगस्त अस्त। १०-२० रात मीन में +
१७	१८	३०	भौम	अश्ले	दि	२०	३१	न	प्र	५	४७	२-२ दिन सिंह में चन्द्र। ८-२४ प्रातः से गंडान्त ७।३६ रात ※
१५	१९	मई	बुध	मघा	दि	१७	७	द	प्र	०	३६	चर:। + शुक्र। ध्वजः। ※ तक। आनन्दः।
१३	२०	२	गुरु	पूफा	दि	१४	१९	ए	दि	२९	३८	५-१६ दिन कन्या में चन्द्र। माधवी ११। मुसलम्।
११	२१	३	शुक्र	उफा	दि	१२	१७	द्वा	दि	२५	५८	शूलम्।
९	२२	४	शनि	हस्त	दि	११	१३	त्रो	दि	२३	१९	१०-८ रात तुला में चन्द्र। नरसिंह जयंती। मृत्युः
६	२३	५	रवि	चित्र	दि	११	१५	चं	दि	२१	४८	गणेश चतुर्दशी। काम्यः।
४	२४	६	सोम	स्वा.	दि	१२	३१	पूं	दि	२१	३१	महात्मा बुध जयंती। छत्रम्।

ज्येष्ठ कृष्णपक्ष

सप्तर्षि सम्वत ५०५० मेष में सूर्य, बुध। मि. में भौम शनि. कुम्भ में बृह०, मीन मेंशुक्र

राशं	वैश.	मई	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	(ग्रह संचार बजें और मिन्टों में) वृश्चिक में राहु वृष में केतु
१३२	२५	७	भौम	विशा	दि	१४	५८	प्र	दि	२२	३१	५-२३ प्रातः वृश्चिक में चन्द्र। नारद जयंती। श्रीवत्सः।
०	२६	८	बुध	अनू	दि	१८	४१	द्वि	दि	२४	४६	४-२१ दिन वृष में बुध। सौम्यः।
५८	२७	९	गुरु	ज्ये.	दि	२३	२७	तृ	दि	२८	४	३-४ दिन धनु में चन्द्र, मूल आरम्भ। ८-३३ दिन से गंडान्त
५६	२८	१०	शुक्र	मूल	दि	२९	६	च	दि	३२	१७	५-१८ शां तक मूल। स्थिरः। ९-३५ रात तक संकट ४।
५४	२९	११	शनि	पूषा	प्र	१	१०	पं	प्र	२	५५	२-२७ रात मकर में चन्द्र। मातंगः। कालदण्डः।
५२	३०	१२	रवि	उषा	प्र	७	३५	ष	प्र	७	५३	अमृतम्।
४९	३१	१३	सोम	श्रव	प्र	१३	५१	स	प्र	१२	४२	चन्द्रमास। मासान्त। सिद्धः।
४७	ज्येष्ठ	१४	भौम	धनि	प्र	१९	२९	अ	प्र	१६	५६	२-४ दिन कुम्भ चन्द्र और पंचक आरम्भ। १०-५० रात वृष में
४५	२	१५	बुध	शत	प्र	२४	२०	न	प्र	२०	१३	मानसम्। सूर्य मुहूर्त ३० समुद्रीय। संक्रातिव्रत। उन्मूलम्।
४३	३	१६	गुरु	पूभा	प्र	२५	२६	द	प्र	२२	२४	१२-२४ रात मीन में चन्द्र। बुध उदय। मुद्गरम्।
४१	४	१७	शुक्र	पूभा	दि	२	३५	ए	प्र	२३	२६	रथा ११। भद्रकाली जयंती। ध्वांक्षः।
३९	५	१८	शनि	उभा	दि	५	११	द्वा	प्र	२३	५	२-७ रात से गंडान्त। धौम्यः। प्रवर्धः
३७	६	१९	रवि	रेव	दि	६	३२	त्रो	प्र	२१	३३	८-१० रात मेष में चन्द्र, पंचक समाप्त। २-१३ दिन तक गंडांत
३५	७	२०	सोम	अश्वि	दि	६	४०	चं	प्र	१८	४७	२-५९ रात चन्द्र अस्त। क्षयः। गजः।
३४	८	२१	भौम	भर	दि	६	२२	अं	प्र	१५	२२	१-३६ दिन वृष में चन्द्र, नन्दकेश्वर यात्रा सुम्बल। वटसावित्री

ज्येष्ठ शुक्लपक्ष

वि० सम्वत् २०३१ वृष में सूर्य बुध केतु, मिथुन में भौम शनि, कुम्भ में बृहस्प. मीन में शुक्र। वृश्चिक में राहु

'राधं	ज्ये.	मई	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में)
१२-३३	९	२२	बुध	कृति	दि	३	३९	प्र	प्र	११	४२	११-४२ रात चन्द्रोदय। सिद्धः।
३२	१०	२३	गुरु	रोहि	दि	०	५४	द्वि	प्र	५	१९	५-१२ दिन मिथुन में चन्द्र। उन्मूलम्।
३१	११	२४	शुक्र	आर्द्र	प्र	१८	५२	तृ	दि	३४	३५	४-२५ रात मेष में शुक्र। काम्यः।
३०	१२	२५	शनि	पुन	प्र	१४	३९	च	दि	२८	३८	७-४६ शां कर्क में चन्द्र। छत्रम्।
२९	१३	२६	रवि	तिष्य	प्र	१०	३०	पं	दि	२२	३०	७-५३ प्रातः मिथुन में बुध। कुमार षष्ठी। श्रीवत्सः।
२८	१४	२७	सोम	अश्ले	प्र	१०	९	ष	दि	१६	१३	१०-९ रात सिह चन्द्र। ४-३१ दिन से गण्डान्त ३-४६ रात तक ● सौम्यः।
२८	१५	२८	भौम	मघा	प्र	३	०	स	दि	१०	४६	कालदण्डः।
२७	१६	२९	बुध	पूफा	प्र	०	१	अ	दि	५	३२	१-१५ रात कन्या में चन्द्र। ज्येष्ठाष्टमी क्षीरभवानी यात्रा ❀ बुधाष्टमी। स्थिरः।
२६	१७	३०	गुरु	उफा	दि	३२	५३	न	दि	०	५४	त्र्यहः। मातंगः।
२५	१८	३१	शुक्र	हस्त	दि	३१	३२	ए	प्र	१९	५	६।३२ दिन कर्क में भौम। निर्जला ११। अमृतम्।
२४	१९	जून	शनि	चित्र	दि	३१	१६	द्वा	प्र	१७	२४	५-५९ दिन तुला में चन्द्र। काण्डः।
२३	२०	२	रवि	स्वा.	दि	३२	१२	त्रो	प्र	१६	५४	अलापकः।
२३	२१	३	सोम	विशा	दि	१४	२२	चं	प्र	१७	४६	१२-५७ दिन वृश्चिक में चन्द्र। मैत्रम्।
२२	२२	४	भौम	अनू	प्र	२	३०	पूं	प्र	१९	५१	श्री रूपभवानी जयंती। वज्रम् (चन्द्र ग्रहण)

आषाढ कृष्णपक्ष

सप्तर्षि स० ५०५० वृष में सूर्य, केतु। कर्क में भौम, मि. में बुध शनि, कुम्भ में बृह०

राधं	ज्येष्ठ	जून	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल
२१	२३	५	बुध	ज्ये. प्र	७	०	प्र प्र	२३	४
२०	२४	६	गुरु	मूल प्र	१२	३२	द्वि प्र	५	२६
१९	२५	७	शुक्र	पूषा प्र	२	५९	द्वि दि	२	२८
१८	२६	८	शनि	उषा प्र	५	२६	तृ. दि	७	१०
१७	२७	९	रवि	उषा दि	०	२४	च दि	१२	८
१७	२८	१०	सोम	श्रव दि	६	४४	पं दि	१६	५३
१६	२९	११	भौम	धनि दि	१२	३८	ष दि	२१	५
१५	३०	१२	बुध	शत दि	१७	३९	स दि	२४	२७
१४	३१	१३	गुरु	पूभा दि	२१	४२	अ दि	२६	४४
१३	३२	१४	शुक्र	उभा दि	२४	३५	न दि	२७	४९
१२	हार	१५	शनि	रेव दि	२६	१२	द दि	[illegible]	३६
११	२	१६	रवि	अश्वि दि	२६	३६	ए दि	२६	९
११	३	१७	सोम	भर दि	२५	४८	द्वा दि	२३	२८
१०	४	१८	भौम	कृति दि	२४	२	त्रो दि	१९	५०
९	५	१९	बुध	रोहि दि	२१	२५	चं दि	१५	१९
८	६	२०	गुरु	मृग दि	१८	११	अं दि	१०	१०

(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) मेष में शुक्र, वृश्चिक में राहु

१०-२२ रात धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ। ३-५३ दिन से ❋

१२-३२ रात तक मूल। दिन अधिक। धौम्यः। ❋ ४-५४ रात तक ●

प्रवर्धः। ● गंडान्त। गुरु गोविन्द जन्म। ध्वांक्षः।

९-३८ दिन मकर में चन्द्र। संकट ४। क्षयः।

अमृतम्।

९-२० रात से कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। सिद्धः।

उन्मूलम्।

बुधमास। मानसम्।

७-४४ प्रातः मीन में चन्द्र। मुद्गरम्।

मासान्त। ध्वजः।

३-५२ दिन मेष में चन्द्र, पंचक समाप्त। ९-४५ दिन से गंडान्त †

[illegible]गिनी ११। आनन्दः। † ९-५८ रात तक ८-४५ प्रातः £

९-३५ [illegible] वृष में चन्द्र। चरः £ मिथुन में सूर्य महूर्त ३० पहाडी §

४-१५ दिन बुध अस्त, मुसलम। § संक्राति प्रजापत्यः।

१-१० रात मिथुन में चन्द्र। ११-२९ दिन चन्द्र अस्त। शूलम्।

मृत्युः।

आषाढ शुक्लपक्ष

सप्तर्षि सं० ५०५० मिथु. में सूर्य बुध शनि, कर्क में भौम, कुम्भ में बृहस्प. वृष में

राष्ट्रं	हार	जून	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) शुक्र केतु । वृश्चिक में राहु
२८	७	२१	शुक्र	आर्द्रं दि	१४	२६	प्र दि	४	३१	त्र्यहः । ११-१६ दिन से दक्षणायन । ३-५७ रात कर्क में चन्द्र
७	८	२२	शनि	पुन दि	१०	२७	तृ प्र	१६	३७	८-५५ प्रातः आर्द्र में सूर्य (आदर आरम्भ) छत्रम् । काम्यः ।
८	९	२३	रवि	तिष्य दि	६	२०	च प्र	१०	३१	१२-३७ रात से गंडान्त । श्रीवत्सः ।
९	१०	२४	सोम	अश्ले दि	२	१६	पं प्र	४	४५	६-१६ दिन सिंह में चन्द्र । १२-१ दिन तक गण्डान्त । सौम्यः ।
१०	११	२५	भौम	पूफा प्र	१९	४६	ष दि	३५	८	कुमार षष्ठी । महान् चण्डीयज्ञ गुफाबल पांज़ला बारामूला ।
११	१२	२६	बुध	उफा प्र	१७	२१	स दि	३०	२६	९-१८ दिन कन्या में चन्द्र । आषाढ सप्तमी । प्रवर्धः धौम्यः
१२	१३	२७	गुरु	हस्त प्र	१५	४५	अ दि	२६	३३	आषाढ अष्टमी । क्षयः । † गजः ।
१३	१४	२८	शुक्र	चित्र प्र	१५	१५	न दि	२३	३५	१-४८ दिन तुला में चन्द्र । आषाढ नवमी । शारिका जयंती । †
१४	१५	२९	शनि	स्वा. प्र	१५	५३	द दि	२१	४८	सिद्धः । में चन्द्र और मूल आरम्भ ध्वांक्षः ।
१५	१६	३०	रवि	विशा प्र	१७	४७	ए दि	२१	१३	८-३० रात वृश्चिक में चन्द्र । देवशयनी ११ । उन्मूलम् ।
१६	१७	जुला	सोम	अनू प्र	२०	५७	द्वा दि	२१	५५	हरिस्वाप । लुकभवनयात्रा । स्वामी गोपीनाथ जयंती । मानसम्
१७	१८	२	भौम	ज्ये. प्र	२४	३४	त्रो दि	२३	५२	११-१२ रात से गंडान्त । स्वामी विद्याधर जी जयंती । अमृतम् ।
१८	१९	३	बुध	ज्ये· दि	०	४३	चं दि	२६	५४	१२-१२ दिन तक गंडांत । ज्वाला १४ । ५-४२ प्रातः धनु
१९	२०	४	गुरु	मूल दि	५	५६	पूं दि	३०	५१	७-४७ प्रातः तक मूल । व्यास पूजा धौम्यः ।

श्रावण कृष्णपक्ष

त्रि० २०३१ मिथुन में सूर्य, बुध, शनि । कर्क में भौम, कुम्भ में बृह०, वृष शुक्र, केतु, वृश्चिक में राहु ।

रार्ब	हार	जुला	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में)
१.२०	२१	५	शुक्र	पूषा दि	११	५८	प्र प्र	०	१०	४-५१ दिन मकर में चन्द्र । प्रवर्धः ।
२१	२२	६	शनि	उषा दि	१८	१८	द्वि प्र	५	५	१०-४६ दिन आर्द्र समाप्त । क्षयः ।
२२	२३	७	रवि	श्रव दि	२४	४१	तृ प्र	९	५६	४-३४ रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । स्वामी लाल जी अन्तर्ध्यान दिवस । मुसलम् ।
२२	२४	८	सोम	धनि दि	३०	४३	च प्र	१४	१३	संकट ४ । शूलम् ।
२३	२५	९	भौम	शत प्र	०	४४	पं प्र	१७	३७	नागपंचमी । मृत्युः ।
२४	२६	१०	बुध	पूभा प्र	५	२२	ष प्र	१९	५७	३-३१ दिन मीन में चन्द्र । काम्यः ।
२५	२७	११	गुरु	उभा प्र	८	१४	स प्र	२१	४	छत्रम् ।
२६	२८	१२	शुक्र	रेव प्र	१०	१०	अ प्र	२०	५६	११-३६ रात मेष में चन्द्र, पंचक समाप्त । ५-२४ दिन से गंडांत §
२७	२९	१३	शनि	अश्वि प्र	१०	५०	न प्र	१९	३५	५-१७ प्रातः तक गण्डांत । सौम्यः । § शुक्रमास, श्रीवत्सः ।
२७	३०	१४	रवि	भर प्र	१०	१७	द प्र	१७	२	८-४५ रात मिथुन में शुक्र । कालदण्डः ।
२८	३१	१५	सोम	कृति प्र	८	४२	ए प्र	१३	२६	५-२८ प्रातः वृष में चन्द्र । कामदा एकादशी । मासांत, स्थिरः
२९	श्रा.	१६	भौम	रोहि प्र	६	१५	द्वा प्र	९	०	१२ बजे रात कर्क में सूर्य मुहूर्त ३० किनारी । संक्रांति,
३०	२	१७	बुध	मृग प्र	३	७	त्रौ प्र	३	५०	९-२४ दिन मिथुन में चन्द्र । अमृतम् । मातंगः ।
३१	३	१८	गुरु	आर्द्र दि	३४	२७	चं दि	३२	९	६-२२ दिन चन्द्र अस्त । काण्डः ।
३२	४	१९	शुक्र	पुन दि	३०	२५	अं दि	२७	९	१२-६ दिन कर्क में चन्द्र । १० बजे दिन सिंह में भौम । अलापकः

श्रावण शुक्लपक्ष

वि० सम्वत् २०३१ कर्क में सूर्य, सिंह में भौम, मिथुन में बुध, शुक्र, शनि कुम्भ में

राधं	श्रा.	जुला.	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल
३३	५	२०	शनि	तिष्य	दि	२६	१८	प्र	दि	२१	०
३३	६	२१	रवि	अश्ले	दि	२२	१७	द्वि	दि	१४	५७
३४	७	२२	सोम	मघ	दि	१८	३०	तृ	दि	९	७
३६	८	२३	भौम	पूफा	दि	१५	१०	च	दि	३	४१
३८	९	२४	बुध	उफा	दि	१२	३४	ष	प्र	२०	१२
४०	१०	२५	गुरु	हस्त	दि	१०	४५	स	प्र	१७	१०
४२	११	२६	शुक्र	चित्र	दि	९	४४	अ	प्र	१५	८
४५	१२	२७	शनि	स्वा.	दि	१०	१४	न	प्र	१४	४४
४७	१३	२८	रवि	विशा	दि	११	४७	द	प्र	१५	२६
४९	१४	२९	सोम	अनू	दि	१४	३७	ए	प्र	१७	१९
५१	१५	३०	भौम	ज्ये.	दि	१८	३६	द्वा	प्र	२०	३३
५३	१६	३१	बुध	मूल	दि	२३	३६	त्रौ	प्र	२४	२८
५५	१७	अग	गुरु	पूषा	दि	२९	२३	च	प्र	२५	५०
५७	१८	२	शुक्र	उषा	प्र	१	३६	चं	दि	३	१५
५९	१९	३	शनि	श्रव	प्र	८	५	पू	दि	८	११

(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) वृ.हु० वृश्चिक में राहु। वृष में केतु

१-५५ दिन चन्द्र उदय। मैत्रम्।

२-२६ दिन सिंह में चन्द्र। ८-५० दिन से गंडांत ८-२ रात तक ✓ वज्रम्।

ध्वांक्षः।

५-२० शां कन्या में चन्द्र। श्यहः। धौम्यः।

कुमार षष्ठी, प्रवर्धः।

९-३८ रात तुला में चन्द्र। तुलसीदास जयंती। क्षयः।

गजः।

४-५ रात वृश्चिक में चन्द्र। सिद्धः।

उन्मूलम्।

पवित्रा एकादशी। मानसम्।

६-३७ प्रातः से गंडांत ७-३१ रात तक। ४-३८ रात कर्क में बुध£

३-५ दिन तक मूल। ध्वजः। £श्रावण द्वा. १-४ दिन धनु में चंद्र और मूल आरम्भ। मुदगरम्।

१२-१ रात मकर में चन्द्र। दिन अधिक। प्रजापत्यः।

आनन्द :।

रक्षाबन्धन पूर्णिमा। अमरनाथ यात्रा। थजीवारा यात्रा। स्थिर.

भाद्र कृष्णपक्ष

सप्तर्षि स० ५०५० कर्क में सूर्य बुध, सिंह में भौम। कुम्भ में बृहस्प. मिथु. में शुक्र

रा.घं	श्रा.	अग	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) शनि। वृश्चिक में राहु
१	२०	४	रवि	धनि प्र	१४	१६	प्र दि	१३	०	११-४८ दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। मातंगः।
३	२१	५	सोम	शत प्र	१९	४२	द्वि दि	१७	१४	अमृतम्।
६	२२	६	भोम	पूभा प्र	२४	१७	तृ दि	२०	४२	१०-३६ रात मीन में चन्द्र। संकट ४। कूर्म ३। काण्डः।
८	२३	७	बुध	उभा प्र	२६	१६	च दि	२३	८	१०-४३ रात बुध अस्त। नवदलयात्रा। प्रलापकः।
१०	२४	८	गुरु	उभा दि	१	२७	पं दि	२४	२१	चन्दन षष्ठी। ११-१७ रात कर्क में शुक्र। १-५ रात से गंडांत
१२	२५	९	शुक्र	रेव दि	३	३४	ष दि	२४	१७	७-१२ प्रातः मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त। १-१९ दिन तक
१४	२६	१०	शनि	अश्वि दि	४	२८	स दि	२३	०	शीतला सप्तमी। सौम्यः। गण्डांत। श्रीवत्सः। छत्रम्।
१६	२७	११	रवि	भर दि	४	११	अ दि	२०	२९	१-२२ दिन वृष में चन्द्र। सूर्यमास। जन्माष्टमी दो। मुदगरम्
१८	२८	१२	सोम	कृति दि	२	४६	न दि	१६	५७	स्थिरः।
२०	२९	१३	भोम	रोहि दि	०	३	द दि	१२	३४	५-२८ शां मिथुन में चन्द्र। मातंगः।
२२	३०	१४	बुध	आर्द्र प्र	२०	३९	ए दि	७	१९	अजां ११। गजः। मेराज सिद्धः
२४	३१	१५	गुरु	पुन प्र	१६	४४	द्वा दि	१	५४	८-१६ रात कर्क में चन्द्र। व्यहः। भारत स्वतन्त्र दिवस।
२७	३२	१६	शुक्र	तिष्य प्र	१२	४३	चं प्र	१२	६	१०-२५ दिन भौम अस्त। १-४६ रात चन्द्र अस्त। उन्मूलम्।
२९	भाद्र	१७	शनि	अश्ले प्र	८	३७	अं प्र	१०	३७	१०-३३ रात सिंह में चन्द्र। ५ शां से गण्डांत ४-९ रात तक।

११-२६ दिन सिंह में सूर्य मुहूर्त १५ दरयाई। संक्रांति ११-२१ रात भानुमास आरम्भ। ६-१६ शां सिंह में बुध दर्भमावस, मानसम्

सम्वत् २०३१ मलमासियों का भाद्र शुक्लपक्ष।

भानुमासियों का अधिक भाद्रशुक्लपक्ष। सिंह में सूर्य

भौम, बुध । कुम्भ में बृहस्पति; कर्क में शुक्र। मिथुन में शनि । वृश्चिक में राहु में केतु

राधं	भाद्र	अग	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	
३१	२	१८	रवि	मघ प्र	४	५१	प्र प्र	४	५२	९-३ रात चन्द्र उदय । मुद्गरम् ।
३३	३	१९	सोम	पूफा प्र	१	३१	द्वि दि	३२	२८	१-२२ रात कन्या में चन्द्र । ध्वजः ।
३५	४	२०	भौम	उफा दि	३१	३६	तृ दि	२७	२३	मलमासी चन्द्र का दर्शन अवश्य करें । प्रजापत्यः ।
३७	५	२१	बुध	हस्त दि	२९	३५	च दि	२३	४४	मलमासी चन्द्र का दर्शन न करें । मलमासियों की विनायक ४
३९	६	२२	गुरु	चित्र दि	२८	३०	पं दि	२०	४०	५-२९ प्रातः तुला में चन्द्र । कुमार ६ । मल० करंकतीर्थश्राद्ध
४२	७	२३	शुक्र	स्वा. दि	२८	३१	ष दि	१९	२९	मल० की सूर्य ६ । (मार्तण्डतीर्थ यात्रा) मुसलम् । चरः ।
४४	८	२४	शनि	विशा दि	२९	४७	स दि	१८	१	मल० ब्रह्मसरोवरश्राद्ध । ११-४५ दिन वृश्चि० में चन्द्र । शूलम् ।
४७	९	२५	रवि	अनू दि	३२	१७	अ दि	१८	३६	मल० गंगाष्टमी । मृत्युः । आनन्दः ।
४९	१०	२६	सोम	ज्ये. प्र	३	३८	न दि	२०	२५	८-२५ रात धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ । २-२ दिन से गंडांत
५२	११	२७	भौम	मूल प्र	८	३०	द दि	२३	२३	१०-२१ रात तक मूल । छत्रम् । १-५० रात तक काम्यः ।
५४	१२	२८	बुध	पूषा प्र	१४	१०	ए दि	२७	१८	मल० नारायणी एकादशी श्रीवत्सः ।
५७	१३	२९	गुरु	उषा प्र	२०	३०	द्वा दि	३१	५६	७-१५ दिन मकर में चन्द्र । मल इन्द्र द्वादशी । सौम्यः ।
१४ ०	१४	३०	शुक्र	श्रव प्र	२७	३	त्रो प्र	४	५२	मल० वितस्ता त्रयोदशी । धौम्यः ।
२	१५	३१	शनि	धनि प्र	२८	४	चं प्र	९	५३	७-१ रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । मल० अनन्त १४
५	१६	सप्तं	रवि	धनि दि	५	१३	पू प्र	१४	१६	ललेश्वरी जयंती । मातंगः । प्रवर्धः ।

सप्तर्षि स० ५०५० मलमासियों का आश्विन कृष्णपक्ष,

भानुमासियों का अधिक भाद्र कृष्णपक्ष सिंह में

राशं	श्रा.	सप्तं.	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	सूर्य, भौम बुध, शुक्र; मिथुन में शनि । कुम्भ में वृहस्पति ।
१४७	१७	२	सोम	शत	दि	१०	५	प्र	प्र	१७	५९	५-३७ शां सिह शुक्र । पितृपक्षारम्भ मलमासियों का । अमृतम् ।
१०	१८	३	भौम	पूभा	दि	१५	३०	द्वि	प्र	२०	३७	५-५६ प्रातः मीन में चन्द्र । ६-२७ प्रातः कन्या में बुध । शबबरात
१३	१९	४	बुध	उभा	दि	१९	८	तृ	प्र	२२	२	१०-५६ रात कन्या में भौम । अलापकः । काण्डः
१५	२०	५	गुरु	रेव	दि	२१	३६	च	प्र	२२	११	२-५० दिन मेष चन्द्र और पंचक समाप्त । ८-३८ प्रातः से ७-१०
१८	२१	६	शुक्र	अश्वि	दि	२२	४४	पं	प्र	२१	७	वज्रम् । रात तक गंडान्त । संकट ४ । मैत्रम् ।
२०	२२	७	शनि	भर	दि	२२	४२	ष	प्र	१८	५०	६-१६ रात वृष में चन्द्र । ध्वांक्षः ।
२३	२३	८	रवि	कृति	दि	२१	३२	स	प्र	१५	२८	मलमासियों की साहिब ७ । २-६ रात बुधोदय । धौम्यः ।
२५	२४	९	सोम	रोहि	दि	१९	२८	अ	प्र	११	१६	१-३१ रात मिथुन में चन्द्र । मल० महालक्ष्मी ८ । प्रवध
२८	२५	१०	भौम	मृग	दि	१६	३३	न	प्र	६	१९	भौममास । क्षयः
३१	२६	११	बुध	आर्द्र	दि	१३	७	द	प्र	०	५०	४-२४ रात कर्क में चन्द्र । गजः ।
३३	२७	१२	गुरु	पुन	दि	९	१२	ए	दि	२५	५३	मल० इन्द्र एकादशी । सिद्धः ।
३६	२८	१३	शुक्र	तिष्य	दि	५	५	द्वा	दि	१९	४९	१-७ रात से गण्डान्त । उन्मूलम् ।
३८	२९	१४	शनि	मघ	प्र	२६	१४	त्रो	दि	१३	४९	१२-२० दिन तक गण्डांत । ५-५८ प्रातः सिंह में चन्द्र । काम्यः
४१	३०	१५	रवि	पूफा	प्र	२२	४७	चं	दि	८	१	मल० की पित्रामावसी । ९-३५ दिन चन्द्रास्त । छत्रम्
४४	३१	१६	सोम	उफा	प्र	१९	५१	अं	दि	२	३१	९-२७ दिन कन्या में चन्द्र । श्यहः । मल० का नवदुर्गारम्भ ।

सोमावसी । ७- प्रातः भानुमास समाप्त मासान्त श्रीवत्सः

सप्त० ५०५० मलमासियों का आश्विन शुक्लपक्ष — वृश्चिक में राहु

भानुमासियों का भाद्रशुक्लपक्ष। कन्या में सूर्य, भौम

राधं	अमु	सप्तं	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	बुध। सिंह में शुक्र। मिथुन में शनि। । कुम्भ में बृहस्पति।
१४ ४६	१	१७	भौम	हस्त प्र	१७	३९	द्वि प्र	२३	२६	१२-१७ दिव कन्या में सूर्य मुहूर्त ३० किनारी, संक्रांतिव्रत, सौम्य
४९	२	१८	बुध	चित्र प्र	१६	२६	तृ प्र	२०	२६	१-२४ दिन तुला में चन्द्र। भानु. हरितालिका ३। रोजा कालदण्डः
५१	३	१९	गुरु	स्वा. प्र	१६	१४	च प्र	१८	३७	भानुमासियों की विनायक ४। स्थिर
५४	४	२०	शुक्र	विशा प्र	१७	१७	पं प्र	१८	१	७-२३ रात वृश्चिक में चन्द्र। भा० वराह ५। मातंगः
५७	५	२१	शनि	अनू प्र	१९	४१	ष प्र	१८	३९	५-५७ शाम अगस्त्योदय। भानु. सूर्य६ मार्तण्डतीर्थ यात्रा। कुमार६
५९	६	२२	रवि	ज्ये. प्र	२३	१६	स प्र	२०	४३	६-२६ रात से गंडांत। ३।५० रात धनु में चन्द्र मूल आरम्भ ✓
१५ १	७	२३	सोम	मूल प्र	२७	५६	अ प्र	२३	५१	१०-१६ दिन तक गंडांत। १०-३२ दिन को दिन-रात समान
३	८	२४	भौम	पूषा प्र	३०	६	न प्र	२७	५७	मल. महानवमी। मैत्रम्। ✓४-३ दिन तुला में बुध, कांडः।
६	९	२५	बुध	पूषा दि	३	१९	द प्र	३०	१२	२-२३ रात मकर में चंद्र। दिन अधिक। श्रीवत्सः। अमृतम्
९	१०	२६	गुरु	उषा दि	९	२७	द दि	२	३०	मल. दसहेरा। १-५२ रात कन्या में शुक्र। सौम्यः।
११	११	२७	शुक्र	श्रव दि	१५	५२	ए दि	७	३९	भानु. नारायणी ११। गौतमनाग यात्रा। २-११ रात कुम्भ में ▷
१४	१२	२८	शनि	धनि दि	२२	९	द्वा दि	१२	३३	भानु० इन्द्रद्वादशी। प्रवर्धः ▷-चन्द्र और पंचक आरम्भ धौम्यः
१६	१३	२९	रवि	शत दि	२७	५५	त्रयो दि	१४	७	भानु० वितस्ता त्रयोदशी। क्षयः। मल दुर्गा ८। ५-४० रात
१९	१४	३०	सोम	पूभा प्र	३	३०	चं दि	२०	४५	१-१८ दिन मीन में चन्द्र ६-२ शां से मलमास भानु अनन्त १४ गजः
२२	१५	अक्टू	भौम	उभा प्र	७	३१	पू दि	२१	१४	भानु० पित्रपक्ष आरम्भ। सिद्धः। [illegible] तक मूल। अलापकः।

वि० सं० २०३१ मल० अधिक कार्तिक कृष्णपक्ष,

वृश्चिक में राहु। वृष में केतु।

भानु० आश्विन कृष्णपक्ष कन्या में भौम, सूर्य, शुक्र।

	राश्यं	असू	अक्टू	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	तुला में बुध। मिथुन में शनि। कुम्भ में वृहस्पति।
१५	२४	१६	२	बुध	रेव प्र	१०	२३	प्र दि	२४	५१	१०-२९ रात मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त। ४-१४ दिन से§
	२९	१७	३	गुरु	अश्वि प्र	११	५६	द्वि दि	२४	५६	मानसम्।§ गंडांत ४-३८ रात तक, श्री गांधी जयंती। उन्मूलम्
	३०	१८	४	शुक्र	भर प्र	१२	१३	तृ दि	२३	५४	संकट ४। मुद्गरम्।
	३२	१९	५	शनि	कृति प्र	११	२१	च दि	२१	३७	५-६ प्रातः वृष में चन्द्र ध्वजः।
	३५	२०	६	रवि	रोहि प्र	९	३१	पं दि	१८	१५	प्रजापत्यः।
	३७	२१	७	सोम	मृग प्र	६	५२	ष दि	१४	२	६-३३ दिन मिथुन में चन्द्र। भानु० साहिब ७। आनन्दः।
	४०	२२	८	भौम	आर्द्र प्र	३	३५	स दि	९	५	चरः।
	४३	२३	६	बुध	पुन दि	२८	२५	अ दि	३	३८	१२-३२ रात कर्क में चन्द्र। त्र्यहः। भानु महालक्ष्मी अष्टमी
	४५	२४	१०	गुरु	तिष्य दि	२४	२०	द प्र	२३	१५	बृहस्पतिमास। शूलम्। मुसलम्।
	४८	२५	११	शुक्र	अश्ले दि	२०	१०	ए प्र	१७	२२	२-५३ दिन सिंह में चन्द्र। ९-१८ दिन से गंडांत ८-२६ रात
	५१	२६	१२	शनि	मघ दि	१६	१०	द्वा प्र	११	४९	१०-२६ दिन बुध अस्त। काम्यः तक आखरी जुमा, मृत्यु।
	५३	२७	१३	रवि	पूफा दि	१२	३२	त्रो प्र	६	३८	५-३३ दिन कन्या में चन्द्र। छत्रम्।
	५६	२८	१४	सोम	उफा दि	९	२४	चं प्र	२	४	६-५७ शां चन्द्रम अस्त। श्रीवत्सः।
	५६	२६	१५	भौम	हस्त दि	६	५९	अं दि	२६	१८	६-१८ रात तुला में चन्द्र। भानु० की पित्रामावसी। सौम्यः।

ईस० १९७४ मल० अधिक कार्तिक शुक्लपक्ष

वृश्चिक में राहु वृष में केतु

भा. आश्विनशुक्लपक्ष । कन्या में सूर्य, शुक्र । कुम्भ में

रार्श	असू	अक्टू	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	(ग्रह संचार) बृहस्पति । तुला में बुध । मिथुन में शनि ।
१	३०	१६	बुध	चित्र	दि	५	२६	प्र	दि	२३	२३	भानु० का नवदुर्गारम्भ । ४-१८ दिन चन्द्रोदय । मासान्त कालदंडः
४	कत	१७	गुरु	स्वा.	दि	४	४५	द्वि	दि	२१	३४	११-१४ रात तुला में सूर्य मुहूर्त ४५ किनारी । ३ बजे रात
७	२	१८	शुक्र	विशा	दि	५	३५	तृ	दि	२१	०	ईद, ७-३ रात शुक्रास्त । मातंगः वृश्चिक में चन्द्र । संक्राति ●
९	३	१९	शनि	अनू	दि	७	३३	च	दि	२१	४२	४-५० रात से गण्डांत । अमृतम् । ● स्थिरः ।
१२	४	२०	रवि	ज्ये.	दि	१०	४२	पं	दि	२३	४१	११-१७ दिन धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ । ५-४० शां तक
१५	५	२१	सोम	मूल	दि	१५	२	ष	दि	२६	४९	५-२८ प्रातः तुला में शुक्र । ९-५ दिन तुला में भौम । १-२ दिन
१७	६	२२	भौम	पूषा	दि	२०	१९	स	प्र	३	२९	९-४१ रात मकर में चन्द्र । मैत्रम् । तक मूल । अलापकः
२०	७	२३	बुध	उषा	दि	२६	१९	अ	प्र	८	२४	भानुमासियों की दुर्गाष्टमी । वज्रम् । गंडांत । कुमार ६ । कांड़ः
२२	८	२४	गुरु	श्रव	प्र	५	२४	न	प्र	१३	३८	भानुमासियों की महानवमी । मजलस असद । ध्वजः ।
२४	९	२५	शुक्र	धनि	प्र	११	५३	द	प्र	१८	५०	९-२६ प्रातः कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । भानुमासियों का ✓
२६	१०	२६	शनि	शत	प्र	१७	५२	ए	प्र	२१	२८	भानु० पापाङ्कुशा एकादशी । आनन्दः । ✓ दुसेरा । प्रजापत्यः
२९	११	२७	रवि	पूभा	प्र	२३	४	द्वा	प्र	२७	१८	८-४० शां मीन में चन्द्र । चरः । ★ चन्द्र और पंचक समाप्त ±
३१	१२	२८	सोम	उभा	प्र	२७	१५	त्री	प्र	३०	३	१२-३६ दिन बुध उदय । मुसलम् । £ मृत्युः ।
३३	१३	२९	भौम	रेव	प्र	३०	२०	चं	प्र	३१	३९	११-४९ रात से गंडांत । १-१ रात मलमास समाप्त । शूलम् ।
३५	१४	३०	बुध	अश्वि	प्र	[illegible]	[illegible]	[illegible]	प्र	[illegible]	[illegible]	[illegible] दिन तक गण्डांत । वाल्मीकी जयंती । ६-१ प्रातः मेष में ★

कार्तिक कृष्णपक्ष,

सप्त० ५०५० तुला में सूर्य, भौम, बुध, शुक्र । कुम्भ में बृह० । मिथुन में (ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) शनि । वृश्चिक में राहु । वृष में केतु ।

राधं	कत	अक्टू	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	
१६ ३७	१५	३१	गुरु	भर प्र	३२	४४	प्र प्र	३०	५६	काम्यः ।
४०	१६	नवं	शुक्र	कृति प्र	३२	८	द्वि प्र	२८	४८	१२-५५ दिन वृष में चन्द्र । छत्रम् ।
४२	१७	२	शनि	रोहि प्र	३०	३२	तृ प्र	२५	३६	श्रीवत्सः ।
४४	१८	३	रवि	मृग प्र	२८	८	च प्र	२१	३०	८-२३ दिन मियुन में चन्द्र । संकट चतुर्थी ☛ ।
४६	१९	४	सोम	आर्द्र प्र	२४	५७	पं प्र	१६	४४	कालदण्डः ☛ यज्ञ ज्योतिषी ग्राप्ताभशर्मा बिजबिहारा सौम्यः
४८	२०	५	भौम	पुन प्र	२१	२१	ष प्र	११	२२	८-४१ रात कर्क में चन्द्र । स्थिरः ।
५१	२१	६	बुध	तिष्य प्र	१७	२२	स प्र	५	३७	मातंगः ।
५३	२२	७	गुरु	अश्ले प्र	१३	१६	अ दि	२६	१	११-४ रात सिंह में चन्द्र । ५-३० दिन से गण्डांत ४-३८ रात ☛
५५	२३	८	शुक्र	मघ प्र	९	१६	न दि	२०	७	काण्डः । ☛ तक । अमृतम् ।
५७	२४	९	शनि	पूफा प्र	५	३५	द दि	१४	३१	१-३४ रात कन्या में चन्द्र । शनिमास । अलापकः
१७ ०	२५	१०	रवि	उफा प्र	२	२५	ए दि	९	१८	रमा एकादशी मैत्रम् ।
२	२६	११	सोम	हस्त दि	२५	५०	द्वा दि	४	४४	वज्रम् ।
४	२७	१२	भौम	चित्र दि	२४	६	त्रो दि	०	५७	५-१४ प्रातः तुला में चन्द्र । २-२३ रात चन्द्रास्त । ध्वांक्षःग्रहः
६	२८	१३	बुध	स्वा. दि	२३	२१	अं प्र	३०	३७	दीपमाला । धौम्यः ।

कार्तिक शुक्लपक्ष

सप्त. ५०५० तुला मेंसूर्य, भौम, बुध। कुम्भ में बृह.। वृश्चिक में शुक्र, राहु। मिथुन में शनि। वृष में केतु।

रार्ध	कत	नवं	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में)
८	२९	१४	गुरु	विशा	दि	२३	४६	प्र	प्र	३०	१७	१०-४६ दिन वृश्चिक में चन्द्र। ८-४८ दिन वृश्चिक में शुक्र। श्री†
११	३०	१५	शुक्र	अनू	दि	२५	२४	द्वि	प्र	३१	१५	मासांत। ५-४६ प्रातः चन्द्रम उदय। क्षयः † नहरू जन्म दिवस +
१२	मग	१६	शनि	ज्ये.	प्र	२	४३	तृ	प्र	३३	२३	६-४२ शां धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ। ८-५९ रात वृश्चिक में ✻
१५	२	१७	रवि	मूल	प्र	६	५१	च	प्र	३४	३०	दिन अधिक। ८-५१ रात तक मूल सिद्धः। + अन्नकूट। प्रवर्धः
१७	३	१८	सोम	पूषा	प्र	१२	०	च	दि	२	१८	४-५६ रात मकर में चन्द्र। उन्मूलम्। ✻ में सूर्य मुहूर्त ३० किनारी
२०	४	१९	भौम	उषा	प्र	१७	५५	पं	दि	६	३२	कुमार षष्ठी। मानसम् ♎ संक्रांति। १२-३३ दिन से गण्डांत ☞
२२	५	२०	बुध	श्रव	प्र	२४	२०	ष	दि	११	३०	छत्रम्। ☞ एक बजे रात तक। गजः।
२४	६	२१	गुरु	धनि	प्र	३०	४७	स	दि	१६	४४	४-३५ दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। श्रीवत्सः
२६	७	२२	शुक्र	शत	प्र	३४	५२	अ	दि	२१	५५	गोपाल अष्टमी। सौम्यः।
२७	८	२३	शनि	शत	दि	२	५	न	प्र	१	२८	४ बजे रात मीन में चन्द्र। सत्ययुग जन्म। आनन्दः
२८	९	२४	रवि	पूभा	दि	७	२५	द	प्र	५	२१	चरः।
२९	१०	२५	सोम	उभा	दि	११	५१	ए	प्र	८	९	हरिबोधिनी एकादशी। मुसलम्।
२९	११	२६	भौम	रेव	दि	१५	११	द्वा	प्र	९	४६	१-३५ दिन मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त। ७-२० प्रातः से + + गंडांत ७-५० रात तक। शूलम्।
३०	१२	२७	बुध	अश्वि	दि	१७	१४	त्रो	प्र	९	५९	मृत्युः।
३१	१३	२८	गुरु	भर	दि	१८	३	चं	प्र	८	५८	१०-३५ रात वृष में चन्द्र। मानसम् ☞ चन्द्र ग्रहण। छत्रम्।
३२	१४	२९	शुक	कृति	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible] दिन वृश्चिक बुध। गुरु नानक जन्म। भौम उदय। ☞

मार्ग कृष्णपक्ष

सप्त० ५०५० वृश्चिक में सूर्य, बुध, शुक्र राहु । तुला में भौम, कुम्भ में बृह० । मिथुन में शनि । वृष में केतु ।

राधं	मगं	नवं	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	(ग्रह सचार बजे और मिन्टों में)
१७ ३३	१५	३०	शनि	रोहि	दि	१६	१२	प्र	प्र	३	२७	३-४१ दिन बुध अस्त । श्रीवत्सः ।
३४	१६	दसं	रवि	मृग	दि	१३	५३	द्वि	दि	२४	११	५-३८ प्रातः मिथुन में चन्द्र । सौम्यः ।
३५	१७	२	सोम	आर्द्र	दि	१०	४९	तृ	दि	१९	१९	संकट चतुर्थी । कालदण्डः
३६	१८	३	भौम	पुन	दि	७	१६	च	दि	१३	५७	४-५० प्रातः कर्क में चन्द्र । ११-३ रात वृश्चिक में भौम । स्थिरः
३७	१९	४	बुध	तिष्य	दि	३	१८	पं	दि	८	१५	१-३७ रात से गण्डान्त । मातंगः
३८	२०	५	गुरु	मघ	प्र	३०	२०	ष	दि	२	२३	७-१३ प्रातः सिंह में चन्द्र । १२-४८ दिन तक गंडांत । त्र्यहः । ▽
३९	२१	६	शुक्र	पूफा	प्र	२६	३५	अ	प्र	२६	१८	सिद्धः ▽ ध्वजः ।
४०	२२	७	शनि	उफा	प्र	२३	१७	न	प्र	२१	१६	९-४४ दिन कन्या में चन्द्र । ५-१० शां शुक्रोदय । उन्मूलम्
४०	२३	८	रवि	हस्त	प्र	२०	२६	द	प्र	१६	४७	७-२१ प्रातः धनु में शुक्र । मानसम् ।
४१	२४	९	सोम	चित्र	प्र	१७	२८	ए	प्र	१३	११	१-१४ दिन तुला में चन्द्र । चन्द्रमास ।उत्पन्ना ११ । मुदगरम्
४२	२५	१०	भौम	स्वा.	प्र	१७	३४	द्वा	प्र	१०	९	ध्वजः ।
४३	२६	११	बुध	विशा	प्र	१८	२९	त्रो	प्र	९	५	६-३० रात वृश्चिक में चन्द्र । प्रजापत्यः
४४	२७	१२	गुरु	अनू	प्र	१९	७	चं	प्र	८	५०	८-५६ रात चन्द्रम अस्त । आनन्द ‖ चरः
४५	२८	१३	शुक्र	ज्ये.	प्र	२१	५३	अं	प्र	९	५५	७-५० रात से गण्डांत । २-९ रात धनु में चन्द्र और मूल प्रारम्भ ‖

मार्ग शुक्लपक्ष

वि० २०३१ वृश्चिक में सूर्य, भौम, बुध राहु। कुम्भ में बृह.। धनु में शुक्र। मिथुन में शनि। वृष में केतु।

	राधं	मग	दसं	बार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में)
१७	४६	२९	१४	शनि	मूल प्र	२५	४६	प्र प्र	१२	१५	८-३२ दिन तक गण्डांत। ३-४२ रात मूल समाप्त। १०-१८×
	४७	३०	१५	रवि	पूषा प्र	३०	३४	द्वि प्र	१५	४२	मासांत। शूलम्। × रात चन्द्रोदय। मुसलम्।
	४८	पौष	१६	सोम	उषा प्र	३५	३५	तृ प्र	२०	८	१२-१४ दिन मकर में चन्द्र। ८-५५ दिन धनु में सूर्य मुहूर्त ४५ ॐ
	४९	२	१७	भौम	उषा दि	०	५२	च प्र	२५	१६	मानसम्। ॐ पहाड़ी। संक्रा ग्री। ३ बजे रात धनु में बुध, मृत्युः
	५०	३	१८	बुध	श्रव दि	७	९	पं प्र	३०	३९	११-४८ रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ। छत्रम्।
	५१	४	१९	गुरु	धनि दि	१३	३६	ष प्र	३५	४२	कुमार ६, दिन अधिक। श्रीवत्सः।
	५२	५	२०	शुक्र	शत दि	१९	४७	ष दि	०	१२	सौम्यः।
	५२	६	२१	शनि	पूभा प्र	१	६	स दि	४	४८	१२-५० रात उत्तरायण। ११-१६ दिन मीन में चन्द्र। कालदंडः
	५१	७	२२	रवि	उभा प्र	५	४६	अ दि	८	३६	स्थिरः।
	५०	८	२३	सोम	रेव प्र	९	२२	न दि	११	२१	९-७ रात मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त। २-४६ दिन से ✥
	५०	९	२४	भौम	अश्वि प्र	११	४६	द दि	१२	४९	अमृतम्। ✥ गण्डांत ३-२४ रात तक। मातंगः।
	४९	१०	२५	बुध	भर प्र	१२	५१	ए दि	१३	१	४-३३ रात वृष में चन्द्र। क्रिस्मस। काण्डः
	४८	११	२६	गुरु	कृति प्र	१२	४५	द्वा दि	११	१४	अलापकः।
	४७	१२	२७	शुक्र	रोहि प्र	११	३१	त्रो दि	९	३७	मैत्रम्।
	४६	१३	२८	शनि	मृग प्र	९	२०	चं दि	६	२१	९-३५ दिन मिथुन में चन्द्र। वज्रम्।
	४५	१४	२९	रवि	आर्द्रा प्र	६	२५	पू दि	२	११	त्र्यहः। मातृका पूजा। ध्वांक्षः

पौष कृष्णपक्ष

वि० २०३१ धनु में सूर्य, बुध,शुक्र। वृश्चिक में भौम राहु। कुम्भ में बृह०। मिथुन में शनि। वृष में केतु।

रार्ध	पौष	दसं	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में)
४४	१५	३०	सोम	पुन	प्र	२	५५	द्वि	प्र	२७	२८	१२-५६ दिन कर्क में चन्द्र। धौम्यः।
४३	१६	३१	भौम	तिष्य	दि	२३	३४	तृ	प्र	२१	४५	११-८ दिन बुध उदय। ३-१० रात मकर में शुक्र। प्रवर्धः
४२	१७	जन	बुध	अश्ले	दि	१६	३१	च	प्र	१५	५१	९-४८ दिन से गण्डांत ८-५८ रात तक। संकट ४। ३-२४ दिन ⁂
४२	१८	२	गुरु	मघ	दि	१५	२५	पं	प्र	१०	४	गजः। ⁂ सिंह में चन्द्र। क्षयः। १६७५
४१	१९	३	शुक्र	पूफा	दि	११	३४	ष	प्र	४	३५	५-४९ शां कन्या में चन्द्र। २-२४ दिन मकर में बुध। सिद्धः
४०	२०	४	शनि	उफा	दि	८	८	स	दि	२४	१५	उन्मूलम्।
३९	२१	५	रवि	हस्त	दि	५	१५	अ	दि	१९	५६	९-११ रात तुला में चन्द्र। महाकाली जन्म। मानसम्
३८	२२	६	सोम	चित्र	दि	३	८	न	दि	१६	२७	मुद्गरम्।
३७	२३	७	भौम	स्वा.	दि	१	५६	द	दि	१३	५५	२-१५ रात वृश्चिक में चन्द्र। ध्वजः।
३६	२४	८	बुध	विशा	दि	१	२३	ए	दि	१२	३३	सफला एकादशी। बुधमास। प्रजापत्यः।
३५	२५	९	गुरु	अनू	दि	३	०	द्वा	दि	१२	२९	३-२३ रात से गण्डांत। आनन्दः।
३४	२६	१०	शुक्र	ज्ये.	दि	५	२३	त्रो	दि	१३	४०	४ दिन तक गण्डांत। ९-४१ दिन धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ ⊕
३३	२७	११	शनि	मूल	दि	९	०	चं	दि	१६	७	यक्षामावसी। ११-७ दिन तक मूल। १-५८ दिन चन्द्र अस्त। ✕
३२	२८	१२	रवि	पूषा	दि	१३	४२	बं	दि	१९	४१	७-३० रात मकर में चन्द्र। शूलम्। ✕ मुसलम्। ⊕ चरः

पौष शुक्लपक्ष

सप्तर्षि स० ५०५० धनु में सूर्य । वृश्चिक में भौम राहु । कुम्भ में बृह० । मकर में बुध, शुक्र (ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) मिथुन में शनि । वृष में केतु ।

राधं	पौष	जन	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	
१७ ३१	२९	१३	सोम	उषा	दि	१९	१७	प्र	दि	२४	११	स्वामी अशोकानन्द यज्ञ (नागडंडी) मासांत । ५-११ शां चन्द्र
३०	माघ	१४	भौम	श्रव	प्र	०	३०	द्वि	प्र	४	२०	४-४८ दिन मकर में सूर्य मुहूर्त ३० किनारी । शिशरसंक्रांति
३०	२	१५	बुध	धनि	प्र	६	५६	तृ	प्र	९	४२	७ बजे प्रातः कुम्भ में चन्द्र ।पंचक आरम्भ । मंत्रम् ।
२९	३	१६	गुरु	शत	प्र	१३	१५	च	प्र	१४	५४	वज्रम् । ९-११ दिन धनु में भौम १३९५ महरम । अलापकः
२८	४	१७	शुक्र	पूभा	प्र	१९	३	पं	प्र	१९	२८	६-३१ रात मीन में चन्द्र । ध्वांक्षः । उदय । मृत्युः
२७	५	१८	शनि	उभा	प्र	२३	५५	ष	प्र	२३	५५	कुमार ६ । धौम्यः
२६	६	१९	रवि	रेव	प्र	२७	४४	स	प्र	२५	४६	१०-१६ रात से गंडांत । ४-३७ रात मेष में चन्द्र और पंचक
२४	७	२०	सोम	अश्वि	प्र	३०	२०	अ	प्र	२७	४	क्षयः । समाप्त । गुरु गोविन्द जन्म । प्रबर्धः
२२	८	२१	भौम	भर	प्र	३१	४२	न	प्र	२७	६	गजः ।
२०	९	२२	बुध	कृति	प्र	३१	५२	द	प्र	२५	४८	१२-१६ दिन वृष में चन्द्र । सिद्धः
१७	१०	२३	गुरु	रोहि	प्र	३०	५०	ए	प्र	२३	२३	पुत्रदा एकादशी । उन्मूलम् ।
१५	११	२४	शुक्र	मृग	प्र	२८	५१	द्वा	प्र	१९	५९	५-३३ दिन मिथुन में चन्द्र । १०-२१ रात कुम्भ में शुक्र , मानसम्
१३	१२	२५	शनि	आर्द्र	प्र	२६	६	त्रौ	प्र	१५	३५	काम्यः ।
११	१३	२६	रवि	पुन	प्र	२२	४६	चं	प्र	१०	३५	९-३ रात कर्क में चन्द्र । श्री विवेकानन्द जयंती । ध्वजः
८	१४	२७	सोम	तिष्य	प्र	१८	५५	पू	प्र	५	११	प्रजापत्यः ।

माघ कृष्णपक्ष

सप्त० ५०५० मकर में सूर्य, बुध। धनु में भौम, कुम्भ में बृह। मिथुन में शनि, वृश्चिक में राहु। वृष में केतु।

(ग्रह संचारबजे और मिन्टों में)

रार्घं	माघ	जनं	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	
६	१५	२८	भौम	अश्ले	प्र	१४	४३	प्र	दि	२५	६	५-५७ शां से गंडांत। ११-३२ रात सिंह में चन्द्र। आनन्दः
४	१६	२९	बुध	मघ	प्र	१०	३४	द्वि	दि	१९	१७	५-६ प्रातः तक गंडांत। चरः।
२	१७	३०	गुरु	पूफा	प्र	६	३५	तृ	दि	१३	३४	१-५७ रात कन्या में चन्द्र। संकट ४। मुसलम्।
५९	१८	३१	शुक्र	उफा	प्र	२	५७	च	दि	८	९	शूलम्।
५७	१९	फर्वं	शनि	हस्त	दि	२६	०	पं	दि	३	१४	त्र्यहः।मृत्युः।
५५	२०	२	रवि	चित्र	दि	२३	४४	स	प्र	२८	१९	साहिब ७। ५-११ प्रातः तुला में चन्द्र। काम्यः
५३	२१	३	सोम	स्वा.	दि	२२	२०	अ	प्र	२६	४६	१-५६ दिन बुध अस्त। छत्रम्।
५१	२२	४	भौम	विशा	दि	२२	०	न	प्र	२५	२९	१०-२ दिन वृश्चिक में चन्द्र। श्रीवत्सः।
४८	२३	५	बुध	अनू	दि	२२	५३	द	प्र	२५	२१	सौम्यः।
४६	२४	६	गुरु	ज्ये.	दि	२५	०	ए	प्र	२६	३६	५-१२ शां धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ। १०-५६ दिन से ●
४४	२५	७	शुक्र	मूल	प्र	१	४१	द्वा	प्र	२९	६	शुक्रमास। ६-२९ शां तक मूल। स्थिरः।●गंडांत ११-२८ रात★
४२	२६	८	शनि	पूषा	प्र	६	१२	त्रो	प्र	३२	४४	२-४९ रात मकर में चन्द्र। मातंगः★तक षड्तिला ११। कालदंड.
३९	२७	९	रवि	उषा	प्र	११	३१	चं	प्र	३३	१८	दिन अधिक। शिव चतुर्दशी एक। अमृतम्।
३७	२८	१०	सोम	श्रव	प्र	१७	३४	चं	दि	३	५३	८-४२ दिन चन्द्र अस्त। सिद्धः ✿ उन्मूलम्।
३५	२९	११	भौम	धनि	प्र	२४	१	अं	दि	९	०	२-११ दिन कुम्भ में चन्द्र। पंचक आरम्भ। द्वापुरयुग जन्म।✿

माघ शुक्लपक्ष

वि० २०३१ मकर में सूर्य, बुध,धनु में भौम, कुम्भ में बृह., शुक्र मिथुन में शनि, वृश्चिक में राहु। वृष में केतु।

(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में)

रार्ध	फा	फर्व	वार	नक्षत्र		घडी	पल	तिथि		घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में)
१६ ३३	१	१२	बुध	शत	प्र	३०	२६	प्र	दि	१४	२२	३-३० रात कुम्भ में सूर्य मुहूर्त १५ समुद्री। मासांत। मानसम्
३०	२	१३	गुरु	पूभा	प्र	३३	०	द्वि	दि	१६	३१	संक्रान्तिव्रत। १-५१ रात मीन में चन्द्र। मुद्गरम्
२८	३	१४	शुक्र	पूभा	दि	३	१४	तृ	दि	२४	१	गौरी ३। स्वामी नन्दलाल जी यज्ञ (टिकर) ध्वांक्षः
२६	४	१५	शनि	उभा	दि	८	२०	च	प्र	०	२९	६ वजे रात मीन में बृहस्पति। त्रिपुरा ४। धौम्यः
२४	५	१६	रवि	रेव	दि	१२	२८	पं	प्र	२	५७	१२-२ दिन मेष चन्द्र और पंचक समाप्त। ५-४२ प्रातः से ●
२२	६	१७	सोम	अश्वि	दि	१५	२६	ष	प्र	४	७	११-५५ रात मीन में शुक्र। कुमार ६। क्षयः
१९	७	१८	भौम	भर	दि	१७	११	स	प्र	३	५७	८ बजे वृष में चन्द्र। गजः ● गंडांत ६-३५ शां तक। बसन्त❀
१७	८	१९	बुध	कृति	दि	१७	४१	अ	प्र	२	३२	भीष्माष्टमी। बुधाष्टमी। सिद्धः। ❀ पंचमी। प्रवर्धः
१४	९	२०	गुरु	रोहि	दि	१७	१	न	दि	२७	२८	१-३२ रात मिथुन में चन्द्र। उन्मूलम्।
११	१०	२१	शुक	मृग	दि	१५	१८	द	दि	२३	५५	मानसम्।
८	११	२२	शनि	आर्द्र	दि	१२	५०	ए	दि	१९	३९	भीमसेन एकादशी। २-११ दिन मकर में भौम। मुद्गरम्।
६	१२	२३	रवि	पुन	दि	९	३९	द्वा	दि	१४	४०	५-६ प्रातः कर्क में चन्द्र। ध्वजः ★ काव पूर्णिमा। आनन्दः।
३	१३	२४	सोम	तिष्य	दि	६	४२	त्रो	दि	६	१२	यक्षिणी १४। २-८ रात से गंडांत। प्रजापत्यः
०	१४	२५	भौम	[illegible]	दि	[illegible]	[illegible]	[illegible]	दि	३	[illegible]	[illegible] गंडांत। त्र्यहः। ★

फा. कृष्णपक्ष

सप्त. ५०५० कुम्भ में सूर्य। मकर में भौम बुध। मीन में बृह०, शुक्र। वृश्चिक में राहु

	राधं	फा.	फवं	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) मियुन में शनि। वृष में केतु।
१५	५८	१५	२६	बुध	पूफा प्र	२५	५३	प्र प्र	२३	४६	स्थिर:
	५५	१६	२७	गुरु	उफा प्र	२२	११	द्वि प्र	१८	१२	१०-५ दिन कन्या में चन्द्र। मातंग:
	५२	१७	२८	शुक्र	हस्त प्र	१८	५३	तृ प्र	१३	८	अमृतम्।
	५०	१८	मार्च	शनि	चित्र प्र	१६	२२	च प्र	८	४६	१-१२ दिन तुला में चन्द्र। संकट ४। काण्ड:
	४७	१९	२	रवि	स्वा. प्र	१४	३६	पं प्र	५	१८	अलापक:।
	४४	२०	३	सोम	विशा प्र	१३	५५	ष प्र	२	४९	५-५१ शां वृश्चिक में चन्द्र। मेत्रम्
	४२	२१	४	भोम	अनू प्र	१२	०	स प्र	१	३०	वज्रम्।
	३९	२२	५	बुध	ज्ये. प्र	१२	४३	अ प्र	१	२६	६-३० रात से गंडांत। १२-४३ रात धनु में चन्द्र और मूल
	३६	२३	६	गुरु	मूल प्र	१९	१५	न प्र	२	४१	७-२ दिन तक गंडांत। धौम्य:। आरम्भ। ध्वांक्ष:
	३४	२४	७	शुक्र	पूषा प्र	२३	२८	द प्र	५	५	प्रवर्ध:।
	३१	२५	८	शनि	उषा प्र	२८	३५	ए प्र	८	४१	१०-१० दिन से मकर में चन्द्र। विजया एकादशी। क्षय:
	२८	२६	९	रवि	श्रव प्र	३०	५६	द्वा प्र	१३	६	सूर्यमास मुसलम्। १२-३४ रात कुम्भ में बुध। सिद्ध:
	२६	२७	१०	सोम	श्रव दि	३	३३	त्रौ प्र	१८	१२	९-२१ रात कुम्भ चन्द्र और पंचक आरम्भ। शिवरात्रि दो
	२३	२८	११	भौम	धनि दि	१०	०	चं प्र	२३	२१	शिव १४ दो। ३-३९ रात चन्द्र अस्त। उन्मूलम्।
	२०	२९	१२	बुध	उषा दि	१६	२७	अं प्र	२८	१८	बृहस्पति अस्त ५-५२ शां से। मानसम्।

फा. शुक्लपक्ष

सप्त. ५०५० कुम्भ में सूर्य, बुध मकर में भौम, मीन में बृह. शुक्र, मिथुन में शनि, वृश्चिक में राहु। वृष में केतु।

	राश्यं	फा.	मार्च	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	
											सवार। २-४८ दिन मेष में शुक्र। संक्रांति। ध्वजः
१५	१८	३०	१३	गुरु	पूभा दि	२२	३३	प्र प्र	३०	३६	दिन अधिक। ६-४ दिन मीन में चन्द्र। थाल बरुन। मासांत
	१५	चैत्र	१४	शुक्र	उभा दि	२७	५५	प्र दि	२	३	१०-४६ रात मीन में सूर्य मुहूर्त ३० पहाड़ी। सोन्त घोड़े पर
	१२	२	१५	शनि	रेव प्र	२	४५	द्वि दि	५	३१	१-८ दिन से गंडांत १-५५ रात तक। ७-३० रात मेष में चन्द्र
	१०	३	१६	रवि	अश्वि प्र	५	५८	तृ दि	७	५०	आनन्दः।
	७	४	१७	सोम	भर प्र	८	४०	च दि	८	५६	३-४४ रात वृष में चन्द्र। चरः मुद्गरम्
	४	५	१८	भौम	कृति प्र	८	३५	पं दि	८	४२	कुमार ६। मुसलम्। और पंचक समाप्त। प्रजापत्यः
	२	६	१९	बुध	रोहि प्र	८	९	ष दि	७	१४	शूलम्। चन्द्र। तैलाष्टमी। मृत्युः।
	०	७	२०	गुरु	मृग प्र	६	३२	स दि	४	३९	६-४ दिन को दिनरात बराबर। नवरोज ९-२७ दिन मिथुन में
१४	५७	८	२१	शुक्र	आर्द्र प्र	४	५	अ दि	१	२	त्र्यहः। होलाष्टमी। काम्यः
	५४	९	२२	शनि	पुन प्र	०	५७	द प्र	२१	२५	१-१४ दिन कर्क में चन्द्र। छत्रम्।
	५२	१०	२३	रवि	तिष्य दि	२७	३३	ए प्र	१५	४९	अमला एकादशी। श्रीवत्सः
	४९	११	२४	सोम	अश्ले दि	२३	३८	द्वा प्र	९	४७	३-५३ दिन सिंह में चन्द्र। १०-१८ दिन से गंडांत ९-२८ रात तक। सौम्यः
	४७	१२	२५	भौम	मघ दि	१९	३३	त्रो प्र	३	४७	२-४ दिन बुध अस्त। कालदण्डः।
	४४	१३	२६	बुध	पूफा दि	१५	१४	चं दि	२८	२६	६-१४ शां कन्या में चन्द्र। स्थिर :
	४१	१४	२७	गुरु	उफा दि	[illegible]	[illegible]	पू दि	[illegible]	[illegible]	[illegible]

चैत्रकृष्णपक्ष

सप्त. ५०५० मीन में सूर्य बृह०। मकर में भौम। कुम्भ में बुध, मेष में शुक्र वृश्चिक में राहु

राधं	चैत्र	मार्च	वार	नक्षत्र	घडी	पल	तिथि	घडी	पल	(ग्रह संचार बजे और मिन्टों में) मिथुन में शनि । वृष में केतु ।
१४ ३६	१५	२८	शुक्र	हस्त दि	८	३३	प्र दि	१८	०	९-११ रात तुला में चन्द्र । अमृतम् ।
३६	१६	२६	शनि	चित्र दि	५	५६	द्वि दि	१३	४३	११-२२ रात मीन में बुध । काण्डः
३३	१७	३०	रवि	स्वा. दि	४	९	तृ दि	१०	१४	१-३७ वृश्चिक में चन्द्र । अलापकः
३१	१८	३१	सोम	विशा दि	३	१७	च दि	७	४८	मेला हजरतबल । मैत्रम् ★ धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ, ध्वांक्षः।
२८	१६	अप्रै	भौम	अनू दि	३	३५	पं दि	६	३०	२-५ रात से गण्डांत । वज्रम्
२६	२०	२	बुध	ज्ये. दि	५	१०	ष दि	६	२८	२-३६ दिन तक गंडांत । शनि अस्त ८-६ दिन । ८-२२ दिन ★
२३	२१	३	गुरु	मूल दि	८	०	स दि	७	४६	१-३७ दिन कुम्भ में भौम । धौम्यः
२०	२२	४	शुक्र	पूषा दि	११	५६	अ दि	१०	१७	५-३० दिन मकर में चन्द्र । प्रबंधः
१८	२३	५	शनि	उषा दि	१७	०	न दि	१३	५३	क्षयः । ✗ समाप्त । विचारनाग यात्रा । श्रीवत्सः
१५	२४	६	रवि	श्रव दि	२२	४७	द दि	१८	१८	४-३२ दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । मुसलम्
१२	२५	७	सोम	घनि दि	२९	१०	ए दि	२३	१७	पापमोचनी एकादशी । शूलम्
१०	२६	८	भौम	शत प्र	४	०	द्वा दि	२८	२६	३-५६ दिन वृष में शुक्र । भौममास । मृत्युः
७	२७	९	बुध	पूभा प्र	१०	८	त्रो प्र	१	३६	४-१९ दिन मीन में चन्द्र । काम्यः †अस्त । छत्रम् ।
५	२८	१०	गुरु	उभा प्र	१६	३३	चं प्र	५	४९	१०-५४ रात बृहस्पति उदय । चैत्र चतुर्दशी । ९-१० रात चन्द्र†
२	२६	११	शुक्र	रेव प्र	२०	१३	अं प्र	९	६	८-३० रात से गंडांत । २-५७ रात मेष में चन्द्र और पंचक ✗

मुहूर्तप्रकरण २०३१ वि० के लिये

यज्ञोपवीत मुहूर्त

मार्च - चैत्रशुक्लपक्ष
२५—द्वितीया, सोमवार
७-१२ प्रातः से
८-४२ प्रातः तक (मे)
अप्रेल ८, द्वितीया, सोमवार
६-२० प्रातः से
७-५० प्रातः तक (मे)
मई – वैशाखशुक्लपक्ष
३—द्वादशी, शुक्रवार
१२-४६ दिन से
३-१० दिन तक (सिं)
ज्येष्ठकृष्णपक्ष
८, द्वितीया, बुधवार,
५-५३ प्रातः से
७-४६ प्रातः तक (वृ)
ज्येष्ठशुक्लपक्ष

३१, एकादशी, शुक्रवार
१०-५५ दिन से
१-१८ दिन तक (सिं)
२ जून—त्रयोदशी रविवार
१०-४७ दिन से
१-१० दिन तक (सिं)
आषाढकृष्णपक्ष
९, चतुर्थी रविवार,
१०-१६ दिन से
१२-४० दिन तक (सिं)
१०, पंचमी, सोमवार
१०-१२ दिन से
१२-१० दिन तक (सिं)
जून—आषाढशुक्लपक्ष
२१, प्रतिपद्, शुक्रवार,
११-६ दिन से
११-५७ दिन तक (सिं)

२-२० दिन तक (कं)
जुलाई १, द्वादशी सोमवार
८-५० प्रातः से
११-१४ दिन तक (सिं)
११-१४ दिन से
१-३६ दिन तक (कं)
जुलाई—श्रावणकृष्णपक्ष
७ तृतीया रविवार
८-२४ प्रातः से
१०-४८ दिन तक (सिं)
१०-४८ दिन से
१-११ दिन तक (कं)
सप्तं—भानु० भाद्रशुक्लपक्ष
१८, तृतीया, बुधवार
८-३९ प्रातः से
११-४ दिन तक (तु)
२६—दशमी गुरुवार

१०-३५ दिन तक (तु)
२७—एकादशी, शुक्रवार
८-५ प्रातः से
१०-३१ दिन तक (तु
२९—त्रयोदशी रविवार
७-५८ प्रातः से
१०-२३ दिन तक (तु
जनवरी—पौषशुक्लपक्ष
१५—तृतीया बुधवार
१०-२३ दिन से
११-४२ दिन तक (मी
२४—द्वादशी, शुक्रवार
९-४६ दिन से
११-५ दिन तक (मी)
फर्वरी—माघशुक्लपक्ष
१६—पंचमी, रविवार
९-२९ दिन से
१०-५९ दिन तक (मे

फर्वं
१७—षष्ठी सोमवार
८-६ प्रातः से
६-२५ दिन तक (मी)
१०-५५ दिन से
१२-४८ दिन तक (वृ)
२३—द्वादशी, रविवार
७-४३ प्रातः से
९-३ दिन तक (मी)
६-३ दिन से
१०-३३ दिन तक (मे)
२४—त्रयोदशी, सोमवार
७-४० प्रातः से
८-५६ दिन तक (मी)
२८—फाल्गुणकृष्णपक्ष
तृतीया, शुक्रवार
१०-४४ दिन से
१२-७ दिन तक (वृ)
मार्च—२ पंचमी, रविवार
७-१८ प्रातः से
८-३७ प्रातः तक (मी

विवाह मुहूर्त

१९७४—७५

अप्रेल—वैशाखकृष्णपक्ष
१९—द्वादशी, शुक्रवार
१-१९ रात से
२-५७ रात तक (म)
२-५७ रात से
४-२० रात तक (कुं)
२०—त्रयोदशी, शनिवार
११-१३ दिन से
१-३८ दिन तक (क)
१-१५ रात से
२-५३ रात (म)
२-५३ रात से
४-१६ रात तक (कुं)
२१, चतुर्दशी, रविवार
११-६ दिन से
१-३४ दिन तक (क)
वैशाखशुक्लपक्ष

२४—द्वितीया, बुधवार
२-३७ रात से
४-० रात तक (कुं)
४-० रात से
५-१९ रात तक (मी)
२५—तृतीया गुरुवार
१०-५३ दिन से
१-१८ दिन तक (क)
३-४२ दिन से
६-५ दिन तक (कं)
मई, १ दशमी बुधवार
१०-२६ दिन से
१२-५४ दिन तक (क)
२, एकादशी गुरुवार
३-२८ रात से
४-४७ रात तक (मी)
३, द्वादशी, शुक्रवार
१०-२१ दिन से
१२-४६ दिन तक (क)
१२-४६ दिन से

३-१० दिन तक (सिं)
१२-२३ रात से
२-१ रात तक (म)
३-२४ रात से
४-४३ रात तक (मी)
५—मई चतुर्दशी रविवार
१०-१५ दिन से
१२-३८ दिन तक (क)
१२-३८ दिन से
३-२ दिन तक (सिं)
१२-१५ रात से
१-५३ रात तक (म)
१-५३ रात से
३-१६ रात तक (कुं)
३-१६ रात से
४-३५ रात तक (मी)
६—पूर्णिमा सोमवार
१०-६ दिन से
१०-४५ दिन तक (क)

मई—ज्येष्ठकृष्णपक्ष
८—द्वितीया बुधवार
१०-१ दिन से
१२-२६ दिन तक (क)
९—तृतीया गुरुवार
११-५६ रात से
१-३८ रात तक (म)
१-३८ रात से
३ बजे रात तक (कुं)
३ बजे रात से
४-१६ रात तक (मी)
१० मई—चतुर्थी शुक्रवार
९-५३ दिन से
१२-१८ दिन तक (क)
१२-१८ दिन से
२-४२ दिन तक (सिं)
१७—एकादशी शुक्रवार
६-२९ दिन से
११-५४ दिन तक (क)
११-५४ दिन से

२-१८ दिन तक (सिं)
११-३१ रात से
१-१० रात तक (म)
१-१० रात से
२-३२ रात तक (कुं)
१८—द्वादशी, शनिवार
६-२५ दिन से
११-५० दिन तक (क)
११-५० दिन से
२-१४ दिन तक (सिं)
११-२७ रात से
१-६ रात तक (म)
१-६ रात से
२-२८ रात तक (कुं)

ज्येष्ठशुक्लपक्ष
२२—प्रतिपद् बुधवार
१२-४९ रात से
२-११ रात तक (कुं)
२-११ रात से
[illegible] रात तक (मी)

३-३० रात से
५-१ रात तक (मे)
३०—नवमी, गुरुवार
१०-२५ दिन से
१०-५६ दिन तक (क)
१०-५६ दिन से
१-२३ दिन तक (सिं)
१-३६ रात से
२-५६ रात तक (मी)
३१—एकादशी शुक्रवार
१०-५५ दिन से
१-१८ दिन तक (सिं)
जून—१ द्वादशी शनिवार
१२-६ रात से
१-२८ रात तक (कुं)
१-२८ रात से
२-४७ रात तक (मी)
२-४७ रात से
४-१७ रात तक (मे)
[illegible] रविवार

१०-४७ दिन से
१-१० दिन तक (सिं)
जून—३ चतुर्दशी सोमवार
११-५७ रात से
१-१९ रात तक (कुं)
१-१६ रात से
२-३६ रात तक (मी)
जून—आषाढकृष्णपक्ष
५—प्रतिपद् बुधवार
११-४९ रात से
१-११ रात तक (कुं)
१-११ रात से
२-३० रात तक (मी)
२-३० रात से
४ बजे रात तक (मे)
६—द्वितीया गुरुवार
१०-२६ दिन से
१२-५३ दिन तक (सिं)
१३—अष्टमी गुरुवार
११-२३ रात से

१२-४५ रात तक (कुं)

जून श्रावणशुक्लपक्ष

२४—षष्ठी बुधवार

१२-३ दिन से

२-२८ दिन तक (तु)

९-५४ रात से

११-१३ रात तक (मी)

२६—अष्टमी शुक्रवार

६-३२ दिन से

११-५५ दिन तक (कं)

११-५ रात से

१२-३५ रात तक (मे)

२८—दशमी रविवार

१०-२० दिन से

११-४७ दिन तक (कं)

११-४७ दिन से

२-१२ दिन तक (तु)

६-३८ रात से

१०-५७ रात तक (मी)

२९—एकादशी सोमवार

६-२० दिन से

११-२८ दिन तक (कं)

३१—त्रयोदशी बुधवार

९-१२ दिन से

११-३५ दिन तक (कं)

११-३५ दिन से

२ बजे दिन तक (तु)

अगस्त —भाद्रकृष्णपक्ष

७—चतुर्थी बुधवार

८-४४ दिन से

११-७ दिन तक (कं)

१०-१७ रात से

११-४७ रात तक (मे)

अगस्त ८—पंचमी गुरुवार

८-४० दिन से

११-३ दिन तक (कं)

१०-१३ रात से

११-४३ रात तक (मे)

सप्तं— भानु० भाद्रशुक्लपक्ष

१८—तृतीया बुधवार

१-२७ रात से

३-५२ रात तक (क)

३-५२ रात से

६-१५ रात तक (सिं)

१९—चतुर्थी, गुरुवार

३-२५ दिन से

५-३ दिन तक (म)

७-४५ रात से

९-१५ रात तक (मे)

२०—पंचमी शुक्रवार

१-२८ रात से

३-४४ रात तक (क)

३-४४ रात से

६-८ रात तक (सिं)

२१—षष्ठी, शनिवार

८-२८ दिन से

१०-५३ दिन तक (तु)

३-१७ दिन से

४-५६ दिन तक (म)

१-१६ रात से

३-४१ रात तक (क)

३-४१ दिन से

६-४ रात तक (सिं)

२५—दशमी बुधवार

८-१३ दिन से

१०-३८ दिन तक (तु)

३-४ दिन से

४-४१ दिन तक (म)

७-२३ शां से

८-५३ रात तक (मे)

१२-५७ रात से

३-२२ रात तक (क)

३-२२ रात से

५-४६ रात तक (सिं)

२६—दशमी, गुरुवार

८-६ दिन से
१०-२१ दिन तक (तु)
दसं—मार्गकृष्णपक्ष
११ त्रयोदशी, बुधवार
१२-४४ रात से
३-७ रात तक (कं)
३-७ रात से
५-३३ रात तक (तु)
१२—चतुर्दशी गुरुवार
९-५३ दिन से
११-३१ दिन तक (म)
११-३१ दिन से
१२-५४ दिन तक (कुं)
जनवरी—पौषशुक्लपक्ष
१७—पंचमी शुक्रवार
१-८ रात से
२-४६ रात तक (तु)
१८—षष्ठी शनिवार
८-४८ दिन से
१०-१० दिन तक (कुं)

११-२९ दिन से
१२-५९ दिन तक (मे)
७-३२ रात से
६-५६ रात तक (सिं)
६-५६ रात से
१२-२० रात तक (कं)
१२-२० रात से
२-४५ रात तक (तु)
१९—सप्तमी रविवार
८-४३ दिन से
१०-६ रात तक (कुं)
११-२५ दिन से
१२-५५ दिन तक (मे)
६-५२ रात से
१२-१५ रात तक (कं)
१२-१५ रात से
२-४० रात तक (तु)
२४—द्वादशी शुक्रवार
८-२३ दिन से
९-४६ दिन तक (कुं)

९-४६ दिन से
११-५ दिन तक (मी)
७-८ रात से
९-३२ रात तक (सिं)
९-३२ रात से
११-५५ रात तक (कं)
११-५५ रात से
२-२० रात तक (तु)
जनवरी—माघकृष्णपक्ष
३०—तृतीया, गुरुवार
६-८ रात से
११-३१ रात तक (कं)
११-३१ रात से
१-५६ रात तक (तु)
३१—चतुर्थी शुक्रवार
७-५५ प्रातः से
९-१८ दिन तक (कुं)
९-१८ दिन से
१०-३७ दिन तक (मी)
१०-३७ दिन से

१२-७ दिन तक (मे)
६-४० रात से
९-४ रात तक (सिं)
११-२७ रात से
१-५२ रात तक (तु)
८—फर्वरी त्रयोदशी शनिवार
८-३२ रात से
१०-५५ रात तक (कं)
१०-५५ रात से
१-२० रात तक (तु)
माघशुक्लपक्ष
१४—तृतीया शुक्रवार
९-३७ दिन से
११-७ दिन तक (मे)
३-१५ दिन से
५-४० दिन तक (क)
८-४ रात से
१०-२७ रात तक (कं)
१०-२७ रात से
१२-५३ रात तक (तु)

५-७ रात से
६-५६ रात तक (म)
१५—चतुर्थी शनिवार
९-३३ दिन से
११-३ दिन तक (मे)
३-११ दिन से
५-३६ दिन तक (क)
८ बजे रात से
१०-२३ रात तक (कं)
१०-२३ रात से
१२-४६ रात तक (तु)
५-१३ रात से
६-५२ रात तक (म)
१६—पंचमी रविवार
६-२६ दिन से
१०-५९ दिन तक (मे)

फाल्गुणकृष्णपक्ष

२७—द्वितीया गुरुवार
७-२६ प्रातः से
८-४६ दिन तक (मी)

८-४९ दिन से
१०-१८ दिन तक (मे)
६-३८ रात से
१२-३ रात तक (तु)

शंकु प्रतिष्ठा

(बुनियाद मकान)

पूर्वपश्चिम

जुलाई—श्रावणशुक्लपक्ष

२४—षष्ठी बुधवार
४-५४ दिन से
६-५७ शां तक (धं)
२५—सप्तमी गुरुवार
४-४६ दिन से
६-४६ शां तक (धं)

भाद्रकृष्णपक्ष

५—अगस्त द्वितीया सोमवार
४-२ दिन से
६-५ दिन तक (धं)

८—पंचमी गुरुवार
८-४० दिन से
११-३ दिन तक (कं)

जनवरी—पौषशुक्लपक्ष

१५—तृतीया बुधवार
१०-२३ दिन से
११-४२ दिन तक (मी)
१-१२ दिन से
३-५ दिन तक (वृ)
१८—षष्ठी शनिवार
१-४ दिन से
२-५७ दिन तक (वृ)

माघकृष्णपक्ष

३१—चतुर्थी शुक्रवार
१२-७ दिन से
२ बजे दिन तक (वृ)

फर्वरी—माघशुक्लपक्ष

१४—तृतीया शुक्रवार
११-७ दिन से
१ बजे दिन तक (वृ)

फाल्गुणकृष्णपक्ष

२७—गुरुवार १०-१८ दिन से
१२-११ दिन तक (वृ)
२८—तृतीया शुक्रवार
१०-१४ दिन से
१२-७ दिन तक (वृ)

शंकु प्रतिष्ठा

(बुनियाद मकान)

(दक्षिण उत्तर मुख)

अप्रेल—वैशाखशुक्लपक्ष

२५—तृतीया गुरुवार
६-४५ दिन से
८-३८ दिन तक (वृ)
२६—चतुर्थी शुक्रवार
१-१४ दिन से
३-३८ दिन तक (सिं)

मई ज्येष्ठकृष्णपक्ष
८—द्वितीया बुधवार
५-५३ प्रातः से
७-४६ प्रातः तक (वृ)
मई—ज्येष्ठशुक्लपक्ष
२३—द्वितीया गुरुवार
११-२९ दिन से
१-५३ दिन तक (सिं)

प्रवेश मुहूर्त
(नये मकान में)

अप्रेल—वैशाखशुक्लपक्ष
२५—तृतीया गुरुवार
६-४९ प्रातः से
८-४२ दिन तक (वृ)
मई—३ द्वादशी शुक्रवार
६-१३ प्रातः से
८-६ दिन तक (वृ)
ज्येष्ठकृष्णपक्ष
८—द्वितीया बुधवार
५-५३ प्रातः से
७-४६ प्रातः तक (वृ)
ज्येष्ठशुक्लपक्ष
३०—नवमी गुरुवार
१०-५९ दिन से
१-२३ दिन तक (सिं)
३१—एकादशी शुक्रवार
१०-५५ दिन से
१-१८ दिन तक (सिं)
जून—१ द्वादशी शनिवार
१०-५० दिन से
१-१४ दिन तक (सिं)
आषाढशुक्लपक्ष
२९—दशमी शनिवार
८-५८ दिन से
११-२२ दिन तक (सिं)
११-२२ दिन से
१-४५ दिन तक (कं)
जुलाई—१ द्वादशी सोमवार
८-५० दिन से
११-१४ दिन तक (सिं)
११-१४ दिन से
१-३६ दिन तक (कं)
सप्तं—भानु० भाद्रशुक्लपक्ष
१८—तृतीया बुधवार
१-२५ दिन से
३-२८ दिन तक (धं)
२१—षष्ठी शनिवार
१-१४ दिन से
३-१७ दिन तक (धं)
२५—दशमी बुधवार
१२-५९ दिन से
३-३ दिन तक (धं)
२८—द्वादशी शनिवार
१२-४८ दिन से
२-५१ दिन तक (धं)
जनवरी—पौषशुक्लपक्ष
१५—तृतीया बुधवार
१-१२ दिन से
३-५ दिन तक (वृ)
१८—षष्ठी शनिवार
१२-५९ दिन से
२-५२ दिन तक (वृ)
२४—द्वादशी शुक्रवार
१२-३५ दिन से
२-२८ दिन तक (वृ)
माघकृष्णपक्ष
३१—चतुर्थी शुक्रवार
१२-७ दिन से
२ बजे दिन तक (वृ)
फर्वरी—माघशुक्लपक्ष
१२—प्रतिपद् बुधवार
१२-५२ दिन से
१-८ दिन तक (वृ)
१४—तृतीया शुक्रवार
११-७ दिन से
१ बजे दिन तक (वृ)
फर्वरी—फाल्गुणकृष्णपक्ष
२७—द्वितीया गुरुवार

१०-१८ दिन से
१२-११ दिन तक (वृ)



चूडाकरण मुहूर्त
(ज़र कासय)

मई—ज्येष्ठ शुक्लपक्ष
३१—एकादशी, शुक्रवार
१२-४६ दिन से
३-१ दिन तक (सिं)
२—जून त्रयोदशी रविवार
१०-४७ दिन से
१-१० दिन तक (मि)

आषाढकृष्णपक्ष
१०—पंचमी सोमवार
१०-१२ दिन से
२-३५ दिन तक (सिं)
जून—आषाढशुक्लपक्ष
२१—प्रतिपद शुक्रवार

११-६ दिन से
११-५७ दिन तक (सिं)
सप्तं—भानु० भाद्रशुक्लपक्ष
१८—तृतीया बुधवार
१-२५ दिन से
३-२८ दिन तक (धं)
२६—दशमी गुरुवार
१२-५६ दिन से
२-५६ दिन तक (धं)
२७—एकादशी शुक्रवार
१२-५२ दिन से
२-५५ दिन तक (धं)
जनवरी—पौषशुक्लपक्ष
१—तृतीया बुधवार
७-१२ दिन से
१०-२३ दिन तक (कुं)
१०-२३ दिन से
११-४२ दिन तक (मी)
फर्वरी—माघशुक्लपक्ष
२४—त्रयोदशी सोमवार

७-४० प्रातः से
८-५९ दिन तक (मी)
फर्वरी—फाल्गुणकृष्णपक्ष
२८—तृतीया शुक्रवार
१०-४४ दिन से
१२-७ दिन तक (वृ)
मार्च—२ पंचमी रविवार
७-१८ प्रातः से
८-३७ प्रातः तक (मी)



वाग्दान (गण्डन) मुहूर्त

चैत्रशुक्लपक्ष
२८ मार्च, पंचमी गुरुवार
२६ मार्च, षष्ठी शुक्रवार ।
३ अप्रेल, एकादशी बुधवार ।
४ अप्रेल, द्वादशी गुरुवार

वैशाखकृष्णपक्ष
८ अप्रेल, द्वितीया सोमवार ।

वैशाखशुक्लपक्ष
२४ अप्रेल, द्वितीया बुधवार ।
२५ अप्रेल, तृतीया गुरुवार ।
११-१६ दिन तक ।
२६ अप्रेल, चतुर्थी शुक्रवार
९-१२ दिन से ।
१ मई, दशमी बुधवार ।
२ मई, एकादशी गुरुवार ।
३ मई, द्वादशी शुक्रवार ।
५ मई, चतुर्दशी रविवार
२-२८ दिन से ।
६ मई, पूर्णिमा सोमवार ।

ज्येष्ठकृष्णपक्ष
८ मई, द्वितीया बुधवार
१ बजे १० दिन तक ।
१० मई, चतुर्थी शुक्रवार
६-३ शां से ।

ज्येष्ठशुक्लपक्ष
२३ मई, द्वितीया गुरुवार
२६ मई, अष्टमी बुधवार

३० मई, नवमी गुरुवार।
३१ मई, एकादशी शुक्रवार
२ जून, त्रयोदशी रविवार।

आषाढकृष्णपक्ष

६ जून, द्वितीया गुरुवार।
७ जून, द्वितीया शुक्रवार
९ जून, चतुर्थी रविवार
१०-१६ दिन से।
१० जून, पंचमी सोमवार
८-७ प्रातः से।

आषाढशुक्लपक्ष

२४ जून पंचमी सोमवार
६-१६ प्रातः से।
२६ जून, सप्तमी बुधवार
२७ जून अष्टमी गुरुवार
३-१६ दिन तक।
१ जुलाई, द्वादशी सोमवार
३ जुलाई चतुर्दशी बुधवार
४-११ दिन से।
४ जुलाई, पूर्णिमा गुरुवार

श्रावणकृष्णपक्ष

७ जुलाई तृतीया रविवार
३-१६ दिन से।

श्रावणशुक्लपक्ष

२१ जुलाई, द्वितीया रविवार
२२ जुलाई, तृतीया सोमवार
९-११ प्रातः तक।
२४ जुलाई, षष्ठी बुधवार।
२५ जुलाई, सप्तमी गुरुवार।
२६ अष्टमी शुक्रवार
९-२९ प्रातः से।
२८ जुलाई, दशमी रविवार
१०-२० दिन से।
२९ जुलाई, एकादशी सोमवार
११-२८ दिन तक।
३१ जुलाई त्रयो. बुधवार।
२ अगस्त चतुर्दशी शुक्रवार
७ बजे प्रातः से।

भाद्रकृष्णपक्ष

४ अगस्त प्रतिपद रविवार

११-४८ दिन तक।
७ अगस्त चतुर्थी बुधवार
२-५६ दिन से।
८ अगस्त पंचमी गुरुवार
३-२९ दिन तक।

भानु. भाद्रशुक्लपक्ष

२३ सप्तं. अष्टमी सोमवार
२५ दशमी बुधवार
२७ एकादशी शुक्रवार
१२-५६ दिन से।
३० सप्तं. चतुर्दशी सोमवार
२-५६ दिन से।

मार्गशुक्लपक्ष

१५ दसम्बर द्वितीया रविवार
१६ दसम्बर तृतीया सोमवार
१८—पंचमी बुधवार
१०-३० दिन से
२२—अष्टमी रविवार
११-६ दिन तक।
२३—नवमी सोमवार

१२-११ दिन से।
२६--द्वादशी गुरुवार।
२७। त्रयोदशी शुक्रवार

पौषकृष्णपक्ष

२ जनवरीपंचमी गुरुवार

पौषशुक्लपक्ष

१३ जनवरी प्रति.
५-११ शां से।
१७—पंचमी शुक्रवार।
१९—सप्तमी रविवार
२२--दशमी बुधवार।
२३—एकादशी गुरुवार
२४—द्वादशी शुक्रवार।

माघकृष्णपक्ष

२९ जनवरी द्वितीया
३० जनवरी तृतीया
१२-४५ दिन से
३१ चतुर्थी शुक्रवार
१०-३४ दिन से।

माघशुक्लपक्ष

१४ फर्वरी तृतीया शुक्रवार
१६ फर्वरी पंचमी रविवार
१९—अष्टमी बुधवार
२०—नवमी गुरुवार
५-५६ घां से ।
२१—दशमी शुक्रवार

फाल्गुणकृष्णपक्ष

२६ फर्वरी, प्रतिपद् बुधवार
२७ फर्वरी द्वितीया गुरुवार
२८ फर्वरी, तृतीया शुक्रवार
२ मार्च, पंचमी रविवार ।

ज्ञातकर्म (काहनेथर मुहूर्त

चैत्रशुक्लपक्ष

२९ मार्च, षष्ठी शुक्रवार ।
१ अप्रैल, नवमी सोमवार
१-३ दिन से ।

वैशाखकृष्णपक्ष

८ अप्रैल, द्वितीया सोमवार

वैशाखशुक्लपक्ष

२५ अप्रैल, तृतीया गुरुवार
११-१६ दिन तक ।
२६ अप्रैल, चतुर्थी शुक्रवार
९-१२ दिन से ।
२८—सप्तमी रविवार ।
२ मई, एकादशी गुरुवार
११-३१ दिन से ।
३ मई, द्वादशी शुक्रवार

ज्येष्ठकृष्णपक्ष

८ मई, द्वितीया बुधवार
१ बजे १० दिन तक

ज्येष्ठशुक्लपक्ष

२३ मई, द्वितीया गुरुवार
२६ मई, पंचमी रविवार
३० मई, नवमी गुरुवार
५-५५ प्रातः से ।
३१ मई, एकादशी शुक्रवार
२ जून, त्रयोदशी रविवार

आषाढकृष्णपक्ष

९ जून, चतुर्थी रविवार
१०-१६ दिन से ।
१० जून, पंचमी सोमवार
१२-१० दिन तक ।

आषाढशुक्लपक्ष

२१ जून, प्रतिपद् शुक्रवार
११-६ दिन से ।
२६ जून, सप्तमी बुधवार
१ जुलाई, द्वादशी सोमवार

श्रावणकृष्णपक्ष

७ जुलाई तृतीया रविवार

श्रावणशुक्लपक्ष

२४ जुलाई, षष्ठी बुधवार
२५ जुलाई, सप्तमी गुरुवार
२८ जुलाई, दशमी रविवार
१०-२० दिन से ।
२९ जुलाई, एकादशी सोम
११-२८ दिन तक ।

भाद्रकृष्णपक्ष

४ अगस्त प्रतिपद रविवार
१०-५५ दिन से ।
५ अगस्त द्वितीया सोमवार
८ अगस्त पंचमी गुरुवार

भानु. भाद्रशुक्लपक्ष

१८ सप्तं. तृतीया बुधवार ।
२५ दशमी बुधवार
७-५३ प्रातः से ।
२६ सप्तं दशमी गुरुवार
२७—एकादशी शुक्रवार
२९—त्रयोदशी रविवार
१२-१६ दिन तक ।

पौषशुक्लपक्ष

१५ जनवरी तृतीया बुधवार
१९—सप्तमी रविवार ।
२३—एकादशी गुरुवार ।
२४—द्वादशी शुक्रवार ।

माघकृष्णपक्ष

३१ जनवरी चतुर्थी शुक्रवार
१०-३४ दिन से ।

माघशुक्लपक्ष

१४ फर्वरी तृतीया शुक्रवार
८-२३ दिन से ।
१६ फर्वरी पंचमी रविवार
१७—षष्ठी सोमवार
१-१४ दिन तक ।
२१—दशमी शुक्रवार
२३—द्वादशी रविवार ।
२४—त्रयोदशी सोमवार
१०-३७ दिन तक ।

फाल्गुणकृष्णपक्ष

२७ फर्वरी द्वितीया गुरुवार
२८—तृतीया शुक्रवार ।
२ मार्च, पंचमी रविवार

चुल्हा बनाने के मुहूर्त

चैत्रशुक्लपक्ष

४ अप्रेल गुरुवार द्वादशी ।

वैशाखकृष्णपक्ष

११ अप्रेल गुरुवार पंचमी,
षष्टी ७-४७ दिन तक ।

१७ अप्रेल दशमी बुधवार
६-५० प्रातः तक ।

वैशाख शुक्लपक्ष

२८ अप्रेल सप्तमी रविवार
२ मई गुरुवार एकादशी ।
३ मई शुक्रवार द्वादशी
१०-४१ दिन से ।

ज्येष्ठकृष्णपक्ष

८ मई द्वितीया बुधवार
९ मई तृतीया गुरुवार
४-५५ दिन तक ।

ज्येष्ठशुक्लपक्ष

३० मई नवमी गुरुवार
६-३७ शां से ।
३१ मई एकादशी शुक्रवार
६-५ शां तक ।

आषाढकृष्णपक्ष

१० जून पंचमी सोमवार
१०-१६ दिन तक ।

आषाढशुक्लपक्ष

२१ जून प्रतिपद् शुक्रवार
११-९ दिन से ।

श्रावणशुक्लपक्ष

२४ जुलाई षष्ठी बुधवार
१०-३५ दिन से ।
२५ जुलाई, सप्तमी गुरुवार
९-५२ दिन तक ।

भाद्रकृष्णपक्ष

९ अगस्त षष्ठी शुक्रवार
७-१२ प्रातः से ।
१५ अगस्त द्वादशी ।

भानु. भाद्रशुक्लपक्ष

२५ सप्तं. दशमी बुधवार
७-५३ प्रातः से ।
२६ सप्तं दशमी गुरुवार ।
१०-२१ दिन तक ।
२७—एकादशी शुक्रवार

माघकृष्णपक्ष

३० जनवरी तृतीया शुक्रवार
१२-४५ दिन तक ।

५ फर्वरी, दशमी बुधवार ।
६ फर्वरी, एकादशी गुरुवार
५-१२ शां तक ।

फाल्गुणकृष्णपक्ष

२८—तृतीया शुक्रवार ।



विद्यारम्भ मुहूर्त

चैत्रशुक्लपक्ष २९ मार्च, षष्ठी

वैशाखशुक्लपक्ष

२५—अप्रेल, तृतीया
११-१६ दिन तक ।
२६ अप्रेल, चतुर्थी
९-१२ दिन से ।
२ मई, एकादशी गुरुवार
३ मई, द्वादशी शुक्रवार ।

ज्येष्ठशुक्लपक्ष

२३ मई, द्वितीया गुरुवार
२४ मई, तृतीया ।

३० मई, नवमी गुरुवार
३१ मई, एकादशी शुक्रवार
आषाढवदि ६ जून द्वितीया
७ जून द्वितीया।
आषाढशुक्लपक्ष २१ जून प्रतिपद
७·१० प्रातः से।
श्रावणशुक्लपक्ष २५ जुला. सप्तमी
९-५२ दिन तक।
भाद्रकृष्णपक्ष ८ अगस्त पंचमी
३-२९ दिन तक।
भानु० भाद्रशुक्लपक्ष
२६ सप्तम्बर दश, २७ एकादशी
पौषशुक्लपक्ष १७ जनवरी पचमी
२३ जन. एकादशी, २४ द्वादशी।
माघकृष्णपक्ष ३० जन. तृतीया
१२-४५ दिन तक।
३१ जनवरी चतुर्थी
१०-३४ दिन से।
माघशुक्लपक्ष
१३ फर्वरी द्वितीया।

१४ फर्वरी तृतीया शुक्रवार
४-४१ दिन तक।
२१—दशमी शुक्रवार
फाल्गुणकृष्णपक्ष
२७ फर्वरी द्वितीया शुक्रवार
२८ फर्वरी तृतीया।

दूध देने के मुहूर्त

चैत्रशुक्लपक्ष
२ अप्रेल दशमी ७-२६ प्रातः तक
वैशाखशुक्लपक्ष २८ अप्रेल सप्त.
ज्येष्ठकृष्णपक्ष
७ मई प्रतिपद ११-४२ दिन से
९ मई तृतीया ३-४ दिन से
४.५५ दिन तक।
ज्येष्ठशुक्लपक्ष
२३ मई द्वितीया ७-५२ प्रातः से
२६ मई पंचमी २-३० दिन तक
३० मई नवमी ६-३७ शां से।
४ जून पूर्णिमा।

आषाढकृष्णपक्ष
६ जून द्वितीया, ९ जून चतुर्थी
१०-१६ दिन से।
आषाढशुक्लपक्ष
४ जुलाई पूर्णिमा
७-४७ प्रातः तक।
श्रावणकृष्णपक्ष
७ जुलाई तृतीया ३-१६ दिन तक
श्रावणशुक्लपक्ष
२५ जुलाई सप्तमी ९-५२ दिन
तक। २८ जुलाई दशमी
१०-२० दिन से।
भानु० भाद्रशुक्लपक्ष
२६ सप्तम्बर दशमी
१०-२१ दिन से।
माघशुक्लपक्ष २० फर्वरी नवमी
५-४९ शां से।
२३ फर्वरी द्वादशी
१२-४९ दिन से।

शिशार मुहूर्त

मार्गकृष्णपक्ष ११ दसम्बर त्रयो.
मार्गशुक्लपक्ष १८ दस. पंचमी
१०-३० दिन से।
पौषकृष्णपक्ष ५ जनवरी अष्टमी
३-३२ दिन तक।
८ जन. एकादशी ९ जन. द्वादशी
८-४४ प्रातः तक।
पौषशुक्लपक्ष १४ जन. द्वितीया।

पन्न दान मुहूर्त

मल० भाद्रशुक्लपक्ष २१ अगस्त चतुर्थी। २२ अगस्त पंचमी। २३ अग. षष्टी। २५ अष्टमी। ३१ अगस्त चतुर्दशी।

भानु० भाद्रशुक्लपक्ष

१८ सप्तम्बर तृतीया। १९ सप्तं. चतुर्थी। २० पंचमी। २७ एका.

१२-५६ दिन से।

३० सप्तम्बर, चतुर्दशी।

मातृकापूजा

चैत्रशुक्लपक्ष ३१ मार्च, अष्टमी, १ अप्रेल नवमी।

वैशाखशुक्लपक्ष ३ मई, द्वादशी

१०-४१ दिन से।

ज्येष्ठकृष्णपक्ष ८ मई द्वितीया

१-१० दिन तक।

ज्येष्ठशुक्लपक्ष २९ मई अष्टमी। ३१ मई एकादशी, २ जून त्रयो·

आषाढशुक्लपक्ष २७ जून अष्टमी, २८ जून नव.। ३० जून एका.।

श्रावणशुक्लपक्ष २४ जुला. षष्ठी

१०-३५ दिन से।

२५ जुलाई सप्तमी। २६ जुलाई अष्टमी। २८ जुलाई दशमी।

मल० आश्विनशुक्लपक्ष

१८ सप्तं तृतीया। २० सप्तं. पंचमी। २७ सप्तम्बर एकादशी

२-५६ दिन से।

माघशुक्लपक्ष १६ फर्वरी पंचमी

१२-२ दिन से।

फाल्गुणकृष्णपक्ष २८ फर्वरी तृती. २ मार्च पंचमी।

* नित्यप्रार्थनाविधि *

पूर्व दिशा की ओर मुख करके धूपदीप जला कर शुद्ध आसन पर पद्मासन से बैठ कर आदिदेवभगवान् गणेश का ध्यान करके पढ़ें:—शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम्, प्रसन्नवदनं ध्याये सर्वविघ्नोपशान्तये। अभिप्रीतार्थसिद्ध्यर्थं पूजितो यः सुरैर्-अपि, सर्वविघ्नछिदे तस्मै गणाधिपतये नमः।१। बिभ्रत्-दक्षिणहस्तपद्म-युगले दन्ताक्षसूत्रे शुभे, वामे मोदक-पूर्णपात्र-परशु नागोपवीती-त्रिदृक्, श्रीमान्-सिंहयुगासनः श्रुतियुगे शंखौ वहन्, मौलिमान् दिश्यात्-ईश्वरपुत्र-ईशभगवान् लम्बोदर ... चतुर्भुजाय

हेरम्बभैरव-गणेश्वर-नायकाय, सर्वार्थसिद्धि-फलदाय गणेश्वराय ।३। सुख्यं द्वादश-नामानि गणेशस्य महात्मनः । यः पठेत्-तु शिवोक्तानि स लभेत्सिद्धिम्-उत्तमाम् ।४। प्रथमं वक्रतुण्डं तु चैकदन्तं द्वितीयकम्, तृतीयं कृष्णपिङ्गं तु चतुर्थं च कपर्दिनम्, लम्बोदरं पञ्चमं तु षष्ठं विकटम्-एव च सप्तमं विघ्नराजेन्द्रं धूम्रवर्णं तथाष्टमम्, नवमं भालचन्द्रं तु दशमं तु विनायकम्, एकादशं गणपतिं द्वादशं मन्त्रनायकम्-पठते शृणुते यस्तु गणेश-स्तवम्-उत्तमं, भार्यार्थी लभते भार्यां धनार्थी विपुलं धनम्, पुत्रार्थी लभते पुत्रं मोक्षार्थी परमं पदम्, इच्छाकामं तु कामार्थी धर्मार्थी धर्मम्-अक्षयम् ।५। सुमुखैश्चैक-दन्तश्च कपिलो गजकर्णकः । लम्बोदरश्च विकटो विघ्नराजो गणाधिपः । धूम्र-केतु-र्गणाध्यक्षो भालचन्द्रो गजाननः द्वादशैस्तानि-नामानि गणेशस्य महात्मनः, यः पठेत्-शृणुयात्-चापि स लभेत्-सिद्धिम्-उत्तमाम् । विद्यारम्भे विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा, संग्रामे संकटे चैव विघ्नस्तस्य न जायते ।

हैमजासुतं भजे गणेशं ईशनन्दनम्

श्रीगणेशस्तुतिः—एकदन्त-वक्रतुण्डनागयज्ञ सूत्रकम् । रक्तगात्र-धूम्रनेत्र शुक्लवस्त्र-मण्डितम्-कल्पवृक्ष-भक्तरक्ष ! नमोस्तु ते गजाननम् ।१। पाशपाणि-चक्रपाणि-मूषकादि- रोहिणम् । अग्निकोटि, सूर्य-ज्योति, वज्र-कोटिनिर्मलम् । चित्रमाल, भक्तिजाल, भालचन्द्रशोभितम् । कल्पवृक्ष, भक्तरक्ष, नमोस्तु ते गजाननम् २। भूतभव्य, हव्यकव्य-भृगुभार्गवार्चितम् । दिव्यवह्नि-कालजाललोकपाल-वन्दितम् । पूर्णब्रह्म-सूर्यवर्ण पूरुषं पुरान्तकम् । कल्पवृक्ष, भक्तरक्ष, नमोस्तु ते गजाननम् ३। विश्ववीर्य, विश्वसूर्य, विश्वकर्म निर्मलम् । विश्वहर्ता, विश्वकर्ता यत्र तत्र पूजितम् । चतुर्मुखं चतुर्भुजं सेवितुं चतुर्युगम् । कल्पवृक्ष, भक्तरक्ष, नमोस्तु ते गजाननम् ४।

(नोट.– यह उपरलिखित गणेशस्तुति व्याकरण के अनुसार यद्यपि अशुद्ध भी है परन्तु काश्मीर में भगतजन प्रायः इस स्तुति

का बड़ी श्रद्धा से गायन करते हैं, श्रद्धा का शस्त्र विधि अविधि शुद्धि अशुद्धि के लिये रामबाण का काम देता है।

*** विष्णुप्रार्थना ***

सप्तश्लोकीगीता—ओमित्येकाक्षरं ब्रह्म व्याहरन्माम्-अनुस्मरन् । यः प्रयाति त्यजन्-देहं स याति परमां गतिम् ।१। स्थाने हृषीकेश तव प्रकीर्त्या जगत्-प्रहृष्यत्यनुरज्जते च, रक्षांसि भीतानि दिशो द्रवन्ति, सर्वे नमस्यन्ति च सिद्धसंघाः ।२। सर्वतः पाणिपादं तत् सर्वतोक्षि-शिरोमुखम् । सर्वतः श्रुतिमत्लोके सर्वम्-आवृत्य तिष्ठति ।३। कविं पुराणम्-अनुशासितारम्-अणोरणीयान्सम्-अनु-स्मरेत्-यः । सर्वस्य धातारम्-अचिन्त्यरूपम्-आदित्यवर्णं तमसः परस्तात् ।४। ऊर्ध्वमूलम्-अधः शाखम्-अश्वत्थं प्राहुर्-अव्ययम् । छन्दांसि यस्यपर्णानि यस्तं वेद स वेदवित् ।५। सर्वस्य चाहं हृदि सन्निविष्टो मतः स्मृतिर्ज्ञानम्-अपोहनं च, वेदैश्च सर्वैर्-अहमेव वेद्यो, वेदान्तकृत्-वेदवित्-एव चाहम् ।६। मन्मना भव मत्-भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु । माम्-एवैष्यसि युक्त्वैम्-आत्मानं मत्परायणः ।७। ओ३म् तत्-सत्-इति श्रीमत्-भगवत्-गीता-सूपनिषत्सु-ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुन-संवादे सप्तश्लोकी गीतासमाप्ता।

ध्येयः सदा सवितृमण्डलमध्यवर्ती नारायणः सरसिजासन-सन्निविष्ठः। केयूरवान्-कनक-कुण्डलवान्-किरीटी हारी हिरण्मयवपु-धृतशङ्खचक्रः ।१। नमामि नारायणपाद-पंकजं करोमि नारायणपूजनं सदा । वदामि नारायणनाम निर्मलं, स्मरामि नारायण-तत्त्वम्-अव्ययम् । करारविन्देन पदारविन्दं मुखारविन्दे विनिवेशयन्तम् । अश्वत्थपत्रस्य पुटे शयानं बालं मुकुन्दं मनसा स्मरामि ।३। कायेन वाचा मनसेन्द्रियैर्वा बुद्ध्यात्मना वा प्रकृतिस्वभावात्, करोमि यत् यत् सकलं परस्मै नारायणायेति समर्पयामि ।४। हा कृष्ण मनसि वासिन् क्वासि यादवनन्दन । इमाम्-अवस्थां संप्राप्तम् अनाथं किं न रक्षसि ।५। या त्वरा द्रौपदीत्राणे या त्वरा गजमोक्षणे [illegible] सा त्वरा क्व गता हरे ।

❁ विष्णुस्तुति ❁

जय नारायण जय पुरुषोत्तम जय वामन कंसारे, उद्धर मामसुरेशविनाशिन् पतितोहं संसारे । घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं, माम् - अनुकम्पय दीनम् - अनाथं कुरु भवसागरपारम् ।१। जय जय देव जयासुर - सूदन जय केशव जय विष्णो । जय लक्ष्मीमुख-कमलमधुव्रत जय दशकन्धरजिष्णो घोरं हर० ।२। यद्यपि सकलम् - अहं कलयामि हरे नहि किम्-अपि स सत्वम् । तत्-अपि न मुञ्चति मामिदम् - अच्युत पुत्रकलत्र ममत्वं घोरं हर० ।३। पुनर् - अपि जननं पुनर् - अपि मरणं पुनर् - अपि गर्भनिवासम् । सोढुम् - अलंपुनर् -अस्मिन्माधव माम्-उद्धर निजदासम् घोरं हर० ।४। त्वं जननी जनकः प्रभुर् -अच्युत त्वं सुहृत् - कुलमित्रम् । त्वं शरणं शरणागतवत्सल त्वं भवजलधि - वहित्रं घोरं हर० ।५। जनक - सुतापति-चरण-परायण शङ्कर-मुनिवरगीतं धारय मनसि कृष्णपुरुषोत्तम् धारय संसृतिभीत्तिम् घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं-माम्-अनुकम्पय-दीनम्-अनाथं कुरुभव-सागर-पारम् ।६।

अच्युतं केशवं रामनारायणं कृष्णदामोदरं वासुदेवं हरिम् । श्रीधरं माधवं गोपिकावल्लभं जानकीनायकं रामचन्द्रं भजे ।१। व्रजं शैशवं सत्यभामाधवं श्रीधरं श्रीपतिंराधिकाराधितम् । इन्दिरामन्दिरं चेतसा सुन्दरं देवकीनन्दनं नन्दजं सम्भजे ।२। अङ्गनाम्-अङ्गनाम्-अन्तरे माधवो, माधवं माधवं चान्तरेणाङ्गना। इत्थमा - कल्पिते मण्डले मध्यगः, सञ्जगौ वेणुना देवकीनन्दनः ।३। बालिका - बालिका बाललीला - लयः संगसन्दर्शित-भ्रूलताविभ्रमः । गोपिका गीत-दत्ता-वदानः स्वयं सञ्जगौ वेणुना देवकी - नन्दनः ।४। जयतु जयतु देवो देवीनन्दनोयं जयतु जयतु कृष्णो वृष्णिवंशप्रदीपः । जयतु जयतु मेघश्यामलः कोमलांगो जयतु जयतु पृथ्वीभारनाशो मुकुन्दः ।५।

* शङ्कर प्रार्थना *

भगवान् शंकर का ध्यान करते हुए पढ़ें:—प्रणतोस्मि महादेव प्रपन्नोस्मि सदाशिव निवारय महामृत्युं मृत्युञ्जय नमोस्तुते ।१। मृत्युञ्जय महादेव पाहि मां शरणागतम्, जन्ममृत्यु-जरारोगैः पीडितं भवबन्धनात् ।२। कर्पूर-गौरं करुणावतारं संसार—सारं भुजगेन्द्रहारम् । सदा रमन्तं हृदयारबिन्दे भवं भवानी सहितं नमामि ।३। हर शम्भो महादेव विश्वेशामरवल्लभ । शिव शङ्कर सर्वात्मन् नीलकण्ठ नमोस्तु ते ।४। तव तत्त्वं न जानामि कीदृशोसि महेश्वर यादृशोसि महादेव तादृशाय नमो नमः ।५। आधीनाम्-अगदं दिव्यं व्याधीनां मूलकृन्तनम् । उपद्रवाणां दलनं महादेवम्-उपास्महे ।६। आत्मा त्वं गिरिजा मतिः परिजनाः प्राणाः शरीरं गृहं, पूजा ते विषयो - पभोगरचना निद्रा समाधि-स्थितिः । सञ्चारोऽपि परिक्रमः पशुपते स्तोत्राणि सर्वा गिरो, यत् यत् कर्म करोमि देव भगवन् तत् तत् तवारा-धनम् ।७। नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्माङ्गरागाय महेश्वराय । देवाधिदेवाय दिगम्बराय तस्मै नकाराय नमः शिवाय ।८। मातङ्गचरमाम्बर-भूषणाय समस्तगीर्वाण-गणार्चिताय त्रैलोक्य—नाथाय पुरान्तकाय तस्मै मकाराय नमः शिवाय ।९। शिवामुखाम्भोजविकासनाय दक्षस्य यज्ञस्य विनाशकाय, चन्द्रार्कवैश्वानरलोचनाय तस्मै शिकाराय नमः शिवाय ।१०। वशिष्ठकुम्भोत्-भवगौतमादि-मुनीन्द्रवन्द्याय गिरीश्वराय, श्रीनीलकण्ठाय वृषध्वजाय तस्मै वकाराय नमः शिवाय ।११। यज्ञस्वरूपाय जटाधराय पिनाकहस्ताय सनातनाय, नित्याय शुद्धाय निरञ्जनाय तस्मै यकाराय नमः शिवाय ।१२। वपुष्प्रादुर्भावात् अनुमितम्-इदंजन्मनि पुरा । पुरारे नैवाहं क्वचित्-अपि भवन्तं प्रणतवान् । नमन्मुक्तः सम्प्र-त्यतनुर्-अहम्-अग्रे-प्यनतिमान्-महेश क्षन्तव्यं तदिदमपराध-द्वयम्-अपि ।१३। करचरणकृतं वाक् कायजं कर्मजं वा श्रवण-नयनजं वा मानसं वा पराधम् । विदितम्-अविदितं वा सर्वमेतत्क्षमस्व जय जय करुणाब्धे श्रीमहादेव शम्भो ।

॥ देवी प्रार्थना ॥

दुर्गे स्मृता हरसि भीतिम्-अशेषजन्तोः, स्वस्थैः स्मृता मतिम्-अतीव शुभां ददासि । दारिद्र्यदुःखभय-हारिणि का त्वत्-अन्या, सर्वोपकार-करणाय दयार्द्र चित्ता ।१। देवि प्रपन्नार्तिहरे प्रसीद प्रसीद मातर्जगतोखिलस्य, प्रसीद विश्वेश्वरि पाहि विश्वं त्वम्-ईश्वरी देवि चराचरस्य ।२। पृथिव्यां पुत्रास्ते जननि बहवः सन्ति सरलाः, परं तेषां मध्ये विरलतरलोहं तव सुतः । मदीयोयं त्यागः समुचितम्-इदं नो तव शिवे, कुपुत्रो जायेत क्वचित्-अपि कुमाता न भवति ।३। जगत्-मातर्-माताः तव चरणसेवा न रचिता, न वा दत्तं देवि द्रविणमपि भूयस्तव मया । तथापि त्वं स्नेहं मयि निर्-उपमं यत्-प्रकुरुषे, कुपुत्रो जायेत क्वचित्-अपि कुमाता न भवति ।४। शरणागत-दीनार्त-परित्राणपरा-यणि । सर्वस्यार्तिहरे देवि नारायणि नमोस्तु ते ।

या देवी सर्वभूतेषु विष्णुमायेति शब्दिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः ।१। या देवी सर्वभूतेषु चेतनेत्य-भिधीयते नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः ।२। या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता० नमस्तस्यै ।३। या देवी सर्वभूतेषु निद्रारूपेण संस्थिता नमस्त० ।४। या देवी सर्वभूतेषु क्षुधारूपेण संस्थिता नमस्त० ।५। या देवी सर्वभूतेषु छायारूपेण संस्थिता नमस्त० ।६। या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।७। या देवी सर्वभूतेषु तृष्णारूपेण संस्थिता नमस्त० ।८। या देवी सर्वभूतेषु क्षान्तिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।९। या देवी सर्वभूतेषु जातिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१०। या देवी० लज्जारूपेण संस्थिता नमस्त० ।११। या देवी० शान्तिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१२। या देवी सर्वभूतेषु श्रद्धारूपेण संस्थिता नमस्त० ।१३। या देवी सर्वभूतेषु कान्तिरूपेण संस्थिता

नमस्त० ।१४। या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१५। या देवी...स्मृतिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१६। या देवी...दयारूपेण संस्थिता नमस्त० ।१७। या देवी सर्वभूतेषु तुष्टि रूपेण संस्थिता नमस्त० ।१८। या देवीसर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१९। या देवी सर्वभूतेषु भ्रांतिपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै ।२०। आनन्दसुन्दर पुरन्द्रमुक्तमाल्यं मौलौ हठेन निहितं महिषासुरस्य पादाम्बुजं भवतु मे विजयाय मञ्जु, मञ्जीरशिञ्जितमनोहरमम्बिकायाः ।२१। उत्तप्तहेमरुचिरे त्रिपुरे पुनीहि, चेत्तश्चि-रन्तनमघौघवनं लुनीहि, कारागृहे निगडबन्धनपीडितस्य त्वत्संस्मृत्तौ झडिति मे निगडास्त्रुदूयन्तु ।२२। माया कुण्डलिनी, क्रियामधुमती, कालीकला मालिनी । मातङ्गी विजया जया भगवती देवी शिवा शाम्भवी । शक्तिः शङ्करवल्लभा त्रिनयना वाग्वादिनी भैरवी, ह्रींकारी त्रिपुरा परा परमयी माताकुमारीत्यसि ।२४। महाबले महोत्साहे महाभयविनाशिनि । त्राहि मां देवि दुष्प्रेक्ष्ये शत्रूणां भयवर्धिनि ।२५। सर्वमङ्गलमङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके, शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते ॥

* इन्द्राक्षी *

इन्द्र उवाच—इन्द्राक्षी नाम सा देवी देवतैः समुदाहृता गौरी शाकंभरी देवी दुर्गानाम्नीति विश्रुता, कात्यायनी महादेवी चन्द्रघंटा महातपा, गायत्री साच सावित्री ब्रह्माणी ब्रह्मवादिनी, नारायणी भद्रकाली रुद्राणी कृष्णपिंगला अग्नि ज्वाला रौद्रमुखी कालरात्रिस्तपस्विनी । मेघश्यामा सहस्राक्षी विष्णुमाया जलोदरी, महोदरी मुक्तकेशी घोररूपा महाबला आनन्दा भद्रजा नन्दा रोगहर्त्री शिवप्रिया, शिवदूती कराली च प्रत्यक्षा परमेश्वरी, इन्द्राणी चन्द्ररूपा च इन्द्रशक्तिपरायणा, महिषासुर-संहर्त्री चामुण्डा गर्भदेवता, वाराही नारसिंही च भीमा भैरवनादिनी, श्रुतिःस्मृति-धृतिर्मेधा विद्यालक्ष्मी सरस्वती, आनन्दा विजयापूर्णा मानस्तोका अपराजिता, भवानी पार्वती दुर्गा हैमवत्यंबिका शिवा, शिवा

भवानी रुद्राणी शङ्करार्धशरीरिणी ॥

* गौरीस्तुति *

ॐ लीलारब्धस्थापित-लुप्ताखिल-लोकां, लोकातीतैर्योगिभिरन्तर्हृदि-मृग्याम् । बालादित्य-श्रेणि-समानद्युति-पुञ्जां गौरीमम्बामम्बुरुहाक्षीमहमीडे ।१। आशापाशक्लेशविनाशं विदधानां पादम्भोज-ध्यान-पराणां पुरुषाणाम् । ईशीमीशार्धाङ्गहरां तां तनुमध्यां गौरीमम्बा० । प्रत्याहारध्यान-समाधिस्थितिभाजां नित्यं चित्ते निर्वृतिकाष्ठां कलयन्तीम् । सत्यज्ञानानन्दमयीं तां तडिदाभां गौरी० ।३। चन्द्रापीडानन्दितमन्द-स्मितवक्त्रां, चन्द्रापीडालंकृतलोलालकभाराम् । इन्द्रोपेन्द्राद्यर्चितपादाम्बुजयुग्मां गौरी० ।४। नानाकारैः शक्तिकदम्बैर्भुवनानि व्याप्य स्वैरं क्रीडति यासौ स्वयमेका । कल्याणीं तां कल्पलतामानतिभाजां गौरी० ।५। मूलाधारादुत्थितवन्तीं विधिरंध्रं सौरं चान्द्रं धाम विहाय ज्वलिताङ्गीम् । स्थूलां सूक्ष्मां सूक्ष्मतरां तामभिवन्द्यां गौरी० ।६। आदिक्षान्तामक्षरमूर्त्या विलसन्तीं भूते भूते भूत-कदम्बं प्रसवित्रीम् । शब्दब्रह्मानन्दमयीं तामभिरामां गौरी० ।७। यस्याः कुक्षौ लीनमखण्डं जगदण्डं, भूयो भूयः प्रादुरभूदुत्थितमेव । भर्त्रा सार्धं तां स्फटिकाद्रौ विहरंतीं गौरी० ।८। यस्यामेतत्प्रोतमशेषं मणिमाला, सूत्रे यद्वत्क्वापि चरं चाप्यचरं च । तामध्यात्मज्ञानपदव्या गमनीयां गौरी० ।१०। पूजाकले भावविशुद्धिं विदधानो भक्त्या नित्यं जल्पति गौरीदशकं यः । वाचां सिद्धिं सम्पत्तिमुच्चैः शिवभक्तिं तस्या वश्यं पर्वतपुत्री विदधाति ।

* शान्तिः पाठ *

भद्रङ्कर्णेभिः शृणुयाम देवा, भद्रं पश्येमाक्षिभिर्यजत्राः । स्थिरैरङ्गै स्तुष्टुवांस स्तनूभिर्व्यशेम देवहितं यदायुः, स्वस्ति न इन्द्रोवृद्धश्रवाः स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः स्वस्तिनस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमीः स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु ।

। अथ नैवेद्य मन्त्राः ।

दोनों हाथों से नैवेद्य ग्रहण करते हुये पढ़ें ।

अमृतेशमुद्रयाऽमृतीकृत्य अमृतमस्तु अमृतायतां नैवेद्यं सावित्राणि सावित्रस्य देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्यमाददे, महागणपतये कुमाराय श्रियै सरस्वत्यै लक्ष्म्यै विश्वकर्मणे द्वारदेवताभ्यः प्रजापतये ब्रह्मणे कलश-देवताभ्यः ब्रह्मविष्णु महेश्वरदेवताभ्यः चातुर्वेदेश्वराय ऋतुपतये नाराणाय दुर्गायै त्र्यम्बकाय वरुणाय यज्ञपुरुषाय अग्निष्वात्तादिभ्यः पितृगणदेवताभ्यः ॐ भगवते वासुदेवाय लक्ष्मीसहिताय नाराणाय, भवाय देवाय पार्वतीसहिताय परमेश्वराय विनायकाय वल्लभासहिताय श्रीगणेशाय क्लीं कां कुमाराय भगवते ह्लां ह्लीं सः सूर्याय प्रभासहिताय आदित्याय भगवत्यै अमायै कामायै चार्वङ्ग्यै टंकधारिण्यै तारायै पार्वत्यै यक्षिण्यै श्रीशारिकाभगवत्यै श्रीशारदाभगवत्यै श्रीमहा-राज्ञीभगवत्यै श्रीज्वालाभगवत्यै व्रीढाभगवत्यै वैखरीभगवत्यै गंगाभगवत्यै यमुनाभगवत्यै कालिकाभगवत्यै सिद्धलक्ष्म्यै महालक्ष्म्यै महात्रिपुरसुन्दर्यै सहस्रनाम्न्यै देव्यै भवान्यै अभयंकरीदेव्यै क्षेमकरीभगवत्यै सर्वशत्रुघातिन्यैइहराष्ट्राधिपतये अमुकभैरवाय इन्द्रादिभ्यो दशलोकपालेभ्यः आदित्यादिभ्यो नवग्रहदेवताभ्यः ब्रह्मध्रुवाभ्यां अनन्तागस्त्याभ्यां ब्रह्मणे कूर्माय ध्रुवाय हरये लक्ष्म्यै कमलायै शिक्षादिभ्यः पञ्च चत्वारिंशिद्वास्तोष्पतियागदेवताभ्यः ब्रह्मादिभ्यः मातृभ्यः। गौर्यादिभ्यः मातृभ्यः, ललितादिभ्यः मातृभ्यः दुर्गाक्षेत्रगणेश्वरदेवताभ्यः राकादेवताभ्यः त्रिकादेवताभ्यः सिनीवालीदेवताभ्यः यामीदेवताभ्यः रौद्रीदेवताभ्यः वारुणीदेवताभ्यः वार्हस्पत्यदेवताभ्यः । ॐ भूर्देवताभ्यः ॐभुवो देवताभ्यः ॐस्वर्देवाभ्यः ॐ भूर्भुवस्वर्देवताभ्यः अखण्डब्रह्माण्डयागदेवताभ्यः महागायत्र्यै सावित्र्यै सरस्वत्यै हेरकादिभ्यः वटुकादिभ्यः उत्पन्नममृतं दिव्यं प्राक्क्षीरोदधिमन्थनात् अन्नममृतरूपेण नैवेद्य प्रतिगृह्यताम् (इष्ट देवता का ध्यान करते हुये पढ़ें) तत्सद् ब्रह्म अद्यतावात् तिथौ अद्य अमुक मासस्य-अमुकपक्षस्य, तिथौ अमुकायां, आमनो वाङ्मनः कायोपार्जितपाप-निवारणार्थं ॐ नमो नैवेद्यं निवेदयामि नमः । (चूट्ट रखते त्रुये पढें) या काचित् योगिनी रौद्रा सौम्या घोरतरा परा, खेचरी भूचरी रामा तुष्टा भवन्तु मे सदा, आकाशमातृभ्यः अन्नं नमः समालभनं गन्धो नमः अर्घो नमः पुष्पं नमः ।

اوم

سپتت رشی سمت ۵۰۵۰ شاکا سمت ۱۸۹۵

وجیشور جنتری ۱۹۷۴

بجبہارا (کشمیر)

سمت بکرمی ۲۰۳۱

سن عیسوی ۱۹۷۴ / ۱۹۷۵

سمپادک:—
جوتشی پریم ناتھ شاستری بجبہارا (کشمیر)
گنت کرتا: جوتشی کنٹھ شرما

رجسٹرڈ نمبر— ۱۹۸۲

وجیشور جیوتش کاریالیہ کے کاریہ کرتا:—
جوتشی کاشی ناتھ شرما۔ جوتشی ادمکار ناتھ شاستری۔ جواہر لال شاستری

سمت ۲۰۳۱ کے ورت تھا اُواس کی سُوچی!

صاحب سپتم
• ملماسیوں کی ۰ر ستمبر۔ اتوار
• بھانوماسیوں کی ۰ر اکتوبر۔ سوموار

سنکراتی ورت!
بیساکھ کا۔ ۱۴ر اپریل آتوار کو
جیٹھ کا۔ ۱۴ر مئی منگلوار کو
آشاڑھ کا۔ ۱۵ر جون شنیچروار کو
شراون کا۔ ۱۶ر جولائی منگلوار کو
بھادروں کا۔ ۱۷ر اگست شنیچروار کو
اسوج کا۔ ۱۷ر ستمبر منگلوار کو
کتک کا۔ ۱۷ر اکتوبر گوروار کو
مگھر کا۔ ۱۶ر نومبر شنیچروار کو
پوہ کا۔ ۱۶ر دسمبر سوموار کو
ماگھ کا۔ ۱۴ر جنوری منگلوار کو
پھاگن کا۔ ۱۳ر فروری گوروار کو
چیتر کا۔ ۱۴ر مارچ شکروار کو

دُورگاشٹمی
ملماسیوں کی۔ ۲۳ر ستمبر سوموار
بھانوماسیوں کی ۲۲ر اکتوبر بُدھوار
چیتر کی دورگاشٹمی
۳۱ر مارچ آتوار

نو دُرگارمبھ
• ملماسیوں کا ۱۶ر ستمبر سوموار
• بھانوماسیوں کا ۱۶ر اکتوبر بُدھوار

سنکٹ چورم
(۱) ۱۰ر اپریل۔ بُدھوار
(۲) ۹ر مئی۔ گوروار
(۳) ۸ر جون۔ شنیچروار
(۴) ۸ر جولائی۔ سوموار
(۵) ۶ر اگست۔ منگلوار
(۶) ۵ر ستمبر۔ گوروار
(۷) ۴ر اکتوبر۔ شکروار
(۸) ۳ر نومبر۔ آتوار
(۹) ۲ر دسمبر۔ سوموار
(۱۰) اوّل جنوری بُدھ وار
(۱۱) ۳۰ر جنوری۔ گوروار

خاص دوس۔ ملماس آرمبھ ۔۳ر ستمبر، سمایت ۔۳ر اکتوبر: بھانوماس آرمبھ ۱۰ر اگست ، سمایت ۱۶ر ستمبر:

شکر است ۱۸ر اکتوبر | شکر اُودے | برہسپت است | برہسپت اُودے

جنم اشٹمی، دو
۱۰ر اگست شنیچروار۔ ۱۱ر اگست آتوار

چندن ششٹی
۸ر اگست گوروار کو

شوراتری دو
۹ر مارچ۔ آتوار
۱۰ر مارچ۔ سوموار

شوچتردشی دو
(پھاگن کی)
۱۰ر مارچ۔ سوموار
۱۱ر مارچ۔ منگلوار

شوچتردشی
(ماگھ کی)
۹ر فروری۔ آتوار

شراون پونم

کمار شٹیم ورت
(۱) ۲۷ر اپریل۔ شنیچروار
(۲) ۲۶ر مئی۔ آتوار
(۳) ۲۵ر جون۔ منگلوار
(۴) ۲۴ر جولائی، بُدھ وار
(۵) ۲۲ر اگست۔ گوروار
(۶) ۲۱ر ستمبر۔ شنیچروار
(۷) ۲۰ر اکتوبر۔ آتوار
(۸) ۱۹ر نومبر۔ منگلوار
(۹) ۱۹ر دسمبر۔ گوروار
(۱۰) ۱۸ر جنوری۔ شنیچروار
(۱۱) ۱۷ر فروری۔ سوموار
(۱۲) ۱۸ر مارچ۔ منگلوار

جوالا چتردشی

پترامادسی
• ملماسیوں کی ۱۵ر ستمبر آتوار۔
• بھانوماسیوں کی ۱۵ر اکتوبر منگلوار۔

پترپکھ آرمبھ
• ملماسیوں کا ۲ر ستمبر سوموار۔
• بھانوماسیوں کا ار اکتوبر منگلوار

رام نومی
۱۰ر اپریل، سوموار

وجیا سپتمی
ویساکھ شکلا پکھ آٹھارہ ۲۸ر اپریل کو آشریہ اودے لے است تک ہے
مارتنڈ تیرتھ یاترا

جیوتش کی نظر میں سمت ۲۰۳۱

دھاتو کے سوامی بوم دیوتا	پھلوں کے سوامی شکر دیوتا	راجہ شنیچر دیوتا	منتری شنیچر دیوتا	رکت منتری شنیچر دیوتا	دھن کے سوامی بوم دیوتا	رس کے سوامی برہسپتی دیوتا
اجناس کے سوامی بوم دیوتا	دھانیہ کے سوامی چندرما دیوتا	میگھ کے سوامی شنیچر دیوتا	ورش کا واہن گھوڑا	سنبت کا واہن شودر (دواہ)	ورش بھوگی برتن کاری شنیچر بابیہ	آشاڑھ نوی شکر وار کو

سنسار

اِس ورش کے دس ادھیکاریوں میں سے چار اہم ادھیکار شنیچر دیوتا نے ایک ساتھ سنبھالے ہیں۔ یہ یوگ سنسار میں اشانت واتاورن بنائے رکھنے کا سوچک ہے۔ شنیچر کے راجہ ہونے کے بارے میں پھلت شاستروں میں لکھا ہے "युद्ध नृपाणमित्यादि" راجاؤں میں یُدھ ڈاکوؤں لٹیروں سے ڈر۔ کہیں چھتر بھنگ۔ کہیں فوجی اُوٹ سن۔ کہیں تخت اُلٹنا وغیرہ۔

ایسے ہی شنیچر کے وزیر ہونے کے بارے میں لکھا ہے "पार्थिवा विनयसं- रहिता : बहुदु:खदा:" حکمرانوں میں اپنی دھاک جمانے کی دُھن۔ جنتا کو دُکھ دینے کی پرورتی ایسے ہی جنتا میں بھی انوشاسن بھنگ کرنے کا رُجحان تتھا من مانی کرنے کی پرورتی پائی جائے گی۔

شنیچر کے پربھاو سے اِس ورش چھوٹے سے چھوٹے تتھا بڑے سے بڑے شکتی شالی ممالک بھی اپنی اندرونی سمسیاؤں میں اُلجھے رہیں گے۔ بیرونی ممالک کے معاملوں میں کم توجہ دینگے۔ اکثر ممالک اپنی اُلجھنوں کی گتھیاں سُلجھانے میں پریشان رہیں گے۔ شنی دیوتا کے پربھاو سے جہاں اکثر راج نیتک اُتھل پتھل ہوں گے وہاں شنی دیوتا ناگہانی وارداتیں پرکٹ کرنے میں بھی پیچھے نہیں رہے گا۔ جہاں اتی درشٹی، انا درشٹی تتھا بھوکمپ وغیرہ اُتپاتوں سے اسنکھیہ دھن جن کا ناش ہوگا۔ شنی دیوتا کے کُردر سوبھاو کو شانت بنائے رکھنے میں برہسپتی دیوتا کا خاص ہاتھ ہے۔ سنسار کو مہان یُدھ کی بھٹی میں جھونکنے سے بچائے رکھنے کا سہرا برہسپتی دیوتا کے سر ہے۔ جبکہ برہسپتی دیوتا جگت لگن تتھا ورش لگن میں شنیچر کو پورن درشٹی سے دیکھ رہے ہیں۔ اگر برہسپتی کی پربھاو سے اِس ورش عالمگیر یا یُدھ کا یوگ نہیں بنتا ہے۔ پرنتو تو بھی شنی دیو کھنڈ یُدھوں سے ہی اپنی پیاس بجھانے میں لگے رہینگے اُن کھنڈ یُدھوں کا نشان مُسلم ممالک بنائے رکھے گا۔ چین یُدھوں میں اسنکھیہ دھن جن کا سنہار ہوگا عرب اور اسرائیل سنگھرش نئے روپ میں سنسار کے سامنے آئیگا۔ ایسے ہی کئی نئے مسلے کھڑے ہونگے جو تٹستھ ممالک کو بھی کھُلم کھُلا آپسی ٹکر لینے پر مجبور کرینگے۔

جگت لگن (اِیشٹ کال ۲۱/۴۴ رات) ورش لگن (اِیشٹ کال ۵/۵۵ رات) بھارت سوتنتر دوس۔ ورش پھل

بھارت

اِس ورش گرہ چال بھارت کے بھاگیہ کے کچھ انوکول ہے۔ خاص کر برہسپتی دیوتا بھارت کی بین الاقوامی شہرت تتھا پرتشٹھا بنائے رکھنے میں سہائیک ہوگا۔ بھارت کی زراعتی، معاشی ستھتی میں کافی سے زیادہ سُدھار ہوگا۔ دھن کا مساوی وبھاجن، شہری سمپتی کا نینترن زمین کاشتکاروں کی ہوگی وغیرہ غریبی دُور کرنے کے مسئلے بار بار منتری منڈل کے زیر بحث آئیں گے۔ दूपरिसीमन دھن وبھاجن کے وشئے میں چند ایسے اقدام اُٹھائے جائینگے جس سے سرمایہ دار طبقہ میں زبردست گھبراہٹ

پیدا ہو گی۔ سرکار بیروزگاری، بیکاری تتھا کر توڑ مہنگائی سے پھیلی ہوئی اشانتی کو دور کرنے میں پریتن شیل رہے گی۔ جہاں ایک طرف برہسپتی بھارت کے انوکول ہے وہاں شنیچر دیوتا بھی اپنے کردار پر بھاو کو دکھائے بنا رہے گا نہیں ورودھی دل حکومت کے ہر کام میں کڑی الوچنا تتھا روڑا اٹکانے میں کمربستہ رہے گا۔ دیش میں توڑ پھوڑ کی کاروائیاں ہتیا کانڈ ہڑتالیں وغیرہ ہوتی رہیں گی۔

رکھشا وبھاگ کے مالک شنیچر دیوتا ہونے پر دیش میں جدید شستر بنانے کے وشال کارخانے تتھا بھٹیاں کھولی جائیں گی۔ بھارت فوجی شکتی میں جنگجو ممالک سے برابری کرنے کے پریتن میں رہیگا سمندری، آکاشی تتھا فوجی شکتی میں اسادھارن ورودھی ہو گی۔ ان کی گمبھیر سمسیا بہت حد تک سدھر جائیگی۔ اس ورش باڑھ سوکھا اتی ورشٹی اناورشٹی سے اَن کا بہت قلیل حصہ نشٹ ہو گا۔ مجموعی طور سے اَن کے اُتپادن میں سنتوش جنک ورودھی ہو گی۔ ضروریات زندگی کے چیزوں کی قیمتوں میں اشچریہ جنک اُتار چڑھاؤ ہو گا۔ سرکار بیوپار کے ہر وبھاگ میں مداخلت کرتی رہے گی جس سے چور بازاری میں قدرے روک تھام ہو گی۔ سرکار کی بار بار مداخلت سے بیوپاری ورگ میں گھبراہٹ، اشانتی تتھا کاروبار کو وسعت دینے میں ڈھیلا پن۔ کرنسی کا پھیلاؤ ادھک، روپیہ کی قوت خرید میں کمی، چیزوں کی مہنگائی تتھا جنتا میں آرتھک سنکٹ رہے گا۔

جنم کنڈلی شری اندرا جی

کرکٹ
شنیچر
طول
میش
مکر
چندرما
مین
کنبھ

ورش کے آرمبھ پردیش کی پردھان منتری شریمتی اندرا گاندھی جی کو گوچر سے بہلات شکر چھٹے بھاو میں شنیچر اور گیارھویں راہو اُن کی بدھی کی سوجھ بوجھ کی دھاک بنائے رکھیں گے۔ بیکاری، مہنگائی وغیرہ سے پھیلی ہوئی اشانتی کو دور کرنے میں اپنے ادھیکار کو بہت سادھنوں سے پریوگ میں لائینگی اور بہت حد تک سپھل ہوں گی۔ ورچک راشی کا گیارھواں راہو لمبی [illegible]

دل زور پکڑیگا۔ شنیچر اور منگل کی ایک ساتھ آٹھویں بھاو پر درشٹی ہونے سے اچانک شاریرک دُرگھٹنا کی سمبھاونا ہے۔

کشمیر

اگرچہ ورش کے دس ادھیکاروں کا پھل سارے سنسار پر ہوتا ہے پرنتو تو بھی جوتش پھلت شاستر میں لکھا ہے کہ راجہ کا خاص پربھاو کشمیر پر ہی ہوتا ہے۔ اس ورش شنیچر دیوتا نے چار وبھاگ (۱) راشٹر پتی پد (۲) منتری کا عہدہ (۳) رکھشا وبھاگ تتھا (۴) میگھ کا کنٹرول اپنے ہاتھوں میں لیا ہے۔ اس کردر یوگ کا ناقص پربھاو خصوصی طور پر کشمیر پر ہی ہو گا۔ منتری منڈل میں آشچریہ جنک اُلٹ پھیر ہوں گے۔ پرنتو انوشاسن میں کوئی خاص ڈھیل نہیں ہو گی۔ دیش میں توڑ پھوڑ کی کاروائیاں دنگے، فساد اور جنتا میں اشانتی و گھبراہٹ رہے گی۔

ورش کا واہن گھوڑا اور بسنت کی سواری سودر (دراہ) گھوڑا واہن کے بارے میں لکھا ہے

"अश्वारूढो वत्सरश्च भूमिकम्पो महाभयम्"

جب ورش کا واہن گھوڑا ہو تو بھوکمپ کے بھینکر جھٹکے۔ جنگجو ممالک کا ہر وقت جنگ کی تیاری میں لگا رہنا۔ بارش کا ابھاو۔ قیمتوں کی ادھکتا سے جنتا میں ہاہاکار کا ہونا لازمی ہوتا ہے۔ گت ورش بھی گھوڑا واہن رہ چکا ہے پرنتو اس ورش واہن گھوڑے کے ساتھ آلسیہ تتھا تموگن کے مجسمہ سودر (دراہ) کا بھی سہیوگ ہے۔ اس یوگ سے جنتا میں اُتساہ کی کمی۔ کاغذی کام ادھک لیکن عملی روپ کم۔ سرکاری دفتروں کے نظام میں ڈھیلا پن تتھا سست رفتاری۔ جنتا سے سمبندھت سبھی کام کاغذی روپ میں افسروں کے میزوں پر ہی چکر کاٹتے رہیں گے۔ واہن کا سمبندھ خاص کر آمدورفت کے سادھنوں سے بھی ہوتا ہے۔ گھوڑا اور سودر کا ایک ساتھ واہن ہونا ٹرانسپورٹ کے سادھنوں کو استوویست (درہم برہم) روپ میں رکھیگا۔ ٹرانسپورٹ کی سمسیا جنتا کے لئے [illegible] کاری (ٹھنٹھر بھایہ) جنتا میں چھوٹی

چھوٹی صنعتی انڈسٹریاں کھولنے کی پرورتی۔ سونا، چاندی۔ تانبہ۔ پیتل۔ کانسی وغیرہ دھاتوں کی قیمتوں میں حیران کُن زیادتی ہوگی۔

دھانیہ کے سوامی چندرمہ دیوتا۔ ورش کے آرمبھ میں جہاں بارش کی ادھکتا سے کھیت لہلاتے رہیں گے وہاں میگھ کے سوامی شنیچر کے پربھاو سے وہی کھیت کبھی کبھی پانی کی قلت سے مرجھائے ہُوئے نظر آئیں گے۔ کھیتوں کے پک جانے پر مُسلسل بارش سے کھڑی فصلوں کو نقصان ہوگا دیش کے بھِن بھِن علاقوں میں بھِن بھِن رُوپ میں کہیں کم کہیں زیادہ پیداوار ہوگی۔ آکاشی اُتپات تتھا سیلاب وغیرہ سے اِن کا کچھ حصہ نشٹ ہوگا۔ مجموعی طور پر دھانیہ کی پیداوار درمیانی درجہ پر ہوگی۔

اجناس کے سوامی بوم دیوتا۔ گندم۔ مکئی۔ لال اجناس، راج ماش وغیرہ کی پیداوار اُتم ہوگی مُونگ ماش وغیرہ کی کمی ہوگی۔ پھلوں کے سوامی شُکر دیوتا۔ پھلوں کی بہتات ہوگی۔ پھل رس سے پُورن ہوں گے۔ کشمیر کے ہر وبھاگ میں پھلوں کی پیداوار عام طور پر یکساں ہوگی۔ بھاو میں کوئی نقصان دہ اُتار چڑھاو نہیں ہوگا۔ بیوپاری ورگ لابھ میں رہیگا۔ اخروٹوں اور باداموں کی کمی ہوگی۔ خشک میوہ کا بیوپار فائدہ مند رہے گا۔ اسُوج ماس میں پھلوں کے مالک شکر دیوتا است ہوں گے۔ جِس کے پربھاو سے میووں میں داغ وغیرہ لگنے کا اندیشہ ہے۔ ژالہ باری سے نقصان۔ آندھی سے میووں کے درختوں کا ٹوٹ جانا تتھا میووں کے گرنے سے نقصان۔ ناشپاتی، آڑو۔ گلاس، خوبانی کی بہتات ہوگی۔

دھن کے مالک بوم دیوتا۔ بھگوان کو بھول کر جنتا کو دھن کمانے کی دُھن لگی رہیگی۔ چوربازاری رشوت ستانی خصوصاً بڑے بڑے بیوپاریوں تتھا افسروں کا ذریعہ معاش ہوگا۔ زمین نشچت رُوپ سے کاشتکاروں کی ہونے والی ہے یہ سمسیا اِس ورش پھر سے کچھ کھٹائی میں پڑیگی۔ ٹیکسوں کی جانچ پڑتال سختی سے کی جائے گی۔ ...

سرکاری دھن غبن کرنے کی اشچریہ جنک وارداتیں ہوں گی۔ لکشمی بھگوتی کا پھیلاو کھُلے رُوپ میں ہوگا۔ بڑھتی ہُوئی قیمتوں کو روکنے کے نِمت سرکار کا رویہ سخت ہوگا۔ جو قیمتوں کی روک تھام کرنے میں سہائیک ثابت ہوگا۔ بیوپار کی دشا ڈانواں ڈول ہوگی۔ سیاحوں کی آمد سرکار کے مقرر کئے ہُوئے نشان سے زیادہ ہوگی۔ رکھشا وبھاگ کے سوامی شنیچر ہیں۔ دیش میں توڑ پھوڑ کی کاروائیاں، ہڑتالیں ہلڑ بازی، انوشاسن بھنگ تتھا قومی سمپتی کے وناش کے بھینکر درشیہ دیکھنے میں آئیں گے۔ اگرچہ شنیچر دیوتا ہی مندرجہ بالا اُپدروں کا پیدا کرنے والا ہے۔ پرنتو شنی مہاراج خود ہی اُن اُپدرو کرنے والوں دیش دشمن عناصروں کو دبانے تتھا کچلنے میں کوئی کسر باقی نہ رکھیگا۔

میگھ کے سوامی شنیچر دیوتا۔ سمے سمے پر بارش ہونے پر بھی پانی کی کمی، سیلاب کا خطرہ۔ بجلیوں کا گرنا۔ آندھی طوفان آکاشی اُتپاتوں کی بہتات ہوگی۔ موسم سرما میں برفباری کی ادھکتا۔ شِدت کی سردی، ایندھن وغیرہ جلانے کے سادھنوں کی قلت رہے گی۔

اوشدھیوں کے سوامی چندرمہ دیوتا۔ روگوں کی کمی ہوگی۔ چندرمہ دہم کا بھی سوامی مانا گیا ہے اسلئے دماغی روگوں کی ادھکتا ہوگی۔ دوائیوں کی کھپت ادھک، ڈاکٹروں، ہسپتالوں اور ڈسپنسریوں پر روگیوں کے تانتے لگے رہیں گے۔

ودّیا کا سوامی بوم دیوتا۔ ودّیارتھی جیون تپسوی جیون ہے۔ ودّیا حاصل کرنے کے لئے گورُو کا آدر اور سبھی ہونا اوشیک ہے۔ پرنتو اِس ورش گورُووں کو ہی ودّیارتھیوں کا بھے ہوگا۔ ودّیارتھیوں کو کھیلنے کُودنے کی طرف ادھک پرورتی اور پڑھن پاٹھن کی طرف کم رُجحان رہے گا۔ آدر بکھتر میں شری یہ پردیش کا پھلادیش۔ آدر بکھتر میں شری یہ کا پردیش ۲۲ رجون شنیچروار تری تتھی کو پر دس بکھتر میں صبح ۸۔ ۵۵ م کرکٹ لگن پر ہوگا جس کا پھلادیش سِلسلہ وار حسب ذیل ہے:۔ شنیچروار ہونے سے سرکار تتھا جنتا کے ہر کام میں سستی۔ نیچ کاموں کی لگن

'मन्दे मन्दफलं भवेत्'

"तृतीयातिबाधनम" ...

سرکار تتھا جنتا کے ہر کام میں اُلجھنیں تتھا رُکاوٹیں۔ پنرو سُونکھتر ہونے سے "अदितिश्चाभिवृद्धये"۔ آن اور دھن میں وردھی ہوگی۔
آشاڑھ نومی شکروار کو۔ اسی دِن کیشپ رشی نے شُبھ سورگ، کشمیر کی نیو ڈالی تھی۔ کشمیری پنڈت اِس دِن کشمیر کا جنم دن مناتے ہیں۔ جب اشاڑھ نومی گُرو وار کو ہوگی تو اشبھ پھل اور شبھ وار کو ہو

تو شبھ پھل ہوتا ہے۔ چونکہ اس ورش اشاڑھ نومی شکروار کو ہے۔ شکر دیوتا ایشوریہ عیش و عشرت کا سوامی مانا گیا ہے۔ اس کے پربھاو سے کشمیر کو ایک آدرش سُندر دُلہن کی طرح سجانے کی یوجنائیں بنائی جائیں گی۔ سڑکوں، پُلوں، نہروں تتھا دلکش سیرگاہیں بنانے میں دھن کا سارتھک خرچ ہوگا۔

(سمیادک)

	مین	کنبھ	مکر	دھن	ورچک	طول	کن	سنگھ	کرکٹ	میتھن	ورش	میش
آمدنی	۵	۱۴	۱۴	۵	۸	۲	۸	۵	۲	۸	۲	۸
خرچ	۱۱	۱۱	۱۱	۱۱	۵	۱۴	۱۱	۵	۸	۱۱	۱۴	۵

آمدنی اور خرچ کے نقشہ کا پھل

آمدن و خرچ کے ہندسوں کو جمع کر کے جوڑ سے ایک کم کریں اور باقی کو ۸ پر تقسیم کریں۔ اگر باقی ایک (۱) بچے تو اِس ورش میں ہر پرکار سے سُکھ اور شانتی۔ نوکری اتھوا کاروبار میں اچانک ترقی اور لابھ ہوگا۔ اچھے اچھے کاریوں میں دھن کا سارتھک خرچ ہوگا۔ یہ ورش آپ کے جیون کو چمکانے والا ہوگا۔ ہر آرمبھ کئے ہوئے کام میں کامیابی اور لابھ۔ دیر کی اچھائیں بھی پورن ہوں گی۔ اچانک لابھ پراپتی۔ شریر سُکھ اُتم۔ اگر ۲ باقی بچیں تو جن ترقی کی آشاؤں کو بہت مدت سے انتظار کر رہے ہیں وہ سب آشائیں آپ کی اِس ورش اوشیہ پورن ہوں گی۔ ہر آرمبھ کئے ہوئے کاریہ میں سمپورن سپھلتا ملیگی۔ سپھلتا کے ساتھ ساتھ آدر مان تتھا لابھ کا بھی اُتم یوگ۔ بھائی بندوں سے لابھ۔ دوستوں سے ملاپ۔ یاترا کا یوگ۔ مانسک شانتی۔ کسی شبھ کاریہ یا اُتسو پر دھن کا خرچ ہوگا۔ اگر ۳ بچیں تو یہ ورش آپ کیلئے ہر پرکار سے ناقص رہے گا۔ محنت کرنے کے باوجود اکثر کاموں میں رکاوٹیں پڑیں گی تتھا لابھ کی کمی رہے گی۔ وہی کام جو اوروں کیلئے فائدہ مند رہے گا آپ کیلئے ہانی کارک رہیگا۔ شریر کشٹ۔ دھن کا فضول خرچ۔ ورش کے انتم تیسرے حصے میں اچانک نقصان اتھوا چوٹ کا بھئے۔ اِس ورش میں دوست بھی دشمن بنیں گے۔ گرہستھ سکھ سے بھی مانسک اشانتی رہے گی۔ ان سبھی کشٹوں سے بچنے کا ایک ماتر اُپایہ ہے کہ آپ نیتم سے بھوانی سہسر کا پاٹھ کیا کریں۔ اگر ۴ بچیں تو یہ ورش آپ کیلئے سنگھرش کا ورش ہوگا۔ ہر کام میں اُلجھن۔ ستھان تبدیلی۔ گھریلو چنتائیں ادھک بنی رہیں گی۔ دھن نِرارتھ خرچ ہوگا۔ کسی وشواس پاتر دوست سے دھوکہ۔ بھائی بندوں تتھا متروں سے ناراضگی۔ اچانک جھگڑے۔ چوٹ اتھوا اگنی سے خطرہ۔ الغرض یہ ورش آپ کیلئے اشانتی کا ورش ہوگا۔ ان کشٹوں سے بچنے کا ایک ماتر اُپائے یہ ہے کہ آپ دلیشور رہ کر نیتم سے بجستوی کے ایک ایک ستو کا پاٹھ کیا کریں۔ ۵ باقی بچنے پر روزگار میں اچانک رکاوٹ۔ ہر آرمبھ کئے کام میں ناکامیابی۔ ورش کا پہلا اور انتم چوتھا حصہ نقصان دہ رہیگا۔ گھریلو پریشانیاں ادھک۔ دوستوں سے بھی دشمنی۔ آلسیہ کی ادھکتا۔ یاترا کا یوگ۔ آدر مان میں کمی۔ اگر ۶ باقی بچیں تو یہ سنہری ورش ہوگا۔ بغیر محنت کے دھن کی پراپتی۔ ہر آرمبھ کئے کام میں سپھلتا۔ اچھے پُرشوں سے ملاپ۔ گرہستھ اور متر پکھ سے سُکھ اور شانتی۔ اگر ۷ باقی بچیں تو اس ورش آپ کی بہت سی گُپت اچھائیں پورن ہوں گی۔ کاروبار اتھوا نوکری میں ترقی کا یوگ ہر پرکار سے عزت، مان۔ اچھے کاریہ میں دھن کا خرچ۔ اگر باقی کچھ نہ بچے تو دھوڑ دُھوپ کا ورش ہوگا۔ ہر آرمبھ کیا کام کافی کوشش سے سپھل ہوگا۔ آمدن کم خرچ زیادہ۔ شریر سُکھ مدھم

اگر آپ اپنے بھوشیہ کو جاننا چاہتے ہیں تو ہم سے پتری بنوا کر ...

بارہ راشیوں کا مختصر ورش پھل اور ماسک پھلا دیش

میش راشی کا ورش پھل

درش کے آرنبھ پر گرہوں کی ستھتی قدرے اچھی ہے اگر آپ تجارت پیشہ ہیں تو اُلجھنوں کے باوجود یہ ورش کاروبار کے لحاظ سے اوتم رہے گا۔ اگر آپ ودیارتھی ہیں۔ تو پٹھن کی طرف ادھک رُچی ہونے پر بھی سپھلتا مدھم۔ اگر آپ نوکری پیشہ ہیں تو ترقی کی سمبھاونا کم ہے۔ اگر آپ کا جنم رات میں ہوا ہو تو تبدیلی کا یوگ بنتا ہے۔ جو تبدیلی آپ کے لئے ورش کے پہلے چھ مہینہ تک پریشانی کا باعث بنے گی۔ پرنتو انت میں جاکر ہر ایک کام سُدھرنے کا ہی یوگ ہے۔ دھن پراپتی کا یوگ اگرچہ اِس ورش اوتم ہے۔ پرنتو فضول خرچ ہونے کا یوگ بھی بلوان ہے۔ غرضیکہ مجموعی طور پر اِس ورش دھن کی کمی رہے گی۔ بھائی بندھوں رشتہ داروں اور دوستوں کے ساتھ بھی سمبندھ بنتا، بگڑتا رہے گا۔ کوئی تعمیری کام کرنے کا وچار اور اُس کو عملی رُوپ ملیگا۔ دُشمنوں سے اِس ورش ساودھان رہیئے۔ خاص طور پر ۱۷ جولائی سے ۱۴ ستمبر تک؛ جبکہ آپ کا منگل گوچر سے ـــــ پانچواں ہوگا۔ شاریرک ستھتی بھی اِس ورش نرم گرم رہے گی۔ راہو گوچر سے چونکہ آٹھواں ہے۔ اِس کے پربھاو سے آنکھوں میں تکلیف کا اندیشہ ہے۔ دھارمک کاموں کی طرف آپ کی توجہ بڑھتی جائے گی۔ اچھے پرشوں سے مِلاپ اور اُن کی اچانک ...

کنبھ، بدھ، چندر، گرو، مین، سوریہ، ورش، بوم، کیتو، متھن، شنیچر، میش، کرکٹ، شکر، مکر، طول، دھن، سھم، کن، ورچک، راہ

آپ کے لئے فائدہ مند رہے گا۔ لیکن شنیچر وار اور اتوار ہانی کارک رہیں گے:

میش راشی کا ماسک پھلا دیش

اپریل اِس مہینہ میں آپ کو دوڑ دھوپ ادھک کرنی ہوگی۔ پریشانی زیادہ۔ لابھ مدھیم اور خرچ کی بھرمار رہے گی۔ شروع کئے گئے اکثر کاموں میں اُلجھن۔ اچانک کسی چنتا سے دوچار ہونا پڑیگا۔ آپ اِس ورش کے آرنبھ سے ہی "بہو رُوپ گربھ"، کا پاٹھ کیا کریں نشچے رکھیے اُس کا پاٹھ کرنے سے آپ کی ہر مُشکل اور اُلجھن سُلجھتی ہوئی دکھائی دے گی۔

مئی۔ اِس مہینہ میں آپ کا منگل گوچر سے تیسرا ہوگا۔ جو آپ کے ہر بگڑے کام سُدھارنے میں سہائیک بنے گا۔ بارھواں شُکر ہونے سے آمدنی ادھک ہونے پر بھی خرچ کا یوگ ہے ۲۴ مئی کو آپ کے گوچر سے لگن میں شُکر آئیگا۔ جس کے پربھاو سے مہینہ کے آخر میں کوئی شُبھ سندیش اتھوا کوئی گپت لابھ ملیگا۔

جُون۔ اِس مہینہ میں بھی آپ کی گرہ چال انوکول نہیں ہوگی۔ اکثر کام اُلٹے رہیں گے۔ محنت کرنے پر بھی بھرپُور لابھ ملنے کا یوگ نہیں ہے۔ اگر آپ ودیارتھی ہیں تو کوشش کرنے پر بھی حسب منشا کامیابی نہیں ہوگی۔ شریر سُکھ بھی اِس مہینہ میں مدھم رہے گا گوچر سے چوتھا منگل ہونے سے نقصان کا بھی اندیشہ ہے۔ آپ کیلئے لازم ہے کہ جُون اور جولائی ... "، منتر کا جاپ اودشیہ کیا کریں:

جولائی۔ اِس ماہ دوڑ دھوپ ادھک رہے گی۔ گھریلو چنتائیں ادھک۔ اچانک تبدیلی کی سمبھاونا ۹ر جولائی کے بعد پانچواں منگل ہونے سے سنتان پکھ سے پریشانی۔ ودیارتھی ہونے پر پٹھن پاٹھن میں رُچی کا ابھاؤ۔ اتھوا پڑھائی میں اچانک کوئی رکاوٹ پڑے۔ شترووں سے بچے۔ آدرمان میں کمی

اگست۔ یہ مہینہ ہر کام میں سپھلتا دینے والا ہوگا۔ ۸ر اگست سے چوتھا شکر آرہا ہے۔ جو آپ کے ہر کام کو سپھل بنانے میں سہائک ہوگا۔ آمدنی کے نظریہ سے بھی یہ مہینہ اُتم رہے گا۔ نیا کام کرنے کا وچار فائدہ مند ثابت ہوگا۔ سہم راشی کا منگل گوچر سے پانچواں ہونے پر سنتان پکھ سے اشانت رکھنے کا باعث اتھوا ودیا میں کوئی رکاوٹ ڈالنے کا کارن بنے گا۔

ستمبر۔ ۴ر ستمبر کو پانچواں شکر تھا ۴ر ستمبر سے چھٹا منگل گوچر سے آرہے ہیں اِس شبھ یوگ کے پربھاو سے یہ مہینہ ہر پہلو سے آپ کیلئے اُتم رہے گا۔ دربار میں کوئی وردھی۔ گھر میں کوئی منگل کاریہ رچانے کا پروگرام۔ اچھے کاموں پر خرچ۔ لابھ اُتم۔

اکتوبر۔ کام دھندوں میں اچانک اُلجھن آتی رہے گی۔ اچانک نقصان کا اندیشہ۔ یہ سب کچھ ہوتے ہوئے بھی سنتان پکھ تتھا گرہست پکھ سے مانسک شانتی رہے گی۔ دھن کی اِس مہینہ میں کمی اور خرچ میں زیادتی رہے گی۔ اگر آپ ودیارتھی جیون میں ہیں تو پٹھن پاٹھن میں کچھ سپھلتا ہوگی

نومبر۔ اِس مہینہ میں آپ کو ساتواں منگل گوچر سے رہیگا۔ جو آپ کی مانسک اشانتی تتھا شاریرک کشٹ کا باعث بنے گا۔ پرنتو برہسپتی کی لوم پر پورن درشٹی ہونے سے اچانک دھن کا لابھ اتھوا کوئی ترقی کا یوگ بنے۔ ودیارتھی جیون ہونے پر ادشیہ سپھلتا ہوگی۔

دسمبر۔ گوچر سے آٹھواں منگل ۳ر دسمبر سے آئیگا۔ جو آپ کے شریر کیلئے کچھ ناقص رہے گا۔ پرنتو پر اچانک خون گرنے اتھوا چوٹ لگنے کا اندیشہ ہے۔ آپ کیلئے یہ لازم ہے کہ آپ شاریرک کشٹ کیلئے اِس مہینہ کے آرمبھ سے ہی بھگوان شنکر ...

۱۰۸ بار "اگنیر مورردھا، دِواہ، کوکت پتی ۵، پرتھ ویا۔ ایم، اپام، رے تامسی، جہ نوتے ادم،، منتر کا پاٹھ کریں۔

جنوری۔ ۱۴ر جنوری سے منگل کی ستھتی قدرے سُدھرنے کا یوگ ہے۔ شکر بھی دسویں بھاو کا اچھا پربھاو ڈالنے کا ہی سُوچک ہے۔ کوئی شبھ سندیش ملے۔ تعمیری کاموں کا وچار اچانک کِسی انجان سے لابھ۔ دوڑ دھوپ ادھک۔

فروری۔ خرچ کا یوگ ادھک اکثر شروع کئے ہوئے کاموں میں دلچسپی اور کامیابی۔ گھریلو چنتائیں ادھک اِس مہینہ کی ۳۔۱۳۔۱۴۔۱۷۔۱۹۔۲۱ تاریخیں خاص طور پر فائدہ مند رہینگی۔

مارچ۔ کوئی نیا کام شروع کرنے کا وچار۔ ہر کام میں کامیابی۔ آدرمان میں ترقی۔ آمدنی اُتم خرچ اُتم۔ شریر سُکھ اُتم۔ اِس مہینہ کا پہلا اور آخری ہفتہ خاص طور پر لابھ دائیک رہیگا۔

ورِشچک راشی کا ورش پھل

مین، شکر، چندر	سیشش	ورشیش، لوم، کیت	تنیر، مینتھن
کنبھ	بدھ، برہسپت	سِمہ	کرک
مکر، شکر	دھن	ورشچک، راہ	کن، طول

یہ ورش آپ کے لئے اکثر لابھدائیک ہی رہے گا۔ خاص طور پر آپ کی آرتھک پوزیشن اِس ورش اچھی رہے گی۔ کوئی بھی کام جو آپ ہاتھ میں لیں گے آپ کیلئے فائدہ مند رہے گا۔ تعمیری کاموں کی طرف آپکی توجہ بنی رہے گی۔ اگر آپ نوکری پیشہ ہیں تو اِس ورش ادشیہ برہسپتی کے پربھاو سے ترقی کا یوگ ہے۔ اگر آپ ودیارتھی ہیں تو اِس ورش نِشچے رکھئے کہ آپ کو آشا سے ادھک کامیابی ہوگی۔ پٹھن پاٹھن کی طرف وِشیش پرورتی ہوگی۔ تجارت پیشہ ہونے پر تجارت میں دِن بدن ترقی ہوگی۔ آرتھک ستھتی اچھی ہونے کے باوجود منگل ... زانہ نِت نئے رنگ میں سامنے آئیں گی

شریر کی سمسیا بھی آپ کیلئے پریشانی کا باعث بنی رہے گی۔ یاترا کا پروگرام بنانے سے راہو کے کُرُور پربھاو میں کچھ کمی ہونے کی سمبھاونا ہے۔ روزانہ صبح اُٹھ کر ہاتھ منہ دھوکر "اوم ہریم امرتہ پریائے نماہ" کا ۱۰۸ بار پاٹھ کیا کریں۔ اگر آپ اِس ورشس کو دشیش لابھدایک بنانا چاہتے ہوں تو روزانہ بھُو روپ گربھ "کا بھی پاٹھ کیا کریں۔

ورشس راشی کا ماسک پھلادیش

اپریل مہینہ کے شروع میں شریر سکھ مدھیم اور کاروبار میں بھی ڈھیلا پن۔ ۹ اپریل سے آپ کے گرہوں کی چال سُدھرنے سے آپکا شریر ٹھیک ہونے لگیگا اور کاروبار میں بھی دن بدن وردھی ہوتی رہے گی۔ اِس مہینہ کی ۲۴-۲۵-۲۷-۲۸-اور ۳۰ تاریخیں فائدہ مند ہیں مئی ہر نظریہ سے یہ مہینہ ناقص رہے گا۔ شریر کشٹ۔ گھر کے کسی ممبر کی طرف سے پریشانی اِس مہینہ کے علاوہ آئندہ مہینہ بھی بنی رہے گی۔ نقصان کا بھی اندیشہ ہے۔ بھائی بندوں سے اچانک اتھوا دوست سے بگاڑ۔ کھان، پان کی طرف توجہ زیادہ بڑھے گی۔

جُون۔ اِس مہینہ میں رُکے ہُوئے کام سُدھر جائینگے۔ شترووں کا بھے دُور ہو گا۔ بلکہ شترو بھی متر بنیں گے۔ ۱۹ رجون سے گوچر سے لگن میں شکر آئیگا۔ شکر کے پربھاو سے اچانک کوئی لابھ ملنے کا یوگ ہے۔ تیسرا منگل ہونے سے براتریکھ سے سادھارن سی مانسک اشانتی رہے گی۔

جولائی۔ اِس مہینے کا پہلا آدھ بھاگ ہر پرکار سے فائدہ مند رہے گا۔ آمدن۔ گرہست سکھ شریر سکھ وغیرہ ٹھیک رہیں گے پرنتو ۱۹ رجولائی کے بعد چوتھا منگل آپکے لئے وشیش کشٹ کارک بنے گا۔ ہر سُدھرا ہُوا کام بگڑے گا۔ لازم ہے کہ آپ اِن دنوں "اوم اگنر مُوردھا، دِواہ، ککوپتیتی ٥، پرتھویا، ایم، اپام، رےتامسی، جِنوتے، اوم" کا روزانہ ۱۰۸ بار صبح جاپ کیا کریں۔ یہ منتر آپ کیلئے کلیان کاری ثابت ہو گا۔

اگست۔ اِس مہینہ میں چوتھا منگل آپ کی اشانتی بنائے رکھیگا پرنتو برہسپتی آپ کی پوزیشن بنائے رکھنے میں سہایک بنا رہے گا۔ آمدنی کے لحاظ سے یہ مہینہ مدھم رہے گا۔ پرنتو خرچ کے لحاظ سے اوتم رہے گا۔ الغرض یہ مہینہ آپ کیلئے اُونچ نیچ کا ہی مہینہ ہو گا۔

ستمبر۔ اگر آپ ودیارتھی ہیں تو اِس مہینہ پٹھن پاٹھن کی پرورتی بالکل کم رہے گی۔ یا پڑھائی میں کوئی وِگھن پڑے۔ نوکری اور تجارت پیشہ کے لئے یہ مہینہ حسبِ معمول اوتم رہیگا اِس مہینہ کا آخری ہفتہ خاص طور پر فائدہ مند ثابت ہو گا۔

اکتوبر۔ یہ مہینہ اشانتی کا ہو گا۔ کوئی بھی کام بغیر اُلجھن کے سِدھ نہیں ہو گا۔ گرہستھ کی اُلجھنیں خاص صُورتوں میں سامنے آئیں گی۔ ۲۰ راکتوبر سے ۳۱ راکتوبر تک اچانک کوئی جھگڑا کھڑا ہو گا۔ اتھوا اچانک نقصان ہو گا۔ اِس مہینہ میں آپ وشنُو رہ کر شام کو سوتے سمے دس بار اور صُبح اُٹھتے ہی دس بار فرور پڑھیں: "سرومنگل منگلے، شِوے، سروارتھ، سادھکے، شرنیے ترمبکے، گورے، نارائنے، نموستوتے۔"

نومبر۔ ہر کام آپ کے پرتیکول (اُلٹ) ہو گا۔ اچانک پریشانیاں ڈیرا ڈالیں گی۔ ہر آرنبھ کیا ہُوا کام ادھورا ہی رہے گا۔ اِس بُرے یوگ کا پربھاو ۱۴ رنومبر سے گرہوں کی ستھتی کچھ کچھ سُدھرے گی۔ اِس مہینہ میں دکھن دِشا کی یاترا کرنے سے گریز کریں۔

دسمبر۔ آرتھک درشٹی سے یہ مہینہ اوتم رہے گا۔ اگر آپ ودیارتھی ہیں تو نشچے رکھیئے۔ اِس مہینے میں آپ نے جو کچھ بھی کنٹھ ستھ (یاد) کیا ہو وہ آپ کی پریکھشا میں خاص فائدہ مند ثابت ہو گا۔ ایسے تو نوکری پیشہ تتھا تجارت پیشہ کے لئے بھی یہ مہینہ فائدہ مند ہی رہے گا۔

جنوری۔ جنوری کا مہینہ آپ کیلئے سُکھ اور شانتی کا مہینہ ہو گا۔ اچھے کاموں میں دھن کا خرچ

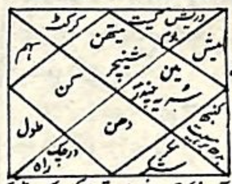
اور آمدنی کے لحاظ سے بھی یہ مہینہ کچھ کم نہ ہوگا۔ پرنتو سا ودھان رہیئے ۱۴ر جنوری سے ۲۲ر فروری تک آپ کا منگل آٹھواں ہوگا۔ جو اچانک چوٹ اتھوا شریر کشٹ کا کارن بنے گا۔ آپ اپائے کے لیئے روزانہ "ہندراکھی" کا پاٹھ کیا کریں۔

فروری۔ آدربان کے نظریہ سے یہ مہینہ اُتم رہے گا۔ ۱۵ر فروری سے مین کا برہسپتی آپ کا گیارھواں آرہا ہے۔ یہ یوگ آپ کی شان و مان کو بڑھانے والا ہوگا۔ ایسے ہی ۱۱ر فروری کو مین راشی میں ہی شکر دیوتا ۱۴ر مارچ تک ڈیرا ڈالے رہیں گے۔ یہ یوگ سونے پر سہاگہ ہے۔

مارچ۔ ۱۰ر مارچ کو شنیچر مارگی ہو رہا ہے۔ جو آپ کو شروع مہینہ سے ہی اچھا پربھاو ڈالتا رہے گا۔ آمدنی میں وردھی، رکے ہوئے کام سُدھر جائینگے۔ غرضیکہ ہر پہلو سے یہ مہینہ اُتم رہے گا۔

میتھن راشی کا ورش پھل

ورش کے آرنبھ پر منگل شکر اور شنیچر



اگرچہ اس ورش آپکے پرتیکول ڈالٹ اہیں پرنتو ایسا ہونے پر بھی برہسپتی پورے سال کے لئے آپکو فائدہ مند ثابت ہوگا اگر آپ کاروبار کرتے ہیں تو نشچے رکھیئے کہ یہ ورش آپ کے لئے آرتھک ترقی کے نظریہ سے یادگار رہے گا۔ اگر آپ نوکری پیشہ ہیں تو بنا کسی رکاوٹ کے آپ کو نوکری میں اچانک ترقی اتھوا لابھ کا یوگ ہے۔ اگر آپ ودیارتھی جیون میں ہیں۔ تو یہ ورش ودیا کے نظریہ سے آپ کے بھوشیہ کی نیوں ڈالنے والا ہے۔ نویں بھاو میں بدھ اور برہسپتی کا یوگ ہونا اس ورش کے شبھ شگون کا سوچک ہے۔ اس ورش میں عام طور پر آپ کو شبھ سندیش ملتے رہیں گے۔ یہ سب کچھ ہوتے ہوئے بھی شنیچر اور بوم اپنا اثر دکھائے بنا نہیں رہیں گے۔ کبھی شریر کشٹ، کبھی گھر میں پریشانیوں [illegible]

آپائے یہ ہے کہ آپ روزانہ "مہنا ستوتر" کا پاٹھ کیا کریں۔ یاد رکھیں کہ شنیچر اور منگل کا پربھاو آپ پر خاص کشٹ دائیک تبھی ہوگا۔ اگر آپ کا جنم دن منگلوار یا شنیچروار کا ہو۔

میتھن راشی کا ماسک پھلادیش

اپریل یہ مہینہ ہر لحاظ سے اچھا رہے گا۔ شریر سکھ۔ گرہستھ سکھ۔ دھن کا لابھ۔ اچھے کاموں میں دھن کا خرچ۔ اچھے اچھے پرشوں سے ملاپ۔ دھارمک کاموں کی طرف پرورتی۔ اس مہینہ کی ۱-۳-۵-۷ وغیرہ طاق تاریخیں عام طور پر آپ کیلئے فائدہ مند رہیں گی۔

مئی جو کام آپکے ہاتھ میں آئے گا۔ بغیر محنت کے سدھ ہوتا جائیگا۔ اس مہینہ میں کیا ہوا کوئی تعمیری کام آپ کے لئے فائدہ مند رہے گا۔ گھر کے کسی ممبر کیطرف سے پریشانی بنی رہے گی۔ مہینہ کے انت میں دھن کے اچانک خرچ کا کوئی پروگرام بنے گا۔

جون اس مہینہ میں بغیر کسی کارن کے پریشانیوں کا سامنا ہوگا۔ ۱۹ر جون کو گوچر سے آپکو بارھواں شکر آرہا ہے۔ اسکے پربھاو سے اس ماہ کے آخری ہفتہ میں اچانک کوئی حادثہ پیش آنے کی سمبھاونا ہے۔ آپ کو لازم ہے کہ اس مہینہ کے آرمبھ سے ہی ویشنو رہیں اگر ہو سکے تو "ادم نماہ شوائے" کا اچارن کرتے ہوئے بھگوان شنکر پر روزانہ جل چڑھائیں۔

جولائی۔ اس مہینہ میں آپ کو ہر پرکار سے مانسک شانتی رہے گی۔ بہت سمے سے رکے ہوئے کام سُدھر جائینگے۔ آدربان کے لحاظ سے یہ مہینہ اُتم رہے گا۔ اس مہینہ کی ۳-۱۳-۱۷-۱۹ اور ۲۱ تاریخیں اشبھ لیکن ۱۵-۱۶-۱۸-۲۷-اور ۲۸ شبھ رہیں گی۔

اگست۔ آرتھک لابھ کیلئے یہ مہینہ اُتم رہے گا۔ بچھڑے دوستوں اور اچھے پُرشوں سے سماگم کا [illegible] کا عملی پروگرام بنے گا۔

ستمبر: اِس ماہ میں سنگم رش ادھک لابھ مدھیم۔ گھر کے کسی ممبر کی طرف سے پریشانی بنی رہیگی شریر سکھ بھی قدرے مدھیم رہے گا۔ اچھے کاموں میں دھن کا خرچ۔ آمدنی کے لئے یہ مہینہ سادھارن رہے گا۔ دھارمک کاموں کی طرف ادھک رُجحان رہے گا۔

اکتوبر۔ ۲۱ر اکتوبر تک چوتھا منگل ہونے سے گھر یلو پریشانیوں کا زور رہے گا۔ شنیچر کی درشٹی ساتویں گھر پر ہونے سے اِستری کو شریر کشٹ کی بھی سمبھاونا ہے۔ اگر آپ وِواہت نہیں ہیں تو ماتا پتا کی طرف سے اچانک پریشانی کا سامنا ہوگا۔ ۲۹ر اکتوبر سے شنیچر وکری ہوگا جِس کے پربھاو سے پریشانیوں میں کمی ہوگی۔

نومبر۔ دھن کی پراپتی۔ من کی شانتی۔ شریر میں بل۔ بدھی کا وکاس آدر و مان۔ دھارمک پرِرتی گرہستھ سکھ۔ ودیارتھی جیون ہونے پر ودیا میں سپھلتا تھا پٹھن پاٹھن میں رُچی۔ اگر آپ نوکری کرتے ہیں۔ تو اِس ماہ ترقی کی سمبھاونا۔

دسمبر۔ ۳ر دسمبر کو منگل وِرچک راشی کا آپ کیلئے گوچر سے چھٹا۔ ۷ر دسمبر کو دھن راشی کا شُکر آپ کیلئے ساتواں ہوگا۔ اِس یوگ کے انوسار یہ مہینہ آپ کیلئے مہتو کا ہوگا۔ ہر کام میں سپھلتا بگڑے ہوئے کام سُدھریں گے۔

جنوری۔ اِس مہینہ کے پہلے دس دن شان و شوکت کے ہوں گے۔ لیکن آخری دس دِن اشانتی تتھا پریشانی کے ہوں گے۔ ایسا ۱۴ر جنوری سے دھن راشی میں بوم آنے کی وجہ سے ہوگا۔ اگر آپ نے کوئی تعمیری کام یا شُبھ کام کا پروگرام بنانا ہو تو پہلے دس دنوں میں بنائیں۔

فروری ایسے تو یہ مہینہ بھی پریشان کُن ہی رہے گا۔ گھر کے حالات آپ کو اشانت رکھنے کا باعث بنیں گے۔ ۱۰ر فروری کو آپ کا دسواں برہسپتی مین راشی کا آئیگا۔ اگر آپ نوکری پیشہ ہیں تو برہسپتی آپ کی پدوی میں ورِدھی تتھا ترقی کا موجب ہوگا۔ اگر آپ نوکری کیلئے پریشان ہیں تو اِس مہینہ میں اُمید کی جھلک دکھائی دے گی۔

مارچ۔ آپ کو یہ مہینہ بہت ہی مفید ثابت ہوگا۔ کاروبار سُدھرے۔ دشمن بھی دوست بن کر ہاتھ جوڑنے پر مجبور رہوں گے۔ سنتان۔ گرہستھ وغیرہ سے خاص مانسک شانتی۔

کرکٹ راشی کا ورش پھل

سہم | کن | کرکٹ | میتھن شنیچر | ورش کیتو | بوم
طول | میش
ورچک راہ | دھن | بکر شکر | کنبھ بُدھ۔ برہسپت | مین چندر سورج

سامانجک پرواری اور آرتھک ہر پرکار سے اِس ورش مانسک شانتی رہنے پر بھی شاریرک سکھ کا ابھاو رہے گا۔ جبکہ شروع ورش بُدھ اور برہسپتی آپ کے گوچر سے آٹھویں ہے۔ اِسلئے آپ کو تھوڑا بہت پرشرم کرنے سے ہی ہر کام میں سپھلتا ملتی رہے گی۔ گیارھویں منگل کے پربھاو سے سمبھو ہے کہ اِس ورش تعمیری کام بنے اگر آپ تجارت پیشہ ہیں تو ہر کام میں آپ کو لابھ ہوگا۔ اِس ورش کا پہلا مہینہ اپریل مانتے ہوئے تمام طاق کے مہینے کاروباری لحاظ سے اُدتم رہیں گے۔ کاروبار کو وسعت دینے کیلئے بھی یہی مہینے شُبھ ہیں۔ اگر آپ ودیارتھی جیون میں ہیں تو سپھلتا اوشیہ ملیگی۔ پرنتو راہو پانچواں ہونا جی توڑ محنت چاہتا ہے۔ سوموار۔ برہسپت وار اور شُکروار کا پڑھا ہوا پاٹھ اِمتحان میں خاص طور پر سہائیک ہوگا۔ اگر آپ وِواہت ہیں تو اِس ورش گرہستھ سُکھ اُدتم رہے گا۔ وِواہ کے یوگیہ ہونے کی صورت میں اِس ورش میں وِواہ کا یوگ اوشیہ بنے گا۔ اگرچہ اِس ورش میں آپ کو لابھ اُدتم رہے گا۔ پرنتو سال بھر میں (بارہواں شنیچر ہونے سے) خرچ بھی حد سے زیادہ ہوگا۔ اکتوبر اور نومبر کے مہینے میں آپ ساودھان رہیئے۔ کیونکہ ۲۹ر اکتوبر کو شنیچر وکری ہو رہا ہے۔ جو آپکے لئے کشٹ کارک ہوگا۔ اِس سے بچاؤ کا اُپائے یہ ہے کہ آپ اکتوبر اور نومبر کے مہینے میں ورت شو تتھا برہمچریہ ورت رکھنے کا پرن کریں۔

کرکٹ راشی کا ماسک پھلادیش

ایپریل۔ مہینہ کے شروع میں ہی کوئی ہرش وائیک شبھ سماچار ملے۔ منو وانچھت چیزوں کی اچانک پراپتی ہوتی رہے گی۔ بہت دنوں سے رُکے ہوئے کاریہ سُدھرنے کا یوگ اس مہینہ میں ہے۔ آمدنی اُتم رہیگی۔

مئی۔ اس مہینہ اچانک کوئی سرکاری مصیبت در پیش آنے کا اندیشہ ہے۔ چوٹ لگنے اور نقصان کا خطرہ ہے۔ اِن کشٹوں سے بچنے کا اُپائے یہ ہے۔ کہ ہر منگلوار کو پانچ پاؤ چاول کی تہری بنا کر اُس میں ایک بڑا سا چھوٹا رکھ کر باقی تہری کُتوں کو ڈالیں۔ یہ اُپائے کرنے سے یہ مہینہ کلیان کاری ثابت ہوگا۔

جون۔ اس مہینہ میں اچانک گھر کے کسی ممبر اتھوا نزدیکی رشتہ دار کا شریر کشٹ آپ کیلئے دُکھدائی ہوگا۔ دربار اتھوا کاروبار (جو ذمہ داری بھی آپ پر ہے) میں پورن سپھلتا ملے گی۔ البتہ بیرُونی پریشانیوں میں آپ گھرے رہیں گے۔

جولائی۔ یہ مہینہ سُکھ اور شانتی میں گذرے گا۔ لابھ خرچ یکساں رہے گا۔ گھریلو حالات بھی معمول پر رہیں گے۔ مہینہ کے انتم ہفتہ میں گرہوں کی شبھ درشٹی سے اچانک کسی لابھ کا یوگ ہے۔

اگست۔ سنتان پکھ اتھوا کسی بھائی بندھو کی طرف سے آپ کو اچانک پریشانی ہوگی۔ لابھ کیلئے یہ مہینہ بہت ہی اُتم رہے گا۔ معمولی پرشرم سے ہی آپ کو ادھک لابھ ہوگا۔ اِس مہینہ کی ۱۔ ۳۔ ۱۳۔ ۱۷۔ ۱۹۔ اور ۲۷ تاریخیں خاص طور پر لابھ دائیک رہیں گی۔

ستمبر۔ ہر کام میں عزت کیساتھ کامیابی ہوگی۔ اِس مہینہ میں دوڑ دھوپ ادھک رہے گی بھائی بندھوؤں سے بھی اچانک ناراضگی کا یوگ ہے۔ لابھ کیلئے اُتم مہینہ ہونے کے باوجود خرچ کا یوگ ادھک اچھے اور شبھ کاموں میں دھن کا [illegible] خرچ۔ اِس مہینہ کا [illegible] ہونا [illegible]

اکتوبر۔ شریر کشٹ کا یوگ مہینہ کے انتم ہفتہ میں ہونے کا اندیشہ ہے۔ یہ مہینہ آمدنی کے لحاظ سے اُتم رہنے کے ساتھ ساتھ اچھے کاموں میں دھن کے خرچ کا بھی باعث ہوگا۔ شروع ہوا کوئی بھی کام اِس مہینہ میں رُکے گا نہیں۔ بلکہ تھوڑے سے پرشرم سے حل ہو جائے گا۔

نومبر۔ یہ مہینہ ہر لحاظ سے ناقص رہے گا۔ آمدنی کم اور خرچ کی بھرمار۔ محنت زیادہ سپھلتا کم۔ شریر کشٹ بھی مہینہ بھر پریشانی کا موجب ہوگا۔ اگر آپ کا شریر ٹھیک رہا تو آپ کسی قریبی رشتہ دار کی بیماری کی وجہ سے پریشان رہیں گے۔

دسمبر۔ اس مہینہ میں آپ کی دشا بالکل سُدھر جائے گی۔ ہر رُکا ہوا کام کامیابی کے ساتھ آگے بڑھیگا۔ بھائی بندھوں اور دوستوں سے ملاپ تتھا سُکھ اور شانتی۔ ہر تنگ اور تنچرواد ابھذا [illegible]۔

جنوری۔ نیا مہینہ آپ کیلئے نیا رنگ دکھائے گا۔ ہر کام میں آدرمان کیساتھ کامیابی ہوگی۔ گھر کے کسی خاص ممبر کا ایسا کام یا دھندہ بنے گا۔ جو آپکے پریوار کو خوشحال بنائے رکھنے کی بنیاد ثابت ہوگا۔ الغرض یہ کہ یہ مہینہ ہر لحاظ سے آپ کو فائدہ مند رہے گا۔

فروری۔ ۱۵ فروری سے برہسپتی آپ کا بھاگیہ ستھان میں آئیگا۔ اِس مہینہ سے آپ کے سوئے ہوئے بھاگیہ جاگ اُٹھیں گے۔ نراشا آشا میں بدل جائیگی۔ روزانہ "مہنستوتر" کا صُبح پاٹھ کریں۔

مارچ۔ یہ مہینہ ہر پرکار سے فائدہ مند رہے گا۔ روزگار تتھا نوکری میں سُدھار ہوگا۔ جھگڑے جھنجٹ سبھی ختم ہو جائیں گے۔ کام کاج اتھوا پڑھائی وغیرہ کا راستہ آپ کیلئے ہموار ہوگا۔ ہر کام میں کامیابی ہوگی۔

سیہم راشی کا ورش پھل۔ ورش کے آرمبھ پر گرہوں کی ستھتی اچھی ہونے سے لازم ہے کہ آپکا یہ ورش سُکھ شانتی اور آدرمان سے ہی گذرے گا۔ اور آپ کو کوئی [illegible] سے [illegible] ہونا پڑیگا۔ بشرطیکہ آپ کی جنم پتری کے گرہ

تھا دشا بھی کچھ انوکول ہو۔ صرف آٹھواں سُریہ چندرما کبھی کبھی شریر کے اسوستھ رہنے کا کارن بنے گا۔ اِس ورش گھر میں ضرور کوئی شبھ کاریہ انجام لانا ہوگا۔ دسواں منگل نوکری میں کوئی ترقی کا یوگ ضرور بنائے گا۔ ساتواں برہسپتی تھا بدھ کا یوگ آپ کی آرتھک پوزیشن میں اضافہ کرنے کا کارن ہوگا۔ چھٹے بھاؤ کا شکر، شترو ناشک یوگ کا سوچک ہے۔ الغرض یہ ورش ہر لحاظ سے آپ کے مان تھا لیش کو بڑھائے گا۔ پرنتو یہ بھوشیہ وانی تبھی پوری اترے گی جب آپ اِس ورش بغیر کسی ناغہ کے اُس سرودیاپک بھگوان کو نیم سے یاد کرنے کا پروگرام بنائیں اور اُس پروگرام میں گائیتری کا جاپ بھی لازمی طور پر شامل ہونا چاہیئے۔

کن | کرکٹ | میتھن | سہم | طول | وِرچک | ورِش | کیتو | راہ | بوم کیت | کنبھ | میش | دھن | بدھ برہسپت | مین | شکر مکر | سریہ چندرما

سہم راشی کا ماسک پھلادیش

اپریل ہر کام میں شوبھا کیساتھ سپھلتا ہوگی۔ شریر میں چستی۔ رُوپ، رنگ۔ کاروبار، روزگار اتھوا نوکری میں مانسک شانتی۔ محنت کم پھل زیادہ۔ شبھ کاموں کے اچانک پروگرام بنتے جائیں گے۔

مئی۔ اِس مہینے میں دھن کا لابھ خاص ہوگا۔ میل ملاپ ادھک ہوگا۔ اچھے پرشوں کے ساتھ سمبندھ میں ورِدھی ہوگی۔ شبھ کاموں میں خرچ ہوگا۔ دوستوں سمبندھیوں سے میل ملاپ آخری ہفتہ تعمیر

جُون۔ ۱۳ مئی سے ہی آپکا منگل بارھویں آرہا ہے اور ۲۴ مئی سے ہی بھاگیہ ستھان میں شکر دیوتا ٹھہرے ہیں۔ اِس یوگ کے پربھاؤ سے آپکو کوئی بڑا شبھ پھل ایک کام سمپورن ہونے والا ہے لیکن منگل کے پربھاؤ سے الجھنوں کا ... [illegible]

جولائی۔ یہ مہینہ آپ کیلئے سنگھرش کا ہوگا۔ کوئی بھی کام براہِ راست سیدھ نہیں ہوگا۔ بلکہ اُلجھنوں سے دوچار ہونا پڑیگا۔ شریر سکھ مدھم۔ گھر کو خیتائیں ودیارتھی ہونے پر پڑھائی میں دلچسپی کم۔

اگست۔ اِس مہینہ میں پیسہ پانی کی طرح خرچ ہوگا اور دھن آنے کے سبھی راستے مدھم پڑجائیں گے۔ گھر میں خرچ کے اچانک پروگرام بنیں گے۔ ۱۷ اگست کو لگن میں بدھ آنے سے آمدنی شروع ہوگی۔

ستمبر۔ اِس مہینہ میں آپ کا ہر کام حسب معمول چلتا رہے گا۔ نوکری یا کاروبار میں کسی قسم کی کمی بیشی ہونے کا کوئی اِمکان نہیں۔ اچانک فضول خرچی کا پروگرام بنیگا۔ شترؤوں سے ہوشیار رہیں۔

اکتوبر۔ بھائی بندھوؤں اتھوا کسی دوست سے اَن بن ہونے کا یوگ ہے۔ لیکن دُوسرے پہلوؤں سے یہ مہینہ فائدہ مند رہے گا۔ فائدہ کے ساتھ خرچ میں کمی نہیں رہے گی دھارمک کاموں کی طرف توجہ بنی رہے گی۔ اچانک ست سنگ ملنے کی سمبھاونا ہے۔

نومبر۔ یہ مہینہ حسب معمول چلتا رہے گا۔ ہر کام پہلے کی طرح چلتا رہے گا۔ گھر کے کسی ممبر کے کارن خوشی دیکھنے کا یوگ بنے گا۔ البتہ خرچ کی زیادتی کی وجہ سے کچھ پریشانی رہے گی۔ اِس کی ۲-۴-۸-۱۲-۲۸ تاریخیں ناموافق رہیں گی۔

دسمبر۔ گرہست پکھ سے اِس مہینہ میں پریشانیوں کا زور رہیگا۔ ۷ دسمبر کو دھن راشی کا شکر آپ کے چھٹے بھاؤ میں پڑتا ہے۔ شترؤوں سے ہوشیار رہیں۔ اپنے بھی دشمنوں کا سا برتاؤ کریں گے۔ رُکے ہُوئے کام یا کاروبار اور دھن پراپتی کیلئے یہ مہینہ اُدتم رہے گا۔

جنوری۔ اگر آپ ودیارتھی جیون میں ہیں تو اِس مہینہ بُری سنگت سے بچ کر رہیں۔ یہ مہینہ آپ کو تیزی سے گراوٹ کی طرف لے جانے والا ہے۔ اگر آپ بُری سنگت سے بچ گئے تو اِس مہینہ میں پڑھا ہوا پاٹھ امتحان میں بہت مفید ثابت ہوگا۔ نوکری پیشہ تھا کاروبار کرنے والے کیلئے یہ مہینہ کافی دوڑ دھوپ لیکن تھوڑے لابھ کا مہینہ ہوگا۔

فروری۔ مانسک اشانتی اِس ماہ میں کچھ کم ہوگی۔ سکُون حاصل ہونے کے سادھن ملیں گے۔ دھن پراپتی کے لحاظ سے یہ مہینہ اُتم رہے گا۔ خرچ قدرے کم ہوگا۔

مارچ۔ اِس مہینہ میں خرچ کی ادھکتا ہوگی۔ اچانک نئے نئے خرچ کرنے کے پروگرام بن جائیں گے۔ نوکری و کاروباری لحاظ سے یہ مہینہ ہر پرکار سے فائدہ مند رہے گا۔ آدر مان اُتم

کن راشی کا ورش پھل

طول
سہم
کن
کرکٹ
ورچک راہ ۵۷
میتھن
دھن
شنیچر
مین
ورشبھ کیت
سریہ چندر
شکر
کنبھ
برھسپت
مکر
میش
بدھ

ورش کے آرمبھ پر آپ کے گرہوں کی استھتی ٹھیک نہیں ہے۔ پرنتو آگے جاکر گرہوں کا کچھ سُدھار ہوتا جائیگا۔ اِس ورش مندرجہ ذیل باتیں یاد رکھیں (۱) شتردوں سے ہوشیار رہیئے (۲) بُری سنگت سے بچیئے (۳) آتوار کو جنوب کی طرف سفر نہ کریں۔ (۴) کسی بزرگ کا اناد رنہ کریں۔ (۵) اگر ماں باپ جیوت ہیں تو اُن کی آگیا کے بنا کوئی کام نہ کریں۔ ورنہ خطرہ ہے۔

اگر آپ مُندرجہ بالا پانچ اصُولوں پر چلیں گے تو آپ کے بُرے گرہ بھی آپ کے انوکول ہوں گے۔ اِس ورش کے پہلے چھ ماہ خاص طور پر آپ کیلئے ناقص رہیں گے۔ لیکن آئندہ کے چھ ماہ ہر پرکار سے فائدہ مند رہیں گے۔ اگر اِس ورش آپ کا جنم دن شُبھ وار کو ہوگا تو پہلے چھ مہینہ بھی آپ کے لئے کچھ نہ کچھ فائدہ مند ہی رہیں گے۔ اگرچہ یہ ورش مجموعی طور پر کچھ ڈھیلا ہے پرنتو آپ کا شریر اِس ورش چالاک اور چُست رہے گا۔ دسویں شنیچر کے پربھاو سے اچانک کچھ گُپت لابھ ملنے کا بھی یوگ ضرور ہے۔ ۱۵ فروری تک ہر کام میں سنگھرش تتھا دوڑ دھوپ کے بعد ہی سپھلتا ہوگی۔ ۱۵ فروری ۱۹۷۴ء کے بعد آپ کی آرتھک پوزیشن میں اچانک ترقی ہوگی [illegible]

کن راشی کا ماسک پھلادیش

اپریل۔ یہ مہینہ ہر پرکار سے پریشان کُن ہوگا۔ گرہستھ پکھ سے چنتا رہے گی۔ شتردوں کا بھے اُن کی طرف سے دھوکہ ملنے کا بھی اندیشہ ہے۔ من میں بُرے ترنگ اُٹھتے رہیں گے۔ اچانک دودشٹ پُرشوں سے دوچار ہونے کا خطرہ۔

مئی۔ آرنبھ کئے کام میں سپھلتا۔ گھر سے باہر رہنے کی سمبھاونا۔ بھائی بندھوں سے اچانک ناراضگی۔ دھارمک کاموں کی طرف توجہ کم۔ کوئی نیا کام چالو کرنے کا پروگرام۔ پرنتو اُسے عملی رُوپ دینے میں رکاوٹ کا اندیشہ۔

جُون۔ لابھ کیلئے یہ مہینہ اُتم ہے۔ پرنتو خرچ لابھ سے بھی زیادہ ہوگا۔ گرہست پکھ سے مانسک اشانتی رہے گی۔ اِس مہینہ کا پہلا ہفتہ خاص طور پر لابھ دائیک رہے گا۔ مدھیہ کا ہفتہ مدھیم پھلدائیک ہوگا۔ اور آخری دو ہفتے نقصان دہ ہوں گے۔

جولائی۔ گھر میں اچانک کوئی جھگڑا ہونے کا اندیشہ ہے۔ گھر کے کسی ممبر کو خاص طور پر شریر کشٹ کا یوگ بنیگا۔ دھن فضول خرچ ہوگا۔ آمدنی کے لحاظ سے بھی یہ مہینہ کوئی خاص اچھا نہیں ہے۔ اِس مہینے کے سبھی شکروار تتھی گوروار آپ کیلئے فائدہ مند رہیں گے۔

اگست۔ بگڑے ہوئے کام اور بگڑنے کا اندیشہ ہے۔ کسی بھی کام میں سپھلتا نہیں ہوگی بلکہ رات دِن دوڑ دھوپ میں رہنا ہوگا۔ شانتی کا سانس دُوسرے مہینے (ستمبر) میں لینا ہوگا۔ یہ مہینہ آپ کیلئے بہت ہانی کارک ہوگا۔ لازم ہے کہ آپ اگست مہینہ کے شروع میں ہی بار بار [illegible] کا پاٹھ کیا کریں۔

ستمبر۔ اِس مہینہ سے آپ کی دَشا شدھرنے کی جھلک دکھائی دے گی۔ ہر آرمبھ کئے ہوئے کام میں کامیابی ہوگی۔ گھر کے حالات معمول پر رہیں گے۔ اگر آمدنی میں اضافہ نہ بھی ہوگا۔ تو بھی خرچ میں کمی نہ ہوگی۔ آپ کو اِس ماہ تنگدستی سے دوچار ہونا پڑیگا۔

اکتوبر۔ شریر سکھ۔ اچھے وچار۔ آمدنی ادتم۔ خرچ کم۔ اچھے پرشوں سے ملاپ، گرہستھ سکھ بھائی بندھوؤں کی طرف سے بھی مانسک شانتی۔ ہر کام میں کامیابی۔

نومبر۔ مانسک چنچلتا دینے والے کارن اچانک اُدنما ہوں گے۔ دھن کی پوزیشن اِس مہینہ میں قدرے ٹھیک رہے گی۔ پرنتو خرچ کے دروازے زیادہ وسیع ہوں گے۔ دھارمک کاموں کی لگن۔

دسمبر۔ گھر بیٹھے کوئی شُبھ سندیش ملے۔ نوکری پیشہ ہونے پر اچانک ترقی کا یوگ بنے۔ کوئی شُبھ کام انجام دینے کا پروگرام بنے۔ آمدنی کم ہونے پر بھی یہ مہینہ مانسک شانتی کا ہوگا اِس مہینہ کی ۲-۴-۶ وغیرہ جُفت تاریخیں فائدہ مند رہیں گی۔

جنوری۔ نئے سال کا یہ پہلا مہینہ آپ کیلئے شُبھ پیغام لائے گا۔ ہر ایک کام خود بخود سُدھرتا جائے گا۔ آمدنی میں اچانک اضافہ ہوگا۔ آدرمان ملیگا۔ اچھے پُرشوں کی سنگت نصیب ہوگی۔

فروری ۱۵ فروری سے آپکا پربستی بھی اچھی پوزیشن میں آئے گا۔ گرہستھ سکھ سے وِشیش شانتی۔ اگر گھریلو کوئی چنتا ہوگی تو اُس کا یقیناً کوئی حل ہوگا بلکہ ہر کام آپکے موافق ہوگا۔

مارچ۔ ۱۲ مارچ سے برہسپت اَست ہوگا (جو آپ کے شریر کو دیکھ رہا ہے) اِس کے پربھاد سے ۱۴ مارچ کے بعد اچانک شاریرک کشٹ کا اندیشہ تھا استری کو بھی کشٹ کا یوگ ہے۔ اِس مہینہ کا پہلا ڈیڑھ ہفتہ ہر لحاظ سے ادتم رہے گا۔ آخری ہفتہ ناقص رہے گا۔ آپ روزانہ گائتری منتر کا پاٹھ کیا کریں۔ جو آپ کی کامنائیں پُورن کرنے کا سادھن ہے۔

۴-۳-۱۳-۱۴-۲۷-۲۸ تاریخوں [illegible] کا خطرہ ہے۔

طول راشی کا ورش پھل

گت ورش کی نسبت یہ ورش آپ کے لئے بہت فائدہ مند تھا شانتی دائک رہے گا۔ اگر آپ کے سُپتر ہیں تو نشچے رکھیے کہ یہ ورش اُن کے بھوشیہ کو بنانے والا ہوگا۔ اگر آپ ودیارتھی ہیں تو آپ تھوڑا سا پریشرم کیجئے۔ پھل ادھک ملیگا۔ اگر آپ تھرڈ ڈویژن کی آشا میں ہیں تو سیکنڈ ڈویژن میں پاس ہو جاؤ گے۔ اگر سیکنڈ ڈویژن کی آشا رکھتے ہو تو فسٹ ڈویژن میں پاس ہونے کا یقین رکھو۔ صرف آپکے پریشرم کی ضرورت ہے۔ اگر ہاتھ پر ہاتھ دھر کر بیٹھ گئے تو پانچواں برہسپتی بھی آپ کے اُلٹ ہوگا۔ شتروؤں کا زور رہے گا۔ اِس بارے میں آپ کو چوکس رہنا چاہیئے۔ منگل اور کیتو کا آٹھواں ہونا شریر میں اچانک چوٹ اتھوا استری کے شریر کشٹ کا سُوچک ہوتا ہے۔ اِس کا اُپائے یہ ہے کہ آپ منگلوار کو تھرنا کر کیتُو کو ڈالا کریں۔ آرتھک نظریہ سے یہ ورش ادتم رہے گا اور جتنا بھی پیسہ آپکا خرچ ہوگا سارتھک ہوگا۔ اگر آپ اِس ورش تعمیری پروگرام بنائیں گے تو وہ پروگرام بہت دیر تک لٹکتا رہیگا۔

درچک راہ — کن — دھن — طول — سہم — مکر — شکر — کرکٹ — میش — میتھن

طول راشی کا ماسک پھلادیش

اپریل اِس ماس آپ کی بدھی ہر کام کو سپھل بنانے میں رام بان کا کام دے گی۔ اکثر کاموں میں آپ کامیاب رہیں گے۔ آدرمان کے لحاظ سے بھی یہ مہینہ ادتم رہے گا۔

مئی یہ مہینہ بھی آپ کے لئے ہر لحاظ سے کامیابی کا مہینہ ہے۔ گرہست سکھ سے مانسک شانتی رہے گی۔ اچھے پرشوں سے ملاپ کسی شُبھ کاریہ کو رچانے کا پروگرام۔ اِس ماہ کی ۴

جُون۔ یہ مہینہ ہر لحاظ سے مدھیم تھا ڈانواں ڈول رہے گا کبھی مانسک اشانتی اور کبھی شاریرک اشانتی رہے گی۔ کبھی لابھ اور کبھی نُقصان رہے گا۔ الغرض یہ مہینہ پریشانی کا ہی مہینہ ہوگا۔ پہلا ہفتہ اور آخری ہفتہ خاص طور پر پریشان کُن ہوں گے۔

جولائی اچانک اچھے پُرشوں کی سنگت میں بیٹھنے کا موقعہ ملے۔ شُبھ کاریہ رچانے کے بنائے گئے پروگرام جھٹ پٹ عملی رُوپ اختیار کریں گے۔ اِس ماہ آمدنی حد سے زیادہ رہیگی

اگست۔ دوڑ دُھوپ ادھک، آمدنی میں رکاوٹ۔ گرہستھ سُکھ اُتم۔ عزت میں وردھی شریر سُکھ اُتم۔ گھر کے کسی ممبر کی طرف سے من کو شانتی ملنے کا یوگ ہے۔ اِس ماہ کی ۱-۳-۷-۹-۱۷-۱۹-اور ۲۳ تاریخیں خاص طور پر فائدہ مند رہیں گی۔

ستمبر۔ ہر کام میں اُلجھن، دھن کا فضول خرچ، سنگھرش ادھک کوئی نیا کام شروع کرنے کا وچار اور اُسمیں بادھا پڑنے کا امکان۔ ہر شنیچروار اِس ماہ کا ناموافق رہیگا۔

اکتوبر۔ کاروبار، روزگار اتھوا نوکری میں وردھی اتھوا ترقی کا یوگ ہے۔ یاترا کی سمبھاونا اور وہ بھی آپ کیلئے فائدہ مند رہے گی۔ الغرض یہ مہینہ ہر لحاظ سے اچھا ہی گذریگا۔

نومبر۔ کسی پریشانی کا اچانک سامنا کرنا پڑیگا۔ جو آپ کے پریوار کیلئے بھی مصیبت کا کارن بنے گا۔ آپ کے لئے یہ بہتر ہوگا۔ کہ آپ ویشنو رہ کر روزانہ صُبح گائیتری منتر کا جاپ یتھا سمبھو کرتے جائیں۔ آمدنی خرچ اِس ماہ برابر رہیں گے۔ یہ مہینہ دھیرج سے گذارنا ہوگا۔

دسمبر۔ اِس مہینہ میں ہر پرکار سے شانتی رہے گی۔ آرتھک تتھا گھریلو حالات آپ کے موافق ہوں گے۔ بھائی بندھوؤں اور رشتہ داروں میں سنمان بڑھیگا۔

جنوری نئے سال کا نیا مہینہ آپ کے لئے شُبھ سندیش لیکر آیا ہے۔ آپ کی سبھی کامنائیں آئندہ آنیوالے تین مہینوں میں [illegible]

تو آپ کیلئے یہ آوشیک ہے کہ روزانہ کسی بزرگ یا اپنے ماتا پتا کے چرنوں کو سپرش کریں

فروری۔ یہ مہینہ ہر لحاظ سے اُتم ہونے پر بھی مخبھوردں سے ساودھان رہیں اچانک کوئی جھگڑا کھڑا ہونے کا اندیشہ ہے۔ بھائی بندھوؤں سے بھی سخت کلامی کی سمبھاونا ہے

مارچ۔ اِس ماہ میں گھریلو حالات سازگار نہیں رہیں گے۔ پرنتو دربار تتھا کاروبار میں بادھا کا مہینہ ہے۔ آدرمان اُتم۔ آمدن میں بھی کوئی رکاوٹ نہیں ہوگی۔

وَرچک راشی کا ورش پھل

دھن	طول	کن
شاستر	ورچک راہ	
کنبھ	سہم	
بدھ۔ برہسپت	ورشی	کرکٹ
مین	بوم۔ کیت	شنیچر میتھن
کرر	میش	

آرنبھ پر ہی گرہوں کی ستھتی ٹھیک نہ ہونے سے یہ ورش آپ کیلئے سرو سادھارن رُوپ سے اُلجھنوں کا ورش ہوگا۔ کاروبار یا نوکری کے درشٹی کون سے یہ ورش اُتم ہے۔ پرنتو گھریلو حالات ٹھیک نہیں رہینگے۔

بُدھ اور برہسپتی کے پربھاو سے تعمیری کاموں کی طرف رغبت رہے گی۔ ساتھ ہی ساتھ سپھلتا کا بھی یوگ ہے۔ ماتر اتھوا پتر پکھ دونوں طرفوں سے آپ کو لابھ اتھوا مانسک شانتی ملیگی۔ سنتان پکھ سے کوئی شُبھ سندیش یا کسی شُبھ کام کی آشا مت رکھیئے۔ بھائی بندھوؤں، رشتہ داروں اور دوستوں سے بھی اِس ورش ساودھان رہیئے۔ کسی پکھش سے کوئی لابھ پراپت ہونے کی آشا نہ رکھیں بلکہ کچھ نہ کچھ ہانی کی ہی سمبھاونا ہے۔ دوڑ دھُوپ کے چکر میں ہی یہ ورش آپ کا گذریگا۔ انت میں لابھ اور ہانی یکساں دکھائی دے گا۔ شریر سُکھ بھی ڈانواں ڈول رہے گا۔ مجموعی طور پر یہ سال آپ کے لئے کوئی خاص شانتی دایک نہیں ہوگا۔

وَرچک راشی کا ماسک پھلادیش

اپریل سنگھرش و دوڑ دُھوپ ادھک پرنتو لابھ کم۔ شریر ٹھیک رہنے پر بھی کسی سمبندھی اتھوا استری کو شریر کشٹ ہونے سے مانسک اشانتی رہے گی۔ اِس مہینہ کا آخری ہفتہ خاص طور پر ناقص

مئی ہر ایک کام حسبِ معمول چلتا رہے گا۔ آمدنی اور لابھ درمیانہ درجہ پر ہوگا۔ گھر میں مہمانوں کا آنا جانا جاری رہے گا۔ بھائی بندھوؤں اور رشتہ داروں سے میل ملاپ۔ دوسرا ہفتہ فائدہ مند۔

جُون۔ کسی شُبھ کاریہ میں دھن کا خرچ۔ اچھے پُرش سے اچانک ملاپ ست سنگ کا اچانک موقعہ ملے۔ دھارمک کاموں کی طرف پرورتی بڑھے۔ اگر آپ ودّیارتھی ہیں تو پڑھائی کی طرف توجہ رکھیں۔ یہ مہینہ ہی امتحان میں کامیابی دینے کی بُنیاد ہوگا۔

جولائی۔ گھر میں کوئی منگل کاریہ رچانے کا پروگرام بنے۔ شریر سُکھ اُدتم رہے۔ بھائی بندھوؤں اور رشتہ داروں سے پریم تتھا میل ملاپ کا مہینہ ہے۔ خرچ کی ادھکتا ہوگی۔

اگست۔ ہر آرمبھ کئے ہوئے کام میں اچانک رُکاوٹ پڑنے کا اندیشہ ہے۔ بنا بنایا کام رُک جائیگا۔ شریر سُکھ اُتم رہنے پر بھی مانسک چنچلتا بنی رہے گی۔ اِس ماہ کا تیسرا ہفتہ ناموافق ہے۔

ستمبر۔ یہ مہینہ بھی آشا اور نراشا میں ہی گذر یگا۔ کوئی کام سُدھریگا ہی نہیں اور نہ ہی سر انجام پانے کا اِمکان ہے۔ گھر میں بھی نئی نئی سمسیائیں کھڑی ہوتی رہیں گی۔ پہلا اور آخری ہفتہ ناقص۔

اکتوبر۔ ہر آرمبھ کیا ہوا کام اُلجھنوں کے بعد ہی سپھل ہوگا۔ اچانک کوئی گُپت چنتا کھڑی ہوگی۔ دھن کی کمی۔ خرچ کی ادھکتا۔ دوستوں سے میل ملاپ۔ یاترا کی سمبھاونا۔

نومبر۔ مانسک چنچلتا میں ادھکتا۔ خرچ کی بھر مار۔ آمدنی میں کمی۔ بھائی بندھوؤں اتھوا رشتہ داروں سے اچانک ناراضگی۔ شتروؤں کا بھے۔ غرضیکہ یہ مہینہ ہر لحاظ سے کمزور ہی رہے گا۔

دسمبر۔ اچھے اچھے پُرشوں سے میل ملاپ کا موقعہ نصیب ہوگا۔ اچھی سنگت کا ملنا سُولبھ ہوگا۔ دھارمک یا اچھے کاموں میں دھن کا بہت سا بھاگ خرچ کرنے کا پروگرام بنے گا۔

جنوری۔ گھر بیٹھے ہی اچانک رُکے کاموں میں سُدھار ہوگا۔ اچھے کاموں میں دھن کا سارتھک خرچ ہوگا۔ کاروبار اتھوا نوکری میں اچانک ترقی کا یوگ بنے گا۔

فروری بنے کام بگڑنے کا اندیشہ ہے۔ آدر میں کمی۔ دھن کا نِرارتھ خرچ۔ یہ سب کچھ ہوتے ہوئے بھی شریر سُکھ اُدتم رہے گا۔ آمدنی بھی اندازے سے زیادہ ہوگی۔

مارچ۔ بھائی بندھوؤں سے سمبندھ میں وردھی ہوگی۔ گھریلو پریشانیوں میں کمی۔ اچھے کاموں میں دھن کا خرچ۔ گھر میں شُبھ کاریہ کی رچنا۔ اِس مہینہ کا آخری ہفتہ خاص فائدہ مند رہیگا۔

دھن راسی کا ورش پھل

طول
دھن
مکر
در چک راہ
کُمبھ
مین
کن
سہم
میتھن
شُکر یہ چندرما
میش
شنیچر
کرکٹ
ورِش
بُدھ کیتو

ورش کے آرمبھ پر گرہوں کی ستھتی سرد ساد ھارن ہونے پر بھی آگے جاکر گرہ چال آپکے موافق ہوگی جس کے پربھاو سے یہ ورش کاروبار، روزگار، تتھا نوکری میں وردھی اور ترقی دینے والا ہوگا۔ اِس ورش میں کوئی بھی وِرودھی یا شترو آپکا سامنا نہ کر سکے گا۔ بلکہ اِس ورش گرہ چال کے مطابق آپ کو شترو ناشک یوگ پڑا ہوا ہے۔ اگر آپ اِس ورش کوئی تعمیری کام آرمبھ کریں گے۔ تو بہت محنت اور کوشش کے باوجود اُسے پورا نہ کر سکیں گے۔ بھائی بندھوؤں اور رشتہ داروں کے ساتھ پریم میں اضافہ ہوگا۔ ستوان شنیچر سال بھر آپ کیلئے گھریلو چنتا کا سُوچک ہوگا۔ آپ کیلئے لازم ہے کہ ہر شنیچروار کو تیل بنا کر بھکشیوں کو ڈالا کریں۔ اِس ورش ایسا بھی ممکن ہے کہ آپ کا پروگرام چھوٹی موٹی یاترا کا بھی بنے۔ جو آپ کے لئے شروع میں ہانی کارک لیکن انت میں لابھ دائیک ثابت ہو۔ آمدنی اور خرچ مجموعی طور پر یکساں رہیں گے۔ کوئی خوشی دیکھنے کا بھی موقعہ ملیگا۔

دھن راشی کا ماسک پھلا دیش

اپریل: یہ مہینہ دوڑ دھوپ کا ہے۔ اس کے باوجود کوئی کام تسلی بخش طور پر سدھ نہ ہوگا۔ آمدنی کے ذرائع کمزور لیکن خرچ کے دروازے کھلے ہوں گے۔ گھر میں سادھارن گرہستی پریشانیاں رہیں گی۔

مئی: یہ ماہ ہر لحاظ سے فائدہ مند رہے گا۔ شریر سکھ اُتم۔ گھریلو حالات بھی معمول پر رہیں گے۔ آدر مان کے لحاظ سے یہ مہینہ اُتم ہے۔ جس کام میں دلچسپی لو گے۔ سپھلتا ملے گی۔

جون: نوکری اتھوا کاروبار میں بادھا۔ کسی پریشانی کا اچانک سامنا کرنا پڑیگا۔ دھن کا فضول خرچ ہوگا۔ دوستوں اور سمبندھیوں سے اچانک بگاڑ۔ آمدنی قدرے بہتر رہے گی۔

جولائی: ہر کام میں منشا کے مطابق کامیابی۔ کام کی بھرمار۔ آمدنی اُتم۔ خرچ ادھک گھر کے کسی ممبر کی طرف سے خاص طور پر مانسک شانتی۔ اچھے کاموں میں دھن کا خرچ ہوگا۔

اگست: بہت دیر سے رُکے ہوئے کاموں میں سپھلتا کی آشا۔ بگڑے کاموں میں سُدھار ہر کام میں دلچسپی۔ آمدنی اور خرچ یکساں۔ اس مہینہ کا دوسرا ہفتہ خاص طور پر لابھ دایک۔

ستمبر: کوئی نئی سمسیا سامنے آنے کا یوگ۔ ہر اُلجھن میں سپھلتا۔ آرتھک پوزیشن اس ماہ میں ٹھیک رہنے پر بھی خرچ کا یوگ ادھک بلوان ہے۔ اس مہینہ کی ۱-۳-۵-۱۲-۱۸-اور ۱۹ تاریخیں خاص طور پر فائدہ مند رہیں گی۔

اکتوبر: چوٹ کا بھے۔ اچانک کوئی چنتا۔ گرہستھ کی پریشانیوں میں ادھکتا۔ خرچ میں اضافہ آمدنی بالکل کم۔ گھر میں مہمانوں کی آمد و رفت زوروں پر رہیگی۔ اس ماہ کا دوسرا ہفتہ نا قص۔

نومبر: ہر پرکار سے مانسک شانتی۔ ہر کام میں شاندار کامیابی۔ بھائی بندھوں سے سمبندھ میں اضافہ۔ سنتان اتھوا گرہستھ سُکھ سے وشیش شانتی رہے گی۔ اس مہینہ کی جفت تاریخیں مثلاً ۲-۴-۶ وغیرہ فائدہ مند رہیں گی۔

دسمبر: بہت سمے سے ہاتھ میں آیا ہوا کام ہاتھ سے نکل جانے کی سمبھاونا۔ ہر پرکار سے دوڑ دھوپ کا مہینہ ہے۔ پرنتو آمدنی کے لئے اُتم ہے۔ اس مہینہ میں نوکری اتھوا کاروبار میں کوئی کمی بیشی ہونے کا یوگ بھی ہے۔

جنوری: دربار میں اچانک کوئی وردھی اتھوا کاروبار میں اچانک تبدیلی کا پروگرام۔ جو آپ کے لئے بہت ہی فائدہ مند رہے گا۔ آمدن اور خرچ ایک جیسا رہے گا۔ شبھ کاموں میں خرچ۔

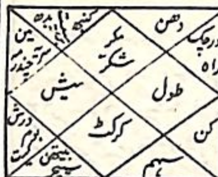
فروری: یہ مہینہ ہر پرکار سے سُکھ اور شانتی کا مہینہ ہے۔ ہر آرمبھ کئے ہوئے کام میں سپھلتا۔ بھائی بندھوں میں آدر ستکار۔ اچھے کاموں میں پرورتی۔ دھارمک کاموں سے لگن۔ اس مہینہ کی ۳-۱۳-۱۴-۱۹-۲۱-۲۲-۲۳-۲۵ تاریخیں فائدہ مند رہیں گی۔

مارچ: گرہستھ سُکھ سے سادھارن سی پریشانی۔ شریر سُکھ اُتم۔ نوکری اتھوا کاروبار کیلئے یہ مہینہ اُتم ہے۔ اچھے اچھے پُرشوں سے اُٹھنے بیٹھنے کا موقعہ ملے۔ آمدنی کے لئے یہ مہینہ بڑھیا ہے۔ اس مہینہ میں خرچ میں کچھ کمی ہوگی۔ مہینہ کے انت میں کچھ نقصان کا خطرہ ہے۔

(نوٹ) اس ورش آپ روزانہ صبح اپنے پاٹھ پوجا کے ساتھ ہمارے اس منتر کو بھی جوڑیئے:۔
"شروا، بادھا، پرشمنم، ترلوکیسیا کھلیشوری ایے وم، ایو، تویا، کاریم اسمت، ویری ونا شنم"
۱۰۸ بار روزانہ پڑھیں۔

مکر راشی کا ورش پھل

ورش کے آرمبھ پر گرہوں کی ستھتی مدھیم ہونے سے یہ ورش بھی ہر لحاظ سے آپ کیلئے مدھم ہی ہوگا۔ دھن کے نظریے سے یہ ورش ٹلی کے برابر ہے۔ آمدن اتنی محدود رہے گی۔ کہ آپ اپنا خرچ تنگدستی سے پورا کرسکیں گے۔



نوکری پیشہ ہونے پر آپ نوکری کے دشیئے میں بھی عام طور پر چنتنک رہا کریں گے۔ اگر آپ تجارت پیشہ ہیں تو کسی بھی کام میں آپ کو حسب خواہش فائدہ نہیں ہوگا۔ گھریلو حالات بھی قدرے پریشان کن رہیں گے۔ اگر آپ پُتر رکھتے ہیں تو اُن سے بھی پریشانی ملے گی۔ اگر آپ ودیارتھی ہیں تو جی توڑ محنت کریں۔ ورنہ سپھل ہونے کی کوئی آشا نہیں۔ ممکن ہے اِس ورش آپ کو کوئی یاترا اچانک کرنے کا اوسر ملے۔ اِس ورش آمدنی کم ہونے پر بھی لگن میں شکر کے کارن گھر میں کوئی شُبھ منگل رچانے کا پروگرام ضرور بنے گا۔

مکر راشی کا ماسک پھلادیش

اپریل ہر کام میں رُکاوٹ کے بعد سپھلتا ہوگی۔ خرچ زیادہ ہوگا۔ لیکن آمدن کم ہوگی۔ گرہستھ کے حالات آپ کو بےچین رکھیں گے۔ اِس مہینہ کا آخری ہفتہ آپ کیلئے ناقص رہے گا۔

مئی خرچ کی ادھکتا، آمدنی میں کمی۔ پرنتو آدر، مان کے لحاظ سے یہ مہینہ اوتم رہے گا۔ مہاپرشوں سے اچانک ملنے جُلنے کا موقعہ ملیگا۔ شریر سکھ بھی اوتم رہیگا۔ گرہست پکھ سے کچھ شانتی رہیگی۔

جُون دوستوں اور بھائی بندھوں سے ملاپ اچھے کاریوں میں دھن کا خرچ جب خواہش آمدنی۔ اچھے کاموں میں دھن کا سارتھک خرچ۔ کوئی نیا کام آرمبھ ہو کر اسمیں سپھلتا ملے گی۔ یہ مہینہ ہر لحاظ سے بہتر رہے گا۔ اِس ماہ کی ۳،۲-۱۳-۱۴-۱۵-۲۱-اور ۲۷ تاریخیں فائدہ مند رہیں گی۔

جولائی یہ مہینہ ہر سرکار سے ڈانواں ڈول رہے گا۔ کوئی بھی کام تسلی بخش طور پر سدھ نہیں ہوگا۔ شاریرک اوستھا بھی کچھ [illegible]

اگست کیسی اچھے پروگرام کو انجام لانے کا وچار اور اسمیں سپھلتا۔ اچانک کسی کو شکست کا شکار ہونا پڑے گا۔ آمدنی کے لحاظ سے یہ مہینہ اوتم رہے گا۔ پرنتو خرچ بھی کافی ہوگا۔

ستمبر گھر بیٹھے اچانک کام میں سِدھی ہونے کا یوگ ہے۔ آپ تھوڑا سا پرشیرم ضرور کریں تعمیری کاموں سے دلچسپی۔ گھریلو پریشانیوں سے دِل شکستہ ہوگا۔ اِس مہینہ کی ۱۲-۱۳-۱۴-۱۵-۲۱-۲۲-اور ۲۹ تاریخیں فائدہ مند رہیں گی۔

اکتوبر اِس مہینہ میں ہاتھ پر ہاتھ دھر کر رہنا ہوگا۔ کسی بھی کام سے دلچسپی نہیں رہے گی بلکہ بنے ہوئے کاموں سے نفرت ہوگی۔ لازم ہے کہ آپ اِس مہینہ کے شروع سے روزانہ "بہو رُوپ گربھ" کا پاٹھ کریں۔ آپ تجربہ کر کے دیکھیں اِس چھوٹے سے پاٹھ سے آپکے سبھی کام سُدھر جائیں گے۔ منو کامنائیں پوری ہوں گی۔

نومبر مانسک چنچلتا ادھک۔ خرچ ادھک۔ آمدنی ادھک۔ گھریلو پریشانیوں میں اضافہ۔ دہارمک پرورتی ادھک۔ مزاج میں تلخی۔ دوڑ دھوپ زیادہ۔ دشمنوں سے خطرہ۔ دوستوں سے ملاپ

دسمبر اِس مہینہ کسی نزدیکی سمبندھی کی پریشانی۔ خاص طور پر اپنے ماتا پتا کیطرف سے ساودھان رہیئے۔ خرچ کی ادھکتا اِس مہینہ زوروں پر رہے گی۔ لیکن اس کی پورتی دوسرے مہینہ میں ہونے کا یوگ ہے۔ ایسے تو آدر مان کیلئے یہ مہینہ اوتم ہے۔

جنوری آمدنی کے لحاظ سے یہ مہینہ بہت ہی اوتم ہے۔ اچانک کوئی لابھ ملنے کا یوگ ہے اچھے کاموں میں خرچ کرنے کا پروگرام بنے نوکری یا کاروبار میں وردھی۔ آشاؤں پورن ہونے کے آثار۔

فروری یہ مہینہ حسب معمول ایک سطح پر چلتا رہیگا۔ مانسک سکون رہے گا۔ آمدنی خرچ یکساں شریر سکھ بھی مناسب ملیگا۔ گرہست سکھ بھی متوسط درجہ کا رہے گا۔ اِس ماہ کی ۲۱-۲۳ [illegible] ان دو تاریخوں کو نقصان ہونے کا اندیشہ ہے۔

مارچ۔ یہ مہینہ دوڑ دھوپ کا ہوگا۔ آمدنی کے لحاظ سے کمزور رہیگا۔ شریر سُکھ بھی قدرے مدھیم رہیگا۔ بھائی بندھوں کی طرف سے بھی سادھارن سی مانسک اشانتی رہے گی۔ اِس مہینہ میں کسی یاترا کا خاص پروگرام نہ بنانا چاہیئے

کُنبھ راشی کا ورش پھل

برہسپتی اور بدھ آپ کے گوچر سے لگن میں ہے۔ جو آپ کے شریر کی رکھشا کرنے میں سہایک ہوں گے اور شریر رکھشا کے ساتھ آپ کی شان و مان کی حفاظت کریں گے۔ برہسپتی انوکول (موافق) ہونے کے باوجود منگل اور شنیچر اِس ورش آپ کے پرتیکول (اُلٹ) رہیں گے۔ یہ دونوں گرہ اِس ورش کو آپ کے لئے اُلجھنوں کا ورش بنانے میں کوئی کسر باقی نہ چھوڑیں گے۔ کوئی بھی کام تھوڑے پرلیشرم سے سرانجام نہیں ہوگا۔ اِس لئے آپ ہمت اور سرتوڑ کوشش سے آگے بڑھیں اور برہسپتی کے بل کو بڑھائیں۔ برہسپتی کے بل کو بڑھانے کیلئے یہ ضروری ہے کہ آپ ہر پرکار کی بُری سنگت سے بچیں اور خاص طور پر ساتوک بھوجن کا استعمال کریں۔ اگر ہو سکے تو پوری طرح ویشنو رہیں۔ شنیچر دیوتا کے پربھاو سے گھریلو اور سنتان پکھ سے بھی آپ کو اِس ورش کچھ نہ کچھ اشانتی بنی ہی رہے گی۔ اگر آپ ودیارتھی ہیں تو آپ کو اِس ورش سخت محنت کرنے کی ضرورت ہے۔ اگرچہ شنیچر اور منگل کے پربھاو سے آپ میں پہلے پہل پست ہمتی آئے گی۔ لیکن یقین رکھیئے۔ آخر میں کامیابی کا سہرا آپ کے سر ضرور ہوگا۔ کیونکہ برہسپتی آپ کے ودیا استھان کو پورن درشٹی سے دیکھ رہا ہے۔ جو آپ کے حوصلہ کو بلند بنانے اور کامیاب بنانے کی دلیل ہے۔

دھن
نر شکر
مین
چندر ہرشل
میش
کنبھ
بدھ برہسپت
درچک
درشبھ
بوم کیت
راہ
طول
سہم
متھن
شنیچر
کرکٹ
کن

کُنبھ راشی کا ماسک پھلادیش

اپریل۔ یہ مہینہ آپ کیلئے اگرچہ کوئی اوتم مہینہ نہیں ہے۔ لیکن نقصان یا کسی خاص پریشانی کا بھی مہینہ نہیں ہے۔ اِس مہینہ کی ۲-۱۲-۱۳-۱۸-۱۹-۲۷ تاریخیں آپکو لابھدائیک ہیں۔

مئی۔ یہ مہینہ بھی کچھ کمزور سا رہے گا۔ آمدنی کم خرچ کی بہتات رہے گی۔ پرنتو خرچ شُبھ کاموں پر ہوگا۔ نقصان کا کوئی اندیشہ نہیں۔ بلکہ مہینہ کے آخر میں لابھ ملنے کی سمبھاونا ہے۔ بھائی، بندھوؤں اور دوستوں سے میل جول اچھا رہے گا۔

جُون۔ یہ مہینہ دوڑ دھوپ میں ہی گذریگا۔ کوئی بھی کام تسلی بخش طور پر سدھ نہیں ہوگا۔ خرچ کی زیادتی اور آمدنی میں کمی رہے گی بنائے گئے پروگرام عملی شکل اختیار نہ کرسکیں گے۔

جولائی۔ اِس ماہ کے پہلے ۱۸ دِن ہر لحاظ سے آپ کے انوکول رہیں گے۔ آدر، مان تھا شریر سُکھ اوتم رہے گا۔ ہر کام میں کامیابی حاصل ہوگی۔ پرنتو ۱۹ جولائی سے آپکے گوچر سے ساتواں منگل آرہا ہے۔ جو آپ کے لئے ضرور کچھ نہ کچھ پریشانی کا مُوجب ہوگا۔

اگست۔ اِس ماہ میں شریر کی کمزوری کے علاوہ مانسک چنتا بھی رہے گی۔ سُکھ کے سادھن حاصل کرنے میں اچانک کوئی وِگھن پڑتا رہے گا۔ سر اتھوا آنکھوں میں تکلیف کا اندیشہ ہے۔

ستمبر۔ سنتان سُکھ اتھوا وِدیا کے پٹھن پاٹھن میں رُکاوٹ پڑنے کی سمبھاونا ہے۔ اِس مہینہ میں شریر سُکھ اوتم رہے گا۔ گھر کے کسی ممبر اتھوا نزدیکی رشتہ دار سے پریشانی ملے۔

اکتوبر۔ اِس مہینے کے پہلے ۲۲ دِن اچھے گذریں گے۔ آخری ہفتہ میں آپ سا و دھان رہیئے۔ [illegible] کا بھی یوگ ہے۔

نومبر۔ بُری صحبت سے بچنے کا یتن کریں۔ اگر آپ ایسا کریں گے تو یہ مہینہ آپ کیلئے بہت مہتو پُورنک ہوگا۔ اِس مہینہ میں پیسہ کی بہتات رہے گی۔

دسمبر۔ کام دھندے میں دلچسپی بنی رہے گی۔ شریر سُکھ اُتم رہے گا۔ آمدنی بھی خرچ کیمطابق ہوتی رہے گی۔ کسی شُبھ کام کو سمپُورن کرنے کا پروگرام بنے گا۔ اِس ماہ کا دُوسرا ہفتہ فائدہ مند۔

جنوری۔ آرتھک حالت سُدھر جائے گی۔ شریر سُکھ اُتم ہوگا۔ بھائی بندھوؤں سے ملاپ تتھا پریم بڑھیگا۔ یہ مہینہ آپ کیلئے خاص طور پر فائدہ مند ثابت ہوگا۔ آخری اور پہلا ہفتہ سکھدائک

فروری۔ گرہستھ سُکھ میں کمی ہونے کے علاوہ شریر سُکھ بھی مدھیم ہوگا۔ جو اشانتی کا باعث ہوگا۔ ویسے آمدن کے لحاظ سے یہ مہینہ مقابلتاً بہتر رہے گا۔ اور شُبھ کاموں پر دھن کا خرچ بھی ہوگا۔

مارچ۔ کوئی نیا کام کرنے کی یوجنا اِس مہینہ مت بنائیے۔ ہاتھ میں آیا ہُوا کام بھی ہاتھ سے نکل جانے کی سمبھاونا۔ یہ مہینہ ہر لحاظ سے ناموافق رہے گا۔ لازم ہے کہ آپ روزانہ "سرو منگلہ منگلے، شِوے، سرواُرتھ، سادھکے، شرنئے، ترمبھ کے، گورے، نارائینے۔ نموستو تے،" منتر کا اُچارن کریں۔ اِس سے بگڑے کام سُدھر جائینگے۔ اشانتی، شانتی میں بدل جائے گی۔

مین راشی کا ورش پھل

۔اِس ورش آپکے گرہ آپکے انوکول رہینگے۔ شریر سُکھ اُتم رہے گا۔ آرتھک لابھ بھی اُتم رہے گا۔ نیک کاموں سے دھن ملے اور شُبھ کاموں پر خرچ کا پروگرام بنیگا۔ بھائی بندھوؤں تتھا دوستوں کیساتھ میل ملاپ بڑھیگا۔ خرچ بھی ہوگا۔ نوکری کی صورت میں ترقی کا یوگ آٹھویں راہو ہونے سے تبدیلی کی پریشانی لیکن آخر میں شانتی دائک تجارت میں لابھ ہوگا۔ آپکی شان و شوکت میں اضافہ کا ورش ہے۔

مین
کنبھ برہسپت
ورشبھ کیت بوم
مکر بُدھ
دھن سنیچر
شُکر چندرما
کرکٹ
شُکر
طول
دھن
سہم
کن
درچک راہ

مین راشی کا ماسک پھلا دیش

اپریل ہر پرکار سے مانسک شانتی۔ ہر کام میں کامیابی۔ گرہستھ تتھا ماتا پتا کی طرف سے مانسک شانتی۔

مئی۔ شریر میں گرمی اتھوا سر میں درد۔ بھائی بندھوؤں سے ناراضگی۔ نامناسب کاموں میں اُلجھاؤ دوڑ دھوپ ادھک رہے گی۔ لابھ کم خرچ زیادہ ہوگا۔

جُون۔ ہر پرکار سے لابھدائیک مہینہ شُبھ پروگرام کی بھاونا۔ صرف آخری ہفتہ میں تھوڑی سی پریشانی

جولائی۔ خوشحالی اور کامیابی کیلئے شُبھ مہینہ۔ تمام اُلجھنیں دُور ہونگی۔ شُبھ ذریعوں سے دھن کا لابھ

اگست۔ اِس مہینہ ذرا ہوشیاری سے کام لیں چُغلخوروں سے بچیں۔ بغیر کِسی کارن کے جھگڑا ہونے کا اندیشہ ہے۔ آدر، مان اور لابھ کیلئے اُتم مہینہ۔

ستمبر۔ اُلجھن اور پریشانی۔ گرہستھ کی چنتا۔ دھن میں کمی خرچ زیادہ "اوم نمو شوائے،" کا اُچارن کریں۔

اکتوبر۔ دھن کا زیادہ حصہ کھان پان پر خرچ ہوگا۔ مہمانوں کی آمدورفت زیادہ۔ آمدنی کے ذرائع اچانک بڑھ جائینگے۔ شریر سُکھ اُتم رہیگا۔ سنتان پکھ اتھوا گرہستھ پکھ سے وشیش شانتی رہیگی۔

نومبر۔ آمدنی سُست لیکن خرچ بھی کم۔ بھائی، بندھوؤں، دوستوں افسروں سے ملنے میں ڈھیل۔

دسمبر۔ ہر کام میں پُھرتی اور تیزی۔ دِن رات کام کرنے کی لگن۔ نئی نئی سکیمیں ہر لحاظ سے کامیابی۔

جنوری۔ طبیعت میں چُستی۔ نئی لگن اور نئی اُمنگیں ہر کام میں سپھلتا۔ تیسرا ہفتہ خاص طور پر لابھدائیک

فروری۔ بھائی بندوں تتھا دوستوں سے ملاپ۔ شُبھ کام سرانجام دینے کی بھاونا۔ اچھی کمائی سے دھن ملے۔ شُبھ کاموں میں خرچ۔ ۳۰-۱۲-۱۳-۱۴-۱۷-۱۸-۱۹ تاریخیں خاص لابھدائیک۔

مارچ۔ ۱۸ مارچ تک آپکے لئے سُکھ شانتی کا مہینہ۔ اِسکے بعد برہسپتی بارھویں بھاؤ میں آرہا ہے۔ یہ یوگ آپکی آرتھک دشا پر بُرا اثر رکھتا ہے۔ فضول خرچی اتھوا نقصان کا اندیشہ ہے ؛

سپت رشی سمت ۵۰۵۰ چیتر شکلہ پکھ مین میں سُریہ۔ ورِش میں بوم، کیت کنبھ میں بدھ، برہسپتی مکر میں شکر بیتھن میں شنیچر۔ ورچک میں راہ

تاریخ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	مارچ	وار	نکھتر	[illegible]	[illegible]	تتھی	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۲	۱۴/۵۱	۲۸	۱۰	۲۳	شنیچروار	پوربا د	۳	۳۴	اماوس	۲	۵۵	اپنے دن	اپنے دن	بجے ۴۴م	بجے ۶ ۲۶م
۳	۴۹	۲۹	۱۱	۲۴	آتوار	اتربا د	۴	۲۱	اکدو	۲	۵۴	"	"	۲۵	۲۵
۴	۴۶	۳۰	۱۲	۲۵	سوموار	ریوت د	۴	۳۹	دوی	۲	۲۰	"	"	۳۶	۲۴
۵	۳۴	ربیع الاول	۱۳	۲۶	منگوار	اشن د	۴	۲۹	تری	۱	۱۸	"	"	۳۷	۲۳
۶	۴۱	۲	۱۴	۲۷	بدھوار	برن د	۳	۵۲	چورم	۱۱	۵۱	"	"	۳۸	۲۲
۷	۳۸	۳	۱۵	۲۸	گوروار	کرتج د	۲	۲۵	پنچم	۱۰	۳	"	"	۳۹	۲۱
۸	۳۵	۴	۱۶	۲۹	تبکروار	روہن د	۱	۴۲	شیم	۸	۱	"	"	۴۰	۲۰
۹	۳۳	۵	۱۷	۳۰	شنیچروار	مرگیشور د	۱۲	۱۵	ستم د	۵	۴۷	"	"	۴۱	۱۹
۱۰	۳۰	۶	۱۸	۳۱	آتوار	آدر د	۱۰	۳۸	اشٹم د	۳	۲۶	پہلے دن	"	۴۲	۱۸
۱۱	۲۸	۷	۱۹	اپریل	سوموار	پنروس د	۹	۲	نوم د	۱	۳	"	"	۴۳	۱۷
۱۲	۲۵	۸	۲۰	۲	منگوار	پکھش د	۷	۲۶	دہم د	۱۰	۴۲	"	پہلے دن	۴۴	۱۶
۱۳	۲۲	۹	۲۱	۳	بدھوار	مگھ	۴	۳۴	کاہ د	۸	۲۸	"	"	۴۵	۱۵
۱۴	۲۰	۱۰	۲۲	۴	گوروار	پوربھا	۳	۳۰	باہ د	۶	۲۶	"	"	۴۶	۱۴
۱۵	۱۷	۱۱	۲۳	۵	تبکروار	اتربھا	۲	۱۹	چوداہ	۳	۱۱	اپنے دن	اپنے دن	۴۷	۱۳
۱۶	۱۴	۱۲	۲۴	۶	شنیچروار	ہست	۲	۲۱	پونم	۲	۸	"	"	۴۸	۱۲

۹ بجے ۷ام دن سے مین چندرمہ۔ وچار ناگ یاترا۔
۹ - ۱۶ منٹ رات ورچک میں راہ اور ورِش میں کیت نوراتر آرمبھ
۳ بجے ۹ ۳ منٹ دن میش چندرما اور پنچک سماپت۔ ۱۰-۴۰م دن سے گنڈانت
امرتم۔
۹ بجے ۲۴ منٹ رات ورِش میں چندرمہ۔ کانڈا۔
الاپکا۔
۱ بجے ۲ منٹ رات میتھن چندرمہ۔ کمار شیم ورت۔ میترم
وزرم
۸ بجے ۲۳م صبح کنبھ میں شکر۔ ۳۔ ۷م رات کرکٹ میں چندرمہ۔ دوانکھیا۔ زور ربوم
رام نومی۔ ادما جینتی۔ براری آنگن یاترا۔ دومیا۔ شیلہ پتری جینتی بارہ مولہ۔
۱۰ بجے ۲۴ منٹ رات سے گنڈانت۔ اشلیش ۵ بجے ۵۵م۔ پردردا۔
۵-۵۵م صبح سہم چندرمہ۔ ۱۱-۳۴م دن تک گنڈانت۔ کامداکاہ۔ چترا
تراہ۔ ترداہ ۴ بجے۔ ۴۱ منٹ۔ شُسلم
۹ بجے ۷ام دن کن چندرمہ۔ ۵ بجے ۴ منٹ شام مین میں بدھ۔ شُولم۔
ہنومت جینتی۔ عید۔ مرتیو۔
م بھیر دیگیہ در بارٹی جموں)

کنبھ شکر

یاترا مہورت۔ ۲۴ مارچ اکدو پورب اتر یاترا۔ ۲۵، دوی پچھم اتر یاترا۔ ۲-۹-۳م دن سے دکھن یاترا ابھی ۲۶ مارچ تری پورب دکھن یاترا ۴-۹-۳م دن تک ۲۸ مارچ پنچم پورب پچھم یاترا ۲-۵-۴م دن سے۔ ۲۹ مارچ شیم پچھم بنا یاترا۔
۲۔ ستم پورب بنا یاترا ۲-۵-۱م دن تک ۱۳ [illegible] دہم پورب دکھن یاترا ۔۔۔ م صبح تک ۴ اپریل باہ ورت پچھم یاترا ۵ چوداہ پچھم بنا یاترا۔ ۶ پونم پچھم بنا یاترا ۴ بجے سے ۱م صبح

بکرمی سمت ۲۰۳۱ ویشاکھ کرشنہ پکھ یمن میں سُریہ اُبدھ۔ ورلیش میں بوم۔ کیت کُنبھ میں برہسپت۔ شکر میتھن میں شنیچر۔ ورچک میں راہ

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نکھتر	بزنہا	منٹ	تیتھی	بزنہا	منٹ		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
												بیساکھی ۱۳ اپریل شنیچروار کو ہوگی۔ پرنتو سنکراتی ورت ۱۴ اپریل اتوار کو ہوگا۔				
۱۷	گ ۱۲ ۱۲	۱۳	۲۵	۷	آتوار	چیترء	۲	۲۹	اکدوٗ	۱	۳۲	۲ بجے ۲۵ منٹ دِن سے طولچندرمہ۔ کامیا۔	اپنے دن	اپنے دن	۴۹	۱۱
۱۸	۹	۱۴	۲۶	۸	سوموار	سواتء	۳	۶	دوی ء	۱	۲۷	پچھترم۔	"	"	۵۰	۱۰
۱۹	۷	۱۵	۲۷	۹	منگوار	ویشاکھء	۴	۱۲	تری ء	۱	۵۴	۹-۵۱م رات ورچک چندرمہ۔ ۶-۴۶م شام میتھن میں بوم۔ شری وتسا۔	"	"	۵۱	۹
۲۰	۴	۱۶	۲۸	۱۰	بدھ وار	انرادء	۵	۴۷	چورم ء	۲	۴۹	سنکٹ چورم۔ سومیا۔	"	"	۵۲	۸
۲۱	۱۴ ۱	۱۷	۲۹	۱۱	گوروار	زیشٹء	۶	۶	پنچم ء	۴	۱۲	۱-۳۱م رات سے گنڈانت۔ ۳-۴۰م رات بُدھ است۔ شری پنچمی۔ کالڈنڈا۔	"	"	۵۳	۷
۲۲	گ ۱۳ ۵۹	۱۸	۳۰	۱۲	شکروار	زیشٹ د	۷	۴۷	شیئم ء	۵	۵۷	۲-۰۴م دن تک گنڈانت۔ رِشی پیر شرادھ۔ وتیال شیم۔ ۷-۲۴م صبح دھن چندرمہ اور	"	"	۵۴	۶
۲۳	۵۶	۱۹	بیساکھ	۱۳	شنیچروار	مول د	۱۰	۶	ستم ء	۶	۵	۱۲ بجے ۴۴م رات سے میش سریہ مہورت ۳۰ دریائی۔ دن ادھک۔ شنیچرواس اورم	"	"	۵۵	۵
۲۴	۵۴	۲۰	۲	۱۴	آتوار	پورشاد	۱۲	۳۷	ستم د	ب ۷	۵۳	۷-۱۵ منٹ رات مکر میں چندرمہ۔ سنکراتی ورت۔ شولم؛	"	"	۵۶	۴
۲۵	۵۱	۲۱	۳	۱۵	سوموار	اترشاد	۳	۱۲	اشٹم د	۹	۵۷	مرتیو۔ م شنیچر ورش ۱۰-۴م دِن مُول سماپت مُسلم؛	پہلے دن	پہلے دن	۵۷	۳
۲۶	۴۸	۲۲	۴	۱۶	منگوار	شرون د	۳ ۵	۴۰	نوم د	۱۱	۵۴	الاپکا۔	"	"	۵۸	۲
۲۷	۴۶	۲۳	۵	۱۷	بدھ وار	دنشٹء	۷	۵۱	دہم د	۱	۳۶	۶-۵۰م صبح کُنبھ چندرمہ اور پنچک آرمبھ۔ شری لکھشمی نارائن جینتی (ٹبل لکرا) میترم	"	اپنے دن	۵۸	۲
۲۸	۴۳	۲۴	۶	۱۸	گوروار	شتبک ء	۹	۴۲	کاہ د	۲	۵۷	دُرودھنی کاہ۔ وذرم۔	"	"	۷/۰	۶/۰
۲۹	۴۱	۲۵	۷	۱۹	شکروار	پوربا ء	۱۱	۷	باہ د	۳	۵۲	۴-۸۴م منٹ دن میں چندرمہ۔ شیواچاریہ سوامی لکھشمن جی جنم اُتسو مُسلم۔	"	"	۷/۱	۵/۵۹
۳۰	۳۸	۲۶	۸	۲۰	شنیچروار	اتربا ء	۱۲	۳	ترواہ د	۴	۱۸	دومیا۔	"	"	۲	۵۸
ویشاکھ	۳۶	۲۷	۹	۲۱	آتوار	ریوت ء	۱۲	۲۸	چوداہ د	۴	۱۱	۱۲-۲۸م رات سے میش چندرمہ اور پنچک سماپت۔ ۶-۲۳م شام سے گنڈانت۔ ۴-۱۱م	"	"	۳	۵۷
۲	۳۴	۲۸	۱۰	۲۲	سوموار	اشن ء	۱۲	۴۸	اماوس د	۳	۳۵	۹-۵م رات میش بدھ۔ سوماماوسی۔ ۶-۲۴م صبح تک گنڈانت۔ ولبھاچاریہ جینتی۔ کھیا؛	"	"	۴	۵۶

ام دن چندر اسٹ ۔ بردرداد؛

میتھن بوم (۱۹)

شنیچر ورش سنکراتی (۲۳-۲۴)

میش بدھ (۲)

یاترا مہورت:- ۱۰ اپریل چورم اتر بنایاترا۔ ۱۲ شیم پچھم بنایاترا۔ ۱۶ نوم اپریل پورب دکھن۔ ——— ۱۷ دہم پورب پچھم یاترا۔ ۱۹ باہ پورب اتریاترا۔ ۲۰ ترداہ پچھم اتریاترا۔ ۲۱ اپریل۔ چوداہ پورب اُتریاترا؛

بکرمی سمت ۲۰۲۱ ویشاکھ شکلپچھ ۔ میش میں سُریہ، بُدھ ۔ میتھن میں بوم ۔ شنیچر کنبھ میں برہسپتی ۔ شکر ۔ ورچک میں راہ ۔ ورِش میں کیت

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نچھتر	[illegible]	[illegible]	تتھی	[illegible]	[illegible]	(۲۰ اپریل آتوار وجیا سپتمی)	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۳	گ ۱۳ ۳۲	۲۹	۱۱	۲۳	منگلوار	برن ۶	۱۱	۵۳	اکدو د	۲	۲۹	۲ بجے ۹ منٹ دِن چندرمہ اُددے ۔ یگیہ شری شنکر صاحب ہندواڑہ بٹہ گنڈ ۔ گرا	پہلے دن	اپنے دن	۵م	۵۵م
۴	۳۰	[illegible]	۱۲	۲۴	بُدھ وار	کرتج ۶	۱۱	۵	دوی د	۱	۴	۵ بجے ۴۱ منٹ صبح ورِش چندرمہ ۔ پرشورام جینتی ۔ بِدا ۔	″	″	۶	۵۴
۵	۲۸	۲	۱۳	۲۵	گوروار	روہن ۶	۹	۴۹	تری د	۱۱	۱۶	اکھیاتری ۔ ترتیایگ جنم ۔ انولم ۔	″	پہلے دن	۷	۵۳
۶	۲۶	۳	۱۴	۲۶	شکروار	مرگشرش ۶	۸	۲۱	چورم د	۹	۱۲	۹ بجے ۶ منٹ دِن میتھن چندرمہ ۔ شنکر آچاریہ جینتی ۔ سُورداس جینتی ۔ مانستم ۔	″	″	۸	۵۲
۷	۲۳	۴	۱۵	۲۷	شنیچروار	ادر د	۶	۵۱	پنچم د	۷ ب	۳	تراہ ۔ شیشم ۴ بجے ۳۵ منٹ ۔ کمار شیشم ورت ۔ مدگرم	″	″	۸	۵۲
۸	۲۱	۵	۱۶	۲۸	آتوار	پنروس د	۵	۱۲	ستم ۶	۲	۱۰	(وجیا سپتمی ۔ سریہ ادئے سے سُریہ است تک) ۱۱ بجے، ۴م دِن کرکٹ چندرمہ ۔ ۹-۲۳-۴م م	اپنے دن	اپنے دن	۹	۵۱
۹	۱۹	۶	۱۷	۲۹	سوموار	تیش د	۳	۳۴	اشٹم ۶	۱۱	۴۵	سومیا ۔ م صبح اگست است ۔ ۱۰-۲۰م رات مین میں شکر ۔ دوزا ۔	″	″	۱۰	۵۰
۱۰	۱۷	۷	۱۸	۳۰	منگلوار	اشلیش د	۲	۲	نوم ۶	۹	۳۰	۲-۴م دِن سے سِنہہ چندرمہ ۔ ۸-۴۴م صبح سے گنڈانت ، ۹-۳م رات تک ۔ آنندا ۔	・	・	۱۱	۴۹
۱۱	۱۵	۸	۱۹	مئی	بدھ وار	مگ د	۱۲	۳۹	دہم ۶	۷	۲۷	چرا ۔	″	″	۱۲	۴۸
۱۲	۱۳	۹	۲۰	۲	گوروار	پوربھا د	۱۱	۳۱	کاہ د	۵	۳۸	۵ بجے ۱۶ منٹ دِن کن چندرمہ ۔ مادھوی کاہ ۔ مسلم ۔	″	″	۱۳	۴۷
۱۳	۱۱	۱۰	۲۱	۳	شکروار	اتربھا د	۱۰	۱۴	باہ د	۴	۹	شونلم ۔	پہلے دن	″	۱۴	۴۶
۱۴	۹	۱۱	۲۲	۴	شنیچروار	ہست د	۱۰	۱۵	ترواہ د	۳	۶	۱۰ بجے ۸ منٹ رات سے طولچندرمہ ۔ نرسہم جینتی ۔ مرتیو ۔ عرس دستگیر صاحب ۔	″	″	۱۴	۴۶
۱۵	۶	۱۲	۲۳	۵	آتوار	چتر د	۱۰	۱۵	چوداہ د	۲	۲۸	گنیش چوداہ ۔ کامیا ۔	″	″	۱۵	۴۵
۱۶	۴	۱۳	۲۴	۶	سوموار	سوات د	۱۰	۴۵	پونم د	۲	۲۰	مہاتما بدھ جینتی ۔ چھترم ۔	″	″	۱۶	۴۶

وجیا سپتمی

مین شکر

یاترا مہورت ۔ ۲۵، اپریل تری پورب پچھم یاترا ۔ ۲۶، اپریل چورم پچھم بنا یاترا ۔ ۲۸، ستم پورب اُتر یاترا ۔ ۲۹، اشٹم پورب بنا یاترا ۱۱ بجے ۴۳ منٹ دِن تک ۔ یکم مئی دہم اُتر بنا یاترا ۔ ۱۲ بجے ۹ منٹ دِن سے ۔ ۲، مئی کاہ، پورب پچھم یاترا ۔ ۳، مئی باہ پچھم بنا یاترا ::

سپت رشی سمت ۵۰۵۵ جیٹھ کرشنہ پکھ۔ میش میں سُریہ بدھ۔ میتھن میں بوم شنیچر۔ کنبھ میں برسپت۔ مین میں شکر۔ ورچک میں راہ۔ ورش میں کیت

شکا	[illegible]	ہجری	بیساکھ	مئی	وار	نکھتر	گھڑی	پل	تیتھی	گھڑی	پل		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۱۷	گ ۱۳/۲	۱۴	۲۵	۷	منگلوار	دیشاکھ د	۱۱	۴۲	اکدہ د	۲	۴۳	۵-۳۳م صبح ورچک چندرما۔ نارد جینتی۔ شری وتسا۔	″	″	۱۷ اُم	۵ / ۳ شہم
۱۸	گ ۱۳/۱	۱۵	۲۶	۸	بدھ وار	ازاد د	۱	۱۰	دوی د	۳	۳۶	۴ بجے ۱۲ منٹ دن ورش بدھ۔ سومیا۔	″	″	۱۸	۴۲
۱۹	۱۲/۵۸	۱۶	۲۷	۹	گوروار	زلیشٹ د	۳	۴	تری د	۴	۵۵	۳-۴۴م دن دھن چندرما اور مول آرمبھ۔ ۸-۳۳م دن سے گنڈانت ۹-۳۵م	″	،	۱۹	۴۱
۲۰	۵۶	۱۷	۲۸	۱۰	شکروار	مول د	۵	۱۸	چورم د	۶	۳۵	۵ بجے ۱۸ منٹ شام تک مول۔ سیتھرا۔	″	″	۲۰	۴۰
۲۱	۵۴	۱۸	۲۹	۱۱	شنیچروار	پورشاء	۷	۴۸	پنچم ء	۸	۳۰	۲ بجے ۷ منٹ رات مکر چندرما۔ ماتنگا۔	اپنے دن	″	۲۰	۴۰
۲۲	۵۲	۱۹	۳۰	۱۲	آتوار	اترشاء	۱۰	۲۳	شیم ء	۱۰	۳۰	امرتم۔	″	۰	۲۱	۳۹
۲۳	۴۹	۲۰	۳۱	۱۳	سوموار	شردن ء	۱۲	۵۵	ستم ء	۱۲	۲۷	چندرما ماس۔ سدا۔ ماسانت۔	″	۰	۲۲	۳۸
۲۴	۴۷	۲۱	جیٹھ	۱۴	منگلوار	دنشٹ ء	۳	۱۲	اشٹم ء	۲	۳۵	۲-۴۴م دن سے کنبھ چندرما اور پنچک آرمبھ۔ ۱۰-۵۰م رات ورش سُریہ مہورت	″	″	۲۳	۳۷
۲۵	۴۵	۲۲	۲	۱۵	بدھ وار	شتبشک ء	۵	۸	نوم ء	۳	۲۹	مانستم۔	″	″	۲۴	۳۶
۲۶	۴۳	۲۳	۳	۱۶	گوروار	پوربا ء	۵	۳۵	دہم ء	۴	۲۳	۱۲ بجے ۴۴ منٹ رات مین چندرما۔ ۳ بجے ۲۰م دن بدھ اُودے۔ مدگرم۔	″	″	۲۵	۳۵
۲۷	۴۱	۲۴	۴	۱۷	شکروار	پوربا د	۶	۳۶	کاہ ء	۴	۴۸	رتھاکاہ۔ بھدر کالی جینتی۔ دوانکھیا۔	″	″	۲۶	۳۴
۲۸	۳۹	۲۵	۵	۱۸	شنیچروار	اترباد	۷	۳۸	باہ ء	۴	۴۰	۲ بجے ۷ منٹ رات سے گنڈانت۔ دومیا۔	″	″	۲۶	۳۴
۲۹	۳۷	۲۶	۶	۱۹	آتوار	ریوت د	۸	۱۰	ترداہ ء	۴	۴	۸-۱۰م رات میش چندرما اور پنچک سماپت۔ ۲-۱۳م دن تک گنڈانت۔ پرودا۔	″	۰	۲۷	۳۳
۳۰	۳۵	۲۰	۷	۲۰	سوموار	اشن د	۸	۱۲	چوداہ ء	۲	۵۹	۲-۵۹م رات چندرما است۔ کھیا۔	″	″	۲۸	۳۲
۳۱	۳۴	۲۸	۸	۲۱	منگلوار	برن د	۸	۴	مادس ء	۱	۳۸	۱-۳۶م دن ورش چندرما۔ نندکیشور یاترا۔ سمبھل ہریشور یاترا کھونہ موہ۔ وٹہ۔				

یاترا مہورت ۷رمئی اکدہ، پورب دکھن یاترا ۱۱ بجے ۲۴ منٹ دن سے۔ ۸رمئی دوی اُتر بنا یاترا۔ ۹رمئی تری پورب پچھم یاترا۔ ۱۰رمئی چورم پچھم بنا یاترا۔ ۱۱رمئی پنچم پورب بنا یاترا۔ ۱۲رمئی شیم پورب اتر ۱۵رمئی نوم پورب پچھم یاترا۔ ۱۶رمئی دہم پورب پچھم۔ ۱۷رمئی کاہ پورب اتر۔ ۱۸رمئی باہ پچھم اتر یاترا۔ ۱۹رمئی ترداہ پورب اتر۔ ۲۰رمئی چوداہ پورب بنا یاترا ۸ بجے ۱۲ منٹ دن تک۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۵ جیٹھ شکلہ پچھ۔ درش میں سُوریہ، بدھ، کیت۔ میتھن میں بوم، شنیچر۔ کنبھ میں برہسپت۔ مین میں شکر۔ ورچک میں راہ

شکلا	[illegible]	ہجری	[illegible]	مئی	وار	نکھتر	گھڑی	پل	تیتھی	گھڑی	پل		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
جیٹھ	١٢ گ															
١	٣٣	٢٩	٩	٢٢	بدھ وار	کرتج د	٧	٠	اکدۂ	١١	٤٢	١١ بجے ٤٢ منٹ رات چندرما اُودے۔ بدا۔	اپنے دن	اپنے دن	٦/٢٩	٥/٣١
٢	٣٢	٣٠	١٠	٢٣	گوروار	روہن د	٧	٥٢	دوئی	٩	٣٨	مرگیشور ٤-٣٣م۔ ٥-١٢ منٹ دن میتھن چندرما۔ انمولم۔	″	″	٣٠	٣٠
٣	٣١	جمادی الاول	١١	٢٤	شکروار	آدرۂ	٣	٣	تری د	٧	٢٠	٤-٢٥م رات میش میں شکر۔ کامیا۔	″	″	٣٠	٣٠
٤	٣٠	٢	١٢	٢٥	شنیچروار	پنروس	١	٢٢	چورم د	٤	٥٦	٧ بجے ٤٦ منٹ شام کرکٹ چندرما۔ چھترم۔	پہلے دن	″	٣٠	٣٠
٥	٢٩	٣	١٣	٢٦	آتوار	پُشۂ	١١	٤٢	پنچم د	٢	٣٠	٧-٥٣ منٹ صبح میتھن بدھ۔ بخار شیم ورت۔ شری وتسا۔	″	″	٣٠	٣٠
٦	٢٩	٤	١٤	٢٧	سوموار	اشلیش	١٠	٩	شیم د	١١	٥٨	١٠-٩ منٹ رات سہم چندرما۔ ٤-١٣م دن سے گنڈانت ٣-٦٤م رات تک سومیا۔	″	″	٣١	٢٩
٧	٢٨	٥	١٥	٢٨	منگلوار	مگ	٨	٤٣	ستم د	٩	٤٧	کالدنڈا۔	″	پہلے دن	٣١	٢٩
٨	٢٧	٦	١٦	٢٩	بدھ وار	پوربھا	٧	٣٢	اشٹم د	٧	٤٢	١ بجے ١٥م رات کن چندرما۔ جیٹھ اشٹم کھیر بھوانی یاترا۔ بدھ اشٹم۔ ستھرا۔	″	″	٣١	٢٩
٩	٢٦	٧	١٧	٣٠	گوروار	اتربھا د	[illegible]	٣٧	نوم د	٥	٥٠	تراہ۔ دہم ٤-٢٠ منٹ۔ ماتنگا۔	″	″	٣١	٢٨
١٠	٢٥	٨	١٨	٣١	شکروار	ہست د	[illegible]	٥	کاہ	٣	١٠	٦-٣٢ منٹ دن سے کرکٹ بوم۔ نرجلاکاہ۔ امرتم۔	اپنے دن	اپنے دن	٣٢	٢٨
١١	٢٤	٩	١٩	جون	شنیچروار	چتر د	[illegible]	٥٨	باہ	٢	٣٠	٥ بجے ٥٩ منٹ دن طولچندرما۔ کانڈا۔	″	″	٣٢	٢٨
١٢	٢٣	١٠	٢٠	٢	آتوار	سوات د	[illegible]	٢٠	تروداہ	٢	١٨	الاینچا۔	″	″	٣٣	٢٧
١٣	٢٣	١١	٢١	٣	سوموار	وشاکھ د	٧	١٢	چوداہ	٢	٣٩	١٢ بجے ٥ منٹ دن ورچک چندرما۔ میترم۔	″	″	٣٣	٢٧
١٤	٢٢	١٢	٢٢	٤	منگلوار	انرادۂ	٨	٣٣	پونم	٣	٣٠	شری روپہ بھوانی جینتی۔ وزرم۔ چندرما گرہن۔ ٢ بجے ٣ منٹ رات شروع ٥ بجے	″	″	٣٣	٢٧

چندرما گرہن: سپرش کال ٢ بجے ٣م رات موکھیہ ٥ بجے ١٩م رات ؛

میش شکر
میتھن بدھ
تعطیل
کرکٹ بوم

یاترا مہورت: ٢٢ مئی اکدہ اتر بنا یاترا۔ ٢٣ مئی دوئی پورب پچھم یاترا۔ ٢٥ مئی چورم پورب بنا یاترا۔ ٢٦ مئی پنچم پورب اتر یاترا۔ ٢٩ مئی اشٹم اتر بنا یاترا۔ ٣٠ مئی نوم پورب پچھم یاترا۔ ٣١ مئی کاہ پچھم بنا یاترا۔ ٦ بجے ٥ منٹ شام تک ٣ جون چوداہ ٧ بجے ١٣م شام سے پورب بنا یاترا۔

سپت رشی سمت ۵۰۱۵ آشاڑھ کرشنہ پچھ۔ رِیش میں سوریہ، کیت۔ کرکٹ میں بوم۔ میتھن میں بدھ، شنیچر۔ کنبھ میں برسپتی۔ میش میں شکر۔ دِرچِک راہو۔

	شمسی	اردوم	ہجری	جیٹھ	جون	وار	نکھتر	بجے	منٹ	تیتھی	بجے	منٹ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	۱۵	ک ۱۲ ۲۱	۱۳	۲۳	۵	بدھوار	زیشٹ	۱۰	۲۲	اکدوٗ	۴	۴۸	۱۰-۲۲م رات دھن میں چندرما اور مول آرمبھ۔ ۳-۵۳م دِن سے ۴-۴۵م رات	״	״	۷ ۳۴	۵ بجے ۲۶م
	۱۶	۲۰	۱۴	۲۴	۶	گوروار	مول	۱۲	۳۲	دوی	۵	۲۶	۱۲-۲۴م رات مول سماپت۔ دِن ادھک۔ دومیا۔	״	״	۳۴	۲۶
	۱۷	۱۹	۱۵	۲۵	۷	شکروار	پورشاڑ	۲	۵۹	دوی د	۶	۲۵	پردردا۔	پہلے دن	پہلے دن	۳۴	۲۶
	۱۸	۱۸	۱۶	۲۶	۸	شنیچروار	اترشاڑ	۵	۲۵	تری د	۸	۱۷	۹-۴۸م دِن سے مکر میں چندرما۔ سنکٹ چورم۔ کھیا۔			۳۵	۲۵
	۱۹	۱۷	۱۷	۲۷	۹	آتوار	اترشاڑ د	۵	۳۵	چورم د	۱۰	۱۶	امرتم۔	״	״	۳۵	۲۵
	۲۰	۱۷	۱۸	۲۸	۱۰	سوموار	شردن د	۸	۷	پنچم د	۱۲	۱۰	۹ بجے ۲۰ منٹ رات سے کنبھ میں چندرما اور پنچک آرمبھ۔ سِدا۔	״	اپنے دن	۳۵	۲۵
	۲۱	۱۶	۱۹	۲۹	۱۱	منگوار	دنشٹ د	۱۰	۲۷	شیم د	۱	۵۰	انموتم۔	״		۳۶	۲۴
بدھ ماس	۲۲	۱۵	۲۰	۳۰	۱۲	بدھوار	شتبشک د	۱۲	۲۸	ستم د	۳	۱۱	بدھ ماس۔ مانستم۔	״	״	۳۶	۲۴
	۲۳	۱۴	۲۱	۳۱	۱۳	گوروار	پورباد	۲	۵	اشٹم د	۴	۶	۷ بجے ۴۴ منٹ صبح مین میں چندرما۔ مدگرم۔	״	״	۳۶	۲۴
	۲۴	۱۳	۲۲	۳۲	۱۴	شکروار	اترباد	۳	۱۳	نوم د	۴	۳۱	دوزا۔ ماسانت۔	״	״	۳۷	۲۳
سنکراتی	۲۵	۱۲	۲۳	ہاڑ	۱۵	شنیچروار	ریوت د	۳	۵۲	دہم د	۴	۲۶	۳-۵۲ منٹ دِن میش چندرما اور پنچک سماپت ۹-۴۵م دِن سے گنڈانت	״	״	۳۷	۲۳
	۲۶	۱۱	۲۴	۲	۱۶	آتوار	اشن د	۴	۲	کاہ د	۳	۵۱	یوگنی کاہ۔ آنندا۔	״	״	۳۷	۲۳
	۲۷	۱۱	۲۵	۳	۱۷	سوموار	برن د	۳	۴۱	باہ د	۲	۴۵	۹ بجے ۵۳ منٹ رات وریش چندرما۔ چرا۔	״	״	۳۸	۲۲
	۲۸	۱۰	۲۶	۴	۱۸	منگوار	کرتج د	۲	۵۹	ترداہ د	۱	۱۸	۴ بجے ۱۵ منٹ دِن بدھ است۔ شلم۔	״		۳۸	۲۲
وریش سنکر	۲۹	۹	۲۷	۵	۱۹	بدھوار	روہن د	۱	۵۵	چوداہ د	۱۱	۲۹	۱ بجے ۱۰م رات میتھن چندرما۔ ۱۱-۲۹ منٹ دن کی چندرما است۔ شوبلم ۱۲ اساہم	״	پہلے دن	۳۹	۲۱
	۳۰	۸	۲۸	۶	۲۰	گوروار	مرگیشور د	۱۲	۳۸	ماوس د	۹	۲۵	مرتیو۔	״	״	۳۹	۲۱

یاترا مہورت۔ ۵ رجون اکدوا اتر بنا یاترا۔ ۶ رجون دوی پورب پچھم یاترا۔ ۷ رجون دوی پچھم بنا یاترا۔ ۹ رجون چورم پورب اتر یاترا۔ ۱۰ رجون پنچم پورب بنا یاترا۔ ۱۲ رجون ستم پورب پچھم یاترا۔ ۱۳ رجون اشٹم پورب پچھم یاترا۔ ۱۶ کاہ پورب اتر یاترا۔ ۴ بجے ۴۴م دِن تک۔ ۱۸ رجون ترداہ پورب دکھن یاترا ۲ بجے ۵۹ منٹ دن سے۔ ۱۹ رجون چوداہ اتر بنا یاترا؛

سپت رشی سمت ۵۰۵۰ آشاڑھ شکلہ پکھہ میتھن میں سوریہ، بدھ، شنیچر۔ کرکٹ میں بوم کنبھ میں برسپت۔ ورش میں شکر کیت۔ ورچک میں راہ

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	جون	وار	نکھتر	[illegible]	[illegible]	تیتھی	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۳۱	گت ۱۲ پیل	۲۹	۷	۲۱	شکروار	آدرد	۱۱	۹	اکدوء	۷	۱۰	پہلے دن	پہلے دن	۷ ۳۹م	۵ ۲۱م
ہاڑ	۷	جمادی الثانی	۸	۲۲	شنیچروار	پنروس د	۹ ب	۳۳	تری ء	۲	۱۶	اپنے دن	پہلے دن	۳۸	۲۲
۲	۸	۲	۹	۲۳	آتوار	تمش د	۲ ب	۵۴	چورم ء	۱۱	۵۱	〃	اپنے دن	۳۸	۲۲
۳	۹	۳	۱۰	۲۴	سوموار	اشلیش د	۲ پ	۱۶	پنچم ء	۹	۳۲	〃	〃	۳۸	۲۲
۴	۱۰	۴	۱۱	۲۵	منگلوار	پوربھاء	۳	۳۲	شیم د	۷	۲۵	〃	〃	۳۸	۲۲
۵	۱۱	۵	۱۲	۲۶	بدھوار	اتربھاء	۲	۳۳	ستم د	۵	۳۳	〃	〃	۳۸	۲۲
۶	۱۲	۶	۱۳	۲۷	گوروار	ہستء	۱	۵۵	اشٹم د	۳	۵۹	پہلے دن	〃	۳۷	۲۳
۷	۱۳	۷	۱۴	۲۸	شکروار	چترء	۱	۴۳	نوم د	۲	۴۹	〃	〃	۳۷	۲۳
۸	۱۴	۸	۱۵	۲۹	شنیچروار	سواتء	۱	۵۸	دہم د	۲	۶	〃	〃	۳۷	۲۳
۹	۱۵	۹	۱۶	۳۰	آتوار	وشاکھء	۲	۴۳	کاہ د	۱	۵۲	〃	〃	۳۷	۲۳
۱۰	۱۶	۱۰	۱۷	جولائی	سوموار	انرادء	۳	۵۹	باہ د	۲	۱۰	〃	〃	۳۶	۲۴
۱۱	۱۷	۱۱	۱۸	۲	منگلوار	زیشٹء	۵	۲۵	ترداہ د	۲	۵۸	〃	〃	۳۶	۲۴
۱۲	۱۸	۱۲	۱۹	۳	بدھوار	زیشٹ دد	۵	۴۲	چوداہ د	۴	۱۱	〃	〃	۳۵	۲۵
۱۳	۱۹	۱۳	۲۰	۴	گوروار	مول د	۷	۴۷	پونم د	۵	۴۵	〃	〃	۳۵	۲۵
												〃	〃	۳۵	۲۵

تراہ۔ دوئی ۴۴-۲ ۴م۔ ۱۱-۶ ۱۴م دن سے دکھناین۔ ۳-۷، ۵م رات کرکٹ چندرمہ۔ کامیا
۸-۵ ۵م صبح سے آدر میں سوریہ۔ چھترم۔
۱۲ بجے، ۳ منٹ رات سے گنڈانت۔ شری وِتستا۔
۶-۱۶ ۱۴م دن سے سہم چندرمہ۔ ۱۲-۱ ام دن تک گنڈانت۔ مگ ۴-۸ ۴م رات سومیا
کمارشیم۔ مہان چنڈی یگیہ زیر اہتمام اگستیہ رشی مہاراج گفربل (بانزلہ بارہ مولہ) دومیا
۹-۱۸ ام دن سے کن چندرمہ۔ آشاڑھ سپتمی۔ پرورداء
آشاڑھ اشٹمی کھیا۔
۱ بجے ۴۸ منٹ دن تول چندرمہ۔ آشاڑھ نومی۔ شاریکا جینتی۔ گزا۔
سِدا۔
۸ بجے ۳۰ منٹ رات ورچک چندرمہ۔ دیوشینی کاہ۔ انمولم۔
ہری سواپ۔ لوکہ بھون یاترا۔ سوامی گوپی ناتھ جینتی۔ مانسم۔
۱۱ بجے ۱۲ منٹ رات سے گنڈانت۔ شری سوامی وِدیادھر جی جینتی۔ امرتم۔
۱۲-۱۲ منٹ دن تک گنڈانت۔ جوالا چوداہ۔ کھیر دیا ترا۔ ۵-۲۴م صبح دھن
۹-۴۲ منٹ دن بدھ ادئے۔ دیاس پوجا۔ ۷-۴۰ منٹ دن تک مول دومیا۔

یاترا مہورت۔ ۲۱ جون اکدہ پچھم بنا یاترا ۱۱ بجے ۹ منٹ دن تک ۲۲ جون تری پورب بنا یاترا۔ ۲۳ جون چورم پورب اُتر یاترا، ۴۰ ۵ منٹ صبح تک۔ ۲۵ جون شیم پورب دکھن یاترا۔ ۲۶ جون ستم اُتر بنا یاترا۔ اول جولائی باہ پورب بنا یاترا۔ ۲ جولائی ترداہ پورب دکھن یاترا۔ ۳ جولائی چوداہ اُتر بنا یاترا۔ ۴ جولائی پونم پورب پچھم یاترا۔

بِکرمی سمبت ۲۰۲۱۔ عیسوی سنہ ۱۹۶۴ء شراون کرشنہ پچھ۔ میتھن میں سُریہ بُدھ۔ شنیچر۔ کرکٹ بوم کنبھ برہسپت۔ درِشن شکر، کیت، ورِچک میں راہ۔

شاکا	ہاڑ	ہجری	ماہ	جولائی	وار	نکھشتر	بجے	منٹ	تتھی	بجے	منٹ		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
۱۴	گ ۱۲ ۲۰	۱۴	۲۱	۵	شکروار	پورشاد	۱۰	۱۳	اکدؑ	۷	۳۸	۴ بجے ۱۵ منٹ دِن مکر میں چندرمہ۔ پروردا۔	اپنے دِت	اپنے دِن	شم ۳۴	شم ۲۶ ۵	
۱۵	۲۱	۱۵	۲۲	۶	شنیچروار	اترشاد	۱۲	۴۵	دوئ	۹	۳۶	۱۰ بجے ۴۶ منٹ دِن آدر سماپت۔ کھیا۔	〃	〃	۳۴	۲۶	آدرسماپت
۱۶	۲۲	۱۶	۲۳	۷	آتوار	شرون	۳	۱۹	تری	۱۱	۳۱	۴۔۴۲م رات کنبھ میں چندرمہ ادر پنچک آرمبھ۔ سوامی لال جی انتردھیان دِوس	〃	〃	۳۳	۲۷	
۱۷	۲۲	۱۷	۲۴	۸	سوموار	دنشٹ	۵	۴۴	چورم	۱	۱۴	سنکٹ چورم۔ نشولم۔	〃	〃	۳۳	۲۷	
۱۸	۲۳	۱۸	۲۵	۹	منگلوار	شتبشک	۷	۵۱	پنچم	۲	۳۶	ناگ پنچمی۔ مرتیو۔	〃	〃	۳۳	۲۷	
۱۹	۲۴	۱۹	۲۶	۱۰	بُدھوار	پوربا	۹	۴۱	شیشم	۳	۳۰	۳۔۱۳م دِن مین چندرمہ۔ کامیا۔	〃	〃	۳۲	۲۸	
۲۰	۲۵	۲۰	۲۷	۱۱	گوروار	اتربا	۱۰	۵۰	ستم	۳	۵۸	چھترم۔	〃	〃	۳۲	۲۸	
۲۱	۲۶	۲۱	۲۸	۱۲	شکروار	ریوت	۱۱	۳۶	اشٹم	۳	۵۴	۱۱۔۳۶م رات میش چندرمہ پنچک سماپت۔ ۵۔۴۲م دِن سے گنڈانت شکرماس۔	〃	〃	۳۲	۲۸	شکراس
۲۲	۲۷	۲۲	۲۹	۱۳	شنیچروار	آشن	۱۱	۵۱	نوم	۳	۲۱	۵ بجے ۱۷ منٹ صبح تک گنڈانت۔ سومیا۔	〃	〃	۳۱	۲۹	
۲۳	۲۷	۲۳	۳۰	۱۴	آتوار	برن	۱۱	۳۸	دسم	۲	۲۰	۸ بجے ۵۴ منٹ رات میتھن میں شکر۔ کالدنڈا۔	〃	〃	۳۱	۲۹	ستھن شکر
۲۴	۲۸	۲۴	۳۱	۱۵	سوموار	کرتح	۱۱	۰	کاہ	۱۲	۵۳	۵ بجے ۴۸م صبح درِشن چندرمہ۔ کاملا کاہ۔ ستھرا۔ ماسانت۔	〃	〃	۳۱	۲۹	
۲۵	۲۹	۲۵	شراون	۱۶	منگلوار	روہن	۱۰	۰	باہ	۱۱	۶	۱۲ بجے رات کرکٹ سریہ مہورت ۳۰ کناری۔ سنکراتی ورت۔ ماتنگا۔	〃	〃	۳۰	۳۰	سنکراتی
۲۶	۳۰	۲۶	۲	۱۷	بُدھوار	مرگشیر	۸	۴۵	ترداہ	۹	۲۴	۹ بجے ۴۱ منٹ دِن میتھن چندرمہ۔ امرتم۔	〃	〃	۳۰	۳۰	
۲۷	۳۱	۲۷	۳	۱۸	گوروار	آدر	۷	۱۷	چوداہ	۶	۲۲	۶ بجے ۲۲ منٹ دِن چندرمہ است۔ کانڈا۔	〃	〃	۳۰	۳۰	
۲۸	۳۲	۲۸	۴	۱۹	شکروار	پنروس	۵	۱۴	اوس	۴	۲۳	۱۲۔۶م دِن کرکٹ چندرمہ۔ ۱۰ بجے دِن سہم بوم۔ ۷۔۴۲م شام شنیچر اُدے	پہلے دِن	〃	۲۹	۳۱	سہم بوم

یاترا مہورت۔ ۵ جولائی اکدو پچھم بنا یاترا ۱۱ بجے ۹ منٹ دِن تک، ۷ جولائی تری پورب اُتر یاترا۔ ۸ جولائی چورم پچھم اُتر یاترا۔ ۱۰ جولائی شیشم پورب پچھم یاترا۔ ۱۱ جولائی ستم پورب پچھم یاترا۔ ۱۲ جولائی اشٹم پورب اُتر یاترا۔ ۱۳ جولائی نوم پورب بنا یاترا۔ ۱۷ جولائی ترداہ اُتر بنا یاترا۔ ۱۸ جولائی چوداہ ۷ بجے ۱۱ منٹ شام سے پورب پچھم یاترا۔

بکرمی سمت ۲۰۳۱ شراون شُکلہ پچھ۔ کرکٹ میں سُوریہ۔ سہم میں بوم۔ متھن میں بدھ۔ شکر۔ شینچر۔ کُنبھ میں برسپت۔ ورچک میں راہ۔ ورش میں کیت۔

[illegible]	[illegible]	ہجری	[illegible]	جولائی	وار	نکھتر	گھڑی	منٹ	تتھی	گھڑی	منٹ		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۲۹	گ ۱۲ سہم ۳۳	۲۹	۵	۲۰	شینچروار	تیش د	۴	۲	اکدد د	۱	۵۵	۱ بجے ۵۵ منٹ دِن چندرما اُودے۔ بیترم۔	پہلے دن	اپنے دن	۷ ۲۹م	۵ ۳۱م
۳۰	۳۳	رجب	۶	۲۱	آتوار	شلیش د	۲	۲۶	دوی د	۱۱	۳۰	۲-۲۶م دِن سہم چندرما۔ ۸-۰۵ منٹ دن سے گنڈانت ۸-۴م رات تک وزرم	″			
۳۱	۳۴	۲	۷	۲۲	سوموار	مگ د	۲	۵۶	ترِی د	۹	۱۱	دوانکھیا۔	″	پہلے دن	۲۹	۳۱
۱ شراون	۳۶	۳	۸	۲۳	منگلوار	پُورپھاد	۱۱	۳۶	چورم د	۷	۰	۵ بجے ۴۰ منٹ شام۔ کن چندرما۔ تراہ۔ پنچم ۵ بجے، منٹ دومیا۔	″		۲۸	۳۲
۲	۳۸	۴	۹	۲۴	بُدھ وار	اترپھاد	۱۰	۳۵	شیم ء	۳	۳۲	کمارشیم۔ پروردا۔	اپنے دن	اپنے دن	۲۸	۳۲
۳	۴۰	۵	۱۰	۲۵	گوروار	ہست د	۹	۵۲	ستم ء	۲	۱۸	۹-۳۸ منٹ رات طولچندرما۔ تُلسی داس جینتی۔ کھیا۔			۲۷	۳۳
۴	۴۲	۶	۱۱	۲۶	شُکروار	چِتر د	۹	۲۹	اشٹم ء	۱	۲۸	گزرا۔	۰	۰	۲۶	۳۴
۵	۴۵	۷	۱۲	۲۷	شینچروار	سوات د	۹	۴۲	نوم ء	۱	۱۸	۴ بجے ۵ منٹ رات ورچک چندرما۔ سِدا۔	″	″	۲۵	۳۵
۶	۴۷	۸	۱۳	۲۸	آتوار	وِشاکھ د	۱۰	۲۰	دہم ء	۱	۳۳	انمولم۔	″	″	۲۴	۳۶
۷	۴۹	۹	۱۴	۲۹	سوموار	انراد د	۱۱	۲۸	کاہ ء	۲	۱۹	پوتراکاہ۔ بالسنتم۔	۰	″	۲۳	۳۷
۸	۵۱	۱۰	۱۵	۳۰	منگلوار	زیشٹ د	۱	۴	باہ ء	۳	۳۵	۶-۰۴م صبح سے گنڈانت ۷-۳۱ منٹ رات تک۔ ۴-۳۸م رات کرکٹ مُبدھ	″	۰	۲۳	۳۷
۹	۵۳	۱۱	۱۶	۳۱	بُدھ وار	مُول د	۳	۵	ترواہ ء	۵	۸	۳ بجے ۵م دن تک مُول۔ دوزا۔	۰	″	۲۲	۳۸
۱۰	۵۵	۱۲	۱۷	اگست	گوروار	پورشاد	۳ ۵	۲۵	چوداہ ء	۵	۴۰	۱۲ بجے ۱ منٹ رات مکر میں چندرما۔ دِن ادھک۔ پرزاپتیا۔	″	″	۲۱	۳۹
۱۱	۵۷	۱۳	۱۸	۲	شُکروار	اترشاد	۷	۵۸	چوداہ د	۷	۰	آنندا۔	۰	″	۲۰	۴۰
۱۲	۵۹	۱۴	۱۹	۳	شینچروار	شروَن ء	۱۰	۳۲	پُونم د	۸	۵۸	رکھیا بندھن پُونم۔ امرناتھ یاترا۔ چھڑی وارا یاترا۔ سِتھرا۔	پہلے دن	پہلے دن	۱۹ ، ۱۸	۴۱ ، ۴۲

یاترا مہورت۔ ۲۰ جولائی اکدد پُورب بنا یاترا۔ ۲۲ جولائی ترِی ۲ بجے ۵۶ منٹ دن سے پچھم اتر یاترا۔ ۲۴ جولائی شیم اُتر بنا یاترا۔ ۲۹ جولائی کاہ پورب بنا یاترا۔ ۳۱ جولائی ترواہ اُتر بنا یاترا۔ ۱ اگست [illegible] پچھم [illegible] یاترا [illegible] اگست پُونم پورب [illegible]

پیت رشی سمت ۵۰۰۵ بھادر کرشنہ پچھ۔ کرکٹ میں سُریہ، بدھ۔ سہم میں بوم۔ کنبھ میں برہسپت۔ میتھن میں شکر، شنیچر۔ درچک میں راہ۔ ورش میں کیت۔

	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نچھتر	[illegible]	[illegible]	تیتھی	[illegible]	[illegible]	(۱۷ر اگست بھانو ماس شروع)	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	۱۳	گت ۱۳ ۱	۱۵	۲۰	۴	آتوار	دنشٹ م	۱۲	۵۹	اکد د	۱۰	۵۵	۱۱ بجے ۴۸ منٹ دن کنبھ چندرما اور نپچک آرمبھ۔ ماتنگا۔ امرتم۔	پہلے دن	پہلے دن	۱۷ام ۵	۴۳م ۵
	۱۴	۳	۱۶	۲۱	۵	سوموار	شتبشک م	۳	۱۰	دوی د	۱۲	۳۷	۱۰-۳۶م رات مین چندرما۔ سنکٹ چورم۔ کورم تری۔ کانڈا۔	"	"	۱۷	۴۳
	۱۵	۶	۱۷	۲۲	۶	منگلوار	پورباء	۵	۰	تری د	۲	۱	۱۰ بجے ۴۳ منٹ رات بدھ است۔ نوول یاترا۔ الاپکا۔	"	اپنے دن	۱۶	۴۴
کرکٹ شکر	۱۶	۸	۱۸	۲۳	۷	بدھ وار	اترباء	۵	۴۶	چورم د	۲	۵۹	چندن ششٹی۔ ۱۱-۷م رات کرکٹ شکر۔ ۱-۵م رات سے گنڈانت۔ چھترم۔	"	"	۱۶	۴۴
	۱۷	۱۰	۱۹	۲۴	۸	گوروار	اترباد	۶ پ	۲۰	پنچم د	۳	۲۹	۷-۱۲م صبح میش چندرما اور نپچک سماپت ۱-۹م دن تک گنڈانت شری ونسا۔	"	"	۱۵	۴۵
	۱۸	۱۲	۲۰	۲۵	۹	شکروار	ریوت د	۷ پ	۱۲	شیم د	۳	۲۹	شیتلا ستم۔ سومیا۔	"	"	۱۴	۴۶
	۱۹	۱۴	۲۱	۲۶	۱۰	شنیچروار	اشن د	۷ پ	۳۴	ستم د	۲	۵۹	۱ بجے ۲۲ منٹ دکن درتیش چندرما۔ بہریہ ماس۔ جنم اشٹمی دو۔ مدگرم۔ [illegible]	"	"	۱۳	۴۷
تعیں شریہ ماس	۲۰	۱۶	۲۲	۲۷	۱۱	آتوار	برن د	۷ پ	۲۹	اشٹم د	۲	۰	سیتھرا۔	"	"	۱۲	۴۸
	۲۱	۱۸	۲۳	۲۸	۱۲	سوموار	کرتج د	۶ پ	۵۵	نوم د	۱۲	۳۶	۵ بجے ۲۸م شام میتھن چندرما۔ مرگیشور ۴ بجے ۹ ۴ منٹ۔ ماتنگا۔	"	"	۱۱	۴۹
	۲۲	۲۰	۲۴	۲۹	۱۳	منگلوار	روہن د	۵ پ	۵۱	دہم د	۱۰	۵۴	اجاکاہ۔ گزا	"	پہلے دن	۱۰	۵۰
	۲۳	۲۲	۲۵	۳۰	۱۴	بدھ وار	آدرء	۳	۲۵	کاہ د	۸	۵۱	۸-۱۶م رات کرکٹ میں چندرما۔ تراہ۔ ترداہ ۴-۱۵م۔ گودتسا پوجا۔ کلی یگیہ جنم۔ بھارت	"	"	۹	۵۱
تعیں	۲۴	۲۴	۲۶	۳۱	۱۵	گوروار	پنردس م	۱	۵۰	باہ د	۶	۳۸	۱۰-۲۵م دن بوم است۔ ۱ بجے ۶ ۴م رات چندرما است۔ انوگم۔	اپنے دن	اپنے دن	۸	۵۲
	۲۵	۲۷	۲۷	۳۲	۱۶	شکروار	تیش م	۱۲	۶	چوداہ م	۱	۴۶	۱۰-۳۳م رات سہم چندرما۔ ۵ بجے شام سے گنڈانت ۴-۹م رات تک ۱۱۔ ۲۱م	"	"	۷	۵۳
سنکراتی بھانو ماس شروع سہم چھ	۲۶	۲۹	۲۸	بھادر	۱۷	شنیچروار	اشلیش م	۱۰	۳۳	ماوس م	۱۱	۲۱	۴م دن سہم شریہ مہورت ۱۵ دریائی سنکراتی ورت ۱۱-۲۱م رات بھانو ماس آرمبھ۔ ۶-۱۴م شام سہم بدھ۔ درِبہ ماوس۔ مالنستم۔	"	"	۶	۵۴

یاترا مہورت۔ ۴ر اگست اکدد پورب اتر یاترا۔ ۵ر اگست دوی پچھم اتر یاترا۔ ۶ر اگست تری پورب یاترا۔ ۷ر اگست چورم پورب پچھم یاترا۔ ۸ر اگست پنچم پورب پچھم یاترا۔ ۹ر اگست شیم پورب اتر یاترا۔ ۱۲-۱۳م صبح سے دکن [illegible] تک ۱۲ر نوم دکھن اتر یاترا ۶ بجے ۵۵م صبح سے۔ ۱۳ر دہم پورب دکھن یاترا۔ ۱۵ر اگست باہ پورب پچھم یاترا۔

پیت رسی سمت ۵۰۰۵ ملماسیوں کا بھادر شکلہ پچھ بھانو ماسیوں کا ادھک بھادر شکلہ پچھ۔ سہم سُریہ بوم بُدھ کنبھ برہسپت، کرکٹ شکر تیتھ، پہ شنیچر ریچک راہ

[illegible]	[illegible]	ہجری	بھادر	[illegible]	وار	نکھتر	[illegible]	[illegible]	تیتھی	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۲۷	اگست ۱۳ ۳۱	۲۹	۲	۱۸	آتوار	نگٹ	۹	۳	اکدوٗ	۹	۳	۹ بجے ۳ منٹ رات چندرما اُدے۔ مدگرم۔	اپنے دن	اپنے دن	۶ بجے	۵ بجے
۲۸	۳۳	۳۰	۳	۱۹	سوموار	پوربھادٗ	۷	۴۲	دوی د	۶	۵۴	ا بجے ۲۴ منٹ رات کن چندرما۔ دوزا۔	اپنے دن	اپنے دن	۶م	۵۴م
۲۹	۳۵	شعبان	۴	۲۰	منگوار	اتربھاد د	۶	۳۳	تری د	۴	۵۳	ملماسی چندرما کا درشن اوشیہ کریں۔ پرزا بتیا۔	پہلے دن	〃	۵	۵۵
۳۰	۳۷	۲	۵	۲۱	بدھ وار	ہست د	۵	۴۷	چورم د	۳	۲۷	ملماسی چندرما کا درشن نہ کریں۔ ملماسیوں کی ونایک چورم۔ آنندا۔	〃	〃	۴	۵۶
۳۱	۳۹	۳	۶	۲۲	گوروار	چترٗ د	۵	۲۲	پنچم د	۲	۱۴	۵۔۲۹م صبح طولچندرما۔ کمار شیم۔ ملماسیوں کا کرنک تیرتھ شرادھ۔ چرا۔	〃	〃	۳	۵۷
بھادرٗ	۴۲	۴	۷	۲۳	شکروار	سوات د	۵	۲۵	شیم د	۱	۴۷	ملماسیوں کا سُریہ شیم (مارتنڈ تیرتھ یاترا) مُسلم۔	〃	〃	۲	۵۸
۲	۴۴	۵	۸	۲۴	شنیچروار	وشاکھ د	۵	۵۵	ستم د	۱	۱۲	ملماسیوں کا برہمہ سرور شرادھ۔ ۱۱ بجے ۵۴م دن ورچک چندرما۔ شولم۔	〃	〃	۱	۵۹
۳	۴۷	۶	۹	۲۵	آتوار	انرادھ د	۶	۵۶	اشٹم دا	۱	۲۷	ملماسیوں کی گنگا اشٹمی۔ مرتیو۔	〃	〃	۶ بجے	۶ بجے
۴	۴۹	۷	۱۰	۲۶	سوموار	زشیٹ م	۸	۲۵	نوم د	۲	۱۲	۸۔۲۵م رات دھن چندرما اور مُول آرمبھ۔ ۲۔۴۲م دن سے گنڈانت ۱۔۵۰م رات تک	〃	〃	۵۹م ۵ بجے	۱
۵	۵۲	۸	۱۱	۲۷	منگوار	مُول ٗ	۱۰	۲۱	دہم د	۳	۲۵	چھترم۔ ۱۰ بجے ۱۲ منٹ رات تک مُول۔	〃	〃	۵۸	۲
۶	۵۴	۹	۱۲	۲۸	بدھ وار	پورشاءٗ	۱۲	۳۶	کاہ د	۴	۵۹	ملماسیوں کی نارائنی کاہ۔ شری وتسا۔	〃	〃	۵۷	۳
۷	۵۷	۱۰	۱۳	۲۹	گوروار	اترشاءٗ	۳	۷	باہ د	۲۷	۱۵	۷ بجے ۱۵ منٹ دن مکر میں چندرما۔ ملہ نیدر باہ۔ سومیا۔	〃	〃	۵۶	۴
۸	گ ۱۴	۱۱	۱۴	۳۰	شکروار	شروَن ٗ	۵	۴۳	ترواہ ٗ	۸	۵۱	ملماسیوں کی دتّا ترواہ۔ دومیا۔	اپنے دن	〃	۵۵	۵
۹	۲	۱۲	۱۵	۳۱	شنیچروار	دنشٹ ٗ	۶	۷	چوداہ ٗ	۱۰	۵۰	۷۔۱م رات کنبھ میں چندرما اور پنچک آرمبھ۔ ملماسیوں کی اننت چوداہ۔ پرودا۔	〃	〃	۵۴	۶
۱۰	۵	۱۳	۱۶	ستمبر	آتوار	دنشٹ د	۸	۱۳	پونم ٗ	۱۲	۲۶	للیشوری جینتی۔ ماتنگا۔	〃	〃	۵۳	۷
													〃	〃	۵۲	۸

یاترات۔ ۱۹، ۱۱ اگست دوی پورب بنا یاترا۔ ۲۰ اگست تری پُورب دکھن یاترا۔ ۲۱ چورم اتر بنا یاترا ۵ بجے ۴ منٹ شام تک ۲۴ اگست ستم پورب بنا یاترا ۵ بجے ۵ منٹ شام سے۔ ۲۶ نوم پُورب بنا یاترا۔ ۲۷ اگست
یاترا مہور دہم پُورب دکھن یاترا۔ ۲۸ کاہ اتر بنا یاترا۔ ۲۹ باہ پُورب پچھم یاترا۔ ۳۰ ترواہ پچھم بنا یاترا۔ ۳۱ اگست چوداہ پورب بنا یاترا۔ [illegible]

سیت رسی سمت ۵۰۰۵ ملہ ماسیوں کا اسوج کرشنہ پکھ۔ بھانو ماسیوں کا ادہک بھادر کرشنہ پکھ۔ سہم میں سُریہ بوم بدھ شکر کنیتھ میں برہسپت میتھن میں شنیچر و رہک میں راہ۔ درشن میں کیت

(۱۶ ستمبر بھانو ماس سماپت)

	تاریخ	انگریزی	ہجری	بھادر	گتہ	وار	نکھتر	گھڑی	پل	تیتھی	گھڑی	پل		دن	رات	دن بڑا	رات بڑی
سہم شنکر گمن	۱۱	گ ۱۴۳ ۷	۱۴	۱۷	۲	سوموار	شتبشک	۱۰	۱۱	اکدو	۲	۳	۵ بجے، ۳ منٹ شام سہم شکر۔ ملہ ماسیوں کا پتر پکھ آرمبھ۔ امرتم۔	اپنے دن	اپنے دن	۶ ۱۵م	۶ ۹م
	۱۲	۱۰	۱۵	۱۸	۳	منگلوار	پورباد	۱۲	۲۲	دوی	۳	۵	۵-۵۶م صبح مین میں چندرمہ۔ ۶-۷م صبح کن بدھ۔ شب برات۔ کاندا۔	″	″	۵۰	۱۰
بدھ قیطی	۱۳	۱۳	۱۶	۱۹	۴	بدھوار	اترباد	۱	۵۰	تری	۳	۳۸	۱۰ بجے ۵ منٹ رات تحن بوم۔ الاپکا۔	″	″	۴۹	۱۱
	۱۴	۱۵	۱۷	۲۰	۵	گوروار	ریوت	۲	۵۰	چورم	۳	۴۰	۲-۵۰م دن میش میں چندرمہ اور پنچک سماپت۔ ۸-۳۸م صبح سے ۷-۱۰م رات تک وزرم۔	″	″	۴۸	۱۲
	۱۵	۱۸	۱۸	۲۱	۶	شکروار	اشن	۲	۱۹	پنچم	۳	۱۴		″	″	۴۷	۱۳
	۱۶	۲۰	۱۹	۲۲	۷	شنیچروار	برن	۳	۱۹	شیم	۲	۱۸	۹-۱۲ منٹ رات وریش چندرمہ۔ دواکھیا۔	″	″	۴۶	۱۴
	۱۷	۲۳	۲۰	۲۳	۸	آتوار	کرتج	۲	۵۲	ستم	۱۲	۵۶	ملہ ماسیوں کی صاحب ستم۔ ۲ بجے ۹ منٹ رات بدھ ادے۔ ددمیا۔	″	″	۴۵	۱۵
	۱۸	۲۵	۲۱	۲۴	۹	سوموار	روہن	۲	۳	اشٹم	۱۱	۱۴	۱-۳۱م رات میتھن چندرمہ۔ ملہ ماسیوں کی مہالکشمی اشٹم۔ پروردا۔	″	″	۴۴	۱۶
بوم ماس	۱۹	۲۸	۲۲	۲۵	۱۰	منگلوار	مرگیشور	۱۲	۵۴	نوم	۹	۱۵	بوم ماس۔ کھیا۔	″	″	۴۳	۱۷
	۲۰	۳۱	۲۳	۲۶	۱۱	بدھوار	آدر	۱۱	۳۳	دہم	۷	۲	۴ بجے ۴۴ منٹ رات کرکٹ میں چندرمہ۔ گزا۔	″	″	۴۲	۱۸
	۲۱	۳۳	۲۴	۲۷	۱۲	گوروار	پنردس	۱۰	۰	کاہ	۴	۴۰	ملہ ماسیوں کی بیندرکاہ۔ بدا۔	″	″	۴۱	۱۹
	۲۲	۳۶	۲۵	۲۸	۱۳	شکروار	تیش	۸	۲۲	باہ	۲	۱۶	اشلیش ۵-۸ منٹ۔ ۱ بجے، منٹ رات سے گنڈانت۔ انمولم۔	پہلے دن	″	۴۰	۲۰
	۲۳	۳۸	۲۶	۲۹	۱۴	شنیچروار	مگ	۵	۹	ترداہ	۱۱	۵۳	۱۲-۲۰ منٹ دن تک گنڈانت ۵ بجے ۵۸ منٹ صبح سہم چندرمہ۔ کامیا۔	″	″	۳۹	۲۱
	۲۴	۴۱	۲۷	۳۰	۱۵	آتوار	پوربھاء	۳	۴۵	چوداہ	۹	۳۵	ملہ ماسیوں کی پترامادی۔ ۹ بجے ۵۳م دن سے چندراست۔ چھترم۔	″	پہلے دن	۳۸	۲۲
بھانوماس سماپت	۲۵	۴۴	۲۸	۳۱	۱۶	سوموار	اتربھاء	۲	۳۳	ماوس	۷	۲۴	۹-۷م دن کن چندرمہ تراہ۔ اکدوہ۔ ۳-۳م ملہ ماسیوں کا نو دور گار مبھ۔ سوماوتی م سوسیاریاترا۔ ۷-۴۴ منٹ صبح بھانوماس سماپت۔ ماسانت۔ شری وتسا ؛	″	″	۳۷	۲۳

یاترا مہورت۔ ۲ ستمبر اکدو۔ اتر پچھم یاترا۔ ۳ ستمبر دوی پورب یاترا۔ ۴ ستمبر تری نوب پچھم یاترا۔ ۵ ستمبر چورم پورب پچھم یاترا۔ ۶ ستمبر پنچم پچھم بنا یاترا ۳ بجے ۱۹ منٹ دن تک ۸ ستمبر پورب اتر یاترا ۲-۴۵م دن سے ۹ ستمبر اشٹم پورب بنا یاترا۔ ۱۱ دہم اتر بنا یاترا ۱۱ بجے ۳۳م دن سے ۱۲ کاہ پورب پچھم یاترا۔ ۱۳ ستمبر باہ پچھم بنا یاترا ۸ بجے ۲۲م صبح تک ۱۵ ستمبر چوداہ پورب اتر یاترا ؛

سیت رشی سمنت ۵۰۰۵ ملماسیوں کا اسوج شکلہ پچھہ بھانو ماسیو کا بھادر پکھہ کن میں سریہ بوم بدھ کنبھ میں برہسپتی سہہم میں شکر متھن میں سنیچر چک میں راہ وریش میں کیت

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ستمبر	وار	نکھتر	[illegible]	گھڑی	تیتھی	[illegible]	گھڑی	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۲۶	۱۴ ۴۶	۲۹ رمضان	۱	۱۷	منگلوار	ہست	۱	۴۰	دوی	۳	۵۸	اپنے دن	اپنے دن	۶ ۳۶	۶ ۲۴ م
۲۷	۴۹		۲	۱۸	بدھ دار	چیتر	۱	۱۰	تری	۲	۴۵	،	،	۳۵	۲۵
۲۸	۵۱	۲	۳	۱۹	گوردار	سوات	۱	۱	چورم	۲	۱	،	،	۳۴	۲۶
۲۹	۵۴	۳	۴	۲۰	شکردار	وشاکھ	۱	۲۸	پنچم	۱	۴۵	،	،	۳۳	۲۷
۳۰	۵۷	۴	۵	۲۱	شنیچروار	انراد	۲	۲۵	شیم	۲	۱	،	،	۳۲	۲۸
۳۱	۵۹	۵	۶	۲۲	آتوار	زیشٹ	۳	۵۰	ستم	۲	۴۹	،	،	۳۱	۲۹
اسوج ۱	ک ۱۵	۶	۷	۲۳	سوموار	مول	۵	۴۰	اشٹم	۴	۳	،	،	۳۰	۳۰
۲	۳	۷	۸	۲۴	منگلوار	پورشاء	۶	۳۲	نوم	۵	۳۹	،	،	۲۸	۳۲
۳	۶	۸	۹	۲۵	بدھ دار	پورشاد	۷	۵۳	دہم	۶	۳۳	،	،	۲۷	۳۳
۴	۹	۹	۱۰	۲۶	گوردار	اترشاد	۱۰	۲۰	دہم	۷	۳۴	،	،	۲۶	۳۴
۵	۱۱	۱۰	۱۱	۲۷	شکردار	شرون	۱۲	۵۶	کاہ	۹	۳۹	پہلے دن	پہلے دن	۲۵	۳۵
۶	۱۴	۱۱	۱۲	۲۸	شنیچروار	دنشٹ	۳	۲۸	باہ	۱۱	۳۷	،	،	۲۴	۳۶
۷	۱۶	۱۲	۱۳	۲۹	آتوار	شتبشک	۵	۴۷	تراہ	۱۲	۱۶	،	،	۲۳	۳۷
۸	۱۹	۱۳	۱۴	۳۰	سوموار	پوربا	۷	۴۶	چوداہ	۲	۵۶	،	اپنے دن	۲۲	۳۸
۹	۲۲	۱۴	۱۵	اکتوبر	منگلوار	اتربا	۹	۲۱	پونم	۳	۹	،	،	۲۱	۳۹

Margin: سنکراتی · ملماس · کن شکر · ملماس شروع

(۳۰ ستمبر سوموار کو ملہ ماس شروع)

۱۲-۱۷م دن کن سریہ مہورت ۔ ۳۰ کناری ۔ سنکراتی ورت ۔ سومیا۔
۱-۴۴م دن طولچندرس ۔ بھانو ماسیوں کی ہری تالیکا تری ۔ روزہ شروع ۔ کالدنڈا۔
بھانو ماسیوں کی وناٰیک چورم ۔ ستھرا۔
۰۷-۲۳م رات ورچک چندرس ۔ بھانو ماسیوں کی دراہ پنچمی ۔ باتنگا۔
۵-۵۷م شام اگستیہ اودے ۔ بھانو سریہ شیم مارتنڈ تیرتھ یاترا ۔ کمار شیم امرتم ۔ ۹۲ جنم
۹-۲۶م رات سے گنڈانت ۔ ۳-۵۰م رات دھن چندرس مول آرمبھ ۔ ۴-۳۰م دن طول
۱۰-۱۶م دن تک گنڈانت ۔ ۱-۲۴م دن کو دن رات برابر ۔ ملماسیوں کی درگا اشٹمی م
ملماسیوں کی مہانومی ہیترم ؛ (۵-۴ بجے ۔ ۴۴م رات تک مول ۔ الاپکا۔)
۲ بجے ۲۳ منٹ رات مکر چندرس ۔ دن زیادہ ۔ شری وتسا۔
ملماسیوں کی وجیہ دشمی (دسہرہ) ۔ ۱ بجے ۵۲م رات کن میں شکر ۔ سومیا۔
بھانو ماسیوں کی نارائنی کاہ ۔ گوتم ناگ یاترا ۔ ۲-۱۱م رات کنبھ میں چندرس پنچک آرمبھ
بھانو ماسیوں کی نیدباہ ۔ بردردا۔
بھانو ماسیوں کی دنستا تراہ ۔ کھیا۔
۱-۱۸ منٹ دن مین چندرس ۔ بھانو ماسیوں م
بھانو ماسیوں کا پتر پکھہ آرمبھ ۔ بدا
م کی انت چوداہ ۔ ملہ ماس شروع ۶-۲م شام گزرا۔

ضروری شوچنا ۔ ۱۶ ستمبر کو بھانو ماس سماپت اور ۳۰ ستمبر کو ملماس شروع ہوگا ۔ دونوں کا ایک مہینہ ہر شبھ کام کیلئے نشید ہے ۔ پرنتو ۱۷ سے ۳۰ ستمبر تک دونوں مہینے نہیں ہیں اسلئے ۱۷ سے ۳۰ ستمبر کے سبھی دن ہر شبھ کام کیلئے اُدتم ہیں ۔ (دسیاوک)

یاترا مہورت ۔ ۱۷ ستمبر شیم پورب بنا یاترا ۔ ۲۲ ستمبر ستم پورب اُتر یاترا ۔ ۲۳ ستمبر اشٹم پورب بنا یاترا ۔ ۲۴ ستمبر نوم اتر بنا یاترا ۔ ۲۵ ستمبر دہم اتر بنا یاترا ۔ ۲۶ ستمبر دہم پورب پچھم یاترا ۔ ۲۷ ستمبر کاہ پچھم بنا یاترا ۔ [illegible]

سیت رشی سمت ۵۰۵۰ ملہ ماسیوں کا ادھک کارتک کرشن پکھ بھانو ماسیوں کا اسوج کرشن پکھ کن میں بوم ہتریہ شکر کنبھ برہسپتی تلا میں بدھ سیتھن میں شنیچر وچک راہ درکش میں کیت

[illegible]	[illegible]	ہجری	[illegible]	[illegible]	وار	نکھتر	[illegible]	[illegible]	تیتھی	[illegible]	[illegible]	شالیہوا - بجینہ ۲ ۲۰	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۱۰	اک ۱۵ ۲۴	۱۵	۱۶	۲	بدھ وار	ریوت	۱۰	۲۹	اکدو	۴	۳۶	۱۰-۲۹م رات میش چندرما اور پنچک سماپت۔ ۴-۴۱م دن سے گنڈانت ۴-۸م ۳۴	پہلے دن	اپنے دن	۶ ۲۰م	۴۶ ۴۴م
۱۱	۲۹	۱۶	۱۷	۳	گوروار	اشنی	۱۱	۵	دوی	۴	۴۱	مانستم۔	"	"	۱۹	۴۱
۱۲	۳۰	۱۷	۱۸	۴	شکروار	برنی	۱۱	۱۱	تری	۴	۱۶	شکٹ چورم۔ مدگرم۔	"	"	۱۸	۴۲
۱۳	۳۲	۱۸	۱۹	۵	شنیچروار	کرتج	۱۰	۵۰	چورم	۳	۲۲	۵ بجے ۶ منٹ صبح ورکیش چندرما۔ ددزا۔	"	"	۱۷	۴۳
۱۴	۳۵	۱۹	۲۰	۶	آتوار	رودن	۱۰	۴	پنچم	۲	۲	برزاپتیا۔	"	"	۱۶	۴۴
۱۵	۳۷	۲۰	۲۱	۷	سوموار	مرگیشر	۹	۰	شیم	۱۲	۲۲	۹-۳۳م دن میتھن چندرما۔ بھانو ماسیوں کی صاحب ستم۔ آنندا	"	پہلے دن	۱۵	۴۵
۱۶	۴۰	۲۱	۲۲	۸	منگوار	آدر	۷	۴۰	ستم	۱۰	۲۴	چرا۔	"	"	۱۴	۴۶
۱۷	۴۳	۲۲	۲۳	۹	بدھ وار	پنروس	۶ شر	۹	اشٹم	۸	۱۵	۱۲-۳۲م رات کرکٹ چندرما۔ تراہ دنوم ۵ بجے ۱۵م بھانو ماسیوں کی مہاشمی اشٹم	اپنے دن	اپنے دن	۱۳	۴۷
۱۸	۴۵	۲۳	۲۴	۱۰	گوروار	تیش	۴	۳۲	دہم	۳	۳۰	برہسپت ماس۔ شوکلم۔	"	"	۱۲	۴۸
۱۹	۴۸	۲۴	۲۵	۱۱	شکروار	اشلیش	۲	۵۳	کاہ	۱	۸	۲-۵۳م دن سہم چندرما۔ ۹-۱۸م دن سے گنڈانت ۸-۹۲م رات تک آخری جمعہ	"	"	۱۱	۴۹
۲۰	۵۱	۲۵	۲۶	۱۲	شنیچروار	مگ	۱	۱۸	باہ	۱۰	۵۴	۱۰ بجے ۲۶ منٹ دن بدھ است۔ کامیا۔ شب قدر۔	"	"	۱۰	۵۰
۲۱	۵۳	۲۶	۲۷	۱۳	آتوار	پوربھاد	۱۱	۵۳	ترواہ	[illegible]	۴۷	۵ بجے ۳۳م دن کن چندرما۔ چھترم۔	"	"	۸	۵۲
۲۲	۵۶	۲۷	۲۸	۱۴	سوموار	اترپھاد	۱۰	۳۹	چوداہ	[illegible]	۵۷	۶ بجے ۵ منٹ شام سے چندرما است۔ شری وتسا۔	"	"	۷	۵۳
۲۳	۵۹	۲۸	۲۹	۱۵	منگوار	ہست	۹	۴۲	ماوس	۵	۲۵	۹ بجے ۱۸م رات طول چندرما۔ بھانو ماسیوں کی پتراماوسی۔ سومیا۔	"	"	۶	۵۴

صاحب ستم
برہسپت ماس
تعطیل
تعطیل

یاترا مہورت - ۲ اکتوبر اکدو پورب پچھم یاترا۔ ۳ اکتوبر دوی پورب پچھم یاترا۔ ۶ اکتوبر پنچم پورب اتر یاترا۔ ۷ اکتوبر شیم پورب بنا یاترا۔ ۹ اکتوبر اشٹم اتر بنا یاترا۔ ۱۰ اکتوبر دہم پورب پچھم یاترا
۱۳ اکتوبر ترواہ پورب اتر یاترا۔ ۱۴ اکتوبر چوداہ پورب بنا یاترا

رشیٔ سمت ۵۰۵۰ ملماس بدٕ کا ادھک کارتک شکلہ پچھ بھانوماسیوں کا سوج شکلہ پچھ اکتن میں تُریہ شکر کنبھ میں برسپتی طول ہین بدٕ میتھن مین شنیچر دریش ہین راہ ورچک میں کیت

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	دار	نکھتر	برہ	منٹ	تیتھی	برہ	منٹ	(۳۰ اکتوبر منگلوار ملماس سماپت۔ ۱۸ اکتوبر شکروار شکراست)	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
۲۴	۱	۲۹	۳۰	۱۶	بدھ وار	چتر د	۹	۵	اکدد	۴	۱۸	بھانوماسیوں کا نودرگارمبھ۔ ۴۰-۴م دن چندرہ اودے۔ ماسانت۔ کالدنڈا۔	پہلے دن	اپنے دن	بجے ۶ ۵م	بجے ۶ ۵۵م	
۲۵	۴	۳۰	کتک ۱	۱۷	گوروار	سوات د	۸	۵۰	دوی د	۳	۳۴	۱۱-۴۴م رات طول ہیں تُریہ مہورت ۵۴ کناری۔ ۴ بجے رات ورچک چندرہ سنکراتی	″	″	۴	۵۶	سنکراتی
۲۶	۷	شوال ۲	۲	۱۸	شکروار	وتیاکھ د	۹	۱۲	تری د	۳	۲۴	عید۔ ماتنگا۔ ۷ بجے ۴۶ منٹ رات شکراست۔ ماتنگا۔	″	″	۲	۵۸	شکراست تبعیں
۲۷	۹	۲	۳	۱۹	شنیچروار	ازاد د	۱۰	۰	چورم د	۳	۴۰	۴ بجے ۵۰ منٹ رات سے گنڈانت۔ امرتم۔	″	″	۱	۵۹	
۲۸	۱۲	۳	۴	۲۰	آتوار	زیشٹ د	۱۱	۱۷	پنچم	۴	۲۰	۱۱-۷م دن دھن چندرہ اور مول آرمبھ۔ ۵-۴۰ منٹ شام تک گنڈانت۔ بمار شیم کانما	″	″	بجے ۶	بجے ۶	
۲۹	۱۵	۴	۵	۲۱	سوموار	مول د	۱	۲	شیم د	۵	۴۵	۵-۴۸م صبح طول شکر۔ ۹-۵۳م دن طول بوم۔ ۱ بجے ۴م دن تک مول۔ الاپکا	″	″	بجے ۵ ۵۹	بجے ۶ ۱	ھول شکر
۳۰	۱۷	۵	۶	۲۲	منگلوار	پورشاد	۳	۱۰	سپتم	۷	۲۲	۹ بجے ۴۱ منٹ رات مکر میں چندرہ۔ میترم۔	اپنے دن	″	۵۸	۲	
کتک	۲۱	۶	۷	۲۳	بدھ وار	اترشاد	۵	۳۵	اشٹم	۹	۱۹	بھانوماسیوں کی ددرگاشٹمی۔ وزرم۔	″	″	۵۷	۳	
۲	۲۲	۷	۸	۲۴	گوروار	شردن	۸	۶	نوم	۱۱	۲۳	بھانوماسیوں کی مہانومی مجلس اسد۔ دونا۔	″	″	۵۶	۴	
۳	۲۴	۸	۹	۲۵	شکروار	دنشٹ	۱۰	۴۱	دہم	۱	۲۸	۹-۲۶م صبح کنبھ میں چندرہ اور پنچک آرمبھ۔ بھانوماسیوں کی دجیادشمی پزاپتیا۔	″	″	۵۶	۴	تعلیں
۴	۲۶	۹	۱۰	۲۶	شنیچروار	شتبشک	۱	۴	کاہ	۳	۱۸	بھانوماسیوں کی پاپان کشٹ کاہ۔ آنندا۔	″	″	۵۵	۵	
۵	۲۹	۱۰	۱۱	۲۷	آتوار	پوربا	۳	۹	باہ	۴	۵۰	۸ بجے ۴۰ منٹ شام مین چندرہ۔ چرا۔	″	″	۵۵	۵	
۶	۳۱	۱۱	۱۲	۲۸	سوم وار	اتربا	۴	۴۸	ترداہ	۵	۵۵	۱۲ بجے ۳۹ منٹ دن بدھ اودے۔ شلم۔	″	″	۵۴	۶	
۷	۳۳	۱۲	۱۳	۲۹	منگلوار	ریوت	۶	۱	چوداہ	۷	۳۳	۱۱-۹۴م منٹ رات سے گنڈانت۔ ۱ بجے ۴م رات ملماس سماپت۔ شولم۔	″	″	۵۳	۷	ملماس سماپت
۸	۳۵	۱۳	۱۴	۳۰	بدھ وار	اشن	۶	۴۴	پونم	۶	۳۹	۱۲-۱۵م دن تک گنڈانت۔ دالیکی جنیتی۔ ۶-۱م صبح میش چندرہ اور پنچک سماپت ستریو	″	″	۵۲	۸	

یاترا مہورت۔ ۱۸ اکتوبر تری ۹ بجے ۱۲م دن سے پچھم بنا یاترا۔ ۱۹ اکتوبر چورم پورب بنا یاترا۔ ۲۰ اکتوبر پنچم پورب اتر یاترا۔ ۲۱ اکتوبر شیم پورب بنا یاترا۔ ۲۲ اکتوبر ستم اتر بنا یاترا۔ ۲۴ اکتوبر نوم پورب پچھم یاترا۔
۲۵ اکتوبر دہم پورب اتر یاترا۔ ۲۶ اکتوبر کاہ پچھم اتر یاترا۔ ۲۷ اکتوبر باہ پورب اتر یاترا۔ ۲۸ اکتوبر ترداہ پچھم اتر یاترا۔ ۲۹ چوداہ پورب یاترا۔ ۳۰ اکتوبر پونم اتر بنا یاترا۔

نیت رِشی سمت ۵۰۵۵ کارتک کرِشنہ پچھ طول میں سُریہ، بوم، بدھ، شکر، کنبھ میں برسپت میتھن شینیچر۔ ورچک راہ۔ وریش کیت

					وار	نکھتر			تیتھی							
۹	گ ۱۲ ۳۷	۱۴	۱۵	۳۱	گوروار	برن ۶	۶	۵۷	اکدوٗ ۶	۶	۱۳	کامیا۔	اپنے دن	اپنے دن	۵ بجے ۱۵ منٹ	۷ بجے ۹ منٹ
۱۰	۴۰	۱۵	۱۶	نومبر	شکروار	کرتِج ۶	۶	۵۱	دوی ۶	۵	۲۱	۱۲ بجے ۵۵ منٹ دن ورشیش میں چندرمہ۔ چھترم۔	״	״	۵۰	۱۰
۱۱	۴۲	۱۶	۱۷	۲	شینیچروار	رون ۶	۶	۲	تری ۶	۴	۴	ترِی دت۔	״	״	۴۹	۱۱
۱۲	۴۴	۱۷	۱۸	۳	آتوار	مرگشیر ۶	۵	۳	چورم ۶	۲	۲۴	۸ بجے ۳۲ منٹ دن میتھن میں چندرمہ۔ سنکٹ چورم۔ سومیا۔ یگیہ جوتشی آفتاب ام	״	״	۴۸	۱۲
۱۳	۴۶	۱۸	۱۹	۴	سوموار	آدر ۶	۳	۴۵	پنچم ۶	۱۲	۲۸	کالدنڈا۔	״	״	۴۶	۱۳
۱۴	۴۹	۱۹	۲۰	۵	منگلوار	پنردس ۶	۲	۱۹	شیم ۶	۱۰	۱۹	۸ بجے ۴۱ منٹ رات کرکٹ چندرمہ سِتھرا۔	״	״	۴۶	۱۴
۱۵	۵۱	۲۰	۲۱	۶	بدھ وار	تیشں ۶	۱۲	۴۹	سپتم ۶	۸	۰	ماتنگا۔	اپنے دن	״	۴۵	۱۵
۱۶	۵۳	۲۱	۲۲	۷	گوروار	اشلیش ۶	۱۱	۴	اشتم د	۵	۴۰	۱۱ بجے ۴۴ منٹ رات سہم چندرمہ۔ ۵۔۰۰۔۳۰م دن سے گنڈانت ۴ ۔۸۔۳م رات تک امرتم۔	״	״	۴۴	۱۶
۱۷	۵۵	۲۲	۲۳	۸	شکروار	مگ ۶	۹	۲۵	نوم د	۳	۲۰	کانڈا۔	پہلے دن	״	۴۳	۱۷
۱۸	۵۷	۲۳	۲۴	۹	شینیچروار	پوربھا ۶	۷	۵۶	دہم د	۱	۶	۱ بجے ۴۴ منٹ رات کن میں چندرمہ۔ شینیچر ماس۔ الاپکا۔	״	״	۴۲	۱۸
۱۹	[illegible]	۲۴	۲۵	۱۰	آتوار	اُترپھا ۶	۶	۳۹	کاہ د	۱۱	۲	رماکاہ۔ میترم۔	״	پہلے دن	۴۱	۱۹
۲۰	۲	۲۵	۲۶	۱۱	سوموار	ہست د	۵	۴۰	باہ د	۹	۱۴	وزرم۔	״	״	۴۰	۲۰
۲۱	۴	۲۶	۲۷	۱۲	منگلوار	چِتر د	۴	۵۷	ترداہ د	۷	۴۴	۵۔۴۴م صبح طلوع چندرمہ تراہ (چوداہ ۶۔۳۲م) ۲ بجے ۳۳ منٹ رات چندرمہ است دوا دکھیا	״	״	۳۹	۲۱
۲۲	۶	۲۷	۲۸	۱۳	بدھ وار	سوات د	۴	۴۲	اماوس ۶	۵	۵۳	دیپ مالا۔ کودمیا۔	اپنے دن	اپنے دن	۳۸	۲۲

شینیچر ماس (margin, row 18)

تیلی (margin, row 22)

یاترا مہورت ۔ ۲ نومبر تری پورب بنا یاترا۔ ۳ نومبر چورم پورب اُتر یاترا۔ ۵ نومبر شیم پورب دکھن یاترا۔ ۶ نومبر ستم اُتر بنا یاترا۔ ۹ نومبر دہم پورب بنا یاترا۔ ۱۰ نومبر کاہ پورب اُتر یاترا۔ ۱۱ نومبر باہ پورب ...

سپت رشی سمت ٥٠٥٠ کارتک شکلہ پچھ طول میں سُریہ بوم، بدھ، کنبھ میں برسپت۔ ورچک شکر، راہ میتھن شنیچر، ورشس کیت

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	(١٦ نومبر سنکراتی)	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
٢٣	١٦	٢٨	٢٩	١٤	گوروار	دیشاکھ د	٤	٥١	اکدوٗ	٥	٤٦	١٠-١-٦ بم دِن ورچک چندرس۔ ٨-٨ بم دن ورچک شکرآنہ کوٹ۔ پروردا۔ شری نہرو	اپنے دن	اپنے دن	٥ بجے ٢٩م	٧ بجے ٢١م
٢٤	١١	٢٩	٣٠	١٥	شکروار	انراد د	٥	٣٢	دوی	٦	٨	ماسانت۔ ٥-٦ بم صبح چندرآودے۔ پروردا۔	″	″	٣٨	٢٢
٢٥	١٢	[illegible]	منگھر	١٦	شنیچروار	زیشٹھ	٦	٤٢	تری	٦	٥٨	٦-٢ بم شام دھن چندرس اور مول آرمبھ۔ ١٢-٣٣ بم دِن سے گنڈانت ١١م رات تک	″	″	٣٨	٢٢
٢٦	١٥	٢	٢	١٧	آتوار	مول	٨	٥١	چورم	٧	٣٠	دِن زیادہ۔ ٨-١٥ منٹ رات تک مول۔ بِدا۔	″	″	٣٦	٢٣
٢٧	١٧	٣	٣	١٨	سوموار	پورشاڑ	١٠	٢٣	چورم د	٨	٢٠	٤-٥٦ منٹ رات مکر میں چندرس۔ دنمولم۔	پہلے دن	پہلے دن	٣٥	٢٥
٢٨	٢٠	٤	٤	١٩	منگلوار	اترشاڑ	١٢	٤٥	پنچم د	١٠	٢	کمار شیشم۔ مانستم۔	″	″	٣٥	٢٥
٢٩	٢٢	٥	٥	٢٠	بدھ وار	شرون	٣	١٨	شیشم د	١٢	٢	چھستم۔	″	″	٣٤	٢٦
٣٠	٢٤	٦	٦	٢١	گوروار	دنشٹھ	١	٥٢	ستم د	٢	٩	٤-٥٢ منٹ دِن کنبھ چندرس اور پنچک آرمبھ۔ شری وت۔	″	اپنے دن	٣٣	٢٧
مگھر	٢٦	٧	٧	٢٢	شکروار	شتبشک	٧	٢٨	اشٹم د	٤	١٤	گوپال اشٹمی سومیا۔	اپنے دن	″	٣٢	٢٨
٢	٢٧	٨	٨	٢٣	شنیچروار	شتبشک د	٨	١٨	نوم	٦	٧	٤ بجے رات مین چندرس۔ ستیہ یگ جنم۔ آنندا۔	″	″	٣٢	٢٨
٣	٢٨	٩	٩	٢٤	آتوار	پوربادر	١٠	٢٧	دہم	٧	٤٠	چرا۔	″	″	٣١	٢٩
٤	٢٩	١٠	١٠	٢٥	سوموار	اترباد	١٢	١٣	کاہ	٨	٤٧	ہری بودھنی کاہ۔ مسلم۔	″	″	٣١	٢٩
٥	٢٩	١١	١١	٢٦	منگلوار	ریوت د	١	٣٥	باہ	٩	٢٤	١-٣٥م دن میش چندرس اور پنچک سماپت۔ ٨ بجے ٢٠م صبح سے	″	″	٣٠	٣٠
٦	٣٠	١٢	١٢	٢٧	بدھ وار	اشن د	٢	٢٤	ترواہ	٩	٣٠	مرتیو۔	″	″	٣٠	٣٠
٧	٣١	١٣	١٣	٢٨	گوروار	برن د	٢	٤٣	چوداہ	٩	٥	١٠ بجے ٥٣م رات ورشبھ چندرس۔ مانستم	″	″	٣٠	٣٠
٨	٣٢	١٤	١٤	٢٩	شکروار	کرتچ د	٢	٣٥	پونم	٨	١٠	٢-٢٠م دِن ورچک بدھ۔ گورونانک جنم۔ ١ بجے ٢٩م رات بوم اودے۔ چندر گرہن	″	″	٢٩	٣١

یاترامہورت۔ ١٤ نومبر اکدہ۔ پورب پچھم یاترا۔ ١٥م دن سے ١٧ نومبر چورم پورب بنا یاترا۔ ١٩ نومبر پنچم پورب دکھن یاترا۔ ٢٠ نومبر شیشم اتر بنا یاترا۔ ٢١ نومبر ستم اترب پچھم یاترا۔ ٢٢ اشٹم پورب اتر یاترا۔ ٢٣ نوم پچھم اتر یاترا۔ ٢٤ دہم پورب اتر یاترا۔ ٢٥ نومبر کاہ اتر پچھم یاترا۔ ٢٦ باہ پورب یاترا۔ ٥-٥٠م دن تک ١-٣٥م دن سے پورب دکھن یاترا۔ ٢٩ نومبر پونم پچھم بنا یاترا ٢-٢٠م دن سے۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۵ مارگ کرشنہ پکچھ۔ ورچک سُریہ بُدھ، شکر راہ۔ طول میں بوم۔ کنبھ میں برہسپتی میتھن شنیچر۔ ورش کیت

شاکا	راڈھ	ہجری	انگھم	نومبر	وار	نکھتر	بجے	منٹ	تھتی	بجے	منٹ	۱۷، دسمبر شنیچروار شکر اودے	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
۹	۱۶/۳۳	۱۵	۱۵	۳۰	شنیچروار	روہن د	۲	۰	اکدوٗ	۶	۵۲	۳ بجے ۴۱ منٹ دِن بدھ است۔ شری وتسا۔	اپنے دن	اپنے دن	۲۹م	۳۱م	
۱۰	۳۴	۱۶	۱۶	دسمبر	آتوار	مرگیشور د	۱	۵	دوی د	۵۰	۱۳	۵ بجے ۳۰ منٹ صبح میتھن چندرمہ۔ سومیا۔	〃	〃	۲۸	۳۲	
۱۱	۳۵	۱۷	۱۷	۲	سوموار	آدر د	۱۱	۵۲	تری	۳	۱۶	سنکٹ چورم۔ کالدنڈا۔	〃	〃	۲۸	۳۲	
۱۲	۳۶	۱۸	۱۸	۳	منگوار	پنروس د	۱۰	۲۸	چورم د	۱	۸	۴-۵۰م صبح کرکٹ چندرمہ۔ ۱۱ بجے ۳۰ منٹ رات ورچک بوم۔ ستھرا۔	پہلے دن	〃	۲۷	۳۳	ورچک بوم
۱۳	۳۷	۱۹	۱۹	۴	بدھ وار	تیشں د	۸	۵۲	پنچم د	۱	۵۱	دا شلیش، بجے ۱۲ منٹ ۱۰۔ ابجے ۳۰م رات سے گنڈانت۔ ماتنگا۔	〃	پہلے دن	۲۷	۳۳	
۱۴	۳۸	۲۰	۲۰	۵	گوروار	مگھ	۵	۳۵	شیشم د	۸	۳۰	۷-۱۳م صبح سہم چندرمہ۔ ۲ بجے ۴۸م دِن تک گنڈانت۔ تراہ دستم ۶ بجے ۱۱م دوزا	〃	〃	۲۷	۳۳	
۱۵	۳۹	۲۱	۲۱	۶	شکروار	پوربھا	۴	۴	اشٹم	۳	۵۷	سِدا۔	اپنے دن	اپنے دن	۲۶	۳۴	
۱۶	۴۰	۲۲	۲۲	۷	شنیچروار	اتربھا	۲	۴۵	نوم	۱	۵۶	۹ بجے ۴۴م دن کن چندرمہ۔ ۵-۱۰م شام شکر اُدئے۔ انمولم۔	〃	〃	۲۶	۳۴	شکر اُدئے
۱۷	۴۰	۲۳	۲۳	۸	آتوار	ہست	۱	۳۶	دشم	۱۲	۹	۷ بجے ۲۱ منٹ صبح دھن شکر۔ مانستم۔	〃	〃	۲۶	۳۴	دھن شکر
۱۸	۴۱	۲۴	۲۴	۹	سوموار	چترا	۱۲	۴۸	کاہ	۱۰	۴۲	۱-۴۱ منٹ دِن طول میں چندرمہ۔ چندرمہ ماس۔ آتپنا کاہ۔ مدگرم۔	〃	〃	۲۵	۳۵	چندرماس
۱۹	۴۲	۲۵	۲۵	۱۰	منگوار	سوات	۱۲	۲۷	باہ	۹	۲۹	دوزا۔	〃	〃	۲۵	۳۵	
۲۰	۴۳	۲۶	۲۶	۱۱	بدھ وار	وشاکھ	۱۲	۴۹	ترواہ	۹	۳	۶ بجے ۴۰ منٹ رات ورچک چندرمہ۔ برزاپتیا۔	〃	〃	۲۵	۳۵	
۲۱	۴۴	۲۷	۲۷	۱۲	گوروار	انراد	۱	۳	چوداہ	۸	۵۶	۸-۵۶ منٹ رات چندرمہ است۔ آنندا۔	〃	〃	۲۴	۳۶	
۲۲	۴۵	۲۸	۲۸	۱۳	شکروار	زیشٹ	۲	۹	ماوس	۹	۲۲	۷-۵۰ منٹ رات سے گنڈانت۔ ۲-۹ منٹ رات سے دھن چندرمہ۔ مول آرمبھ چرا۔	〃	〃	۲۴	۳۶	

یاترا مہورت ۔ ۳۰ دسمبر اکدو پورب بنا یاترا۔ ۱ دسمبر دوی پورب اتر یاترا۔ ۲ دسمبر تری پورب بنا یاترا۔ ۱۱ بجے ۵۲ منٹ دن سے ۔ ۳ دسمبر چورم پورب دکھن یاترا۔ ۴ دسمبر پنچم اتر بنا یاترا۔
۹ دسمبر اشٹم [illegible]

بکرمی سمت ۲۰۳۱ مارگ شکلہ پچھ۔ ورچک میں سوریہ بوم، بدھ، راہ۔ کنبھ میں برسپت۔ دھن میں شکر۔ میتھن میں شنیچر۔ ورش میں کیت

	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نکھتر	[illegible]	[illegible]	تتھی	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	۲۳	۱۷ ۴۶	۲۹	۲۹	۱۴	شنیچروار	مول	۳	۴۲	اکدوہ	۱۰	۱۸	۸-۲۲م دن تک گنڈانت۔ ۲-۲۴م رات مول سمابت۔ ۱۰-۴م رات چندر اودے۔ مسلم	اپنے دن	اپنے دن	۵ بجے ۲۳	۷ بجے ۳۷ م
	۲۴	۴۷	۳۰	۳۰	۱۵	آتوار	پورشاد	۵	۴۷	دوی	۱۱	۴۰	ماسانت۔ شولم۔ [illegible]	"	"	۲۳	۳۷
سنکراتی	۲۵	۴۸	[illegible]	پوہ	۱۶	سوموار	اترشاد	۷	۳۸	تری	۱	۲۶	۱۲-۴۱م دن مکر چندر۔ ۵-۵م دن دھن میں سوریہ مہورتہ ۴ بہاڑی سنکراتی	"	"	۲۲	۳۸
	۲۶	۴۹	۲	۲	۱۷	منگوار	اترشاد	۶	۵۹	چورم	۳	۲۸	مانستم۔	"	"	۲۲	۳۸
	۲۷	۵۰	۳	۳	۱۸	بدھ وار	شرون	۱۰	۳۰	پنچم	۵	۳۸	۱۱-۸۴م رات کنبھ چندر اور پنچک آرمبھ۔ چھترم۔	"	"	۲۲	۳۸
	۲۸	۵۱	۴	۴	۱۹	گوروار	دنشٹ	۱	۵	شیٹم	۷	۳۸	کمارشیم۔ دن زیادہ۔ شری ونت۔	"	"	۲۲	۳۸
	۲۹	۵۲	۵	۵	۲۰	شکروار	شتبشک	۳	۳۴	شیتم	۷	۴۴	سومیا۔	"	"	۲۱	۳۹
تعطیل	۳۰	۵۲	۶	۶	۲۱	شنیچروار	پورباد	۵	۴۷	ستم	۹	۳۴	عرس شاہمدان۔ ۱۲-۵۰م رات اتراین۔ ۱۱-۶م دن مین میں چندر۔ کالدنڈا	پہلے دن	پہلے دن	۲۱	۳۹
	پوہ ۱	۵۱	۷	۷	۲۲	آتوار	اترباد	۷	۴۰	اشٹم	۱۱	۶	ستھرا۔	"	"	۲۱	۳۹
	۲	۵۰	۸	۸	۲۳	سوموار	ریوت	۹	۷	نوم	۱۲	۱۱	۹-۷م رات میش چندر اور پنچک سمابت۔ ۲-۴۶م دن سے گنڈانت ۳-۲۴م	"	"	۲۲	۳۸
	۳	۵۰	۹	۹	۲۴	منگوار	اشن	۱۰	۵۰	دہم	۱۲	۴۶	امرتم	"	"	۲۲	۳۸
تعطیل	۴	۴۹	۱۰	۱۰	۲۵	بدھ وار	برن	۱۰	۳۰	کاہ	۱۲	۵۰	۴ بجے ۳۳م رات ورش چندر۔ کرمس۔ کانڈا۔ عید۔	"	اپنے دن	۲۲	۳۸
	۵	۴۸	۱۱	۱۱	۲۶	گوروار	کرج	۱۰	۲۹	باہ	۱۲	۷	الایکا۔	"	پہلے دن	۲۳	۳۷
	۶	۴۷	۱۲	۱۲	۲۷	شکروار	رودن	۱۰	۰	ترواہ	۱۱	۲۸	سیترم۔	"	"	۲۳	۳۷
	۷	۴۶	۱۳	۱۳	۲۸	شنیچروار	مرگیشٹر	۹	۷	چوداہ	۱۰	۹	۹ بجے ۵۳م دن میتھن چندر۔ وزرم۔	"	"	۲۳	۳۷
	۸	۴۵	۱۴	۱۴	۲۹	آتوار	آدر	۷	۵۸	پونم	۸	۲۸	داکدڈ ۶ بجے ۳۳م تراہ۔ ماتریکا پوجا۔ دوانکھیا۔	"	"	۲۴	۳۶

یاترا مہورت۔ ۱۴ دسمبر اکدوہ پورب بنا یاترا۔ ۱۷ دسمبر چورم پورب دکھن یاترا۔ ۱۸ دسمبر پنچم اتر بنا یاترا۔ ۱۹ دسمبر شیتم پورب پچھم یاترا۔ ۲۰ دسمبر شیتم پچھم بنا یاترا۔ ۲۱ دسمبر ستم پچھم اتر یاترا۔ ۲۲ دسمبر اشٹم پورب اتر یاترا۔ ۲۳ دسمبر نوم پچھم اتر یاترا۔ ۲۴ دسمبر دہم پورب دکھن یاترا۔ ۲۶ دسمبر ترواہ پچھم بنا یاترا۔

بکرمی سمت ۲۰۳۱۔ پوہ کرشنہ پکچھ۔ دھن میں سورج، بدھ، شکر۔ ورچک میں بوم، راہ۔ کنبھ میں برہسپت۔ میتھن، شنیچر۔ ورش کیت۔

[illegible]	[illegible]	[illegible]	پوہ	دسمبر	وار	نکھتر	[illegible]	[illegible]	تتھی	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۹	۱۷/۴۴	۱۵	۱۵	۳۰	سوموار	پنروس	۶	۳۴	دوی	۴	۲۲	۱۲ بجے ۵۶ منٹ دن کرکٹ چندرمہ۔ دومیا۔	انے دن	اپنے دن	۵ ش / ۲۴	۷ بجے / ۳۶
۱۰	۴۳	۱۶	۱۶	۳۱	منگلوار	پشیہ	۵	۲	تری	۲	۶	۱۱ بجے ۸ منٹ دن بدھ اودے۔ ۳ بجے ۱۰م رات مکر۔ شکر۔ پردردا۔	″	اپنے دن	۲۴	۳۶
۱۱	۴۲	۱۷	۱۷	جنوری [illegible]	بدھوار	اشلیش	۳	۲۴	چورم	۱۱	۴۵	۹-۸۴م دن سے گنڈانت ۸ بجے ۸ ۵م رات تک۔ سنکٹ چورتھم۔ ۳-۴۲م دن	″	″	۲۵	۳۵
۱۲	۴۲	۱۸	۱۸	۲	گوروار	مگھ	۱	۴۵	پنچم	۹	۲۷	گزا۔	″	″	۲۵	۳۵
۱۳	۴۱	۱۹	۱۹	۳	شکروار	پورپھاد	۱۲	۱۳	شیشم	۷	۱۵	۵ بجے ۴۹ منٹ شام کن چندرمہ۔ ۲ بجے ۴۲م دن مکر میں بدھ۔ سدا۔	″	″	۲۵	۳۵
۱۴	۴۰	۲۰	۲۰	۴	شنیچروار	اترپھاد	۱۰	۴۹	ستم	۵	۱۶	انموٗلم۔	پہلے دن	″	۲۶	۳۴
۱۵	۳۹	۲۱	۲۱	۵	آتوار	ہست	۹	۴۰	اشٹم	۳	۳۲	۹ بجے ۱۱ منٹ رات طولچندرمہ۔ جہاکالی جنم۔ مانتم۔	″	″	۲۶	۳۴
۱۶	۳۸	۲۲	۲۲	۶	سوموار	چتر	۸	۴۸	نوم	۲	۸	مدگرم۔	″	″	۲۷	۳۳
۱۷	۳۷	۲۳	۲۳	۷	منگلوار	سوات	۸	۱۹	دہم	۱	۷	۲ بجے ۱۵م رات ورچک چندرمہ۔ دوزا۔	″	″	۲۷	۳۳
۱۸	۳۶	۲۴	۲۴	۸	بدھوار	وشاکھ	۸	۱۷	کاہ	۱۲	۳۳	سہلاکاہ۔ بدھ ماس۔ پرزاپتیا۔	″	″	۲۸	۳۲
۱۹	۳۵	۲۵	۲۵	۹	گوروار	انراد	۸	۴۴	باہ	۱۲	۳۳	۳ بجے ۲۳ منٹ رات سے گنڈانت۔ آنندا۔	″	″	۲۸	۳۲
۲۰	۳۴	۲۶	۲۶	۱۰	شکروار	زیشٹ	۹	۴۱	ترداہ	۱	۱	۴ بجے دن تک گنڈانت۔ ۹-۱۴م دن سے دھن چندرمہ اور مول آرمبھ۔ چرا۔	″	″	۲۸	۳۲
۲۱	۳۳	۲۷	۲۷	۱۱	شنیچروار	مول	۱۱	۷	چوداہ	۱	۵۸	یکھا ماوسی۔ ۱-۵۸م دن سے چندراست۔ ۱۱-۴م دن تک مول مسلم۔	″	″	۲۹	۳۱
۲۲	۳۲	۲۸	۲۸	۱۲	آتوار	پورشاد	۱	۰	ماوس	۳	۲۴	۷ بجے ۳۰ منٹ رات مکر چندرمہ۔ شوکلم۔	″	″	۲۹	۳۱

یاترا مہورت۔ ۳۰ دسمبر دوی پورب بنا یاترا۔ ۳۱ دسمبر تری پورب دکھن یاترا۔ ۲ جنوری پنچم ۱ بجے ۵۴ منٹ دن سے پورب پچھم یاترا۔ ۳ جنوری شیشم پچھم بنا یاترا۔ ۴ جنوری ستم پورب بنا یاترا۔ ۵ جنوری اشٹم پورب اتر یاترا۔ ۸ جنوری کاہ اتر بنا یاترا ۸ بجے ۱۷م صبح سے۔ ۹ جنوری باہ پورب پچھم یاترا۔ ۱۰ جنوری ترداہ پچھم بنا یاترا۔ ۱۱ جنوری چوداہ پورب بنا یاترا۔

بیست رشی سمت ۵۰۵ پوہ شکلہ پچھ۔ دھن میں سُریہ۔ ورچک میں بوم، راہ۔ کنبھ میں برہسپتی۔ مکر میں بُدھ، شکر۔ میتھن میں شنیچر۔ وریش میں کیت

(۱۴ر جنوری منگلوار کو سنکراتی ورت)

سنکھا	اردو	ہجری	پروہ	جنوری	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل		[illegible]	[illegible]		
۲۳	کت ۳۱	۲۹ محرم	۲۹ ماگھ	۱۳	سوموار	اترشاد	۳	۱۴	اکدو د	۵ شُ	۱۱	سوامی اشوکانند جی جینتی (ناگ ڈنڈی) ۵-۱۱م شام چندرمہ اودے، ۱ ساعت مرتیو۔	پہلے دن	اپنے دن	۵ بجے ۲۹	۷ بجے ۳۱م
۲۴ ۱	۳۰			۱۴	منگلوار	شرون	۵	۴۲	دوی	۷	۱۴	۴-۸ ۴م دِن مکر میں سُریہ مہورت ۳۰ کناری رشتشر سنکراتی۔ ۹-۱۱م دن دھن بوم م	اپنے دن	"	۳۰	۳۰
۲۵	۳۰	۲	۲	۱۵	بدھ وار	دنشٹھ	۸	۱۶	تری	۹	۲۳	۷ بجے صبح کنبھ چندرمہ اور پنچک آرمبھ میترم۔ ۳۱۹۵ شکلہ الاپکا ۴	"	"	۳۰	۳۰
۲۶	۲۹	۳	۳	۱۶	گوروار	شتبشک	۱۰	۴۸	چورم	۱۱	۲۸	وزرم۔	"	"	۳۱	۲۹
۲۷	۲۸	۴	۴	۱۷	شکروار	پورباء	۱	۸	پنچم	۱	۱۸	۲ بجے ۱۳م رات مین چندرمہ۔ دو انکھیا۔	"	"	۳۱	۲۹
۲۸	۲۷	۵	۵	۱۸	شنیچروار	اترباء	۳	۵	شیم	۲	۴۸	کمارشیم۔ دومیا۔	"	"	۳۱	۲۹
۲۹	۲۶	۶	۶	۱۹	آتوار	ریوت	۴	۳۷	ستم	۳	۵۰	۱۰-۱۶م رات تے گنڈانت۔ ۴، ۳۴م رات میش چندرمہ اور پنچک سماپت	"	"	۳۱	۲۹
۳۰	۲۴	۷	۷	۲۰	سوموار	اشن	۵	۴۰	اشٹم	۴	۲۲	کھیا۔	"	"	۳۲	۲۷
ماگھ	۲۲	۸	۸	۲۱	منگلوار	برن	۶	۱۴	نوم	۵	۴	گرُوا۔	"	"	۳۳	۲۸
۲	۲۰	۹	۹	۲۲	بدھ وار	کرتج	۶	۱۹	دہم	۴	۵۳	۱۲ بجے ۱۶ منٹ دن وریش چندرمہ۔ سِدا۔	"	"	۳۴	۲۶
۳	۱۷	۱۰	۱۰	۲۳	گوروار	روہن	۵	۵۵	کاہ	۲	۵۶	پترداکاہ۔ انمولم۔	"	"	۳۵	۲۵
۴	۱۵	۱۱	۱۱	۲۴	شکروار	مرگیشور	۴	۹	باہ	۱	۳۶	۵ بجے ۳۳ منٹ دِن میتھن چندرمہ۔ ۱۰ بجے ۱۴م رات کنبھ میں شکر۔ مانستم۔	"	"	۳۶	۲۴
۵	۱۳	۱۲	۱۲	۲۵	شنیچروار	آدر	۴	۲	ترداہ	۱۱	۵۰	کامیا۔	"	"	۳۶	۲۴
۶	۱۱	۱۳	۱۳	۲۶	آتوار	پنردس	۲	۴۴	چوداہ	۹	۵۱	۹ بجے ۴ منٹ رات کرکٹ چندرمہ۔ شری وویکانند جینتی۔ دوزا۔	"	"	۳۷	۲۳
۷	۸	۱۴	۱۴	۲۷	سوموار	پتش	۱	۱۲	پونم	۷	۴۲	پرنا پتیا۔	"	"	۳۸	۲۲

یاترا مہورت۔ ۱۵ر جنوری تری پورب پچھم یاترا۔ ۱۷ر جنوری پنچم پورب اتر یاترا۔ ۱۸ر جنوری شیم اتر پچھم یاترا۔ ۱۹ر جنوری ستم پورب اتر یاترا۔ ۲۰ر جنوری اشٹم پورب بنا یاترا۔ ۲۳ر جنوری کاہ پورب پچھم یاترا۔ ۲۴ر جنوری باہ پچھم [illegible]

سیت رشی سمت ۵۰۰۵ ماگھ کرشنہ پچھ مکر میں سورج بدھ۔ دھن میں بوم کنبھ میں برہسپتی شکر میتھن میں شنیچر ورچک میں راہ۔ ورش میں کیت

تتھ	لگن دم	بدی	ماگھ	جنوری	وار	نکھتر	گھڑی	پل	تیتھی	گھڑی	پل		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۸	گ ۱۲ ۹	۱۵	۱۵	۲۸	منگوار	اشلیش	۱۱	۳۲	اکرو	۵	۲۳	۵۔ ۵۰ منٹ شام سے گنڈانت ۱۱۔۳۲م رات سے سہم چندر۔ آنندا۔	پہلے دن	اپنے دن	۵ بجے ۳۹	۷ بجے ۲۱م
۹	۴	۱۶	۱۶	۲۹	بدھ وار	مگ	۹	۵۴	دوی	۳	۳	۵ بجے ۹ منٹ صبح تک گنڈانت۔ چرا۔	"	"	۴۰	۲۰
۱۰	۲	۱۷	۱۷	۳۰	گوروار	پوربھا	۸	۱۹	تری	۱۲	۴۵	۱ بجے ۵۰ منٹ رات کن چندر۔ سنکٹ چورم۔ شلم	"	"	۴۱	۱۹
۱۱	۱۶/۵۹	۱۸	۱۸	۳۱	شکروار	اتربھا	۶	۵۳	چورم	۱۰	۳۴	شونلم۔	"	پہلے دن	۴۲	۱۸
۱۲	۵۷	۱۹	۱۹	فروری	شنیچروار	ہست	۵	۴۱	پنچم	۸	۳۵	تراہ دشیم ۶ بجے ۵۳م امرتیو۔	"	"	۴۳	۱۷
۱۳	۵۵	۲۰	۲۰	۲	آتوار	چتر	۴	۴۶	شتم	۵	۴	صاحب ستم۔ ۵ بجے ۱۱م صبح طولچندر۔ کامیا۔	اپنے دن	اپنے دن	۴۴	۱۶
۱۴	۵۳	۲۱	۲۱	۳	سوموار	سوات	۴	۱۱	اشٹم	۴	۲۷	۱ بجے ۵۰ منٹ دِن بدھ است۔ چھترم	"	"	۴۵	۱۵
۱۵	۵۱	۲۲	۲۲	۴	منگوار	وشاکھ	۴	۲	نوم	۳	۵۸	۱۰ بجے ۴م دن ورچک چندر۔ شری دت۔	"	"	۴۶	۱۴
۱۶	۴۸	۲۳	۲۳	۵	بدھ وار	انراد	۴	۲۲	دہم	۳	۵۶	سونیا۔	"	"	۴۷	۱۳
۱۷	۴۶	۲۴	۲۴	۶	گوروار	زیشٹ	۵	۱۲	کاہ	۴	۲۷	۵۔۱۲م شام سے دھن چندر۔ اور مول آرنبھ۔ ۱۰۔۵۶م دن سے گنڈانت ۱۱۔۲۸م	"	"	۴۸	۱۲
۱۸	۴۴	۲۵	۲۵	۷	شکروار	مول	۶	۲۹	باہ	۵	۲۷	شکرماس ۶ بجے ۹۲م شام تک مول۔ سیھترا۔	"	"	۴۹	۱۱
۱۹	۴۲	۲۶	۲۶	۸	شنیچروار	پورشا	۸	۱۹	ترواہ	۶	۵۶	۲ بجے ۹۴ منٹ رات مکر چندر۔ یانسگا۔	"	"	۵۰	۱۰
۲۰	۳۹	۲۷	۲۷	۹	آتوار	اترشا	۱۰	۲۸	چوداہ	۷	۱۰	دِن زیادہ۔ شوچتردشی ایک۔ امرتم۔	"	"	۵۱	۹
۲۱	۳۷	۲۸	۲۸	۱۰	سوموار	شروَن	۱۲	۵۳	چوداہ	۴	۴۲	۸ بجے ۲۴ منٹ دِن چندر است۔ سدا	"	"	۵۱	۹
۲۲	۳۵	۲۹	۲۹	۱۱	منگوار	دنشٹا	۳	۲۸	اماوس	۱۰	۴۴	۲ بجے ۱۱ منٹ دِن کنبھ چندر اور پنچک آرمبھ۔ ودایر مگ جنم۔ انمولم۔	پہلے دن ہی	پہلے دن	۵۲	۸

[illegible]

[illegible]

شکرماس

شوچتردشی

یاترا مہورت:۔ ۳۰ جنوری تری پورب پچھم یاترا۔ ۱۲ جنوری چورم پچھم بنا یاترا۔ ۴ فروری نوم پچھم اتر یاترا ۴ بجے ۲ منٹ دن سے۔ ۵ فروری دہم اتر بنا یاترا۔ ۶ فروری، کاہ پورب پچھم یاترا۔ ۷ فروری پچھم بنا یاترا۔ ۸ فروری، ترواہ پورب بنا یاترا۔ ۱۰ فروری تی پورب بنا یاترا۔

سپت رشی سمت ۵۰۰۵ ماگھ شکلاپچھ مکر میں سُریہ بدھ۔ دھن میں بوم کنبھ میں برہسپت شکر۔ میتھن میں شنیچر، ورچک میں راہ۔ ورِیش میں کیت

	شاکا	[illegible]	ہجری	پھاگن	فروری	وار	نکھتر	بجے	منٹ	تیھتی	بجے	منٹ		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
سنکراتی	۲۳	گرگ ۱۶ ۲۳	۳۰	۱	۱۲	بدھ دار	شبتشک	۶	۳	اکدو د	۱۲	۵۲	۳ بجے ۴۰م رات کنبھ میں سُریہ مہورت ۱۵ اسمندری۔ ماسانت۔ مانستم۔	پہلے دن	پہلے دن	۵ بجے ۵۳	۷ بجے ۴م
	۲۴	۳۰		۲	۱۳	گوروار	پورباء	۷	۶	دوی د	۲	۵۵	سنکراتی ورت ۱-۱۵م رات مین میں چندرمہ۔ مدگرم۔	״	اپنے دن	۵۴	۶
	۲۵	۲۹	۲	۳	۱۴	شکردار	پورباد	۸	۲۳	تری د	۴	۴۱	گوری تری۔ سوامی نندلال جی بجیہ (ٹلکھ) دوانکھیا۔	״	״	۵۵	۵
مین برہسپت	۲۶	۲۶	۳	۴	۱۵	شنیچردار	اترباد	۱۰	۲۴	چورم ء	۵	۵۸	۹ بجے رات مین میں برہسپت۔ ترپوراچورم۔ دومیا۔	اپنے دن	״	۵۶	۴
	۲۷	۲۴	۴	۵	۱۶	آتوار	ریوت د	۱۲	۲	پنچم ء	۷	۸	۲-۱۲م دن برش چندرمہ اور پنچک سماپت۔ ۵-۲۴م صبح سے گنڈانت ۶-۵۳م	״	״	۵۷	۳
مین شکر	۲۸	۲۲	۵	۶	۱۷	سوموار	اشون د	۱	۱۴	ششیم ء	۷	۳۶	۱۱-۵۵ منٹ رات مین میں شکر۔ کمار ششیم۔ کھیا۔	״	״	۵۷	۳
	۲۹	۱۹	۶	۷	۱۸	منگوار	برن د	۱	۵۴	ستم ء	۷	۲۳	۸ بجے رات ورِیش چندرمہ۔ گڑا۔	״	״	۵۸	۲
	۳۰ پھاگن	۱۷	۷	۸	۱۹	بدھ دار	کرتج د	۲	۵	اشٹم ء	۷	٠	۴ بجے ۳م دن بدھ اودے۔ بھیشم اشٹمی۔ بدھ اشٹمی۔ سِدا۔	״	״	۵۹	۱
		۱۴	۸	۹	۲۰	گوروار	رودہن د	۱	۴۸	نوم د	۵	۵۹	۱ بجے ۲۳ منٹ رات میتھن چندرمہ۔ انموکلم۔	״	״	٠	٠
	۲	۱۱	۹	۱۰	۲۱	شکروار	مرگیشور د	۱	۶	دہم د	۴	۳۳	مانستم۔	پہلے دن	״	۶/۱	۶/۵۹
مکر بوم	۳	۸	۱۰	۱۱	۲۲	شنیچروار	آدر د	۱۲	۶	کاہ د	۲	۵۰	بھیم سین کاہ۔ ۲ بجے ۱۱ منٹ دن مکر بوم۔ مدگرم۔	״	״	۲	۵۸
	۴	۶	۱۱	۱۲	۲۳	آتوار	پنردس د	۱۰	۴۹	باہ د	۱۲	۴۹	۵-۹ منٹ صبح کرکٹ میں چندرمہ۔ دوزا۔	״	״	۲	۵۸
	۵	۳	۱۲	۱۳	۲۴	سوموار	پتیش د	۹	۳۷	ترداہ د	۱۰	۳۷	پھینی چوداہ۔ ۲ بجے ۸ منٹ رات سے گنڈانت۔ پرزاپتیا۔	״	پہلے دن	۴	۵۶
	۶	رجب ۱۷	۱۳	۱۴	۲۵	منگوار	اشلیش د	۷ ب	۴۴	چوداہ د	۸	۱۸	۷ بجے ۴۴ منٹ صبح سے سہم چندرمہ ۱ بجے ۱۹م دن تک گنڈانت۔ تراہ دمگٹ ۴م ۶ بجے ۵م) پونم ۵-۵۶م۔ کاد پونم دتاتریہ جینتی۔ آنندا)	٠	״	۵	۵۵

یاترا مہورت۔ ۱۴ فروری تری پورب اُتر یاترا۔ ۱۵ چورم اُتر پچھم یاترا۔ ۱۶ پنچم پورب اُتر یاترا۔ ۱۷ ششیم پورب بنا یاترا ۱ بجے ۴۴ منٹ دن تک ۱۹ فروری اشٹم ۲ بجے ۴م دن سے اُتر بنا یاترا۔ ۲۰ فروری نوم پورب پچھم یاترا۔ ۲۱ فروری دہم پچھم بنا یاترا [illegible] ۲۳ فروری باہ پورب اُتر یاترا۔ ۲۴ فروری ترداہ پورب بنا یاترا ۹ بجے ۳۴م دن تک۔

سپت رشی سمت ۵۰۰۵ پھاگن کرشن پکھ۔ مین میں برہسپتی شکر میتھن میں شنیچر۔ درچک میں راہ۔ ورِش میں کیت

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	دار	نکھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	(۱۲ مارچ بدھوار برہسپت است)				
۷	۱۵گ	۱۴	۱۵	۲۶	بدھوار	پوربھا	۴	۲۸	اکدو	۳	۳۸	ستھرا۔	اپنے دن	اپنے دن	۶ بجے ۶م	۶ بجے ۵۴م
۸	۵۵	۱۵	۱۶	۲۷	گوروار	اتربھا	۲	۵۹	دوی	۱	۲۴	۱۰ بجے ۵ منٹ دِن کن چندرما۔ ماتنگا۔	〃	〃	۷	۵۳
۹	۵۲	۱۶	۱۷	۲۸	شکروار	ریوت	۱	۴۱	تری	۱۱	۲۳	امرتم۔	〃	〃	۸	۵۲
۱۰	۵۰	۱۷	۱۸	مارچ	شنیچروار	اشونی	۱۲	۴۲	چورم	۹	۴۱	۱-۱۲م دِن طول چندرما۔ سنکٹ چورم۔ کانڈا۔	〃	〃	۹	۵۱
۱۱	۴۷	۱۸	۱۹	۲	آتوار	سوات	۱۲	۱	پنچم	۸	۱۷	الایکا۔	〃	〃	۱۰	۵۰
۱۲	۴۴	۱۹	۲۰	۳	سوموار	وشاکھ	۱۱	۴۵	شسٹم	۷	۱۹	۵ بجے ۱۵م شام درچک میں چندرما۔ بیترم۔	〃	〃	۱۱	۴۹
۱۳	۴۲	۲۰	۲۱	۴	منگلوار	انرادھ	۱۲	۰	ستم	۶	۴۹	وزرم۔	〃	〃	۱۳	۴۷
۱۴	۳۹	۲۱	۲۲	۵	بدھوار	زیشٹ	۱۲	۴۳	اشٹم	۶	۴۷	۶-۰۳م رات سے گنڈانت۔ ۱۲ بجے ۳۴م رات دھن چندرما اور مول آرمبھ	〃	〃	۱۳	۴۷
۱۵	۳۶	۲۲	۲۳	۶	گوروار	مول	۱	۵۶	نوم	۷	۱۸	۷ بجے ۲ منٹ دِن تک گنڈانت۔ دومیا۔ ۱ بجے ۵۶م رات تک مول۔	〃	〃	۱۴	۴۶
۱۶	۳۴	۲۳	۲۴	۷	شکروار	پورشاڑ	۳	۳۸	دہم	۸	۱۷	پردردا۔	〃	〃	۱۵	۴۵
۱۷	۳۱	۲۴	۲۵	۸	شنیچروار	اترشاڑ	۵	۴۲	کاہ	۹	۴۵	۱ بجے ۱۰م دِن سے مکر میں چندرما۔ وجیا کاہ۔ کھیا۔	〃	〃	۱۶	۴۴
۱۸	۲۸	۲۵	۲۶	۹	آتوار	شرون	۶	۳۹	باہ	۱۱	۳۱	شریہ پاس۔ مسلم۔	〃	〃	۱۷	۴۳
۱۹	۲۶	۲۶	۲۷	۱۰	سوموار	شردن	۸	۷	ترداہ	۱	۳۵	۹-۲۱م رات کنبھ چندرما اور پنچک آرمبھ۔ شوراتری دو-۱۲-۴۳م رات	〃	〃	۱۸	۴۲
۲۰	۲۳	۲۷	۲۸	۱۱	منگلوار	دنشٹ	۱۰	۴۱	چوداہ	۳	۳۹	شوچتردشی دو۔ ۳ بجے ۹ ۳م رات چندرما است۔ انمولم۔	〃	〃	۱۹	۴۱
۲۱	۲۰	۲۸	۲۹	۱۲	بدھوار	شتبشک	۱	۱۵	ماوس	۵	۳۹	برہسپت است ۵ بجے ۵۲ منٹ شام۔ مانستم۔	〃	〃	۲۰	۴۰

شبھ پاس
شوراتری
کنبھ میں
برہسپت است

یاترا مہورت — ۲۶ فروری اکدو اتر بنا یاترا۔ ۲۷ فروری دوی پورب پچھم یاترا۔ ۲۸ فروری، تری پچھم بنا یاترا۔ ۴ مارچ ستم پورب دکھن یاترا۔ ۵ مارچ اشٹم اتر بنا یاترا۔ ۶ مارچ نوم پورب پچھم یاترا۔ ۷ مارچ دہم پچھم بنا یاترا۔ ۸ مارچ کاہ پورب بنا یاترا۔ ۹ مارچ باہ پورب اتر یاترا۔ ۱۰ مارچ ترداہ پورب بنا یاترا۔ ۱۱ مارچ چوداہ پورب یاترا۔

سمبت رشی سمت ۵۰۰۵ پھاگن شکلا پچھ ۔ کنبھ میں سُریہ ۔ بدھ مکر میں ۔ بوم مین میں ۔ برہسپت ۔ شکر میتھن میں ۔ شنیچر برچک میں ۔ راہ و کیت برش میں

	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نکھتر	[illegible]	[illegible]	تیتھی	[illegible]	[illegible]	۱۱-۳۷ آکرتیہ کیرتی ۵-۱۰ الدے	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
بیش سنکر	۲۲	گ ۱۵ ۱۸	۲۹	۳۰	۱۳	گورودار	پورباد	۳	۳۹	اکدوء	۶	۳۷	دِن زیادہ ۔ ۹-۴م دِن مین میں چندرما ۔ بھال ہرن ۔ ماسانت ۔ مدگرم ۔	اپنے دن	اپنے دن	٤٦ ۲۲م	٤٦ ۳۸م
سنکراتی	۲۳	۱۵	۳۰	چیتر	۱۴	شکروار	اترباد	۵	۴۷	اکدو د	۷	۲۶	۱۰-۶ ۴م رات مین میں سُریہ مہورت ۔ ۳۰ بہاڑی ۔ سونت ۔ سونت گھوڑے پر سوار	پہلے دن	پہلے دن	۲۳	۳۷
تعطیل	۲۴	۱۲	شروع [illegible] الاول	۲	۱۵	شنیچروار	ریوت ء	۷	۳۰	دوی د	۸	۴۸	۱-۴۸م دن سے گنڈانت ۱-۵۵م رات تک ۔ ۲-۳۰م رات سے میش چندرما اور پنچک	"	"	۲۴	۳۶
	۲۵	۱۰	۲	۳	۱۶	آتوار	اشن ء	۸	۴۸	تری د	۹	۴۳	آنندا ۔ ۲ بارہ وفات ۔ سماپت ۔ پرزاپتیا ۔	"	"	۲۵	۳۵
	۲۶	۷	۳	۴	۱۷	سوموار	برن ء	۹	۵۴	چورم د	۱۰	۸	۳-۴۴م رات دریشس میں چندرما ۔ چرا ۔	"	"	۲۶	۳۴
	۲۷	۴	۴	۵	۱۸	منگلوار	کرتج ء	۹	۵۲	پنچم د	۱۰	۲	کمار شیشم ۔ مسلم ۔	"	"	۲۷	۳۳
	۲۸	۲	۵	۶	۱۹	بدھ وار	روہن ء	۹	۴۵	شیشم د	۹	۲۵	شتو ملم ۔	"	"	۲۹	۳۱
نوروز تعطیل	۲۹	گ ۱۵	۶	۷	۲۰	گوروار	مرگیشور ء	۹	۷	ستم د	۸	۲۲	۶-۴۴م دِن کو دن رات برابر ۔ نوروز ۔ تیلہ اشٹم ۔ ۹ بجے ۴۴م دن میتھن چندرما ۔ کلم تر	"	"	۳۰	۳۰
	۳۰	گ ۱ ۵۷	۷	۸	۲۱	شکروار	آدر ء	۸	۹	اشٹم د	۶	۵۴	ترادہ دنوم ۵-۹ منٹ) ہولا اشٹمی کا میا ۔	اپنے دن	اپنے دن	۳۱	۲۹
	چیتر	۵۴	۸	۹	۲۲	شنیچروار	پنروس ء	۶	۵۵	دہم ء	۳	۶	۱ بجے ۴۱ منٹ دن کرکٹ میں چندرما ۔ چھترم ۔	"	"	۳۲	۲۸
	۲	۵۲	۹	۱۰	۲۳	آتوار	تیش د	۵	۲۸	کاد ء	۱۲	۵۳	اطلاکاہ ۔ شری دت ۔	"	"	۳۳	۲۷
	۳	۴۹	۱۰	۱۱	۲۴	سوموار	اشلیش د	۳	۵۳	باہ ء	۱۰	۲۹	۳-۳۵م دن سہم چندرما ۔ ۱۰ بجے ۱۸م دِن سے گنڈانت ۹-۲۸م رات تک سوسیار	"	"	۳۴	۲۶
	۴	۴۷	۱۱	۱۲	۲۵	منگلوار	مگ د	۲	۱۴	ترداہ ء	۸	۶	۲ بجے ۴ منٹ دِن بدھ است ۔ کالہ نندا ۔	"	"	۳۵	۲۵
نعیں	۵	۴۴	۱۲	۱۳	۲۶	بدھ وار	پورپھاد	۱۲	۳۸	چوداہ د	۵	۴۶	۶ بجے ۴۱ منٹ شام کن چندرما ۔ سپتم ۔ عید میلاد ۔	"	"	۳۶	۲۴
	۶	۴۱	۱۳	۱۴	۲۷	گوروار	اترپھاد	۱۱	۷	پونم د	۳	۳۵	ماتنگا ۔	پہلے دن	"	۳۷	۲۳

یاترا مہورت ۔ ۱۵ مارچ دوی [illegible] یاترا ۔ ۲۳ مارچ کاہ پورب اتر یاترا
۵ بجے ۲۰ منٹ دن تک ۲۶ مارچ چوداہ اتر بنا یاترا ۔ ۲۷ مارچ پونم پورب پچھم یاترا ۔

بکرمی سمت ٢٠٠٥ جیتر کرشنہ پچھ۔ مین میں سوریہ۔ برہسپت مکر میں۔ بوم کنبھ میں۔ بدھ میش۔ شکر میتھن میں۔ شنیچر درچک میں۔ راہ درش میں کیت

شاکا	ازدہ	ہجری	جیتر	مارچ	وار	نکھتر	بز	لز	تتھی	بز	لز	(١٠ اپریل برہسپت اُدے)	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
٧	ک ١٣ ٣٩	١٤	١٥	٢٨	شکروار	ہست د	٩	٤٧	اکدو د	١	٣٤	٩ بجے ١١ منٹ رات طول میں چندرمہ۔ امرتم ؛	پہلے دن	اپنے دن	٤٦ بجے ٣٨	٢٢
٨	٣٦	١٥	١٦	٢٩	شنیچروار	جیتر د	٨	٤٣	دوی د	١١	٥٠	١١ بجے ٤٢م رات مین میں بدھ۔ کانڈا۔	״	״	٣٩	٢١
٩	٣٣	١٦	١٧	٣٠	آتوار	سوات د	٨	١	تری د	١٠	٢٧	١ بجے ٧٣ منٹ رات درچک میں چندرمہ۔ الاپکا	״	پہلے دن	٣٩	٢١
١٠	٣١	١٧	١٨	٣١	سوموار	وشاکھ د	٧	٣٩	چورم د	٩	٢٧	میلہ حضرت بل۔ میترم	״	״	٤٠	٢٠
١١	٢٨	١٨	١٩	اپریل	منگلوار	انراد د	٧	٤٥	پنچم د	٨	٥٥	٢ بجے ٥ منٹ رات سے گنڈانت۔ وزرم۔	״	״	٤١	١٩
١٢	٢٦	١٩	٢٠	٢	بدھوار	زلیشٹ د	٨	٢٢	شیم د	٨	٥٣	٢ بجے ٦٣ منٹ دن تک گنڈانت۔ شنیچر است ٨-٦م دن۔ دوانکھا۔	״	״	٤٢	١٨
١٣	٢٣	٢٠	٢١	٣	گوروار	مول د	٩	٢٩	ستم د	٩	٢٤	١ بجے ٧٣ منٹ دن کنبھ بوم۔ چرار شریف۔ دومیا۔ ٩-٩م دن مول ساپت	״	״	٤٣	١٧
١٤	٢٠	٢١	٢٢	٤	شکروار	پورشاد د	١١	٢	اشٹم د	١٠	٢٢	٥ بجے ٢٠م دن مکر چندرمہ۔ پروردا۔	״	״	٤٤	١٦
١٥	١٨	٢٢	٢٣	٥	شنیچروار	اترشاد د	١	٣	نوم د	١١	٤٨	کھیا۔	״	״	٤٥	١٥
١٦	١٥	٢٣	٢٤	٦	آتوار	شرون د	٣	٢١	دہم د	١	٢٣	٤ بجے ٢٣ منٹ دن کنبھ چندرمہ۔ ادرپنچک آرمبھ۔ مسلم۔	״	اپنے دن	٤٦	١٤
١٧	١٢	٢٤	٢٥	٧	سوموار	دنشٹ د	٥	٥٢	کاہ د	٣	٣١	پاپ موچنی کاہ۔ شولم۔	״	״	٤٨	١٢
١٨	١٠	٢٥	٢٦	٨	منگلوار	شتبشک	٨	٢٥	باہ د	٥	٣٤	٣٠-٧٥ منٹ دن ورکش شکر۔ بوم ماس۔ مرتیو۔	״	״	٤٩	١١
١٩	٧	٢٦	٢٧	٩	بدھوار	پوربا	١٠	٥٣	ترداہ	٧	٢٥	٤ بجے ١٩ منٹ دن مین چندرمہ۔ کاسیا۔	اپنے دن	״	٥٠	١٠
٢٠	٥	٢٧	٢٨	١٠	گوروار	اتربا	١	٢٧	چوداہ	٩	١٠	١٠ بجے ٣٥ منٹ رات برہسپت اودے۔ جیتر چوداہ ٩-١٠م رات چندرماست	״	״	٥١	٩
٢١	٢	٢٨	٢٩	١١	شکروار	ریوت	٢	٥٧	اماوس	١٠	٣٠	٨-٣٠م رات سے گنڈانت۔ ٢-٧٥م رات میش چندرما ادرپنچک سماپت۔ وچارناگم یاترا۔ شری دت ؛	״	״	٥٢	٨

یاترات: ٢٨ مارچ اکدو پچھم بنا یاترا ٩-٧٤م دن تک۔ ٣١ مارچ چورم پورب بنا یاترا ٧-٩٣م دن سے۔ ١ اپریل پنچم پورب دکھن یاترا۔ ٢ اپریل شیم اتر بنا یاترا۔ ٣ اپریل ستم پورب پچھم یاترا۔ ٤ اپریل یاترا دہور اشٹم پچھم بنا یاترا۔ ٥ اپریل نوم پورب بنا یاترا۔ ٦ اپریل دہم پورب اتر یاترا۔ ٧ اپریل کاہ اتر پچھم یاترا۔ ٩ اپریل ترداہ پورب پچھم یاترا۔ ١٠ اپریل چوداہ پورب پچھم یاترا ؛

مہورت پرکرن سمت ۲۰۳۱ بکرمی

یگنوپویت مہورت

چیتر شکلہ پکھ

تاریخ	تھتی	وار	
۲۵ مارچ	دوی	سوموار	۸-۱۲م صبح سے ۸-۴۲ منٹ صبح تک (میش لگن)

ویشاکھ کرشنہ پکھ

اپریل ۸	دوی	سوموار	۶ بجے ۴۰ منٹ صبح سے ۷-۵۰م صبح تک (میش لگن)

ویشاکھ شکلہ پکھ

مئی ۳	باہ	شکروار	۱۲ بجے ۴۶م دن سے ۳ بجے ۱۰م دن تک (سِمہ لگن)

جیٹھ کرشنہ پکھ

۸	دوی	بدھوار	۵ بجے ۳۵ منٹ صبح سے ۷ بجے ۴۶م صبح تک (ورش لگن)

جیٹھ شکلہ پکھ

۳۱	کاہ	شکروار	۱ بجے ۵۵ منٹ دن سے ۱ بجے ۴۸م دن تک (سِمہ لگن)
جون ۲	تروداہ	آتوار	۱ بجے ۴۶ دن سے ۱ بجے ۱۰ منٹ دن تک (سِمہ لگن)

آشاڑھ کرشنہ پکھ

۹	چورم	آتوار	۱ بجے ۱۶ منٹ دن سے ۱ بجے ۴۰م دن تک (سِمہ لگن)
۱۰	پنچم	سوموار	۱ بجے ۱۲م دن سے ۱ بجے ۳۵ منٹ دن تک (سِمہ لگن)

آشاڑھ شکلہ پکھ

۲۱	اکدہ	شکروار	۱ بجے ۹م دن سے ...

۲۱	اکدہ	شکروار	۱۱ بجے ۵۰ منٹ دن سے ۲ بجے ۰۴م دن تک (کنیا لگن)
جولائی ۱	باہ	سوموار	۹ بجے ۵۰م صبح سے ۱۱ بجے ۱۴ منٹ دن تک (سِمہ لگن)
۰	۰	۰	۱۱ بجے ۱۴ منٹ دن سے ۱ بجے ۲۶م دن تک (کنیا لگن)

شراون کرشنہ پکھ

۷	تری	آتوار	۹ بجے ۴۴ منٹ صبح سے ۱۱ بجے ۰۴م دن تک (سِمہ لگن)
۰	۰	۰	۱۱ بجے ۰۴م دن سے ۱ بجے ۱۱ دن تک (کنیا لگن)

بھانوماسیوں کا بھادر شکلہ پکھ

ستمبر ۱۸	تری	بدھوار	۹ بجے ۳۹ منٹ صبح سے ۱۱ بجے ۴م دن تک (تُلا لگن)
۲۶	دہم	گوروار	۱۰ بجے ۱۲م دن سے ۱۰ بجے ۳۵ منٹ دن تک (تُلا لگن)
۲۷	کاہ	شکروار	۹ بجے ۵ منٹ صبح سے ۱۰ بجے ۱۲م دن تک (تُلا لگن)
۲۹	تروداہ	آتوار	۷ بجے ۵۸م صبح سے ۱۰ بجے ۲۴م دن تک (تُلا لگن)

پوہ شکلہ پکھ

جنوری ۱۵	تری	بدھوار	۱۰ بجے ۳۴م دن سے ۱۱ بجے ۴۴م دن تک (مین لگن)
۲۴	باہ	شکروار	۹ بجے ۴۴م دن سے ۱۱ بجے ۵ منٹ دن تک (میش لگن)

ماگ شکلہ پکھ

فروری ۱۶	پنچم	آتوار	۹ بجے ۹م دن سے ۹ بجے ۵۹ منٹ دن تک (میش لگن)
۱۷	ششم	سوموار	۹ بجے ۶م صبح سے ۹ بجے ۲۵ منٹ دن تک (مین لگن)
۰	۰	۰	۹ بجے ۵۵ منٹ دن سے ۱۲ بجے ۴۸ منٹ دن تک (ورش لگن)
۲۳	باہ	آتوار	۷ بجے ۳۴م صبح سے ۹ بجے ۴ منٹ دن تک (مین لگن)
۲۴	تروداہ	سوموار	۷ بجے ۴م صبح سے ۹ بجے ۵۹ منٹ دن تک (مین لگن)

پھاگن کرشنہ پکھ

۲۸	تری	شکروار	۱ بجے ۴۴م دن سے ۱ بجے ۴م دن تک (ورش لگن)
مارچ ۲	پنچم	آتوار	۷ بجے ۱۸م صبح سے ۸ بجے ۳۷ منٹ صبح تک (مین لگن)

وِواہ مہورت

۱۹۷۴-۷۵ء

ویشاکھ کرشنہ پکھ

اپریل	تھتی	دار	
۱۹	باہ	شکروار	۱ بجے ۹م رات سے ۲ بجے ۵۰ منٹ رات تک (مکر لگن)
۰	۰	۰	۲ بجے ۵۰م رات سے ۴ بجے ۴۰ منٹ رات تک (کمبھ لگن)
۲۰	تروداہ	شنیچروار	۱ بجے ۱۳م دن سے ۱ بجے ۴۸م دن تک (کرکٹ لگن)
۰	۰	۰	۱ بجے ۱۵ منٹ رات سے ۲ بجے ۵۳م رات تک (مکر لگن)
۰	۰	۰	۲ بجے ۵۳ منٹ رات سے ۴ بجے ۱۶م رات تک (کمبھ لگن)
۲۱	چوداہ	آتوار	۱۱ بجے ۹م دن سے ۱ بجے ۴۴ منٹ دن تک (کرکٹ لگن)

ویشاکھ شکلہ پکھ

اپریل ۲۴ر	دوی	سوموار	۱ بجے ۴۴م رات سے ۴ بجے رات تک (کنبھ لگن) (دواہ مورت)
٠	٠	٠	۴ بجے رات سے ۵ بجے ۱۹م رات تک (مین لگن)
۲۵ر	تری	گوروار	۹ بجے ۵۳م دن سے ۱۱ بجے ۱۸م دن تک (کرکٹ لگن)
٠	٠	٠	۱۲ بجے ۲۴م دن سے ۲ بجے ۵ منٹ دن تک (کن لگن)
۱ مئی	دہم	بدھوار	۱۰ بجے ۲۹م دن سے ۱۲ بجے ۴۵م دن تک (کرکٹ لگن)
۲ر	کاہ	گوروار	۳ بجے ۲۸ منٹ رات سے ۴ بجے ۴۰م رات تک (مین لگن)
۳ر	باہ	شکروار	۱۰ بجے ۲۱م دن سے ۱۲ بجے ۴۶م دن تک (کرکٹ لگن)
٠	٠	٠	۱۲ بجے ۴۶ منٹ دن سے ۳ بجے ۱۰ منٹ دن تک (سمہ لگن)
٠	٠	٠	۱۲ بجے ۲۲م رات سے ۲ بجے ۱ منٹ رات تک (مکر لگن)
٠	٠	٠	۳ بجے ۴۴م رات سے ۴ بجے ۳۴م رات تک (مین لگن)
۵ر	چوداہ	آتوار	۱۰ بجے ۱۵م دن سے ۱۲ بجے ۳۸ منٹ دن تک (کرکٹ لگن)
٠	٠	٠	۱۲ بجے ۳۸ منٹ دن سے ۳ بجے ۲م دن تک (سمہ لگن)
٠	٠	٠	۱۲ بجے ۱۵م رات سے ۱ بجے ۵۳ منٹ رات تک (مکر لگن)
٠	٠	٠	۱ بجے ۵۳م رات سے ۳ بجے ۱۶م رات تک (کنبھ لگن)
٠	٠	٠	۳ بجے ۱۶ منٹ رات سے ۴ بجے ۲۵ منٹ رات تک (مین لگن)
۶ر	پونم	سوموار	۱۰ بجے ۹م دن سے ۱۲ بجے ۴۵م دن تک (کرکٹ لگن)
			جیٹھ کرشنہ پکھ
۸ر	دوی	بدھوار	۱۰ بجے ۱م دن سے ۱۲ بجے ۲۶م دن تک (کرکٹ لگن)
۹ر	تری	گوروار	۱۱ بجے ۵۹ منٹ رات سے [illegible] رات تک (کنبھ لگن)

۹ مئی	تری	گوروار	۱ بجے ۴۸م رات سے ۳ بجے رات تک (کنبھ لگن)
٠	٠	٠	۳ بجے رات سے ۴ بجے ۱۹م رات تک (مین لگن)
۱۰ر	چورم	شکروار	۹ بجے ۵۳ منٹ دن سے ۱۲ بجے ۱۸م دن تک (کرکٹ لگن)
٠	٠	٠	۱۲ بجے ۱۸م دن سے ۲ بجے ۴۲ منٹ دن تک (سمہ لگن)
۱۷ر	کاہ	شکروار	۹ بجے ۲۹ منٹ دن سے ۱۱ بجے ۵۴م دن تک (کرکٹ لگن)
٠	٠	٠	۱۱ بجے ۵۴م دن سے ۲ بجے ۱۸م دن تک (سمہ لگن)
٠	٠	٠	۱۱ بجے ۱م رات سے ۱ بجے ۱۰ منٹ رات تک (مکر لگن)
٠	٠	٠	۱ بجے ۱۰ منٹ رات سے ۲ بجے ۳۲م رات تک (کنبھ لگن)
۱۸ر	باہ	شنیچروار	۹ بجے ۲۵ منٹ دن سے ۱۱ بجے ۵۰ منٹ دن تک (کرکٹ لگن)
٠	٠	٠	۱۱ بجے ۵۰م دن سے ۲ بجے ۱۴م دن تک (سمہ لگن)
٠	٠	٠	۱۱ بجے ۲۷ منٹ رات سے ۱ بجے ۶م رات تک (مکر لگن)
٠	٠	٠	۱ بجے ۶م رات سے ۲ بجے ۲۸ منٹ رات تک (کنبھ لگن)
			جیٹھ شکل پکھ
۲۲ر	اکدو	بدھوار	۱۲ بجے ۴۹ منٹ رات سے ۲ بجے ۱۱م رات تک (کنبھ لگن)
٠	٠	٠	۲ بجے ۱۱م رات سے ۳ بجے ۳۰م رات تک (مین لگن)
٠	٠	٠	۳ بجے ۳۰ منٹ رات سے ۵ بجے ۱۴م رات تک (میش لگن)
۳۰ر	نوم	گوروار	۸ بجے ۲۵م دن سے ۱۰ بجے ۵۹ منٹ دن تک (کرکٹ لگن)
٠	٠	٠	۱۰ بجے ۵۹ منٹ دن سے ۱ بجے ۲۳م دن تک (سمہ لگن)
٠	٠	٠	۱ بجے ۴م رات سے ۲ بجے ۲۶ منٹ رات تک (مین لگن)

مئی ۳۱ر	کاہ	شکروار	۱۰ بجے ۵۵ منٹ دن سے ۱ بجے ۱۹م دن تک (سمہ لگن)
جون ۱ر	باہ	شنیچروار	۱۲ بجے ۴م رات سے ۱ بجے ۲۸م رات تک (کنبھ لگن)
٠	٠	٠	۱ بجے ۲۸م رات سے ۲ بجے ۴۰م رات تک (مین لگن)
٠	٠	٠	۲ بجے ۴۰م رات سے ۴ بجے ۲۱ منٹ رات تک (میش لگن)
۲ر	ترواہ	آتوار	۱۰ بجے ۴۰ منٹ دن سے ۱ بجے ۱۰ منٹ دن تک (سمہ لگن)
۳ر	چوداہ	سوموار	۱۱ بجے ۵۰ منٹ رات سے ۱ بجے ۱۹ منٹ رات تک (کنبھ لگن)
٠	٠	٠	۱ بجے ۱۹ منٹ رات سے ۲ بجے ۳۹م رات تک (مین لگن)
			آشاڑھ کرشنہ پکھ
۵ر	اکدو	بدھوار	۱۱ بجے ۴۹م رات سے ۱ بجے ۱۱ منٹ رات تک (کنبھ لگن)
٠	٠	٠	۱ بجے ۱۱ منٹ رات سے ۲ بجے ۳۰ منٹ رات تک (مین لگن)
٠	٠	٠	۲ بجے ۳۰ منٹ رات سے ۴ بجے رات تک (میش لگن)
۶ر	دوی	گوروار	۱۲ بجے ۲۹ منٹ دن سے ۲ بجے ۵۳م دن تک (سمہ لگن)
۱۳ر	اشٹم	گوروار	۱۱ بجے ۲۳م رات سے ۱۲ بجے ۴۵ منٹ رات تک (کنبھ لگن)
			شراون شکل پکھ
۲۴ر	شیشم	بدھوار	۱۲ بجے ۳م دن سے ۲ بجے ۲۸م دن تک (طول لگن)
٠	٠	٠	۹ بجے ۴۵م رات سے ۱۱ بجے ۱۲م رات تک (مین لگن)
۲۶ر	اشٹم	شکروار	۹ بجے ۳۲ منٹ دن سے ۱۱ بجے ۵۵ منٹ دن تک (کن لگن)
٠	٠	٠	۱۰ بجے ۵م رات سے ۱۲ بجے ۴۵م رات تک (میش لگن)
[illegible]	[illegible]	آتوار	۱۱ بجے ۲ منٹ دن سے ۱ بجے ۴۰م دن تک (کن لگن)

جون ۵م	دہم	آتوار	دواہ بصورت ۱۲ بجے ۴۴م دن سے ۲-۱۲م دن تک (طول لگن)
″	″	″	۵ بجے ۴۴م رات سے ۷ بجے ۵م رات تک (مین لگن)
۲۹	کاہ	سوموار	۹ بجے ۲۰ منٹ دن سے ۱۲ بجے ۴۸م دن تک (کن لگن)
۳۱	ترداہ	بدھوار	۹ بجے ۴۱م دن سے ۱۱ بجے ۵۴م دن تک (کن لگن)
″	″	″	۱۱ بجے ۵۳م دن سے ۲ بجے دن تک (طول لگن)

بھادر کرشنہ پکھ

اگست ۱۶	چورم	بدھوار	۶ بجے ۴۴م دن سے ۱۱ بجے ۴م دن تک (کن لگن)
″	″	″	۱ بجے ۷م رات سے ۱ بجے ۴۴م رات تک (میش لگن)
۱۸	پنچم	گوروار	۸ بجے ۴۴م دن سے ۱۱ بجے ۴۳ منٹ دن تک (کن لگن)
″	″	″	۱ بجے ۴۲م رات سے ۱ بجے ۳۴م رات تک (میش لگن)

بھانوماسیوں کا بھادر شکلہ پکھ

ستمبر ۱۸	تری	بدھوار	۱ بجے ۴۲م رات سے ۳ بجے ۵۲م رات تک (کرکٹ لگن)
″	″	″	۳ بجے ۵۲م رات سے ۶ بجے ۱۵م رات تک (سہم لگن)
۱۹	چورم	گوروار	۳ بجے ۲۵ منٹ دن سے ۵ بجے ۳ منٹ دن تک (مکر لگن)
″	″	″	۷ بجے ۵۴م رات سے ۹ بجے ۱۵م رات تک (میش لگن)
۲۰	پنچم	شکروار	۱ بجے ۸م رات سے ۳ بجے ۴۴م رات تک (کرکٹ لگن)
″	″	″	۳ بجے ۴۴م رات سے ۶ بجے ۸م رات تک (سہم لگن)
۲۱	شیم	شنچروار	۸ بجے ۴۸م دن سے ۱ بجے ۵۳م دن تک (طول لگن)
″	″	″	۲ بجے ۱۷م دن سے ۴ بجے ۵۶م دن تک (مکر لگن)

ستمبر ۱۴	شیم	شنچروار	۱ بجے ۶م رات سے ۳-۱۴م رات تک (کرکٹ لگن)
″	″	″	۳ بجے ۱۴م رات سے ۶ بجے ۴م رات تک (سہم لگن)
۲۵	دہم	بدھوار	۸-۳۱م دن سے ۱۰-۸م دن تک (حمل لگن)
″	″	″	۳-۴م دن سے ۴-۱۴م دن تک (مکر لگن)
″	″	″	۷-۲۳م شام سے ۸-۵۳م رات تک (میش لگن)
″	″	″	۱۲-۵۷م رات سے ۳-۲۲م رات تک (کرکٹ لگن)
″	″	″	۳-۲۲م رات سے ۵-۶۴م رات تک (سہم لگن)
۲۶	دہم	گوروار	۸-۹م دن سے ۱۰-۱۲م دن تک (طول لگن)

مارگ کرشنہ پکھ

دسمبر ۱۱	ترداہ	بدھوار	۱۲-۴۴م رات سے ۳-۷م رات تک (کن لگن)
″	″	″	۳-۷م رات سے ۵ بجے ۳۲م رات تک (طول لگن)
۱۲	چوداہ	گوروار	۹-۳۵م دن سے ۱۱-۱۳م دن تک (مکر لگن)
″	″	″	۱۱-۱۳م دن سے ۱۲-۴۵م دن تک (کنبھ لگن)

پوہ شکلہ پکھ

جنوری ۱۷	پنچم	شکروار	۱ بجے ۸م رات سے ۲ بجے ۹۴م رات تک (طول لگن)
۱۸	شیم	شنچروار	۸ بجے ۴۴م دن سے ۱۰ بجے ۱ منٹ دن تک (کنبھ لگن)
″	″	″	۱ بجے ۹م دن سے ۱۲-۵۹م دن تک (میش لگن)
″	″	″	۷ بجے ۲۴ منٹ رات سے ۹ بجے ۵۶ منٹ رات تک (سہم لگن)
″	″	″	[illegible] (کن لگن)

جنوری ۱۹	شیم	شنچروار	۱۲ بجے ۰م رات سے ۲-۵۴م رات تک (طول لگن)
۱۹	ستم	آتوار	۸-۳۴م دن سے ۱۰-۶م رات تک (کنبھ لگن)
″	″	″	۱۱ بجے ۵۴ منٹ دن سے ۱۲ بجے ۵۵م دن تک (میش لگن)
″	″	″	۹ بجے ۵۲م رات سے ۱۲ بجے ۱۵ منٹ رات تک (کن لگن)
″	″	″	۱۲ بجے ۱۵ منٹ رات سے ۲ بجے ۴۰ منٹ رات تک (طول لگن)
۲۴	باہ	شکروار	۸ بجے ۳۴م دن سے ۹ بجے ۶۴ منٹ دن تک (کنبھ لگن)
″	″	″	۹-۶۴م دن سے ۱۱-۵م دن تک (مین لگن)
″	″	″	۷ بجے ۸م رات سے ۹ بجے ۲۳ منٹ رات تک (سہم لگن)
″	″	″	۹ بجے ۲۴ منٹ رات سے ۱۱ بجے ۵۵م رات تک (کن لگن)
″	″	″	۱۱-۵۵م رات سے ۲-۲۰م رات تک (طول لگن)

ماگھ کرشنہ پکھ

جنوری ۳۰	تری	گوروار	۹ بجے ۸ منٹ رات سے ۱۱ بجے ۴۱ منٹ رات تک (کن لگن)
″	″	″	۱۱-۴۱م رات سے ۱-۵۶م رات تک (طول لگن)
۳۱	چورم	شکروار	۷-۵۵م صبح سے ۹-۱۸م دن تک (کنبھ لگن)
″	″	″	۹-۱۸م دن سے ۱۰-۴۳م دن تک (مین لگن)
″	″	″	۱۰-۴۳م دن سے ۱۲-۷م دن تک (میش لگن)
″	″	″	۶-۰۴م رات سے ۹-۴۴م رات تک (سہم لگن)
″	″	″	۱۱-۲م رات سے ۱-۵۲م رات تک (طول لگن)
فروری [illegible]	[illegible]	شنچروار	[illegible] م رات سے ۱۰-۵۵م رات تک (کن لگن)

فروری ۸	تردواہ	شنیچروار	۱۰-۵۵ م رات سے ۱-۲۰ م رات تک (طول لگن) دواہ مہورت

ماگھ شکلہ پچھ

فروری ۱۴	ترِی	شکروار	۹ بجے ۴ م دن سے ۱۱ بجے ۴ م دن تک (میش لگن)
۔	۔	۔	۳-۱۵ م دن سے ۵ بجے ۴۰ منٹ دن تک (کرکٹ لگن)
۔	۔	۔	۸-۴ م رات سے ۱۰-۴ م رات تک (کن لگن)
۔	۔	۔	۱۰-۴۷ م رات سے ۱۲-۵۳ م رات تک (طول لگن)
۔	۔	۔	۵-۴۷ م رات سے ۶-۵۶ م رات تک (مکر لگن)
۱۵	چورم	شنیچروار	۹-۴۴ م دن سے ۱۱-۳ م دن تک (میش لگن)
۔	۔	۔	۳-۱۱ م دن سے ۵-۳۶ م دن تک (کرکٹ لگن)
۔	۔	۔	۸ بجے رات سے ۱۰ بجے ۲۴ منٹ رات تک (کن لگن)
۔	۔	۔	۱۰-۲۳ م رات سے ۱۲-۴۹ م رات تک (طول لگن)
۔	۔	۔	۵-۱۳ م رات سے ۶-۵۲ م رات تک (مکر لگن)
۱۶	پنچم	آتوار	۹-۲۹ م دن سے ۱۰-۵۹ م دن تک (میش لگن)

پھاگن کرشنہ پچھ

فروری ۲۴	دوی	گروار	۷-۲۹ م صبح سے ۸-۴۹ م دن تک (مین لگن)
۔	۔	۔	۹ بجے ۴ م دن سے ۱۰ بجے ۱۸ منٹ دن تک (میش لگن)
۔	۔	۔	۹-۳۸ م رات سے ۱۲-۳ م رات تک (طول لگن)

شنکو پرتشٹھا (بنیاد مکان)

(پورب پچھم مُوکھ)

شراون شکلہ پچھ

جولائی ۲۴	ششم	بدھوار	۲ بجے ۴۵ منٹ دن سے ۴ بجے ۵۰ م شام تک (دھن لگن)
۲۵	سپتم	گروار	۴-۶۴ م دن سے ۶-۴۹ م شام تک (دھن لگن)

بھادر کرشنہ پچھ

اگست ۵	دوی	سوموار	۴-۲۰ م دن سے ۶-۵ م دن سے (دھن لگن)
۸	پنچم	گروار	۸-۳۰ م دن سے ۱۱-۳ م دن تک (کن لگن)

پوہ شکلہ پچھ

جنوری ۱۵	ترِی	بدھوار	۱ بجے ۲۳ منٹ دن سے ۲ بجے ۴۲ م دن تک (مین لگن)
۔	۔	۔	۱-۱۲ م دن سے ۳-۵۰ م دن تک (دریش لگن)
۱۸	ششم	شنیچروار	۱-۴ م دن سے ۲-۵۰ م دن تک (دریش لگن)

ماگھ کرشنہ پچھ

جنوری ۳۱	چورم	شکروار	۱۲-۷ م دن سے ۲ بجے دن تک (دریش لگن)

ماگھ شکلہ پچھ

فروری ۱۴	ترِی	شکروار	۱۱-۷ م دن سے ۱ بجے دن تک (دریش لگن)

پھاگن کرشنہ پچھ

۲۷	دوی	گروار	۱۰-۱۸ منٹ دن سے ۱۲-۱۳ م دن تک (دریش لگن)
فروری ۲۸	ترِی	شکروار	۱۰ بجے ۴۱ م دن سے ۱۲-۷ م دن تک (دریش لگن)

شنکو پرتشٹھا (بنیاد مکان)

(دکھن، اُتر مُوکھ)

ویشاکھ شکلہ پچھ

اپریل ۲۵	ترِی	گروار	۶-۵۴ م دن سے ۸-۳۸ م دن تک (دریش لگن)
۲۶	چورم	شکروار	۱ بجے ۱۴ منٹ دن سے ۳ بجے ۳۸ منٹ دن تک (سِمہ لگن)

جیٹھ کرشنہ پچھ

مئی ۸	دوی	بدھوار	۵ بجے ۵۲ م صبح سے ۷ بجے ۲۶ م صبح تک (دریش لگن)

جیٹھ شکلہ پچھ

۲۳	دوی	گروار	۱۱ بجے ۲۹ م دن سے ۱ بجے ۵۲ م دن تک (سِمہ لگن)

پرویش مہورت

(نئے مکان میں داخل ہونا)

ویشاکھ شکلہ پچھ

اپریل ۲۵	ترِی	گروار	۶-۹ م صبح سے ۸-۲۴ م دن تک (دریش لگن)
مئی ۳	باہ	شکروار	۶-۱۳ م صبح سے ۸-۶ م دن تک (دریش لگن)

جیٹھ کرشنہ پچھ

پرویش مہورت

اپریل ۸ر	دوی	بدھوار	۹بجے ۵۳ منٹ صبح سے ۶بجے ۴۴م صبح تک (ورش لگن)

جیٹھ شکلہ پچھ

۳۰ر	نوم	گوروار	۱۰-۵۹م دن سے ۱-۳۲م دن تک (سہم لگن)
۳۱ر	کاہ	شکروار	۱۰-۵۵م دن سے ۱-۱۸م دن تک (سہم لگن)
جون ۱ر	باہ	شینچروار	۱۰-۵۰م دن سے ۱-۱۴م دن تک (سہم لگن)

آشاڑھ شکلہ پچھ

جون ۲۹ر	دہم	شینچروار	۸-۵۸م دن سے ۱۱-۲۲م دن تک (سہم لگن)
〃	〃	〃	۱۱-۲۲م دن سے ۱-۵۴م دن تک (کن لگن)
جولائی ۱ر	باہ	سوموار	۸-۵۰م دن سے ۱۱-۱۴م دن تک (سہم لگن)
〃	〃	〃	۱۱-۱۴م دن سے ۱-۴۶م دن تک (کن لگن)

بھانوماسیوں کا بھادر شکلہ پچھ

ستمبر ۱۹ر	تری	بدھوار	۱-۲۵م دن سے ۳-۲۸م دن تک (دھن لگن)
۲۱ر	شیم	شینچروار	۱-۱۴م دن سے ۳-۱۷م دن تک (دھن لگن)
۲۵ر	دہم	بدھوار	۱۲-۵۹م دن سے ۳-۱۳م دن تک (دھن لگن)
۲۸ر	باہ	شینچروار	۱۲-۴۸م دن سے ۲-۵۱م دن تک (دھن لگن)

پوہ شکلہ پچھ

جنوری ۱۵ر	تری	بدھوار	۱-۱۲م دن سے ۳-۵م دن تک (ورش لگن)
۱۸ر	شیم	شینچروار	۱۲-۵۹م دن سے ۲-۵۲م دن تک (ورش لگن)
۲۴ر	باہ	شکروار	۱۲-۵۰م دن [illegible]

ماگھ کرشنہ پچھ

جنوری ۳۱ر	چورم	شکروار	۱۲-۷م دن سے ۲بجے دن تک (ورش لگن)

ماگھ شکلہ پچھ

فروری ۱۲ر	اکدو	بدھوار	۱۲-۵۲م دن سے ۱-۸م دن تک (ورش لگن)
۱۴ر	تری	شکروار	۱۱-۷م دن سے ۱بجے دن تک (ورش لگن)

پھاگن کرشنہ پچھ

فروری ۲۷ر	دوی	گوروار	۱۰-۸م دن سے ۱۲-۱۱م دن تک (ورش لگن)

ژوراکرن مہورت

(زرہ کا سینے)

جیٹھ شکلہ پچھ

مئی ۳۱ر	کاہ	شکروار	۱۲-۶م دن سے ۳-۱م دن تک (سہم لگن)
جون ۲ر	ترواہ	آتوار	۱۰-۴۷م دن سے ۱-۱۰م دن تک (سہم لگن)

آشاڑھ کرشنہ پچھ

۱۰ر	پنچم	سوموار	۱۰-۱۲م دن سے ۲-۵۳م دن تک (سہم لگن)

آشاڑھ شکلہ پچھ

۲۱ر	اکدو	شکروار	۱۱-۹م دن سے ۱۱-۵۰م دن تک (سہم لگن)

بھانوماسیوں کا بھادر شکلہ پچھ

ستمبر [illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible] دن تک (دھن لگن)
ستمبر ۲۴ر	دہم	گوروار	۱۲-۵۶م دن سے ۲-۵۹م دن تک (دھن لگن)
۲۷ر	کاہ	شکروار	۱۲-۵۲م دن سے ۲-۵۵م دن تک (دھن لگن)

پوہ شکلہ پچھ

جنوری ۱ر	تری	بدھوار	۷-۱۲م دن سے ۱۰-۳۲م دن تک (کنبھ لگن)
〃	〃	〃	۱۰-۳۲م دن سے ۱۱-۲۴م دن تک (مین لگن)

ماگھ شکلہ پچھ

فروری ۲۴ر	ترواد	سوموار	۷-۰۴م صبح سے ۸-۵۹م دن تک (مین لگن)

پھاگن کرشنہ پچھ

۲۸ر	تری	شکروار	۱۰-۴۴م دن سے ۱۲-۷م دن تک (ورش لگن)
مارچ ۲ر	پنچم	آتوار	۶بجے ۱۸ منٹ صبح سے ۸بجے ۳ منٹ صبح تک (مین لگن)

واکھدان (گنڈن) مہورت

چیتر شکلہ پچھ

مارچ	تیجی	دار
۲۸ر	پنچم	گوروار
۲۹ر	شیم	شکروار
اپریل ۳ر	کاہ	بدھوار
۴ر	باہ	گوروار

ویساکھ کرشنہ پچھ

اپریل [illegible]	[illegible]	[illegible]

ویساکھ شکلہ پچھ

اپریل ۲۴ر	دوی	بدھوار
۲۵ر	تری	گوروار ۱۱بجے ۱۶م دن تک
۲۶ر	چورم	شکروار ۹بجے ۱۲م دن سے
مئی ۱ر	دہم	بدھوار

مئی ۲ر	کاہ	واگھدان مہورت گوروار
۳ر	باہ	شکروار
۵ر	چوداہ	آتوار-۲ بجے ۸ منٹ دن سے۔
۶ر	پونم	سوموار

جیٹھ کرشنہ پکھ

مئی ۹ر	دوی	بدھ وار-ا بجے ۱۰م دن تک
۱۰ر	چورم	شکروار ۷ بجے ۳م شام سے

جیٹھ شکلہ پکھ

مئی ۲۳ر	دوی	گوروار
۲۹ر	اشٹم	بدھ وار
۳۰ر	نوم	گوروار
۳۱ر	کاہ	شکروار
جون ۲ر	تروداہ	آتوار

آشاڑھ کرشنہ پکھ

جون ۶ر	دوی	گوروار
۷ر	دوی	شکروار
جون ۹ر	چورم	آتوار-۱۰ بجے ۱۶م دن سے
۱۰ر	پنچم	سوموار-۸ بجے ۷م صبح سے

آشاڑھ شکلہ پکھ

جون ۲۴ر	پنچم	سوموار-۶ بجے ۱۶م صبح سے۔
۲۶ر	ستم	بدھ وار
۲۷ر	اشٹم	گوروار-۳ بجے ۱۹م دن تک۔
جولائی ۱ر	باہ	سوموار
۳ر	چوداہ	بدھ وار-۴ بجے ۱۱م دن سے۔
۴ر	پونم	گوروار

شراون کرشنہ پکھ

جولائی ۷ر	تری	آتوار-۳ بجے ۱۹م دن سے

شراون شکلہ پکھ

۲۱ر	دوی	آتوار
جولائی ۲۲ر	تری	سوموار-۹ بجے ۱۱ منٹ صبح سے۔
۲۴ر	شیم	بدھ وار
۲۵ر	ستم	گوروار
۲۶ر	اشٹم	شکروار-۹ بجے ۲۹م صبح سے۔
۲۸ر	دہم	آتوار-۱ بجے ۲۰م دن سے۔
۲۹ر	کاہ	سوموار-۱۱ بجے ۲۸ منٹ دن تک۔
۳۱ر	ترداہ	بدھ وار
اگست ۲ر	چوداہ	شکروار-۷ بجے صبح کر۔

بھادر کرشنہ پکھ

اگست ۴ر	اکدہ	آتوار-۱۱ بجے ۸ منٹ دن تک۔
۷ر	چورم	بدھ وار-۲ بجے ۵۹م دن سے۔
۸ر	پنچم	گوروار-۳ بجے ۲۹م دن تک۔

بھانو بھادر شکلہ پکھ

ستمبر ۲۳ر	اشٹم	سوموار
۲۵ر	دہم	بدھ وار
۲۷ر	کاہ	شکروار-۱۲ بجے ۵۶م دن سے۔
۳۰ر	چوداہ	سوموار-۲ بجے ۵۶ منٹ دن سے

مارگ شکلہ پکھ

دسمبر ۱۵ر	دوی	آتوار
۱۶ر	تری	سوموار
۱۸ر	پنچم	بدھ وار-۱۰ بجے ۳۰م دن سے۔
۲۲ر	اشٹم	آتوار-۱۱ بجے ۶م دن تک
۲۳ر	نوم	سوموار-۲ بجے ۱۱م دن سے
۲۶ر	باہ	گوروار
۲۷ر	ترداہ	شکروار

پوہ کرشنہ پکھ

جنوری ۲ر	پنچم	گوروار

پوہ شکلہ پکھ

۱۳ر	اکدہ	سوموار-۵ بجے ۱۱م شام سے۔
۱۶ر	پنچم	شکروار۔
۱۹ر	ستم	آتوار
۲۲ر	دہم	بدھوار
۲۳ر	کاہ	گوروار
۲۴ر	باہ	شکروار

ماگھ کرشنہ پکھ

۲۹ر	دوی	بدھ وار
۳۰ر	تری	گوروار-۲ بجے ۵۴م دن سے۔
۳۱ر	چورم	شکروار-۱ بجے ۴۴م دن سے۔

ماگھ شکلہ پکھ

فروری ۱۳ر	تری	شکروار
۱۶ر	پنچم	آتوار
۱۹ر	اشٹم	بدھ وار
فروری ۲۰ر	نوم	گوروار-۵ بجے ۵۹م شام سے۔
۲۱ر	دہم	شکروار

پھاگن کرشنہ پکھ

۲۶ر	اکدہ	بدھ وار
۲۷ر	دوی	گوروار
۲۸ر	تری	شکروار
مارچ ۲ر	پنچم	آتوار

زاتہ کرم مہورت

(کاہ بنھتر)

چیتر شکلہ پکھ

مارچ ۲۹ر	شیم	شکروار
اپریل ۱ر	نوم	سوموار-۱ بجے ۴ منٹ دن سے

ویشاکھ کرشنہ پکھ

اپریل ۸ر	دوی	سوموار

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۵ر	تری	گوروار-۱۱-۴۴م دن تک

زراعت کرم مہورت

اپریل ۲۹ر	چورم	شکروار ۹ بجے ۱۲ منٹ دن سے
۱ر	ستم	آتوار
مئی ۴ر	کاہ	گوروار ۱۱ بجے ۳۱م دن سے
۶ر	باہ	شکروار

جیٹھ کرشنہ پکھ

مئی ۸ر	دوی	بدھ وار ۱ بجے ۱۰م دن تک۔

جیٹھ شکلہ پکھ

مئی ۲۳ر	دوی	گوروار
۲۶ر	پنچم	آتوار
۳۰ر	نوم	گوروار ۵ بجے ۵۵م صبح سے
۳۱ر	کاہ	شکروار
جون ۲ر	ترواہ	آتوار

آشاڑھ کرشنہ پکھ

جون ۹ر	چورم	آتوار ۱۰ بجے ۱۶م دن سے۔
جون ۱۰ر	پنچم	سوموار ۱۲ بجے ۱۰م دن تک۔

آشاڑھ شکلہ پکھ

جون ۲۱ر	اکدو	شکروار ۱۱ بجے ۱۹م دن سے
۲۶ر	ستم	بدھ وار
جولائی ۱ر	باہ	سوموار

شراون کرشنہ پکھ

۷ر	تری	آتوار

شراون شکلہ پکھ

۲۴ر	شیم	بدھ وار
۲۵ر	ستم	گوروار
۲۸ر	دہم	آتوار ۱۰ بجے ۲۰م دن سے
۲۹ر	کاہ	سوموار ۱۱ بجے ۲۸ منٹ دن تک۔

بھادر کرشنہ پکھ

اگست ۴ر	اکدو	آتوار ۱۰ بجے ۵۵ منٹ دن سے
اگست ۵ر	دوی	سوموار
۸ر	پنچم	گوروار

بھانو بھادر شکلہ پکھ

ستمبر ۱۸ر	تری	بدھ وار
۲۵ر	دہم	بدھ وار ۶ بجے ۵۳م صبح سے۔
۲۶ر	دہم	گوروار
۲۷ر	کاہ	شکروار
۲۹ر	ترواہ	آتوار ۱۲ بجے ۱۶م دن تک۔

پوہ شکلہ پکھ

جنوری ۱۵ر	تری	بدھ وار
۱۹ر	ستم	آتوار
۲۳ر	کاہ	گوروار
۲۴ر	باہ	شکروار

ماگھ کرشنہ پکھ

جنوری ۳۱ر	چورم	شکروار ۱۰ بجے ۳۴ منٹ دن سے

ماگھ شکلہ پکھ

فروری ۱۴ر	تری	شکروار ۸ بجے ۴۳م دن سے
۱۶ر	پنچم	آتوار
۱۷ر	شیم	سوموار ۱ بجے ۱۴ منٹ دن تک
۲۱ر	دہم	شکروار
۲۳ر	باہ	آتوار
۲۴ر	ترواہ	سوموار ۱۰ بجے ۳۷ منٹ دن تک

پھاگن کرشنہ پکھ

۲۷ر	دوی	گوروار
۲۸ر	تری	شکروار
مارچ ۲ر	پنچم	آتوار

چولہا بنانے کے مہورت

(نئے مکان میں)

چیتر شکلہ پکھ

اپریل	باہ	گوروار

ویشاکھ کرشنہ پکھ

اپریل ۱۱ر	پنچم	گوروار
۱۲ر	شیم	شکروار ۷ بجے ۴۴م دن تک
۱۷ر	دہم	بدھ وار ۶ بجے ۵۰م صبح تک

ویشاکھ شکلہ پکھ

اپریل ۲۸ر	ستم	آتوار
مئی ۲ر	کاہ	گوروار
۳ر	باہ	شکروار ۱۰ بجے ۴۱م دن سے

جیٹھ کرشنہ پکھ

مئی ۸ر	دوی	بدھ وار
۹ر	تری	گوروار ۴ بجے ۵۵م دن تک

جیٹھ شکلہ پکھ

۳۰ر	نوم	گوروار ۶ بجے ۲۰م شام سے
۳۱ر	کاہ	شکروار ۶ بجے م شام تک

آشاڑھ کرشنہ پکھ

جون ۱۰ر	پنچم	سوموار ۱۰ بجے ۱۴م دن تک

آشاڑھ شکلہ پکھ

۲۱ر	اکدو	شکروار ۱۱ بجے ۹م دن سے

شراون شکلہ پکھ

جولائی ۲۴ر	شیم	بدھ وار ۱۰ بجے ۳۵م دن سے
۲۵ر	ستم	گوروار ۹ بجے ۵۲م دن تک

بھادر کرشنہ پکھ

اگست ۹ر	شیم	شکروار ۷ بجے ۱۲م صبح سے۔
۱۵ر	باہ	گوروار

بھانو بھادر شکلہ پکھ

ستمبر ۲۵ر	دہم	بدھ وار ۷ بجے ۵۳م صبح سے
۲۶ر	دہم	گوروار ۱۰ بجے ۱۲م دن تک

چولہا بنانے کے مہورت

ستمبر ۲۷ر	کاہ	شکروار

ماگھ کرشنہ پکھ

جنوری ۳۰ر	تری	گوروار - ۱۲ بجے ۵۴م دن تک
فروری ۵ر	دہم	بدھ وار
۶ر	کاہ	گوروار - ۵ بجے ۱۲م شام تک۔

پھاگن کرشنہ پکھ

۲۸ر	تری	شکروار۔

کلیک مہورت

(بیکل چڑھانا)

ویشاکھ کرشنہ پکھ

اپریل ۱۶ر	دہم	بدھ وار - ۶ بجے ۵۰م صبح تک۔

ویشاکھ شکلہ پکھ

مئی ۲ر	کاہ	گوروار - ۱۱-۱۳م دن تک۔
۳ر	باہ	شکروار - ۱۰-۱م منٹ دن تک

جیٹھ شکلہ پکھ

مئی ۲۴ر	تری	شکروار - ۷ بجے ۴۰م شام تک۔
۳۰ر	نوم	گوروار

آشاڑھ شکلہ پکھ

جون ۲۱ر	اکدو	شکروار - ۷-۱۰م صبح سے ۱۱-۹م دن تک۔

شراون شکلہ پکھ

جولائی ۲۴ر	اشٹم	بدھوار - ۱۰ بجے ۳۵ منٹ دن تک۔

بھادر کرشنہ پکھ

اگست ۱۴ر	کاہ	بدھ وار۔

بھانو بھادر شکلہ پکھ

ستمبر ۲۵ر	دہم	بدھوار - ۷-۵۳م صبح سے۔
۲۶ر	دہم	گوروار
۲۷ر	کاہ	شکروار - ۱۲ بجے ۵۶م دن تک

مارگ شکلہ پکھ

دسمبر ۱۸ر	پنچم	بدھ وار۔

ماگھ کرشنہ پکھ

جنوری ۳۱ر	چورم	شکروار - ۱۰ بجے ۴۳م دن سے۔

ماگھ شکلہ پکھ

فروری ۲۱ر	دہم	شکروار - ۱ بجے ۶م دن سے۔

پھاگن کرشنہ پکھ

۲۷ر	دوی	گوروار۔

ودیارمبھ مہورت (اہتوا)

(بچے کو سکول میں داخل کرنا)

چیتر شکلہ پکھ

مارچ ۲۹ر	اشٹم	شکروار

ویشاکھ شکلہ پکھ

اپریل ۲۵ر	تری	گوروار - ۱۱ بجے ۱۴ منٹ دن تک
۲۶ر	چورم	شکروار - ۹ بجے ۱۴م دن سے۔

مئی ۲ر	کاہ	گوروار
۳ر	باہ	شکروار

جیٹھ شکلہ پکھ

مئی ۲۳ر	دوی	گوروار
۲۴ر	تری	شکروار
۳۰ر	نوم	گوروار
۳۱ر	کاہ	شکروار

آشاڑھ کرشنہ پکھ

جون ۶ر	دوی	گوروار
۷ر	دوی	شکروار

آشاڑھ شکلہ پکھ

جولائی ۲۱ر	اکدو	شکروار - ۷ بجے ۱۰م صبح تک

شراون شکلہ پکھ

۲۵ر	ستم	گوروار - ۹ بجے ۵۲م دن تک

بھادر کرشنہ پکھ

اگست ۹ر	پنچم	گوروار - ۳ بجے ۴۹م دن تک

بھانو بھادر شکلہ پکھ

ستمبر ۲۶ر	دہم	گوروار
۲۷ر	کاہ	شکروار

پوہ شکلہ پکھ

جنوری ۱۷ر	پنچم	شکروار
۲۳ر	کاہ	گوروار
۲۴ر	باہ	شکروار

ماگھ کرشنہ پکھ

۳۰ر	تری	گوروار - ۱۲ بجے ۵۴م دن تک
جنوری ۳۱ر	چورم	شکروار - ۱ بجے ۴۳م دن سے

ماگھ شکلہ پکھ

فروری ۱۳ر	دوی	گوروار
۱۴ر	تری	شکروار - ۴ بجے ۴۱م دن تک
۲۱ر	دہم	شکروار

پھاگن کرشنہ پکھ

۲۷ر	دوی	گوروار
فروری ۲۸ر	تری	شکروار

دودھ دینے کے مہورت

چیتر شکلہ پکھ

اپریل ۲ر	دہم	بوموار - ۷ بجے ۲۶م صبح تک۔

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۸ر	ستم	اتوار

جیٹھ کرشنہ پکھ

مئی ۶ر	اکدو	بوموار - ۱۱ بجے ۴۴ منٹ دن سے
۹ر	تری	گوروار - ۳-۴۴م دن سے ۴-۵۵م تک

جیٹھ شکلہ پکھ

مئی ۲۳ر	دوی	گوروار - ۷ بجے ۵۲م صبح سے
۲۶ر	پنچم	آتوار - ۲ بجے ۳۰م دن تک
۳۰ر	نوم	گوروار - ۶-۴۳م شام سے

جون ۱۳ر | پونم | منگلوار
دُودھ دینے کے مہورت

آشاڑھ کرشنہ پکھ

جون ٦ر | دوی | گوُروار
۹ر | چورم | آتوار۔ ۱۰ بجے ۱٦م دِن سے

آشاڑھ شُکلہ پکھ

جولائی ۱۴ر | پونم | گوروار۔ ۷ بجے ۴۴م صُبح تک

شراون کرشنہ پکھ

۷ر | ترَی | آتوار۔ ۳ بجے ۱۹م دِن تک

شراون شُکلہ پکھ

۲۵ر | ستم | گوروار۔ ۹ بجے ۵۲م دِن تک
۲۸ر | دہم | آتوار۔ ۱۰ بجے ۳۰م دِن سے

بھالو بھادر شُکلہ پکھ

ستمبر ۲٦ر | دہم | گوروار۔ ۱۰ بجے ۱۲م دِن سے۔

ماگھ شُکلہ پکھ

فروری ۲۰ر | نوم | گوروار۔ ۵ بجے ۵۹م شام سے
۲۳ر | باہ | آتوار۔ ۱۲ بجے ۴۹ منٹ دِن سے

دیوچہ کھیر مہورت

چیتر شُکلہ پکھ

مارچ ۳۱ر | اشٹم | آتوار
اپریل ۱ر | نوم | سوموار

ویشاکھ شُکلہ پکھ

مئی ۳ر | باہ | شُکروار۔ ۱ بجے ۴۱م دِن سے۔

جیٹھ کرشنہ پکھ

مئی ۸ر | دوی | بُدھوار۔ ۱۰ منٹ دِن تک

جیٹھ شُکلہ پکھ

۲۹ر | اشٹم | بُدھ وار۔
۳۱ر | کاہ | شُکروار
جون ۲ر | ترواہ | آتوار

آشاڑھ شُکلہ پکھ

جون ۲۷ر | اشٹم | گوروار
۲۸ر | نوم | شُکروار
۳۰ر | کاہ | آتوار

شراون شُکلہ پکھ

جولائی ۲۴ر | شیم | بُدھ وار۔ ۱۰ بجے ۳۵م دِن سے
۲۵ر | ستم | گوروار
۲٦ر | اشٹم | شُکروار
۲۸ر | دہم | آتوار

ملہ اسوج شُکلہ پکھ

ستمبر ۱۸ر | ترَی | بُدھوار
۲۰ر | پنچم | شُکروار
۲۷ر | کاہ | شُکروار۔ ۱۲ بجے ۵٦م دِن سے۔

ماگھ شُکلہ پکھ

فروری ۱٦ر | پنچم | آتوار۔ ۱۲ بجے ۲ منٹ دِن سے

پھاگن کرشنہ پکھ

فروری ۲۸ر | ترَی | شُکروار
مارچ ۲ر | پنچم | آتوار

وستر دھارن مہورت

(استری پُرش دونوں کیلئے)

ویشاکھ کرشنہ پکھ

اپریل ۷ر | اکدو | آتوار۔ ٦ بجے ۵۰م صُبح تک۔

جیٹھ کرشنہ پکھ

مئی ۸ر | دوی | بدھ وار۔ ۱ بجے ۱۰م دِن تک
۱۹ر | ترواہ | آتوار

جیٹھ شُکلہ پکھ

مئی ۳۱ر | کاہ | شُکروار
جون ۲ر | ترواہ | آتوار

آشاڑھ کرشنہ پکھ

جون ۱۴ر | نوم | شُکروار۔ ۴ بجے ۱۳م دِن سے
۱٦ر | کاہ | آتوار۔ ۴ بجے ۴م [illegible]

آشاڑھ شُکلہ پکھ

جون ۲۷ر | اشٹم | گوروار
۲۸ر | نوم | شُکروار۔ ۲ بجے ۹۴م دِن سے

شراون کرشنہ پکھ

جولائی ۷ر | ترَی | آتوار۔ ۳ بجے ۱۹م دِن سے
۱۲ر | اشٹم | شُکروار

شراون شُکلہ پکھ

۲۴ر | شیم | بُدھوار۔ ۱۰ بجے ۳۵م دِن سے
۲۵ر | ستم | گوروار
۲٦ر | اشٹم | شُکروار
۲۸ر | دہم | آتوار

بھادر کرشنہ پکھ

اگست ۴ر | اکدو | آتوار۔ ۱۱ بجے ۴۸ منٹ دن تک
۸ر | پنچم | گوروار۔ ٦ بجے [illegible] منٹ

اگست ۹ر | شیم | شُکروار

ملہ بھادر شُکلہ پکھ

۲۱ر | چورم | بُدھ وار۔ ۲ بجے ۴۷م دِن سے
۲۲ر | پنچم | گوروار
۲۳ر | شیم | شُکروار
۲۵ر | اشٹم | آتوار۔ ٦ بجے ۵٦م دِن تک

ملہ اسوج کرشنہ پکھ

ستمبر ٦ر | پنچم | شُکروار۔ ۳ بجے ۱۹م دن تک

ملہ اسوج شُکلہ پکھ

ستمبر ۱۸ر | ترَی | بُدھ وار
۲۰ر | پنچم | شُکروار
۲۷ر | کاہ | شُکروار۔ ۱۲ بجے ۵٦م دِن سے

ملہ ادھک کارتک کرشنہ پکھ

اکتوبر ۲ر | اکدو | بُدھ وار
۳ر | دوی | گوروار

وستر دھارن

ملرادھک کارتک شُکلہ پکھ

اکتوبر ۱۶ر | اکدو | بُدھوار
۱۷ر | دوی | گوروار
۱۸ر | تری | شُکروار
۲۵ر | دہم | شُکروار-۹ بجے ۲۶م دِن تک
۳۰ر | پونم | بدھ وار

کارتک شُکلہ پکھ

نومبر ۱۵ر | دوی | شُکروار-۵ بجے ۳۲م شام تک
۲۱ر | ستم | گوروار-۴ بجے ۲۵م دِن تک

مارگ کرشنہ پکھ

دسمبر ۸ر | دہم | آتوار
۱۱ر | ترواہ | بدھ وار

مارگ شُکلہ پکھ

دسمبر ۱۸ر | پنچم | بدھ وار-۱۰ بجے ۴۰منٹ دن سے
۲۳ر | اشٹم | آتوار-۷-۰۰ ۴۴م رات سے

پوہ کرشنہ پکھ

جنوری ۵ر | اشٹم | آتوار
۸ر | کاہ | بُدھوار
۹ر | باہ | گوروار-۸-۴۴م صُبح تک

پوہ شُکلہ پکھ

۱۹ر | ستم | آتوار

ماگھ کرشنہ پکھ

فروری ۲ر | ستم | آتوار
۵ر | دہم | بُدھوار-۴ بجے ۲۲منٹ دن تک

ماگھ شُکلہ پکھ

فروری ۱۶ر | پنچم | آتوار-۱۲ بجے ۴منٹ دِن سے

پھاگن کرشنہ پکھ

۲۸ر | تری | شُکروار
مارچ ۲ر | پنچم | آتوار

پھاگن شُکلہ پکھ

۱۶ر | تری | آتوار-۹-۳۰م دن منٹ تک

مارچ ۲۴ر | پونم | گوروار-۱۱ بجے ۴منٹ دِن سے

صرف پُرشوں کے لئے مزید

وستر دھارن مہورت

چیتر شُکلہ پکھ

مارچ ۲۸ر | پنچم | گوروار-۲ بجے ۲۵م دِن سے
۲۹ر | شیم | شُکروار-۱-۴۲منٹ دِن تک
۳۱ر | اشٹم | آتوار-۱۰ بجے ۲۸م دِن سے

ویشاکھ کرشنہ پکھ

اپریل ۱۴ر | ستم | آتوار-۱۲ بجے ۲۷م دِن سے

ویشاکھ شُکلہ پکھ

اپریل ۲۵ر | تری | گوروار-۱۱ بجے ۱۶م دِن تک
۲۸ر | ستم | آتوار

مئی ۲ر | کاہ | گوروار-۱۱ بجے ۳۱م دِن سے
۳ر | باہ | شُکروار-۱۰ بجے ۴۱م دِن تک

جیٹھ کرشنہ پکھ

مئی ۱۲ر | شیم | آتوار
۱۷ر | کاہ | شُکروار-۶ بجے ۳۶م صُبح سے

جیٹھ شُکلہ پکھ

مئی ۲۶ر | پنچم | آتوار
۳۰ر | نوم | گوروار

آشاڑھ کرشنہ پکھ

جون ۱۴ر | نوم | شُکروار-۳-۰ بجے ۱۳م دن تک

آشاڑھ شُکلہ پکھ

جون ۲۱ر | اکدو | شُکروار ۱ بجے
۲۶ر | ستم | بُدھ وار

شراون شُکلہ پکھ

اگست ۲ر | ترواہ | شُکروار ۶ بجے صُبح سے

ملہ بھادر شُکلہ پکھ

اگست ۲۹ر | باہ | گوروار

ملہ اسوج کرشنہ پکھ

ستمبر ۶ر | تری | بُدھوار-۱ بجے ۵۰م دِن تک
۱۲ر | کاہ | گوروار
۱۳ر | باہ | شُکروار-۸ بجے ۲۲م دِن تک

بھانو بھادر شُکلہ پکھ

ستمبر ۲۵ر | دہم | بُدھوار-۷ بجے ۵۳م صُبح سے
۲۶ر | دہم | گوروار-۱۰ بجے ۲۱م دِن تک

ملرادھک کارتک کرشنہ پکھ

اکتوبر ۹ر | اشٹم | بُدھوار
۱۰ر | دہم | گوروار-۴ بجے ۴۲م دِن تک

کارتک کرشنہ پکھ

نومبر ۶ر | ستم | بُدھ وار

کارتک شُکلہ پکھ

نومبر ۲۴ر | دہم | آتوار-۱۰ بجے ۲۷م دِن سے

مارگ کرشنہ پکھ

دسمبر ۴ر | پنچم | بدھ وار-۸ بجے ۵۲م دِن تک

مارگ شُکلہ پکھ

دسمبر ۲۴ر | اشٹم | آتوار-۱۱ بجے ۴م دِن تک
۲۷ر | ترواہ | شُکروار-۱ بجے ۴۸م دِن تک

پوہ کرشنہ پکھ

جنوری ۳ر | شیم | شُکروار-۱۲ بجے ۱۳م دِن سے

پوہ شُکلہ پکھ

۲۳ر | کاہ | گوروار

ماگھ کرشنہ پکھ

جنوری ۳۱ر | چورم | شُکروار-۱ بجے ۳۴م دِن سے

ماگھ شکلہ پکھ

فروری ۱۴ر	تری	شکروار ۸-۳۴م دن سے
۲۳ر	باہ	آتوار

پھاگن کرشنہ پکھ

۲۷ر	دوی	گوروار

پھاگن شکلہ پکھ

مارچ ۲۳ر	کاہ	آتوار

ششر لاگون مہورت

مارگ کرشنہ پکھ

دسمبر ۱۱ر	ترداہ	بُدھ وار

مارگ شکلہ پکھ

۱۸ر	پنچم	بُدھ وار - ۱۰ بجے ۴۰م دن سے۔

پوہ کرشنہ پکھ

جنوری ۵ر	اشٹم	آتوار - ۳ بجے ۲۲م دن تک۔
۸ر	کاہ	بُدھ وار

جنوری ۹ر	باہ	گوروار - ۸ بجے ۴۴ منٹ صبح تک

پوہ شکلہ پکھ

۱۴ر	دوی	سوموار، ششر سنکراتی

یِن دیون مہورت

(ملہ ماسیوں کیلئے)

ملہ بھادر شکلہ پکھ

اگست ۲۱ر	چورم	بدھوار
۲۲ر	پنچم	گوروار
۲۳ر	شیم	شکروار
۲۵ر	اشٹم	آتوار
۳۱	چوداہ	شنیچروار

بھانوماسیوں کے لئے

بھانو بھادر شکلہ پکھ

ستمبر ۱۸ر	تری	بدھوار
۱۹ر	چورم	گوروار
۲۰ر	پنچم	شکروار
۲۷	کاہ	شکروار - ۱۲-۶م دن سے
۳۰ر	چوداہ	سوموار

کھنڈ گراس چندرمہ گرہن سمت ۲۰۳۱ بکرمی

سماپت
پچھم
دکھن
پورب
آرمبھ

یہ گرہن جیٹھ شکلہ پکھ پونم ۲۲ر جیٹھ منگلوار رات کے ۲ بجے ۳ منٹ سے آرمبھ ہوکر ۵ بجے ۱۹ منٹ رات کو سماپت ہوگا۔ اِس گرہن کا پربھاو میش، ورِش، کرکٹ، سِمہم، طول، ورِچک، دھن، مین راشی پر ہانی کارک ہے۔

الواس: چندرمہ گرہن کے دِن الواس رکھنا ادشیک ہے۔ اگر شریر میں الواس رکھنے کی شکتی نہ ہو تو بھی ۵ بجے دِن تک ہی بھوجن کریں۔ کیونکہ اس گرہن کا سُوتک ۵ بجے دِن سے ہی آرمبھ ہوگا۔ چونکہ یہ گرہن ورِچک راشی پر ہی ہوگا۔ اِس لئے ورِچک راشی والے یہ گرہن نہ دیکھیں اور گرہن جتنے سمے تک رہے "اوم جم ساہ۔ ہم ساہ۔ مام۔ پالیہ۔ اوم ہم ساہ۔ جُوم۔ اوم" کا جاپ کریں اور انت میں یتھا شکتی دان کریں۔ (اِس گرہن کے پربھاو کرانہ، تیل، دالیں وغیرہ میں حد سے زیادہ اتار چڑھاو ہوگا)۔

پورب
پچھم
آرمبھ
سماپت

کھ گراس چندرمہ گرہن بکرمی سمت ۲۰۳۱

یہ گرہن کارتک شکلہ پکھ پونم ۱۴ر منگھر مطابق ۲۹ر نومبر شکروار کو ۶ بجے، ۵ منٹ شام سے آرمبھ ہوکر ۱۰ بجے ۴۲ منٹ رات کو سماپت ہوگا۔ اُپواس نہ رکھنے والوں کو بھی چاہیئے کہ ۲ بجے دن سے پہلے ہی بھوجن کریں کیونکہ اِس گرہن کا سُوتک ۲ بجے دِن سے ہی آرمبھ ہوگا۔ یہ گرہن میش، ورِش، میتھن، کنیا، طول، ورِچک، مکر، کُنبھ راشی والوں کیلئے ہانی کارک ہے ورِش راشی پر ہی یہ گرہن ہونے سے ورِش راشی والوں کیلئے وشیش ہانی کارک ہوگا۔ ان کے لئے ادشیک ہے کہ وہ گرہن کا درشن نہ کریں اور جتنی دیر تک گرہن رہیگا "اوم ترمبھ کم، یجامہیئے، شو گندھم، پُشٹی، وردھنم، اُوروا، رُوکم، یہ وہ بندھنا مرتیو رشو کھیہ یہ، مامرتات، اوم"۔ اِس منتر کا جاپ کریں۔ اِس گرہن کے پربھاو سے کھادیہ پدارتھوں میں مہنگائی تتھا سنسار میں راج نیتک اُتھل پتھل دیکھنے میں آئینگے۔

کھنڈ گراس سُوریہ گرہن، ۲۰ر جون تتھا ۱۳ر دسمبر کو ہوگا، پرنتو بھارت میں کہیں بھی دکھائی نہیں دے گا۔

مول کے پاد دیکھنے کا نقشہ

ماس	تھتی	آرنبھ ہونے کا وقت	تھتی	پتا کیلئے ہانی کارک (پہلا پاد)	تھتی	ماتا کیلئے ہانی کارک (دوسرا پاد)	تھتی	دھن کیلئے ہانی کارک (تیسرا پاد)	تھتی	کتنی کار ہانی کارک نہیں (چوتھا پاد)
دیشاکھ کرشنہ پکھ	شیم	۷ بجے ۴۷ منٹ صبح سے	شیم	۲ بجے ۲۲ منٹ دن تک	شیم	۸ بجے ۵۷م شام تک	شیم	۳ بجے ۳۲م رات تک	ستم	۱۰ بجے ۶م دن تک
جیٹھ کرشنہ پکھ	تری	۳ بجے ۴ منٹ دن سے	تری	۹ بجے ۵۳م رات تک	تری	۴ بجے ۶م رات تک	چورم	۱۰ بجے ۲۷م دن تک	چورم	۵ بجے ۸م شام تک
آشاڑھ کرشنہ پکھ	اکدو	۱۰ بجے ۲۲ منٹ رات سے	اکدو	۴ بجے ۴۵ منٹ رات تک	ددی	۱۱ بجے ۲۶م دن تک	ددی	۵ بجے ۴۵م شام تک	ددی	۱۲ بجے ۳۲م رات تک
آشاڑھ شکلا پکھ	چوداہ	۵ بجے ۲۴ منٹ صبح سے	چوداہ	۱۲ بجے ۱۳ منٹ دن تک	چوداہ	۶ بجے ۴۳ منٹ شام تک	چوداہ	۱ بجے ۱۵ منٹ رات تک	پونم	۷ بجے ۴۷م صبح تک
شراون شکلا پکھ	باہ	۱ بجے ۴ منٹ دن سے	باہ	۷ بجے ۴۳ منٹ شام تک	باہ	۲ بجے ۴ منٹ رات تک	ترداہ	۸ بجے ۴۳ منٹ صبح تک	ترداہ	۳ بجے ۵ منٹ شام تک
بھاڈ دھاک بھادر شکلا پکھ	نوم	۸ بجے ۲۵ منٹ شام سے	نوم	۲ بجے ۴۵ منٹ رات تک	دہم	۹ بجے ۲۳ منٹ دن تک	دہم	۳ بجے ۲۵ منٹ دن تک	دہم	۱۰ بجے ۱۴ منٹ رات تک
بھادو بھادر شکلا پکھ	ستم	۳ بجے ۵۰ منٹ رات سے	اشٹم	۱۰ بجے ۱۸ منٹ دن تک	اشٹم	۴ بجے ۴۶م دن تک	اشٹم	۱۱ بجے ۱۳ منٹ رات تک	اشٹم	۵ بجے ۴۰ منٹ رات تک
بھادو اسوج شکلا پکھ	پنچم	۱۱ بجے ۱۷ منٹ دن سے	پنچم	۵ بجے ۳۴ منٹ شام تک	پنچم	۱۲ بجے ۹ منٹ رات تک	شیم	۶ بجے ۵۲م صبح تک	شیم	۱ بجے ۲ منٹ دن تک
کاتک شکلا پکھ	تری	۶ بجے ۴۲ منٹ شام سے	تری	۱ بجے ۱۴ منٹ رات تک	چورم	۷ بجے ۴۶ منٹ صبح تک	چورم	۲ بجے ۱۸ منٹ دن تک	چورم	۸ بجے ۱۵ منٹ رات تک
مارگ کرشنہ پکھ	اماوس	۲ بجے ۹ منٹ رات سے	اکدو	۸ بجے ۳۲ منٹ صبح تک	اکدو	۲ بجے ۵۵ منٹ دن تک	اکدو	۹ بجے ۱۸ منٹ رات تک	اکدو	۳ بجے ۴۲ منٹ رات تک
پوہ کرشنہ پکھ	ترداہ	۹ بجے ۴۱ منٹ دن سے	ترداہ	۴ بجے ۲ منٹ دن تک	ترداہ	۱۰ بجے ۲۲م رات تک	ترداہ	۴ بجے ۴۴م رات تک	چوداہ	۱۱ بجے ۷ منٹ دن تک
ماگھ کرشنہ پکھ	کاہ	۵ بجے ۱۲ منٹ شام سے	کاہ	۱۱ بجے ۴۱ منٹ رات تک	باہ	۵ بجے ۵۰م صبح تک	باہ	۱۱ بجے ۹ منٹ دن تک	باہ	۶ بجے ۲۹ منٹ رات تک
پھاگن کرشنہ پکھ	اشٹم	۱۲ بجے ۴۳ منٹ رات سے	نوم	۷ بجے ۱ منٹ صبح تک	نوم	۱ بجے ۱۹ منٹ دن تک	نوم	۷ بجے ۴۷ منٹ شام تک	نوم	۱ بجے ۵۶ منٹ رات تک
چیتر کرشنہ پکھ	شیم	۸ بجے ۲۲ منٹ صبح سے	شیم	۲ بجے ۳۹ منٹ دن تک	شیم	۸ بجے ۵۶ منٹ رات تک	شیم	۳ بجے ۱۳ منٹ رات تک	ستم	۹ بجے ۲۹ منٹ دن تک

دیکھنے کا طریقہ:- دیشاکھ کرشنہ پکھ شیم کو ۷-۴۷م کو صبح سے مول آرنبھ۔ پہلا پاد ۲ بجے ۲۲م دن تک ہوگا۔ دوسرا پاد ۲-۲۲م دن سے ۸-۵۷م شام تک ہوگا۔ ایسے ہی اور پادوں کا وچار کیجئے۔

گنیش استوتی

پورب دشا کی طرف مُوکھ کر کے ، دُھوپ ، دیپ جلا کر شُدھ آسن پر بیٹھ کر پدم آسن سے آدِ دیو گنیش بھگوان کا دھیان کر کے پڑھیں :-

(۱) شُو کلام ، بھر دھرم ، وِشنو ششنہ ، وَرنم ، چترُ ، بھوجم ، پرسنہ ، ودنم ، دھیا ئے ، سرو ، وگھنو پہ ، شانتئے ۔

(۲) ابھ ، پریتیارتھ ، سدھیرتھم ، پوجہ تو یاد ، شُورائر ، اپی سرو دِگھنہ ، پِھدے ، تسمئے ، گنادِ پتئے نماہ ۔

(۳) ابہ بھرت ، دکھنہ ہستہ ، پدمہ ، مُنگلے ، دنتا کھیہ اشُوترے شُوبھے ، وامے ، مُودکہ ، پُورنہ ، پاتر ، پرشُو ، ناگو ، پہ ویتی تِردرک ، شِرمیان ، ہیمہ ، مُنگا ، سناہ ، منترتی ، یو گے ، ششھکو دہن ، مولیہ ، مان ، دِشبات ، الِیشور ، پتر ، پی شنہ بھگوان ، لمبھودرہ شرمہ ناہ ۔

(۴) اسِندُور ، گُونکمہ ، ہوتا شنہ ، وِدُرو مارکہ رکھتا بجہ داڈمہ ، رنہائی ، چترُ تو جھائے ، ہے رمبھہ ، بھیرد ، گنیشور نایہ کائے ۔ سرو ارتھ سِدھ پھلہ دائی ، نماہ ، شِنوائے

(۵) مُوکھیم ، دوادشہ ، نامانی ، گنے شہ سے ، مہاتمناہ ، یاہ پٹھِت ، یشو کھتانی ، سہ لبھیت ، اِسدھیم ، اُدتہ مام ۔

نیتیہ پرارتھنا ودھی

پرکھ مم ، دکرتنڈم ، تو اُ چیئے کر ذنتم ، دُوتی یکم ، ترتی یم کرشنہ ، پنگھم ، تو چتر تھم تو ، کپر دے نم ، لمبھودرم ، پنچم تو ، ششٹم ڈم ، وِکہ ٹم ، لیو وچہ پستم ، وگھنہ ، راجیندرم ، دُھومر ورنم ، تتھاشٹم ، نومم ، بھالچندرم تو ، دشم تو ، وِنیالے کم ۔ ایکادشم ، گنہ پتیم ، دوادشم منترنالے کم ، بھڈتے شرنو تیرِیس تو ، گنیش تو م ، اُدتہ مم ، بھاریارتھی ، لبھتے ، بھاریام ، دھنارتھی ولوپلم ، دھنم ، پترارتھی لبھتے ، پترم ، موکھیارتھی ، پرمم ، پدم ۔ یچھا کامم تو ، کامارتھی ، دھرمارتھی ، دھرمم ، اکھیے یم ۔

(۶) اشُو موکھش ، چیئے کر ، ذنتہ پنچہ ، کپلو گجہ ، کرنکاد ، لمبھودرشچہ ، وکوٹو ، وِگھنہ راجو ، گنادِ پاہ ۔ دُھم کیتو ، گنادھیکشو بھالچندر وگجانہ ناہ ۔ دوادشیتے ، تانی ، نامانی ، گنے شہ سے مہاتمناہ ، یاپھٹیت شرنو یات ، واپی سہ لبھیت ، سدھیم ، اُدتمام ، وِدیارمبھے ، وِواہے ، چہ ، پردیشے ، نرگھمے تتھا ، سنگرامے ، سنکٹے چیو ، دِگھنس تسے نہ جایہ تے

(۱) ہیم زا ، شُوتم ، بھجے ، گنیشم ، الشہ ، نندنیم ایکہ ، ذنتہ ، وکرہ ، تنڈہ ، ناگر ، یگیہ ، شُوترکم رکھتہ ، گاترہ ، دُودمرہ ، نیترہ ، شُوکلہ ، وسترہ ، منڈے تم کلپہ ، ورکھ ، بھتہ ، رکھیئے ، نمو سُتو تے ، گزاننہ نم

(۲) پاشہ ، پانے ، چکرپانے ، مُوشہ کادِی ، رُدھنیم اگنی کوُٹے ، شِریہ جُوتے ، وزرہ ، کوُٹے نِرملم چترالہ ، بھتی جالہ ، بھالچندرہ ، شُوبھتم کلپہ ، ورکھ ، بھکتہ رکھیئے ، نمو ستوتے گزاننہ نم

(۳) پُوتہ ، پوے ، ہوئے کوے بھرگو ، بھارگوار چیتم دلویہ ، وہنے ، کالہ ، جالہ ، لوکہ ، پالہ ، ونیدے تام پُورنہ ، برھمہ ، شُوریہ ، ورنہ ، پُورشم ، پُورانتکم کلپہ ورکھ ، بھکتہ ، رکھیئے ، نمو ستوتے ، گزاننہ نم

وِشوورِیہ ، وِشوشُوریہ ، وِشوکرمہ ، نِرملم وِشو ، ہرتا ، وشوکرتا ، یترِ ، تترہ ، پُوجیتم چتر مکھم ، چتر بھوجم ، سیوتم ، چتر یگم ، کلپہ درکھے ، بھکتہ رکھیئے ، نمو ستوتے گزاننہ نم

تانترک گنپتی منتر

ادم ، گُلوم ، گم ، گنہ ، پتیئے

نماہ

شری وشنو استوتی

وِشنو بھگوان کا دھیان کر کے سپت شلوکی گیتا کا پاٹھ کریں

(۱) ادم یتے کا کھیرم، برہمہ، ویاہرن، مام، انوسمرن، یاہ، پریاتی، تجن دہیئے ہم، سیاتی، پرمام گتم۔

(۲) ستھانے، ہرشی کیشہ تہ و، پرکرتیا، جگت پرہرشیتہ، نو رجہ تے چہ، رکھیانسی بھی تانی دِشو، دروَنتی، سَروے نمہ سنیتہ چہ ستِدھ. سنگاہ۔

(۳) سروتاہ، پانی یادم، تت، سروتو، کھیے، شِرو موکھم، سروتاہ مشترتی مت لوکے، سردم، آورتی، ترشٹھینے۔

(۴) کویم، پُورانم، انوشاسِتارم، انورنی یان، سم اُنو سمرت یاہ، سروسی، دھانارم، اچنتہ، رُدپم، آدتیہ ورنم، تمساہ، پرستات۔

(۵) آوردُو، مُولم، اوہ، شاکھم، اُشوتھم پراہُوراویم، چھندانسی یسی، پرنانی، یس تم، ویدسہ، ویدوِت۔

(٦) سروسی، چاہم، ہردی، سم نِہ وشٹو، متاہ، سمرتی، گیانم، اپوہنم چہ ویدیشچہ، سروئیشے، اہم، ایود، ویے دیو ویدانت، کرت، وید، وِت، ایوچاہم۔

(۷) من مناہ، بھومت بھکتہ مت، یاجی، مام نمس کورو مام، ایوشیہ سی، یوکیتویم، آتمانم، مت، پرایناہ

ایتی شری مت بھگوت گیتاشو، اُپنیشدسُو، برہمہ دید یایام، یوگ شاسترے، شری کرِشنارجن سمِوادے سپت شلوکی گیتا سماپتا۔

---

(۱) دھیئے یاہ، سدا، سوتری، منڈلہ، مدھیی، ورتی، نارائیناہ سرسی جاہ، سنہ سن نہ وِشٹھاہ کے یُور، وان، کنک، کنڈلہ وان، کہ ریٹی، ہاری، ہرن مَیہ، وپُو، دھرتہ، شنکھ چکراہ۔

(۲) ووامی، نارائنہ نامہ، نرلم، سُمرامی، نارائنہ، تتوم، ادیم۔

(۳) کرار، بندیے نہ، پدار، بندم، مُور کھار بندے دِینہ، دِیے شہ، ین تم، اشوتھ، پترسی، پوٹے، شہ یانم، بالم مُوکندم منہ سا، سمرامی۔

(۴) کاینہ، واچا، منہ سیندر، یَیروا، بدھیاتمنا، وا، پرکرتی سوبھاوات، کرومی، یت یت، سہ کلم پرسئیے، نارائنایے تی، سمر پیہ یامی۔

(۵) ہاکرشنہ، منہ سی، وارِن، کو اہی، یادو، نندنہ، یمام، ادستھام، سم پرایتم، اناتھم، کم نہ، رکھیسی۔

(٦) یا، تُورا، درَوپدی، ترانیے، یا، تُورا، گجہ، موکھنے، میتی، وکی۔۔۔ درنانند۔۔۔ ساتُورا، کو، گتا، ہرے۔

جے نارائنہ، جے، پرشوتمہ، جے وامنہ، کنسارے۔

اُودھر، مامہ، شورلیشہ، وِناشن، پتہ تو ہم، سنسارے

گھورم، ہرمہ، نرکہ، رِپو، کیشو، کلمشہ، بھارم

مام، انوکمپہ یہ، وینم، اناتھم، کورو، بھو، ساگر، پارم

جے، جے، دیو، جیا، شور، شودنہ، جے کیشو، جے وِشنو

جے لکھمشی، مُوکھ، کملا، مدھو، ورتہ، جے وشہ، کندھر، جشنو

گھورم، ہر، ممہ، نرکہ، رِپو. کیشو. کلمشہ، بھارم، مذکورہ

یدِپی، سکلم، اہم کلیانی، ہرے، نہیں اکم، اپی، سہ، بستوم تت، اپی نہ، موکھنہ، مام، یدم، اچوتہ، پترِ، کلتر، ممہ توم

گھورم، ہرممہ، نرک رپو، کیشو، کلمشہ. بھارم، مذکورہ

پنز، اپی، جنہ نم، پنزاپی، مرنم، پنز، اپی، گربھ، نِواسم شوڑھم، الم، پنز، اہمسن، مادھو، مام، اودھر، نجہ، داسم

گھورم، ہرممہ، نرکہ رپو، کیشو، کلمشہ بھارم، مذکورہ

توم جننی، جنکاہ، پربھور، اچوتہ، توم، سوہرت گُلہ سِترام

توم، شرنم، شرناگتہ، وتسلہ، توم، بھو، جلہ دھی، وِہترم

گھورم، ہرممہ، نرکہ، رپو. کیشو، کلمشہ، بھارم، مذکورہ

جنکہ، شوتا، پتی، چرنہ، پرانیہ، شنکر، مُونی، ور، گیتم

دھاریہ، منہ سی، کرشنہ، پرشوتمہ، واریہ، سم سرتی، بھی یتم

گھورم، ہرممہ، نرکہ، رپو، کیشو، کلمشہ، بھارم

نام انوکیمیہ، دیتم، اناتھم، کرو، بھو، ساگر، پارم

(۱) اچوتم کیشوم، رامہ نارائنم، کرشنہ دامودرم، واسودیوم، ہریم
شری دہرم، مادھوم، گوپکا دلبھم، جانکی نایکم، رامچندرم بھجے
(۲) شورجم شیشہ دم، ستیہ بھا، مادھوم، شرید رم، شری تیم رادھکا رادھتم
یندرا، مندرم چے تہ سا، شوندرم، دیوکی نندنم، نندجم، نسم بھجے
(۳) انگہ نام، انگہ نام، انترے، مادھوم، مادھوم، مادھوم، جانتر ناگنا
ایتھم آکلیتے ہنڈلے، مدھیگاہ سنجگو، وبے نُونا، دیوکی نندناہ
(۴) بالیکا، بالیکا، تالیلا لیاہ، سنگ سندر شتہ، بھوتسا، دبھر ماہ
گوپکا، گیتہ دِ تاوَ، داناہ، سویم سنجگو، دیے نوناہ، دیوکی نندناہ
(۵) جے تو، جے تو، جے تو، دلیود، دیوکی نند نویم، جے تو، جے تو
کرشنو، ورشنی دنشو، پردی پاہ۔
بجے تو، جے تو میگھ، شیامہ لاہ، کوملانگو جے تو، جے تو،
پرتھوی بھار ناشو، موکنداہ۔

نتیہ نیم" پاٹھ کے ساتھ "بہورُوپ گربھ"، کا پاٹھ ادش کیجیے

"بہورُوپ گربھ"

ہندی اور اُردو لپی میں چھپ گیا ہے

شنکر پراتھنا

بھگوان شنکر کا دھیان کرتے ہوئے پہلا اور دوسرا شلوک تین بار پڑھیں:۔

(۱) پرنہ، تو، ہمی، مہادیو، پرپہ تو ہمی، سدا شو، نواریہ، مہا
مرتیوم، مرتیو نجیئے، نمو ستوتے۔
(۲) مرتیو نجیئے، مہادیو، پاہی مام شرناگتم جنمہ، مرتیو، جرا،
رو گیئے، پیڑتم، بھو بندھنات۔
(۳) کرپور، گورم، کرونا دتارم، سنار سارم، بوجگیند، ہارم، سدا
رمنتم، ہردیار، بندے، بھوم، بھوانی، سہتیم، نمامی۔
(۴) ہر شمبھو، مہادیو، وِشوے، شامر دلبھ، شو شنکر،
سروا تمن، نیلہ، کنٹھ، نمو ستو، تے۔
(۵) تو، تنوم، انہ، جانامی، کیدر شوسی، مہیشور، یادر شوسی،
مہادیو، تادر شائے، نمو نماہ۔
(۶) آدھی نام ہاگدم، دلویم، ددیادھی نام، مول کرنتم، اوپہ
دردانام، ولنم، مہادیوم، اپاسمیہئے۔
(۷) آتما، توم، گرجا، مہ تی، پرجناہ، پراناہ، شریرم، گرہم
پوجاتے وشیوپہ، بھوگ رچنا، ندرا، سمادھی سیتھتی،

سنچار دبی، پری کرماہ، پشو پتی، ستو ترانی، سروا، گرد
یت یت، کرمہ، کردمی، دلو، بھگون، تت تت، تہ وارد ہنم
(۸) ناگیندر ہارائے ترلوچنائے، بھسما نگہ، راگائی، مہیشورائے
دیوادِ، دیوائی، وِگمبرائے، نمیئے نکارائی نماہ شوائے
(۹) مانگہ، چرنا بھوشنائے سمتہ گردانہ، گناچہائے تیر لوکیہ
ناتھائی، پورا نکلے، تمسے مکارائی نماہ شوائے۔
(۱۰) شوا، شوکھا بھوج وِکاسائے، دکھیہ سی، بجھوسو ناشکائے
چندرارکہ ویشانر، لوچنائے، تسمیئے شکارائی، نماہ شوائے
(۱۱) وِششٹھ، کومبھ جو، بھو، گوتمادِ، مونیندر وندایائی، گریشورائے
شری نیلہ کنٹھائی، ورشہ، دوجائے، تسمیئے وکارائے نماہ،
شوائے۔
(۱۲) یگیہ سوروپائی، جٹا دھرائے، پناکہ، ہتسائی، سناتنائے
نیتائی، شودھائی، نرنجنائے، تسمیئے، یکارائی، نماہ،
شوائے
(۱۳) ولوش پرادربھاوات، انو متم پدم، جنمنی، پورا پورائے
نتیئے داہم، کوجیت، اپی، بھ وِ تم پرنہ تہ وان تمن،
موکتاہ، سم پرے ستہ تنور، اہم، اگرے، پیہ نتہ مان،
مہیشہ کھین تہ ویم، تت پدم، اپہ رادھ، دویم، اپی۔
(۱۴) کرچرنو کرتم، واک کایہ جم، کرمہ جم، وا، شرونہ،

نیہ نہ جم، دا، مانسم، واپہ رادھم، ودتم، دا، سردم، یے
تت، کھیمہ سو، جے جے کُرونا بدھے، شری مہادیو، شمبھو

شِوشٹھ اکھر ستوتی

(۱) اُومکارم، بِندُوسم مُکتم نیتم، دھیاین تی، یوگناہ۔
کامدم، موکھیدم، چیو، اُومکارائے نمونماہ۔
(۲) نمن تی رِشہ یو، دیوا، نمن تے، اپہ سہ رسام، گناہ
نر، اہ، نمن تی، دیوے شم، نکارائے نمونماہ۔
(۳) مہادیوم، مہاتمانم، مہادھیانم، پرانیم۔ مہاپاپہ ہرم۔
دیوم، مکارائے نمونماہ۔
(۴) شِوم، شانتم، جگت ناتھم، لوکانوگرہ کارکم، شِوم ایکہ،
پدم، نیتم شِکارائے نمونماہ۔
(۵) داہنم، ورشبھو، یہ سے، داشوکی، کن ٹھہ بھوشنم، دامے
شکھتی دھرم، دے وم، وکارائے نمونماہ۔
(۶) یتر یتر سِستھو، دیواہ، سرو، دیاپی، مہیے شوراہ، یو
گورو۔ سرو، دیوانام، یکارائے، نمونماہ۔
(۷) شٹھ، اکھرم، پدم، استوترم، یاہ، پپھٹت شِو، سن
نہ دو، شِولوکم۔ اواپنوتے۔ شِوینہ، سہہ، مودتے،

(۱) اوم نماہ شِوائی بھاسوتے۔ اوم نماہ شِوائی بھرگہ تے
(۲) اوم نماہ شِوائی شرو تے۔ اوم نماہ شِوائی گرو تے
(۳) اوم نماہ شِوائی کھروتے۔ اوم نماہ شِوائی پرد، تے
(۴) اوم نماہ شِوائے رودرتے، اوم نماہ شِوائی بھیمہ تے
(۵) اوم نماہ شِوائی وشنوے، اوم نماہ شِوائی جشنوے
(۶) اوم نماہ شِوائے دھانوے، اوم نماہ شِوائی کھڈ گنیے
(۷) اوم نماہ شِوائی چرمیہ نے، اوم نماہ شِوائی کامنے
(۸) اوم نماہ شِوائی بھامنے۔ اوم نمو شِوائے کامنے
(۹) اوم نماہ شِوائے یوگنے، اوم نماہ شِوائے بھوگنے
(۱۰) اوم نماہ شِوائے تشٹھے، اوم نماہ شِوائے گجھ تے
(۱۱) اوم نماہ شِوائی ہیئے تروے، اوم نماہ شِوائی سیے تروے
(۱۲) اوم نماہ شِوائی سروتاہ، اوم نماہ شِوائی سروشاہ
(۱۳) اوم نماہ شِوائی سرو تھا، اوم نماہ شِوائی سرودا
یتی شاوانگہ مئی، پوجا، شری مت شنکر پادیو،
ارپتا، تے نہ امے، دیوا، پری تیام۔ چہ، سدا شِو۔

---

(۷) تینوں ایک سوُروپا، انترنانترسو۔ شِوجی انتر نانترحو
منہ مانگت، پھل، پادت، بھوساگر ترشو۔
(۸) جے شِواومکارا سوامی جے شواومکارا۔ برھما دشنو
سداشِو، بھولاناتھ مہیشور، اردھانگے گوُرے۔ اوم ہرہر

شِو آرتی

(۱) جے شو، اومکارا، سوامی جے شِواومکارا، برھما
وِشنو، سداشو، بھولاناتھ مہیشور، اردھانگے گورا۔
اوم ہر ہر مہادیو
(۲) ایکانہ نہ، چترانہ نہ، راجے، شِو پنچانہ نہ راجے ہنسا سنہ
گرڈاسنہ، ورشبھاسنہ ساجے
اوم ہر ہر مہادیو
(۳) دو بھوجہ، چار بھوجہ، چتر بھوجہ، دشہ بھوجہ، تو، سوہیے
شِوجی دشہ، بھوجہ توسوہیے، تینوں ایک شوروپا،
ترِبھون من موہیے۔ اوم ہر ہر مہادیو
(۴) اکھیہ مالا، ونہ مالا، رُونڈ مالا دھاری۔ شِوجی رُنڈ مالا
دھاری۔ چندن سرگہ مدسولے پن۔ بھالے شِششی دہاری
اوم ہر ہر مہادیو
(۵) شوے تامبر، پیتامبر، بھسمابھرانگے، شوجی بھسما
بھرانگے، سنہ کادِک، بپلادک، بھوتادِک، سنگے۔
اوم ہر ہر مہادیو
(۶) کرمدھیے کرمنڈلہ، چکر، ترشولہ دھرتا۔ شوجی، چکر، ترشولہ
دھرتا۔ جگ ہرتا۔ جگ پالن کرتا۔

دیوی پرارتھنا

(۱) دُورگے، سُمرتا، ہرسی، بھی تیم، اشیشہ، جن تو،
سوستھیئے، سُمرتا میتم، ایتہ و، شُبھام دو ھاسی،
دارِدریہ، دُوکھ، بھیہ، ہارِنیہ، کاتوت، ایشا،
سرد پکار، کرنائی، دیار درِچتا۔

(۲) دیوے، پرپہ نارتی، ہرے، پرسیدہ پرسیدہ ماتر جگتو کھلے
پرسید، وِشیو لیشورِ پاہی، وِشوم۔ توم ایشوری دیوی
چراچرسے۔

(۳) پرتھیبہ وام، پتراستے، جنہ نی، بہوا سنتی، سرلاہ،
پرم، تے شام، مدھیئے، دِرلہ ترلوہم توشوتاہ،
مدی یوم، یتاگاہ، سم اُوچہ تم، یدم نو، تہ و، رشوے،
کُوپوترو۔ جایے تہ، کوچیت، اپی، کُوماتانہ، بھوتی۔

(۴) جگت ماتر ماتاہ، تہ و، چرنہ، سیوانہ، رچی تا،
نہ وا، وتم، دیوے، درونم، اپی، بھو، یاہ، تہ و مہ یا،
تمقابی، توم، سنے ہم میی، نرادیہ نم، یت، پرکردشیے۔
کُوپوترو، جایے تہ، کوچیت، اپی، کوماتا، نہ بھوتی۔

(۵) شنرناگتہ، دی نارتہ، پری ترانہ، پرائی،
سرد، سیارتی، ہرے دیوی، نارائنی، نمو ستوتے
جگت امبھا کا دھیان کر کے پڑھیں:-

(۱) یا دیوی سرو بھوتے شو، وِشنو مائی تہ، شبدھتانمس
تسیئے، نمس، تسیئے نمس تسیئے، نمو نماہ۔

(۲) یا دیوی سرو بھوتے شو، چیتہ نی تی، بھدی، یے تی،
نمس تسیئے، نمس تسیئے۔ نمس تسیئے، نمو نماہ۔

(۳) یا دیوی سرو بھوتے شو بدھی روپینہ، سنستھتا (مذکورہ)

(۴) یا دیوی سرو بھوتے شو، ندرا روپینہ، سنستھتا (مذکورہ)

(۵) یا دیوی سرو بھوتے شو کھیودھا روپینہ سنستھتا نمس
تسیئے۔ مذکور۔

(۶) یا دیوی سرو بھوتے شو چھایا روپینہ، سنستھتا (مذکورہ)

(۷) یا دیوی سرو بھوتے شو، شکتی روپینہ، سنستھتا (مذکورہ)

(۸) یا دیوی سرو بھوتے شو، ترشنا روپینہ، سنستھتا (مذکورہ)

(۹) یا دیوی سرو بھوتے شو، کھیانتیہ روپینہ، سنستھتا (مذکورہ)

(۱۰) یا دیوی سرو بھوتے شو جاتی روپینہ سنستھتا (مذکورہ)

(۱۱) یا دیوی سرو بھوتے شو لجا روپینہ، سنستھتا (مذکورہ)

(۱۲) یا دیوی سرو بھوتے شو شانتی روپینہ، سنستھتا (مذکورہ)

(۱۳) یا دیوی سرو بھوتے شو شردھا روپینہ، سنستھتا (مذکورہ)

(۱۴) یا دیوی سرو بھوتے شو کانتی روپینہ سنستھتا (مذکورہ)

(۱۵) یا دیوی سرو بھوتے شو لکشمی روپینہ سنستھتا (مذکورہ)

(۱۶) یا دیوی سرو بھوتے شو، سُمرتی روپینہ سنستھتا (مذکورہ)

(۱۷) یا دیوی سرو بھوتے شو دیا روپینہ سنستھتا (مذکورہ)

(۱۸) یا دیوی سرو بھوتے شو توشٹی روپینہ " (مذکورہ)

(۱۹) یا دیوی سرو بھوتے شو، ماتر روپینہ سنستھتا (مذکورہ)

(۲۰) یا دیوی سرو بھوتے شو، بھرانتی روپینہ سنستھتا نمس
تسیئے، نمس تسیئے، نمس تسیئے نمو نماہ۔

(۲۱) آنند، سندر، پورندر، موکھتہ، مالیم۔
مولو، ہٹینہ نہیہ تم، جہاشا سورے۔
یادا بھوجم، بھو تومے، وِجیائے منجو۔
منجیر شنجیتہ، منوہرم، امبھ، کایاہ۔

(۲۲) اُوتپتہ، بے امہ، رُوچہ رے، ترلورے، پُونی بے
چے تاہ، چرن تم، اگوگھ، وتم، تُونی بے۔
کاراگرہے، نگرڈہ بندھن، بیٹرتہ سے۔
توت، سم سمرتو، جبھہ یتی مے، نگراس، ترودُن تو۔

(۲۳) مایا کنڈلینی، کریا، مدھومتی، کالی، کلا، مالینی
ماتنگی، وِجیا، جیا، بھگوتی، دیوی، شوا، شامبھوی۔
شکتی شنکر ولبھا، تری نیناہ۔
واکے وادنی، بھردی۔

ہرنیم کاری، ترٹوپا، پراپرمیٔ، ماتا کوماری، تیسی۔
(۲۴) مہا بھلے، مہوتساہے، مہابھیے، دِناشِنے۔
ترٰاہی مام، دیوی دُوش، پری کھیے، ہنتُرونام بھیے وردینی
(۲۵) سرومنگلہ، منگلے، شِوے سرو ارتھ، سادِھکے، شرنیے،
ترمبھے گوری نارائینی نموستوتے۔

ینَدراکھی

ینَدراکھی، نامہ، سادیوی، دیوتا، سمُ اُددا ہرتاہ۔
گورَی، شاکمبری دیوی، دُرگا نامنی تی، دِشترُدتا۔
کاتیاینی مہادیوی، چنڈگنٹھا مہاتپا۔
سادتری، ساچہ، گائیتری، برھمانی، برہمہ وادِنی
نارائینی بھدرکالی رُودرانی، کرِشنہ پِنگلا۔
اگنی جوالا، رُودر مُوکھی، کالہ راتری تپہ سِیونی
میگھ شیاما، سہسراکھی، وِشنو، مایا، جلوُدرِی
مہوُدری، مُوکھتہ، کیشنی، گور، رُوپا، مہابھلا،
آنندا، بھدرجا نندا روگ ہرتری، شِو، پریا،
شِووُوتی، کرالی چہ، پرتیکھشہ پرمیشوری،
ینَدرانی، چندر رُوپا چہ، ینَدر شکھتی، پرایِنا
مہیشا شُور، سم ہرتری چا مُونڈا، گربھ دیوتا،

دارائی، نارسم ہی چہ، بھیما، بھیرو، نادے نی،
شرُتی، سمرِتی، دھرتی، مے دھا
وِدھیا شکھتی سرسوتی،
انن تا، وِجیا، پوُرنا منس توشا، پراجیا۔
بھوانی، پاروتی، دُورگا، ہیَے، مہ، و، تمبھکا، شِوا،
شِوابھوانی، رُودرانی شنکرارَدھ، شری رِتی،

گوری ستوتی

(۱) لِیلا، رہبدس تھاپت، لُوتیا کھلہ، لوکام۔
لوکاتی تیئے، یو گیبرانتر ہردی مرگیام،
بالادیتے، شری نی، سمانہ، دیُوتی، یونجام،
گورِم، امبھام، ابھُوردہا کھیم اہم، ایڈے۔
(۲) آشاپاشہ، کلیشہ، وِناشم، وِددانام
پادامبھُوجہ دھیانہ، پرانام، پُرشانام،
اِیشم، ایشانگاردھ، ہرام، تام تنو، مدھیام،
گورِم، امبھام، ابھُوردُ، ہاکھیم، اہم، اِیڈی۔
(۳) پرتیاہار، دھیانہ، سمادھے ستھِتی، بھاجام،
نیتم رِجتے، ہردرتی کاشٹھام، کلہ ین تم۔
ستیہ، گیانہ، نند، مہیم، نام، ترٹت آبھام گورم (مذکورہ)

(۴) چندرا، پیڑا، نِندتہ، مند، سمتہ، وکترام۔
چندرا، پیڑا، لنکرت، لولا، لکہ، بھارام۔
یِندرو، پندرا، دیرچتہ، پادا، مبھُوجہ، یگمام گورم (مذکورہ)
(۵) نانا کاریے، شکھتی، اکدمبھے، بھُونانی۔
ویاپے، سیَرم، کری ڈتے یانسو، سویم، ایکا،
کلیانِم، تام، کلپہ، لتام، آنہ تی، بھاجام، گورم (مذکورہ)
(۶) مُولادھارات، اُودِھ تہ، ولن ترِم، ودی رندرم۔
سورم، چاندرم، دھامہ، وِہاے، جُولتانگم،
ستھولام، شوکھام، شوکھمہ ترام، تام ابھیہ وندیام،
گورِم امبھام (مذکورہ)
(۷) آدے، کھیانتام، اکھِر، مُورتیا، وِلہ سن تِم،
بھُوتے، بھُوتے، بھُوتہ، کدمبھم، پرسہ وِترم۔
شبدھ، برہمانند مہیم، تام، اِبھ راسام، گورم (مذکورہ)
(۸) لیسیا، کھیو، لینم، اکھنڈم، جگت انڈم۔
بھُویو، بھُویاہ پردور، ابھُوت، اکھیتم، ایو۔
بھرترا، ساردھم، تام سچھ ٹکار، دَرو، وِہہ، رَن تِم۔
گورم (مذکورہ)
(۹) لیسام، ایے تت، پروتم، اشِی شم، منی مالا۔
شُوترے، یت دت، کوا پی، چرم، چاپچہ رم چہ۔

تام ادھیاتمہ گیانہ۔ پدو یاگمنی یام، گوُرم (مذکورہ)
(۱۰) ایتیا سیتو نِشکلہ ایکو جگت ایشاہ۔
ساکھی، یساہ سرگہ ودھو، سم ہرنے چہ۔
وِشو، ترانہ، کریڈنہ، شی لام، شوپتہ نم۔ گُرم (مذکورہ)
(۱۱) پوُجا کالے، بھاو، وِشو دھم وِرِدھانو۔
بھکیتا، نیتم، ملیتی گوری وشکم یاہ۔
واچام، سدھیم، سمپتم، اُدشیچے، شو بھکتم۔
تسیاہ، وشم پردتہ، پوُترتی، وِدھ، دھاتی۔

گوُرو استوُتی

(۱) برہمانندم، پرمہ سُوکھدم، کیولم، گیانہ، مُورتم۔
دوندا تی تم، گگنہ سدرشم، تتوم، اسیادِ، لکھیم۔
ایکم، نیتم، وِملم، اچلم، سرودھی ساکھ بھوُتم۔
بھاواتی تم، ترگوُنہ رہتم، ست گوُروم، تم نمامی
(۲) ایے کم، نِتیم، وِملم، سرودھی ساکھ بھوُتم۔
بھاواتی تم، ترگونہ رہتم، ست گوُرم، تم نمامی۔
(۳) گوُرو، برہما، گوُرو، وشنو، گورو ساکھیات مہیشوراہ۔
گوُرو رُپے وجگت سروم، تسمیئے، شری گوُروے نماہ

(۴) اکھنڈ منڈلاکارم، ویاپتم یے نہ، چراچرم۔
تت پدم، درشتم، یے نہ، تسمیئے، شری گوروے نماہ
(۵) اگیانہ، تمراندسیے، گیانانجنہ شلاکیا۔
چکھوُر، اُونمی لیتم یے نہ تسمیئے شری گوُروے نماہ
(۶) نمامی ست گوُروم، شانتم، پرتیکھیم، شِو روپہ نم۔
شرسا، یوگہ پیٹھ ستھم، دھرم کا مارتھ، سِدھیئے۔
(۷) شری گوُرم، پرمانندم، وندے، آنند وِگرہم۔
لیہ، سانہ دھیہ، ماترے نہ، چدانندایتے، پرم
(۸) ہَرو، رُوشٹے، گوُرو، تراتا، گوُرو، رُوشٹے، نہ کشچنہ۔
ہَرو دیوا، شور دیاتے، تسمیئے، شری گوُروے نماہ۔
(۹) دھیانہ، مُولم، گوُرو، موُرتی ہ، پوُجا مُولم، گوُروہ، پدم۔
گیانہ مُولم، گوُرور، واکیم، موکھیہ مُولم، گوُروہ، کرِپا۔
(۱۰) اگیانہ نام، گیانہ رُوپی ئے، پرکاشائے، پرکاشہ نام۔
وِدیئے کہ نام، وِدیے کائے، وِمرشائے، وِمرشہ نام
(۱۱) پوُجا توسی، میا بھکیتا، بھگون، توم، سمادرات
برہمہ رُوپوسی، مے سوانتم، وِشنہ وِشرانتی ہے تدے

پنچتوی

آرتی

اوم جے جگدیش ہرے۔ پربھو جے جگدیش ہرے
بھگت جنوں کے سنکٹ، چھن میں دور کرے۔ اوم
جو دھیاوے پھل پاوے، دُکھ بنسے من کا،
سُکھ سمپتی گھر آوے، کشٹ مٹے تن کا۔
مات، پتا تم میرے، شرن گہوں کس کی،
تم بِن اور نہ دُوجا، آس کروں جس کی۔
تم پورن پرماتم، تم انتر یامی،
پار برہم پرمیشور، تم سب کے سوامی۔
تم کرونا کے ساگر، تم پالن کرتا،
میں سیوک، تم سوامی، کرپا کرو بھرتا۔
تم ہو ایک اگوچر، سب کے پران پتی،
کس بدھ ملوں دیامے، تم کو میں کمتی
دین بندھو دکھ ہرتا، تم رکھشک میرے،
اپنے چرن لگاؤ، دوار پڑے تیرے
وشے وکار مٹاؤ، پاپ ہرو دیوا،
شردھا بھگتی بڑھاؤ، سنتن کی سیوا۔
اوم جے جگدیش ہرے

پرچپون

ایک تھالی میں نوید اور دوسری میں چیٹواور ۵ پچیاں رکھ کر گنیش جی کا دھیان کرکے شدھ پانی سے اپنے آپکو چھڑکتے ہوئے پڑھیں "ترتھے سنے یم، ترتھیم ایوہ، سماناّم، بھوتی ماناہ شمسوا اوردشو، دھرتی، پرانگ مرتسے رکھیانو، برہمہ نس پتے۔" اپنے آپکو تلک لگاتے ہوئے پڑھیں "پرماتمنے، پرشوتملئے، پنچہ بھوتاتمکائے وشواتمنے منتر ناتھائے آتمنے، نارائنائے، آدھار شکھتے وسمالہ بھم گندھونماہ، ارگھونماہ، پُشپم نماہ" دیپ کو تلک لگاتے ہوئے پُشپ چڑھاتے ہوئے پڑھیں "شو پرکاشو مہادیپو، سروتس تمرا پہاہ، پرلیسدہ ممہ، گوبندہ۔ دیپو یم، پرکلپتاہ۔"

دھوپ کو تلک لگا کر پڑھیں "ونسپتی رسو، دِلویو، گندآڈھیو، گندہ۔ اوتما۔ آہوانم، سرو دیوانام دھوپویم، پرتی گرہتام"۔ شوریہ کا دھیان کرکے پاتر میں تلک پُشپ ڈالتے ہوئے پڑھیں نمو دہرا بدھائے۔ نماہ شوکرت۔ ساکھینے نماہ۔ پرتیکھشہ دیوائے بھاسکرائے۔ نمونماہ۔

کھوسو سے تھال میں جل ڈالتے ہوئے پڑھیں:۔ یتراستی ماتا۔ نہ پتا۔ نہ بندھور بھراتاپی، نوایتر سُو ہر جنتشو۔ نہ گیا یہ تے یترونم۔ نہ ... نہ راتری۔ تترالمہ، دی یم۔ شرنم، پرپدی۔ آتمنے، نارائنائے۔ آدھار شکھتے، دھوپ۔ دیپ سنکلپات بدراستو۔ دھوپو نماہ، دیپو نماہ۔

نوید کی تھالی میں دونوں ہاتھوں سے پکڑتے ہوئے پڑھیں:۔ امرتیشہ، مودریا۔ امرتی۔ کرتے امرتم۔ اشتو۔ امرتا تیام ننے دیدیم۔ ساوترانی۔ ساوترے، دیوسے تواسہ وتو، پرسو شنو باہو بھیام۔ پوشنو ہتا، بھیام، آودے، داگنہ، اپتیئے۔ گرمارائے۔ شرٹے، سرسوتیئے، لکھشمیئے وشنو کرمنے۔ ودار۔ دیوتا بھیاہ۔ پرجاپتیئے۔ برہمنے۔ کلشہ دیوتا بھیاہ۔ برہمہ وشنو مہیشور۔ دیوتا بھیاہ چاتور وید شیورائے۔ ساوتو چرائے۔ رتو بتئے نارائنائے۔ درگائیے، ترسپھ کائے۔ ورنائے یچہ ورتے اگنی شوآنا دیبھیاہ۔ پترگنہ، یاگہ دیوتا بھیاہ۔ بھگوتے۔ واشدیوائے سنکرشنائے، پردھیومنائے انہ ردھائے۔ سیتائے۔ پورشائے۔ اچوتائے، مادھوائے۔ گوبندائے۔ سہسرنامے وشنوتے لکھشمی سہتائے نارائنائے۔ بھوائے۔ دیوائے۔ بی شانائے۔ دیوائے۔ ایشورائے۔ دیوائے۔ اوما سہتائے شوائے۔ پاروتی سہتائے پرمیشورائے ونایکائے۔ ایکہ دنتائے۔ کرشنہ پنگلائے۔ گزانلئے۔ لمبودرائے بھال چندرائے۔ ہی رمبائے۔ آکھو رتھائے۔ وگنی شائے۔ وگنہ بھکشائے ولبھا سہتائے شری مہاگنیشائے۔ رکیم کام۔ کومارائے شٹھ مکھائے۔ میوردا ہنائے۔ سینا پتیئے کمارائے۔ بھگوتے ہرام۔ ہریم ساہ شرمائے۔ ستپا شوائے۔ ایکا شوائے۔ نیلا شوے۔ پرتیکھشہ دیوائے بہارتھ سارائے تیجو دیائے۔ برہما سہتائے۔ آدیتائے۔ بھگوتے۔ امائیے۔ کاماٹنے۔ چاردنیکیئے۔ لنکہ دھاتیئے تارائیے پاروتیئے۔ یکھنے۔ شری شارکا بھگوتیئے۔ شری شاردھا بھگوتیئے۔ وتستا بھگوتیئے۔ گنگا بھگوتیئے۔ یمنا بھگوتیئے۔ مالیکا بھگوتیئے۔ ستہ رشیئے مہالکشمیئے۔ مہاترپورسندریئے۔ سہسرنامنے دیویئے۔ بھوانیئے اجنکری دیوی کھیم کری بھگوتیئے۔ شتردگاتیئے۔ یہ راکھشہ دیتی آنند شیورہ بھیروائے۔ یندرائے۔ وجرہستائے۔ اگنی شکھتی ہستائے۔ یمائے دنڈہستائے۔ نیرتے کھڈگہ ہستائے۔ ورونائے پاشہ ہستائے۔ وایو دھو ہستائے۔ کویرائے گدا ہستائے۔ یشانائے ترشول ہستائے۔ برہمنے پدم ہستائے۔ وشنوے چکرہستائے انن تاہ دیبھیاہ۔ اشٹا بھیاہ۔ کلہ ناگہ دیوتا بھیاہ، اگنیا دیتا بھیام۔ وردونو چندر مو بھیام۔ کمار بومابھیام۔ وشنو بدھا بھیام۔ یندرا برہپتی بھیام۔ سرسوتی شکرا بھیام۔ پرجاپتی شنچرا بھیام۔ گنہ پتی راہو بھیام۔ رود کیتو بھیام۔ برہمہ وردا بھیام۔ انن تا گستا بھیام۔ برہمنے کورمائے۔ وروولنئے۔ ان تن تائے ہرئے بھشٹیئے۔ کملائے۔ شکھیادبھیاہ۔ پنچہ جیتوار مشت ودا تو شیتی یاگہ دیوتا بھیاہ۔ برہماد بھیو۔ ماتر بھیو۔ گوریاد بھیو ماتر بھیاہ۔ للتاد بھیو ماتر بھیاہ۔ دُرگا کھیتر گنیشو دیوتا بھیاہ۔ ادم بھور بھاہ سوردیوتا بھیاہ۔ اکھنڈ برہمانڈ یاگ اپہ دربھیاہ۔ مہاگایتری ساوتری سرسوتیئے ہیرکا بھیاہ دکوکا دبھیاہ۔ اپتنم امرتم۔ دلویم۔ پراک کھیودھی ستھنات رانم۔ امرت رُوپی نہ نیٹے نویدم، پرتی گرہتام تت ست برہمائے تادت تتھوائے، تمنو۔ دربارجت پایہ۔ زرازناربھم ادم نمو نویدم۔ نوید یا لی نمہ: چیٹو ہاتھ سے پکڑتے ہوئے پڑھیں: آکاش ماتر بھیو سمالہ بھنم گندو نماہ۔ پھل پھول چڑھاتے ہوئے پڑھیں:۔ آکاش ماتر بھیا ارگھو نماہ پُشپم نماہ۔ ایک ٹکڑے کو چاول بہت پانی ڈال کر پڑھیں "کھیام کھرادیتی انم نماہ۔ دوسرے ٹکڑے کو چاول بہت پانی ڈال کر پڑھیں رام راشٹا دیتی انم نماہ۔ سرداہیہ دربرداہ یتی۔ پوشٹم پوشٹی یہ تر دواتو۔ ہاتھ جوڑ کر پڑھیں:۔ اوبھا بھیام۔ جانو بھیام۔ پانی بھیام۔ شرسا۔ ادرسا، منہ سا چک، نمسکارم کردمی نماہ ÷

ورش، میتھن، کرکٹ راشی والوں کیلئے
"ساڑھ ستی"
(سمت ۲۰۳۱ میں ساڑھ ستی کا پربھاو)
(ساڑھ ستی لگ بھگ ساڑھے سات سال تک رہتی ہے)

ورش ورش راشی کی ساڑھ ستی ۹ چیت سمت ۲۰۲۵ بکرمی ورش کا سے آرمبھ ہوئی ہے۔

سمت ۲۰۳۱ بکرمی ۱۹ آشاڑھ تک ساڑھ ستی ورش راشی والوں کو بائیں ہاتھ پر ٹھہرے گی۔ یہ وقت آپ کے لئے اُتم تھا شُبھ پھلدائیک ہی ہوگا۔ آپ کی پرورتی شُبھ کاموں کو سرانجام دینے کی طرف لگی رہے گی۔ گھر میں اچانک منگل کاریہ رچانے کے پروگرام بنتے رہیں گے۔ اگر آپ نوکری کرتے ہیں تو اِس سمے میں ترقی یا ترقی کا سلسلہ بننے کی نیوں پڑے گی۔ اگر آپ تجارت پیشہ ہیں۔ تو آپ کو اچانک لابھ ہوگا۔ اگر آپ ودیارتھی ہیں تو اِس سمے میں شنیچر آپ کے انوکول (موافق) ہے۔ آپ محنت کیجئے۔ آشا سے ادھک سپھلتا اوشیہ ہوگی۔ اِس سنہری چانس کو ہاتھ سے مت جانے دیجئے۔

سمت ۲۰۳۱ ۱۹ آشاڑھ سے سمت ۲۰۳۲ ۹ پھاگن تک پاؤں پر ساڑھ ستی کا نواس ہے۔ جو ہر پرکار سے ہانی کارک تھا دُشٹ مانا گیا ہے۔ یہ ایک ورش اور آٹھ مہینہ آپ کو دوڑ دھوپ تھا اشانتی میں ہی گذرے گا۔ ۱۳ کتک تک شنیچر کا پربھاد آپ پر دشیش ہانی کارک ہوگا۔ ۱۳ کتک کے بعد شنیچر وکری ہوگا جو وکری ہوکر گوچر سے آپ کے بھاگیہ ستھان گیارھویں اور دسویں گھر کو پربھاوت کر کے دیکھ رہا ہے۔ اِس یوگ کا پربھاد

اِس ورش سمت ۲۰۳۱ کے انت تک ورش راشی والوں کو ہر لحاظ سے لابھ دائیک ثابت ہوگا۔ آرتھک شاریرک۔ گھریلو تھا پٹھن پاٹھن سے سمبندھت ہر کام میں شان اور مان سے سپھلتا ہوگی۔ اگر جنم کنڈلی سے بھی آپ کا شنیچر تیسرے، چھٹے، دسویں، اور گیارھویں بھاو میں ہو تو نوٹ کیجئے کہ ۱۳ کتک کے بعد یہ ورش ساڑھ ستی کے باوجود سُکھ، شانتی اور شان سے گذریگا۔

میتھن سمت ۲۰۲۸ بکرمی ۲۰ بیساکھ سے آپکی ساڑھ ستی آرمبھ ہوئی ہے۔ اِس ورش (سمت ۲۰۳۱) کے آرمبھ سے انت تک ساڑھ ستی کا نواس ہردیہ پر ہوگا۔ ایسے تو ہردیہ پر ساڑھ ستی کا ہونا شُبھ پھلدائیک ہی ہوتا ہے۔ ۲۷ چیتر (۹ اپریل) سے ۱۸ جیٹھ (۱۳ مئی) تک شنیچر اور منگل کا میتھن راشی میں یوگ ہوگا۔ یہ سمیہ اس ورش ہر پرکار سے ہانی کارک تھا کشٹ دائیک ثابت ہوگا۔ ۱۸ جیٹھ سے شنیچر کا پربھاو ورش کے انت تک مجموعی طور پر آپ پر اچھا رہے گا۔ خاص کر ۲۴ شراون سے (جبکہ شنیچر اکیلا ہی میتھن راشی میں ٹھہریگا)! آپ ساڑھ ستی کے نام سے گھبرائیں نہیں یہ سمیہ آپ کیلئے بہت ہی فائدہ مند رہے گا۔ ہر کام میں تھوڑا بہت پرشرم کرنے سے ہی پھل ملیگی۔ منگل کاریہ رچانے کے پروگرام بنیں گے۔ اگر ہو سکے تو روزانہ "بہورُوپ گربھ" کا پاٹھ کیا کریں۔ اگر ایسا ممکن نہ ہو تو مندرجہ ذیل منتر کا جاپ روزانہ کم از کم ۱۰۸ بار کیا کریں:-

نمامی توام، مہادیوم، مہابھیۂ وناشنم، مہادورگہ پرشمنم، مہاکارونیہ رُودینم"

کرکٹ سمت ۲۰۳۰ بکرمی ۲۶ چیت سے آپ کو ساڑھ ستی ۲ مہینہ ۲۰ دِن کے لئے گو ستھان پر رہے گی۔ یہ یوگ انشٹ پھل کا ہی سوچک ہے۔ اگرچہ آپ کا شنیچر جنم پتری سے اچھی ستھتی میں ہے۔ پرنتو ایسا ہونے پر بھی آپ پر شنیچر پربھاو ڈالے بنا نہیں رہے گا۔ اِسلئے ہر پرکار کی پریشانی برداشت کرنے کیلئے تیار رہیئے۔ آپ منہ ہتوتر کا روزانہ پاٹھ کریں یا "نمستے استو بھگوتے ماتراسمان پاسی، سردتاہ" منتر کا بار بار اُچارن کیا کریں۔

سمت ۲۰۳۱ ۱۶ کارتک کے بعد ساڑھ ستی کا نواس دس مہینہ کیلئے سر پر ہوگا جوتش پھلت کے آدھار سے یہ یوگ قدرے اچھا مانا گیا ہے۔

شریہ۔ بوم۔ شنیچر۔ راہ۔ کیتو اور کھین
چندر ما پاپ گرہ ہیں۔

جاتک ملاپ (ٹیکن ملنا ونیہ)

بدھ اگر پاپ گرہ کے ساتھ ہو۔ تو
پاپ اگر شبھ گرہ کیساتھ ہو۔ تو شبھ

بل دیکھنے کا طریقہ۔ لگن اور چندر ما سے جنم کنڈلی کے پہلے چوتھے ساتویں آٹھویں اور بارھویں گھر میں جتنے پاپ گرہ ہوں اُتنے ہی بل مانئے (ایک پاپ گرہ کا ایک بل مانا جاتا ہے۔ اسی پرکار ۱، ۴، ۷، ۸۔ اور ۱۲ ادیں گھر میں جتنے پاپ گرہ ہوں اُتنے ہی بل مانیئے۔ برہسپتی اور شکر ایک گھر میں اکٹھے ہوں تو ایک بل ایسے ہی لڑکے اور لڑکی دونوں کی جنم کنڈلیوں سے بلوں کا وچار کیجئے۔ مزید لڑکے کی جنم کنڈلی میں شکر سے چوتھے، آٹھویں گھر میں جتنے پاپ گرہ ہوں اُتنے ہی بل مانیئے۔ جیسے لڑکے کی جنم کنڈلی میں پہلے گھر میں بوم، چوتھا شریہ، بارہواں راہو، آٹھواں شنیچر چندر ما سے ساتواں، راہ آٹھواں بوم کُل ملا کر ۴+۲ = ۶ ہوئے۔ اِس پرکار لڑکی کی جنم کنڈلی میں چوتھے گھر میں شنیچر، بوم، راہو تین پاپ گرہ ہیں۔ ساتویں میں شریہ اور بدھ دو پاپ گرہ ہیں ایسے ہی چندر ما سے صرف آٹھواں کیتو ہے۔ کُل بل ۵+۱ = ۶ ہوئے۔ دونوں جنم کنڈلیوں میں بل ایک جیسے ہونے سے بلوں کے آدھار سے ملاپ شبھ پھلدائک ہے۔ اب آگے ناڑی کا وچار کیجئے:۔

ناڑی جکر دیکھنے کا طریقہ۔ اگر لڑکے اور لڑکی دونوں کا نکھتر ایک ناڑی کی پنکھتی (لائن) میں ہو تو ایک ناڑی دوش مدھیہ ناڑی پنکھتی میں ہو۔ تو مدھیہ ناڑی کرتج نکھتر انتیہ ناڑی میں ہے، اور مُول نکھتر ایک ناڑی پنکھتی میں ہے اِسلئے اِن دونوں کنڈلیوں میں ناڑی دوش نہ ہونے سے ملاپ شبھ دائک ہے۔

جاتی وچار، اگر ایک کی دیو جاتی ہو اور دوسرے کی منشیہ تو مدھیم۔ ایک کی جاتی راکھشش ہو اور دوسرے کی منشیہ اتھوا دیو جاتی تو اشبھ۔ اگر دونوں کی جاتی ایک ہو تو شبھ! کنڈلیوں میں کرتج اور مُول نکھتر ہونے سے دونوں

کی راکھشش جاتی کے آدھار پر بھی ملاپ اُتم ہے (راشی کُوٹ کا وچار اگلے صفحہ پر دیکھیے)

لڑکی کی جنم کنڈلی (۶ بل)، نکھتر مُول	لڑکے کی جنم کنڈلی (۶ بل)، نکھتر کرتج
کُنبھ، دھن، مین، چندر ما، مکر، درچک، میش، شنیچر۔ بوم، راہ، طول، کیت، کرکٹ، شریہ، بدھ، کن، درشچک، سہم، برہسپت۔ شکر، میتھن	مکر، درچک، راہ، دھن، برم، طول، کُنبھ، مین، شریہ، شکر، کن، میش، بدھ، میتھن، سہم، برہسپت، درشچک، چندر ما، شنیچر، کرکٹ کیت

ایک ناڑی	مُول۔ زنیشٹ۔ ہست۔ اُتر پھالگن۔ پنردس۔ آدرا۔ اشن۔ شتبشک۔ پور بادر پدا
مدھیہ ناڑی	اُتر بادر پدا۔ دنشٹ۔ پورشاڑھ۔ انراد۔ چِترا۔ پور پھالگن۔ برن۔ تیشں۔ مرگیشور (مدھیہ ناڑی ہانی کارک مانی جاتی ہے)
انتیہ ناڑی	ریوت۔ شرون۔ اترشاڑھ۔ دیشاکھ۔ سوات۔ مگھ۔ اشلیش۔ روہن۔ کرتج

دیو جاتی	انراد۔ مرگیشور۔ شرون۔ پنردس۔ ریوت۔ سوات۔ ہست۔ تیشں۔ اشن	جاتی نکھتر کے انوسار دیکھی جاتی ہے جیسے کرتج اور مُول دونوں کی راکھشش جاتی ہے
منشیہ جاتی	پور پھالگن۔ پور بادر پدا۔ پورشاڑھ۔ اتر بادر پدا۔ اتر پھالگن۔ اترشاڑھ۔ روہن۔ برن۔ آدرا	
راکھشش جاتی	مگ۔ اشلیش۔ دنشٹ۔ کرتج۔ زنیشٹ۔ مُول۔ شتبشک۔ چترا۔ دیشاکھ	

راشی کوٹ یعنی "ششٹھ اشٹک" "نونپچک" "دردواداشی"۔ "ششٹھ اشٹک" ایک راشی سے دُوسری راشی تک گِننے پر آٹھویں اور چھٹی راشی ششٹھ اشٹک کہلاتی ہے۔ ایسے ہی ایک راشی سے دُوسری راشی تک گِننے پر نویں اور پانچویں راشی نونپچک کہلاتی ہے۔ دُوسری اور بارھویں راشی "دردواداشی" کہلاتی ہے۔ مُندرجہ ذیل چکروں کو آپ دیکھیں۔ اگر متر ششٹھ اشٹک "، متر نونپچک" "متر دواداشی"، ہو تب راشی کوٹ کا کوئی دوش نہیں بلکہ مِلاپ شُبھ پھلدائیک ہوگا۔ "شترو ششٹھ اشٹک"۔ "شترو نونپچک"، وِواہ کے لئے شُبھ پھلدائیک نہیں۔

دیکھنے کا طریقہ : میش راشی کی ورچک راشی کے ساتھ متر ششٹھ اشٹک ہے۔ جو شُبھ پھلدائیک ہے۔ ایسے ہی ورِیش راشی کا دھن راشی کے ساتھ شترو ششٹھ اشٹک ہے جو ملاپ کے لحاظ سے ہانی کارک ہے۔

متر ششٹھ اشٹک	میش، ورچک	میتھن، مکر	سہم، مین	طول، ورچک	دھن، کرکٹ	کنبھ، کن
شترو ششٹھ اشٹک	ورشین دھن	کرکٹ، کنبھ	کن، میش	ورچک، میتھن	مکر، سہم	مین، طول
متر نونپچک	میش، سہم	میتھن طول	سہم، دھن	طول، کنبھ	دھن، میش	کنبھ، میتھن
شترو نونپچک	ورش، کن	کرکٹ، ورچک	کن، مکر	ورچک، مین	مکر، ورشیں	مین، کرکٹ
متر دردواداشی	میش، مین	میتھن، ورشیں	سہم، کرکٹ	طول، کن	دھن، ورچک	کنبھ، مکر
شترو دردواداشی	میش، ورش	میتھن، کرکٹ	سہم، کن	طول، ورچک	دھن، مکر	کنبھ، مین

ناڑی، ششٹھ اشٹک تھا جاتی دوش کا اپہ واد

(۱) لڑکے اتھوا لڑکی کا نکھتر اگر روہنی، ریوتی، مرگیشور، تیش، کرتج، اُترا، درپدا، شرون آدر تھا زیشٹ ہو تو ناڑی ہونے پر بھی دوش نہیں ہوتا (دھرم شاستر)

(۲) اگر لڑکی کی راشی ورِیش، کرکٹ، کن، ورچک اتھوا مین ہو تو "ششٹھ اشٹک" کا دوش نہیں ہوتا ہے (دھرم شاستر)

(۳) اگر دونوں (لڑکے اور لڑکی) میں سے ایک کی راشی کن اور دُوسرے کی راشی میتھن، ایک کی راشی دھن دُوسرے کی راشی مین ایک کی راشی طول دُوسرے کی راشی ورِیش ہو تو ناڑی ہونے پر بھی ناڑی نہ مانیئے (دھرم شاستر)

(۴) اگر لڑکے اور لڑکی کی راشی ایک ہو اور نکھتر الگ الگ ہو۔ اتھوا نکھتر ایک ہو اور راشی الگ الگ ہو، تب ناڑی تھا راگھشش جاتی کا دوش نہیں ہوتا ہے (دھرم شاستر)

راشی سے وِواہ مہُورت دیکھنے کی وِدھی

اگر لڑکے کی راشی سے چوتھا، آٹھواں، بارھواں سُریہ ہو تو اشُبھ ہوتا ہے۔ اگر لڑکی کی راشی سے چوتھا، آٹھواں، بارھواں برہسپتی ہو تو اشُبھ ہوتا ہے۔ ایسے ہی اگر لڑکے اور لڑکی دونوں کی راشی سے چندرما چوتھا، آٹھواں ہو تو ہانی کارک ہوتا ہے۔

(نوٹ) لڑکی کی راشی سے چوتھا، آٹھواں اور بارھواں برہسپتی اشُبھ ہو۔ نیز اگر برہسپتی کرک میں اتھوا دھن راشی میں ہو تو اُس کا آٹھواں، بارھواں ہونے پر بھی بُرا پربھاو نہیں ہوگا۔

وجیشور جیوتش کاریالیہ بجبہارا (کشمیر) سے ملنے والی

دھارمک پُستکیں

کرم کانڈ دیپک (نیا ایڈیشن اُردُو اور ہندی لپی میں) یہ پُستک آپ کے گھر میں ایک پرکار سے دھارمک راہنما کا کام دے گی۔ اِس میں ہر پرکار کی پُوجائیں سنکھیپ رُوپ میں درج ہیں جیسے جنم دن پُوجا۔ شوراتری پُوجا، نئے مکان میں پرویش کرنے کی پُوجا۔ دیپ مالا وغیرہ۔ پختہ جلد۔ بڑھیا کاغذ۔ خُوبصورت چھپائی۔ قیمت -/۳ روپے

سندھیا (اُردُو اور ہندی لپی میں) ہر ایک منتر کے ساتھ ساتھ اُردُو ترجمہ بھی سادہ ڈھنگ سے لکھا گیا ہے جس سے اُردُو پڑھے لِکھے بھی منتروں کا شُدھ اُچارن کر سکیں گے قیمت ایک روپیہ

شوراتری پُوجا تتھا مہمنا پار (ارتھ سہت) ہندی، اُردُو (نیا ایڈیشن) قیمت دو روپے

بہنجستوی۔ موٹے ٹائپ میں (ہندی اور اُردُو لپی) قیمت ایک روپیہ پچیس پیسے

بھُورُدیت گربھ (ہندی اور اُردُو لپی میں) قیمت پچاس پیسے

بھوانی نام سہسر (موٹا ٹائپ) ہندی اور اُردُو لپی میں (قیمت ایک روپیہ پچاس پیسے)

وجیشور پنچانگ (دیوناگری لپی میں)

راشٹر بھاشا ہندی کے پرچار کی غرض سے ہم کئی برسوں سے وجیشور جنتری کی طرح ہی ہندی ایڈیشن بھی چھپاتے رہے تاکہ ہر ایک کشمیری پنڈت کے گھر میں ہندی پنچانگ بھی پہنچ جائے۔

اگر آپ کے دِل میں دیش بھگتی کا سچا جذبہ موجُود ہے تو آپ وجیشور جنتری" اُردُو کی بجائے "ہندی پنچانگ" کو اپنائیے۔ (سمپادک)

جنم پتری کے سمبندھ میں

وجیشور جیوتش کاریالیہ کے نیَم!

وجیشور جیوتش کاریالیہ سے جنم پتری کا صحیح پھلادیش جاننے کے لئے جنم پتری کا صحیح اور سوکھم گنِت ہونا آوشیک ہے اِسلئے اگر آپ جنم پتری شُدھ اور صحیح گنیت کروانا چاہتے ہیں تو سمت۔ مہینہ۔ تاریخ اور پیدائش کا صحیح وقت لکھ کر بھیجیں

مضبوط اور بڑے کاپی سائیز پر جنم پتری بنوانے کی دکھشنا -/۱۵ روپیہ ہے۔ اگر آپ پُرانے ڈھنگ سے گول سائیز پر بنوانا چاہتے ہیں تو دس روپے دکھشنا بھیجیں۔ اِس کے علاوہ اگر آپ سروسادھارن پھلادیش بھی لکھوانے کی اچھیا رکھتے ہیں تو مزید دس روپیہ دکھشنا دینی لازمی ہے دِستار پُوروک پھلادیش لکھوانے کے بارے میں ہمارے کاریالیہ سے پترویوہار کریں یا خُود ملیں

> اگر آپ "وجیشور جنتری" کے سمپادک جوتشی پریم ناتھ شاستری سے اپنی جنم پتری دکھانے یا یگیہ انُشٹھان کروانے یا دھرم شاستر کے سمبندھ میں ملنا چاہتے ہیں۔ تو بجبہارا آن کر ملیں اور ملنے سے پہلے خط وکتابت کے ذریعے یا ٹیلیفون ۲۳ پر (بجبہارا) وقت اور تاریخ مقرر کر لیں

وجیشور جیوتش کاریالیہ

کی سبھی پُستکیں اور جنم پتریوں کے فارم وغیرہ پراپت کرنے کے لئے

گوبند نو دھارا (رجسٹرڈ) **گنپت یار۔ سرینگر کو یاد رکھیے**

لگن سارنی - لگن بنانے سے پہلے یشٹ کال کی ضرورت ہے جس دن آپکو جتنے بجے کا لگن بنانا ہو اسدن جنتری میں دیکھ کر سُوریہ اودے سے جتنے گھنٹے اس وقت تک ہوں اسکی گھڑیاں بنانے سے یشٹ کال بن جاتا ہے۔ یشٹ کال بناتے وقت مدراس ٹائم آدھ گھنٹہ نہ کاٹیں (ڈھائی گھڑی کا ایک گھنٹہ ڈھائی پل کا ایک منٹ)

دیکھنے کا طریقہ جس دن کا لگن بنانا ہو اسدن تاریخ و مہینہ جنتری میں دیکھیں۔ تاریخ کے نیچے سیدھ میں کھڑی لکیر اور مہینہ کے دائیں طرف پڑی لکیر جہاں ملے وہاں کی گنتی کو یشٹ کال کے ساتھ جوڑ کر جو بھی نکلے سارنی میں اس رقم کے برابر (جہاں رقم لکھی ہے) وہاں سے دائیں طرف لکیر کی سیدھ میں جو لگن لکھا ہوا ہو۔ وہی لگن ہوگا۔ مثلاً ۳۰ چیت کو ۹ گھڑی ۵۴ پل یشٹ کال کا لگن بنانا ہے تو سارنی میں چیت مہینہ کی ۳۰ تاریخ کی کھڑی لکیر اور چیت مہینہ کی پڑی لکیر جو پڑتی ہے وہاں ۲ گھڑی اور ۳۱ پل لکھا ہے اس کیساتھ ۹ گھڑی ۵۴ پل جوڑنے سے ۱۲ گھڑی ۲۵ پل ہوا۔ اب سارنی میں دیکھیے کہ ۱۲ گھڑی ۲۵ پل کے برابر گنتی کہاں ہے یہ ہاڑ مہینہ کے سیدھ میں ۸ تاریخ کے نیچے (جہاں ۲ نشان ہے) وہاں ہے (۱۲-۱۸) اور (۱۲-۱۲) میں تھوڑا فرق ہونے سے اسی لکیر کی سیدھ کا متھن لگن ہوا۔ اب سیدھ ہوا کہ ۳۰ چیت ۱۰ بجے دن یعنی ۹ گھڑی ۵۴ پل یشٹ کال پر متھن لگن ۱۰ انش ہے۔

تاریخ	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰ ۳۲	تاریخ
میش	۲ ۳۸	۲ ۴۵	۲ ۵۰	۲ ۵۸	۳ ۴	۳ ۱۱	۳ ۱۸	۳ ۲۵	۳ ۳۳	۳ ۴۱	۳ ۴۹	۳ ۵۶	۴ ۴	۴ ۱۲	۴ ۲۰	۴ ۲۷	۴ ۳۵	۴ ۴۳	۴ ۵۱	۴ ۵۸	۵ ۶	۵ ۱۳	۵ ۲۲	۵ ۳۰	۵ ۳۷	۵ ۴۵	۵ ۵۳	۶ ۱	۶ ۸	۶ ۱۶	بیساکھ
ورش	۶ ۲۲	۶ ۳۱	۶ ۳۹	۶ ۴۷	۶ ۵۵	۷ ۳	۷ ۱۱	۷ ۲۰	۷ ۳۰	۷ ۴۰	۷ ۵۰	۸ ۰	۸ ۱۰	۸ ۲۰	۸ ۲۹	۸ ۳۹	۸ ۴۹	۸ ۵۹	۹ ۹	۹ ۱۹	۹ ۲۹	۹ ۳۹	۹ ۴۹	۹ ۵۸	۱۰ ۸	۱۰ ۱۸	۱۰ ۲۸	۱۰ ۳۸	۱۰ ۴۸	۱۰ ۵۷	جیٹھ
متھن	۱۱ ۷	۱۱ ۱۷	۱۱ ۲۷	۱۱ ۳۷	۱۱ ۴۷	۱۱ ۵۷	۱۲ ۷	۱۲ ۱۸	۱۲ ۳۰	۱۲ ۴۲	۱۲ ۵۳	۱۳ ۵	۱۳ ۱۷	۱۳ ۲۸	۱۳ ۴۰	۱۳ ۵۲	۱۴ ۳	۱۴ ۱۵	۱۴ ۲۷	۱۴ ۳۸	۱۴ ۵۰	۱۵ ۲	۱۵ ۱۳	۱۵ ۲۵	۱۵ ۳۷	۱۵ ۴۸	۱۶ ۰	۱۶ ۱۲	۱۶ ۲۳	۱۶ ۳۵	ہاڑ
کرکٹ	۱۶ ۴۷	۱۶ ۵۸	۱۷ ۱۰	۱۷ ۲۲	۱۷ ۳۳	۱۷ ۴۵	۱۷ ۵۷	۱۸ ۹	۱۸ ۲۱	۱۸ ۳۳	۱۸ ۴۵	۱۸ ۵۷	۱۹ ۱۰	۱۹ ۲۲	۱۹ ۳۴	۱۹ ۴۶	۱۹ ۵۸	۲۰ ۱۰	۲۰ ۲۳	۲۰ ۳۵	۲۰ ۴۷	۲۰ ۵۹	۲۱ ۱۱	۲۱ ۲۳	۲۱ ۳۶	۲۱ ۴۸	۲۲ ۰	۲۲ ۱۲	۲۲ ۲۴	۲۲ ۳۶	ساون
سنہہ	۲۲ ۴۹	۲۳ ۱	۲۳ ۱۳	۲۳ ۲۵	۲۳ ۳۷	۲۳ ۴۹	۲۴ ۱	۲۴ ۱۳	۲۴ ۲۵	۲۴ ۳۸	۲۴ ۴۹	۲۵ ۱	۲۵ ۱۳	۲۵ ۲۵	۲۵ ۳۷	۲۵ ۴۹	۲۶ ۱	۲۶ ۱۳	۲۶ ۲۵	۲۶ ۳۷	۲۶ ۴۹	۲۷ ۱	۲۷ ۱۲	۲۷ ۲۴	۲۷ ۳۶	۲۷ ۴۸	۲۸ ۰	۲۸ ۱۲	۲۸ ۲۴	۲۸ ۳۶	بھادوں
کن	۲۸ ۴۸	۲۹ ۸	۲۹ ۱۲	۲۹ ۲۳	۲۹ ۳۶	۲۹ ۴۸	۳۰ ۰	۳۰ ۱۱	۳۰ ۲۳	۳۰ ۳۵	۳۰ ۴۷	۳۰ ۵۹	۳۱ ۱۰	۳۱ ۲۲	۳۱ ۳۵	۳۱ ۴۷	۳۱ ۵۹	۳۲ ۱۱	۳۲ ۲۳	۳۲ ۳۵	۳۲ ۴۷	۳۲ ۵۹	۳۳ ۱۰	۳۳ ۲۳	۳۳ ۳۴	۳۳ ۴۶	۳۳ ۵۵	۳۴ ۱۰	۳۴ ۲۲	۳۴ ۳۴	اسوج
تول	۳۴ ۴۸	۳۴ ۵۸	۳۵ ۱۰	۳۵ ۲۲	۳۵ ۳۴	۳۵ ۴۶	۳۵ ۵۸	۳۶ ۱۰	۳۶ ۲۲	۳۶ ۳۴	۳۶ ۴۶	۳۶ ۵۸	۳۷ ۱۱	۳۷ ۲۳	۳۷ ۳۵	۳۷ ۴۷	۳۷ ۵۹	۳۸ ۱۱	۳۸ ۲۳	۳۸ ۳۶	۳۸ ۴۸	۳۹ ۰	۳۹ ۱۲	۳۹ ۲۴	۳۹ ۳۷	۳۹ ۴۹	۳۹ ۵۹	۴۰ ۱۲	۴۰ ۲۵	۴۰ ۳۷	کاتک
ورچیک	۴۰ ۵۰	۴۱ ۲	۴۱ ۱۴	۴۱ ۲۶	۴۱ ۳۸	۴۱ ۵۰	۴۲ ۲	۴۲ ۱۴	۴۲ ۲۶	۴۲ ۳۸	۴۲ ۴۹	۴۳ ۱	۴۳ ۱۳	۴۳ ۲۴	۴۳ ۳۶	۴۳ ۴۸	۴۳ ۵۹	۴۴ ۱۱	۴۴ ۲۳	۴۴ ۳۵	۴۴ ۴۷	۴۴ ۵۸	۴۵ ۱۱	۴۵ ۲۱	۴۵ ۳۳	۴۵ ۴۴	۴۵ ۵۶	۴۶ ۸	۴۶ ۱۹	۴۶ ۳۱	مگھر
دھن	۴۶ ۴۳	۴۶ ۵۴	۴۷ ۵	۴۷ ۱۸	۴۷ ۲۹	۴۷ ۴۱	۴۷ ۵۳	۴۸ ۲	۴۸ ۱۲	۴۸ ۲۲	۴۸ ۳۲	۴۸ ۴۲	۴۸ ۵۲	۴۹ ۲	۴۹ ۱۱	۴۹ ۲۰	۴۹ ۳۱	۴۹ ۴۱	۴۹ ۵۱	۵۰ ۱	۵۰ ۱۱	۵۰ ۲۱	۵۰ ۳۰	۵۰ ۴۰	۵۰ ۵۰	۵۱ ۰	۵۱ ۱۰	۵۱ ۲۰	۵۱ ۳۰	۵۱ ۳۹	پوہ
مکر	۵۱ ۴۹	۵۱ ۵۹	۵۲ ۹	۵۲ ۱۹	۵۲ ۲۹	۵۲ ۳۹	۵۲ ۴۹	۵۲ ۵۶	۵۳ ۳	۵۳ ۱۳	۵۳ ۲۰	۵۳ ۲۷	۵۳ ۳۵	۵۳ ۴۳	۵۳ ۵۱	۵۳ ۵۸	۵۴ ۶	۵۴ ۱۴	۵۴ ۲۲	۵۴ ۲۹	۵۴ ۳۷	۵۴ ۴۵	۵۴ ۵۳	۵۵ ۱	۵۵ ۸	۵۵ ۱۶	۵۵ ۲۴	۵۵ ۳۲	۵۵ ۳۹	۵۵ ۴۷	ماگھ
کنب	۵۵ ۵۵	۵۶ ۳	۵۶ ۸	۵۶ ۱۸	۵۶ ۲۶	۵۶ ۳۳	۵۶ ۴۲	۵۶ ۴۸	۵۶ ۵۵	۵۷ ۱	۵۷ ۸	۵۷ ۱۵	۵۷ ۲۱	۵۷ ۲۸	۵۷ ۳۴	۵۷ ۴۱	۵۷ ۴۸	۵۷ ۵۳	۵۸ ۱	۵۸ ۷	۵۸ ۱۳	۵۸ ۲۱	۵۸ ۲۷	۵۸ ۳۳	۵۸ ۴۰	۵۸ ۴۵	۵۸ ۵۳	۵۹ ۰	۵۹ ۷	۵۹ ۱۳	پھاگن
مین	۵۹ ۲۰	۵۹ ۲۷	۵۹ ۳۳	۵۹ ۴۰	۵۹ ۴۶	۵۹ ۵۳	۰ ۰	۰ ۶	۰ ۱۳	۰ ۱۹	۰ ۲۶	۰ ۳۳	۰ ۳۹	۰ ۴۶	۰ ۵۲	۰ ۵۹	۱ ۶	۱ ۱۲	۱ ۱۹	۱ ۲۵	۱ ۳۲	۱ ۳۹	۱ ۴۵	۱ ۵۲	۱ ۵۸	۲ ۵	۲ ۱۲	۲ ۱۸	۲ ۲۵	۲ ۳۱	چیت

ورش پھل بنانے کی سارنی ←

ورتمان سمت سے اپنا جنم سمت کم کرنے پر گت ورش ہوتا ہے۔ گت ورش کے نیچے سارنی کے وار، گھڑی اور پل کے ساتھ اپنا جنم سمت کی وار، گھڑی، پل جوڑنے سے ورتمان سمت کی وار تتھا یشٹ کال کی گھڑی پل نکلیں گے۔ پھر سارنی سے لگن بنا کر ورش لگن بنائے۔

گت ورش	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷
وار	۱	۲	۳	۵	۶	۷	۱	۳	۴	۵	۶	۱	۲	۳	۴	۶	۷	۱	۲	۳	۵	۶	۷	۲	۳	۴	۵	۷	۱	۲	۴	۵	۶	۷	۲	۳	۴
گھڑی	۱۵	۳۱	۴۶	۲	۱۷	۳۳	۴۸	۴	۱۹	۳۵	۵۰	۶	۲۱	۳۷	۵۲	۸	۲۳	۳۹	۵۴	۱۰	۲۶	۴۱	۵۷	۱۲	۲۸	۴۳	۵۹	۱۴	۳۰	۴۵	۱	۱۶	۳۲	۴۷	۳	۱۸	۳۴
پل	۳۱	۲	۳۴	۶	۳۷	۹	۴۰	۱۲	۴۳	۱۵	۴۶	۱۸	۴۹	۲۱	۵۲	۲۴	۵۵	۲۷	۵۸	۳۰	۱	۳۳	۴	۳۵	۷	۳۹	۱۰	۴۲	۱۱	۴۵	۱۶	۴۸	۱۹	۵۱	۲۲	۵۴	۲۷

گت ورش	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳	۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷	۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱	۷۲	۷۳	۷۴
وار	۵	۷	۱	۲	۳	۵	۶	۷	۱	۳	۴	۵	۶	۱	۲	۳	۴	۶	۷	۱	۳	۴	۵	۶	۱	۲	۳	۴	۶	۷	۱	۲	۴	۵	۶	۷	۸
گھڑی	۴۹	۵	۲۱	۳۶	۵۲	۷	۲۳	۳۸	۵۴	۹	۲۵	۴۰	۵۶	۱۱	۲۷	۴۲	۵۸	۱۳	۲۹	۴۴	۰	۱۵	۳۱	۴۷	۲	۱۸	۳۳	۴۹	۴	۲۰	۳۵	۵۱	۶	۲۲	۳۷	۵۳	۸
پل	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	۱۰	۴۲	۱۳	۴۵	۱۶	۴۸	۱۹	۵۱

لگن سارنی بیساکھ مہینہ کے لئے

(جیسے ۲۰ بیساکھ کو شریہ اُدے سے ۶ بجے ۲۱ منٹ صبح تک میش لگن ہے۔ ۱۰ بجے ۲۸ منٹ رات سے ۱۲ بجے ۳۱ منٹ رات تک دھن لگن ہے)

لگن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	تاریخ
میش	۷/۳۵	۷/۳۱	۷/۲۸	۷/۲۴	۷/۲۰	۷/۱۶	۷/۱۳	۷/۹	۷/۵	۷/۱	۶/۵۸	۶/۵۳	۶/۴۹	۶/۴۵	۶/۴۱	۶/۳۷	۶/۳۳	۶/۲۹	۶/۲۵	۶/۲۱	۶/۱۷	۶/۱۳	۶/۹	۶/۵	۶/۱	۵/۵۷	۵/۵۳	۵/۴۹	۵/۴۵	۵ ۴۱ منٹ	بجے صبح تک
ورش	۹/۲۸	۹/۲۴	۹/۲۰	۹/۱۷	۹/۱۲	۹/۹	۹/۶	۹/۲	۸/۵۸	۸/۵۴	۸/۵۰	۸/۴۶	۸/۴۲	۸/۳۸	۸/۳۴	۸/۳۰	۸/۲۶	۸/۲۲	۸/۱۹	۸/۱۴	۸/۱۰	۸/۶	۸/۲	۷/۵۸	۷/۵۴	۷/۵۱	۷/۴۶	۷/۴۲	۷/۳۸	۷/۳۴	بجے صبح تک
میتھن	۱۱/۴۲	۱۱/۳۹	۱۱/۳۶	۱۱/۳۲	۱۱/۲۸	۱۱/۲۵	۱۱/۲۱	۱۱/۱۷	۱۱/۱۳	۱۱/۹	۱۱/۵	۱۱/۱	۱۰/۵۷	۱۰/۵۳	۱۰/۴۹	۱۰/۴۵	۱۰/۴۱	۱۰/۳۷	۱۰/۳۳	۱۰/۲۹	۱۰/۲۵	۱۰/۲۱	۱۰/۱۷	۱۰/۱۳	۱۰/۹	۱۰/۵	۱۰/۱	۹/۵۷	۹/۵۳	۹/۴۹	بجے صبح تک
کرکٹ	۲/۸	۲/۴	۲/۰	۱/۵۷	۱/۵۳	۱/۴۹	۱/۴۶	۱/۴۲	۱/۳۸	۱/۳۴	۱/۳۰	۱/۲۶	۱/۲۲	۱/۱۸	۱/۱۴	۱/۱۰	۱/۶	۱/۲	۱۲/۵۸	۱۲/۵۴	۱۲/۵۰	۱۲/۴۶	۱۲/۴۲	۱۲/۳۸	۱۲/۳۴	۱۲/۳۰	۱۲/۲۶	۱۲/۲۲	۱۲/۱۸	۱۲/۱۴	بجے دن تک
سنگھ	۴/۳۲	۴/۲۸	۴/۲۴	۴/۲۰	۴/۱۷	۴/۱۳	۴/۹	۴/۶	۴/۲	۳/۵۸	۳/۵۴	۳/۵۰	۳/۴۶	۳/۴۲	۳/۳۸	۳/۳۴	۳/۳۰	۳/۲۶	۳/۲۲	۳/۱۸	۳/۱۴	۳/۱۰	۳/۶	۳/۲	۲/۵۸	۲/۵۴	۲/۵۰	۲/۴۶	۲/۴۲	۲/۳۸	بجے دن تک
کنیا	۶/۵۵	۶/۵۱	۶/۴۷	۶/۴۴	۶/۴۰	۶/۳۶	۶/۳۳	۶/۲۹	۶/۲۵	۶/۲۱	۶/۱۷	۶/۱۳	۶/۹	۶/۵	۶/۱	۵/۵۷	۵/۵۳	۵/۴۹	۵/۴۵	۵/۴۱	۵/۳۷	۵/۳۳	۵/۲۹	۵/۲۵	۵/۲۱	۵/۱۷	۵/۱۳	۵/۹	۵/۵	۵/۱	بجے دن تک
تول	۹/۲۱	۹/۱۷	۹/۱۳	۹/۹	۹/۵	۹/۲	۸/۵۸	۸/۵۴	۸/۵۰	۸/۴۶	۸/۴۲	۸/۳۸	۸/۳۴	۸/۳۰	۸/۲۶	۸/۲۲	۸/۱۸	۸/۱۴	۸/۱۰	۸/۶	۸/۲	۷/۵۸	۷/۵۴	۷/۵۰	۷/۴۶	۷/۴۲	۷/۳۸	۷/۳۴	۷/۳۱	۷/۲۷	بجے شام تک
ورچک	۱۱/۴۲	۱۱/۳۸	۱۱/۳۴	۱۱/۳۰	۱۱/۲۷	۱۱/۲۳	۱۱/۱۹	۱۱/۱۶	۱۱/۱۲	۱۱/۸	۱۱/۴	۱۱/۰	۱۰/۵۶	۱۰/۵۲	۱۰/۴۸	۱۰/۴۴	۱۰/۴۰	۱۰/۳۶	۱۰/۳۲	۱۰/۲۸	۱۰/۲۴	۱۰/۲۰	۱۰/۱۶	۱۰/۱۲	۱۰/۸	۱۰/۴	۱۰/۰	۹/۵۶	۹/۵۲	۹/۴۸	بجے رات تک
دھن	۱/۴۴	۱/۴۱	۱/۳۷	۱/۳۳	۱/۳۰	۱/۲۶	۱/۲۲	۱/۱۹	۱/۱۵	۱/۱۱	۱/۷	۱/۳	۱۲/۵۹	۱۲/۵۵	۱۲/۵۱	۱۲/۴۷	۱۲/۴۳	۱۲/۳۹	۱۲/۳۵	۱۲/۳۱	۱۲/۲۷	۱۲/۲۳	۱۲/۱۹	۱۲/۱۵	۱۲/۱۱	۱۲/۷	۱۲/۳	۱۱/۵۹	۱۱/۵۵	۱۱/۵۱	بجے رات تک
مکر	۳/۲۳	۳/۲۰	۳/۱۶	۳/۱۲	۳/۹	۳/۵	۳/۱	۲/۵۷	۲/۵۳	۲/۴۹	۲/۴۵	۲/۴۱	۲/۳۷	۲/۳۳	۲/۲۹	۲/۲۵	۲/۲۱	۲/۱۷	۲/۱۳	۲/۹	۲/۵	۲/۱	۱/۵۷	۱/۵۳	۱/۴۹	۱/۴۶	۱/۴۲	۱/۳۸	۱/۳۴	۱/۳۰	بجے رات تک
کنبھ	۴/۴۶	۴/۴۲	۴/۳۸	۴/۳۴	۴/۳۱	۴/۲۷	۴/۲۳	۴/۲۰	۴/۱۶	۴/۱۲	۴/۸	۴/۴	۴/۰	۳/۵۶	۳/۵۲	۳/۴۸	۳/۴۴	۳/۴۰	۳/۳۶	۳/۳۲	۳/۲۸	۳/۲۴	۳/۲۰	۳/۱۶	۳/۱۲	۳/۹	۳/۴	۳/۰	۲/۵۶	۲/۵۲	بجے رات تک
مین	۶/۵	۶/۱	۵/۵۷	۵/۵۴	۵/۵۰	۵/۴۶	۵/۴۳	۵/۳۹	۵/۳۵	۵/۳۰	۵/۲۷	۵/۲۳	۵/۱۹	۵/۱۵	۵/۱۱	۵/۷	۵/۳	۴/۵۹	۴/۵۵	۴/۵۱	۴/۴۷	۴/۴۳	۴/۳۹	۴/۳۵	۴/۳۱	۴/۲۷	۴/۲۳	۴/۱۹	۴/۱۵	۴/۱۱	بجے رات تک

لگن سارنی جیٹھ مہینہ کے لئے

(جیسے ۲۰ جیٹھ کو شریہ اُدے سے ۶ بجے ۱۰ منٹ صبح تک ورش لگن ہے۔ ۱ بجے ۲۸ منٹ رات سے ۲ بجے ۴۷ منٹ رات تک مین لگن ہے۔

لگن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	تاریخ
ورش	۷/۳۰	۷/۲۶	۷/۲۲	۷/۱۸	۷/۱۴	۷/۱۰	۷/۶	۷/۲	۶/۵۸	۶/۵۳	۶/۴۹	۶/۴۵	۶/۴۰	۶/۳۶	۶/۳۲	۶/۲۸	۶/۲۳	۶/۱۹	۶/۱۵	۶/۱۰	۶/۶	۶/۲	۵/۵۷	۵/۵۳	۵/۴۹	۵/۴۵	۵/۴۰	۵/۳۶	۵/۳۲	۵/۲۷	بجے صبح تک
میتھن	۹/۴۵	۹/۴۱	۹/۳۷	۹/۳۳	۹/۲۹	۹/۲۵	۹/۲۱	۹/۱۷	۹/۱۳	۹/۹	۹/۴	[illegible]	۸/۵۶	۸/۵۱	۸/۴۷	۸/۴۳	۸/۳۹	۸/۳۴	۸/۳۰	۸/۲۶	۸/۲۱	۸/۱۷	۸/۱۳	۸/۸	۸/۴	۸/۰	۷/۵۵	۷/۵۱	۷/۴۷	۷/۴۳	بجے صبح تک
کرکٹ	۱۲/۱۱	۱۲/۶	۱۲/۲	۱۱/۵۸	۱۱/۵۴	۱۱/۵۰	۱۱/۴۶	۱۱/۴۲	۱۱/۳۸	۱۱/۳۳	۱۱/۲۹	۱۱/۲۵	۱۱/۲۰	۱۱/۱۶	۱۱/۱۲	۱۱/۸	۱۱/۳	۱۰/۵۹	۱۰/۵۵	۱۰/۵۰	۱۰/۴۷	۱۰/۴۲	۱۰/۳۷	۱۰/۳۳	۱۰/۲۹	۱۰/۲۴	۱۰/۲۰	۱۰/۱۶	۱۰/۱۲	۱۰/۷	بجے صبح تک
سنگھ	۲/۳۴	۲/۳۰	۲/۲۶	۲/۲۲	۲/۱۸	۲/۱۴	۲/۱۰	۲/۶	۲/۲	۱/۵۷	۱/۵۳	۱/۴۹	۱/۴۴	۱/۴۰	۱/۳۶	۱/۳۱	۱/۲۷	۱/۲۳	۱/۱۸	۱/۱۴	۱/۱۰	۱/۶	۱/۱	۱۲/۵۷	۱۲/۵۳	۱۲/۴۸	۱۲/۴۴	۱۲/۴۰	۱۲/۳۵	۱۲/۳۱	بجے دن تک
کنیا	۴/۵۷	۴/۵۳	۴/۴۹	۴/۴۵	۴/۴۱	۴/۳۷	۴/۳۳	۴/۲۹	۴/۲۵	۴/۲۰	۴/۱۶	۴/۱۲	۴/۸	۴/۳	۳/۵۹	۳/۵۵	۳/۵۰	۳/۴۶	۳/۴۲	۳/۳۷	۳/۳۳	۳/۲۹	۳/۲۴	۳/۲۰	۳/۱۶	۳/۱۲	۳/۷	۳/۳	۲/۵۹	۲/۵۴	بجے دن تک
تول	۷/۲۳	۷/۱۹	۷/۱۵	۷/۱۱	۷/۷	۷/۳	۶/۵۹	۶/۵۴	۶/۵۰	۶/۴۶	۶/۴۲	۶/۳۷	۶/۳۳	۶/۲۹	۶/۲۴	۶/۲۰	۶/۱۶	۶/۱۱	۶/۷	۶/۳	۵/۵۸	۵/۵۴	۵/۵۰	۵/۴۶	۵/۴۱	۵/۳۷	۵/۳۳	۵/۲۸	۵/۲۴	۵/۲۰	بجے دن تک
ورچک	۹/۴۴	۹/۴۰	۹/۳۵	۹/۳۱	۹/۲۷	۹/۲۳	۹/۱۹	۹/۱۴	۹/۱۱	۹/۷	۹/۲	۸/۵۸	۸/۵۴	۸/۵۰	۸/۴۶	۸/۴۱	۸/۳۷	۸/۳۳	۸/۲۸	۸/۲۴	۸/۲۰	۸/۱۵	۸/۱۱	۸/۷	۸/۳	۷/۵۸	۷/۵۴	۷/۴۹	۷/۴۵	۷/۴۱	بجے شام تک
دھن	۱۱/۴۷	۱۱/۴۳	۱۱/۳۹	۱۱/۳۵	۱۱/۳۱	۱۱/۲۷	۱۱/۲۳	۱۱/۱۹	۱۱/۱۵	۱۱/۱۰	۱۱/۶	۱۱/۲	۱۰/۵۷	۱۰/۵۳	۱۰/۴۹	۱۰/۴۴	۱۰/۴۰	۱۰/۳۶	۱۰/۳۱	۱۰/۲۷	۱۰/۲۳	۱۰/۱۹	۱۰/۱۴	۱۰/۱۰	۱۰/۶	۱۰/۱	۹/۵۶	۹/۵۲	۹/۴۸	۹/۴۴	بجے رات تک
مکر	۱/۲۶	۱/۲۲	۱/۱۸	۱/۱۴	۱/۱۰	۱/۶	۱/۲	۱۲/۵۷	۱۲/۵۳	۱۲/۴۹	۱۲/۴۵	۱۲/۴۰	۱۲/۳۶	۱۲/۳۲	۱۲/۲۷	۱۲/۲۳	۱۲/۱۹	۱۲/۱۴	۱۲/۱۰	۱۲/۶	۱۲/۲	۱۱/۵۷	۱۱/۵۳	۱۱/۴۹	۱۱/۴۴	۱۱/۴۰	۱۱/۳۵	۱۱/۳۱	۱۱/۲۷	۱۱/۲۳	بجے رات تک
کنبھ	۲/۴۸	۲/۴۴	۲/۴۰	۲/۳۶	۲/۳۲	۲/۲۸	۲/۲۴	۲/۲۰	۲/۱۵	۲/۱۱	۲/۷	۲/۲	۱/۵۸	۱/۵۴	۱/۵۰	۱/۴۵	۱/۴۱	۱/۳۶	۱/۳۲	۱/۲۸	۱/۲۳	۱/۱۹	۱/۱۵	۱/۱۱	۱/۷	۱/۲	۱۲/۵۸	۱۲/۵۳	۱۲/۴۹	۱۲/۴۵	بجے رات تک
مین	۴/۷	۴/۳	۳/۵۹	۳/۵۵	۳/۵۱	۳/۴۷	۳/۴۳	۳/۳۹	۳/۳۵	۳/۳۰	۳/۲۶	۳/۲۱	۳/۱۷	۳/۱۳	۳/۹	۳/۴	۳/۰	۲/۵۶	۲/۵۱	۲/۴۷	۲/۴۳	۲/۳۹	۲/۳۴	۲/۳۰	۲/۲۶	۲/۲۱	۲/۱۷	۲/۱۳	۲/۹	۲/۴	بجے رات تک
میش	۵/۳۷	۵/۳۳	۵/۲۹	۵/۲۵	۵/۲۱	۵/۱۷	۵/۱۳	۵/۹	۵/۵	۵/۱	۴/۵۶	۴/۵۲	۴/۴۸	[illegible]	[illegible]	[illegible]	۴/۳۰	۴/۲۶	[illegible]	۴/۱۷	۴/۱۳	۴/۹	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	۳/۴۷	۳/۴۳	۳/۳۹	۳/۳۴	بجے رات تک

(لگن سارنی ہاڑ مہینہ کے لئے) جیسے ۶ ہاڑ کو سُریہ اُدے سے ۷ بجے ۱۶ منٹ صبح تک میتھن لگن ہے ۔ ۷ بجے ۱۶ منٹ سے ۹ بجے ۴۱ منٹ تک کرکٹ لگن ہے

لگن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰ ۳۲	تاریخ
میتھن	۷ ۳۸	۷ ۳۴	۷ ۳۰	۷ ۲۵	۷ ۲۰	۷ ۱۶	۷ ۱۱	۷ ۷	۷ ۳	۶ ۵۹	۶ ۵۵	۶ ۵۱	۶ ۴۷	۶ ۴۲	۶ ۳۸	۶ ۳۳	۶ ۲۹	۶ ۲۵	۶ ۲۱	۶ ۱۶	۶ ۱۲	۶ ۸	۶ ۳	۵ ۵۹	۵ ۵۵	۵ ۵۱	۵ ۴۶	۵ ۴۲	۵ ۳۸	۵ منٹ ۳۳	بجے صبح تک
کرکٹ	۱۰ ۳	۹ ۵۹	۹ ۵۴	۹ ۵۰	۹ ۴۶	۹ ۴۱	۹ ۳۷	۹ ۳۳	۹ ۲۹	۹ ۲۴	۹ ۲۰	۹ ۱۶	۹ ۱۱	۹ ۷	۹ ۳	۸ ۵۸	۸ ۵۴	۸ ۵۰	۸ ۴۵	۸ ۴۱	۸ ۳۷	۸ ۳۳	۸ ۲۸	۸ ۲۴	۸ ۲۰	۸ ۱۵	۸ ۱۱	۸ ۷	۸ ۲	۷ ۵۸	بجے صبح تک
سمہ	۱۲ ۲۷	۱۲ ۲۲	۱۲ ۱۸	۱۲ ۱۴	۱۲ ۱۰	۱۲ ۵	۱۲ ۱	۱۱ ۵۷	۱۱ ۵۲	۱۱ ۴۸	۱۱ ۴۴	۱۱ ۳۹	۱۱ ۳۵	۱۱ ۳۱	۱۱ ۲۶	۱۱ ۲۲	۱۱ ۱۸	۱۱ ۱۴	۱۱ ۹	۱۱ ۵	۱۱ ۱	۱۰ ۵۶	۱۰ ۵۲	۱۰ ۴۸	۱۰ ۴۳	۱۰ ۳۹	۱۰ ۳۵	۱۰ ۳۰	۱۰ ۲۶	۱۰ ۲۲	بجے صبح تک
کنیا	۲ ۵۰	۲ ۴۶	۲ ۴۱	۲ ۳۷	۲ ۳۳	۲ ۲۸	۲ ۲۴	۲ ۲۰	۲ ۱۶	۲ ۱۱	۲ ۷	۲ ۳	۱ ۵۸	۱ ۵۴	۱ ۵۰	۱ ۴۵	۱ ۴۱	۱ ۳۶	۱ ۳۲	۱ ۲۸	۱ ۲۴	۱ ۲۰	۱ ۱۵	۱ ۱۱	۱ ۷	۱ ۳	۱۲ ۵۸	۱۲ ۵۴	۱۲ ۴۹	۱۲ ۴۵	بجے دن تک
تُلا	۵ ۱۵	۵ ۱۱	۵ ۷	۵ ۲	۴ ۵۸	۴ ۵۴	۴ ۵۰	۴ ۴۵	۴ ۴۱	۴ ۳۶	۴ ۳۲	۴ ۲۸	۴ ۲۳	۴ ۱۹	۴ ۱۵	۴ ۱۱	۴ ۶	۴ ۲	۳ ۵۸	۳ ۵۴	۳ ۴۹	۳ ۴۵	۳ ۴۱	۳ ۳۶	۳ ۳۲	۳ ۲۸	۳ ۲۳	۳ ۱۹	۳ ۱۵	۳ ۱۰	بجے دن تک
ورشچک	۷ ۳۷	۷ ۳۲	۷ ۲۸	۷ ۲۴	۷ ۱۹	۷ ۱۵	۷ ۱۱	۷ ۶	۷ ۲	۶ ۵۸	۶ ۵۳	۶ ۴۹	۶ ۴۵	۶ ۴۱	۶ ۳۶	۶ ۳۲	۶ ۲۸	۶ ۲۳	۶ ۱۹	۶ ۱۵	۶ ۱۱	۶ ۶	۶ ۲	۵ ۵۸	۵ ۵۳	۵ ۴۹	۵ ۴۵	۵ ۴۰	۵ ۳۶	۵ ۳۲	بجے دن تک
دھن	۹ ۴۰	۹ ۳۵	۹ ۳۱	۹ ۲۷	۹ ۲۳	۹ ۱۸	۹ ۱۴	۹ ۱۰	۹ ۵	۹ ۰	۸ ۵۶	۸ ۵۲	۸ ۴۸	۸ ۴۴	۸ ۳۹	۸ ۳۵	۸ ۳۱	۸ ۲۷	۸ ۲۲	۸ ۱۸	۸ ۱۳	۸ ۹	۸ ۵	۸ ۱	۷ ۵۶	۷ ۵۲	۷ ۴۸	۷ ۴۳	۷ ۳۹	۷ ۳۵	بجے شام تک
مکر	۱۱ ۱۸	۱۱ ۱۴	۱۱ ۱۰	۱۱ ۶	۱۱ ۱	۱۰ ۵۷	۱۰ ۵۳	۱۰ ۴۸	۱۰ ۴۴	۱۰ ۴۰	۱۰ ۳۵	۱۰ ۳۱	۱۰ ۲۷	۱۰ ۲۳	۱۰ ۱۸	۱۰ ۱۴	۱۰ ۱۰	۱۰ ۵	۱۰ ۱	۹ ۵۷	۹ ۵۲	۹ ۴۸	۹ ۴۳	۹ ۳۹	۹ ۳۵	۹ ۳۱	۹ ۲۶	۹ ۲۲	۹ ۱۸	۹ ۱۴	بجے رات تک
کمبھ	۱۲ ۴۱	۱۲ ۳۶	۱۲ ۳۲	۱۲ ۲۸	۱۲ ۲۳	۱۲ ۱۹	۱۲ ۱۵	۱۲ ۱۱	۱۲ ۶	۱۲ ۲	۱۱ ۵۸	۱۱ ۵۳	۱۱ ۴۹	۱۱ ۴۵	۱۱ ۴۰	۱۱ ۳۶	۱۱ ۳۲	۱۱ ۲۷	۱۱ ۲۳	۱۱ ۱۹	۱۱ ۱۵	۱۱ ۱۰	۱۱ ۶	۱۱ ۲	۱۰ ۵۷	۱۰ ۵۳	۱۰ ۴۹	۱۰ ۴۴	۱۰ ۴۰	۱۰ ۳۶	بجے رات تک
مین	۲ ۰	۱ ۵۶	۱ ۵۱	۱ ۴۷	۱ ۴۳	۱ ۳۸	۱ ۳۴	۱ ۳۰	۱ ۲۶	۱ ۲۲	۱ ۱۷	۱ ۱۲	۱ ۸	۱ ۴	۱ ۰	۱۲ ۵۵	۱۲ ۵۱	۱۲ ۴۷	۱۲ ۴۲	۱۲ ۳۸	۱۲ ۳۴	۱۲ ۲۹	۱۲ ۲۵	۱۲ ۲۱	۱۲ ۱۷	۱۲ ۱۲	۱۲ ۸	۱۲ ۳	۱۱ ۵۹	۱۱ ۵۵	بجے رات تک
میش	۳ ۳۰	۳ ۲۶	۳ ۲۱	۳ ۱۷	۳ ۱۳	۳ ۸	۳ ۴	۳ ۰	۲ ۵۶	۲ ۵۱	۲ ۴۷	۲ ۴۳	۲ ۳۸	۲ ۳۴	۲ ۳۰	۲ ۲۶	۲ ۲۱	۲ ۱۷	۲ ۱۳	۲ ۸	۲ ۴	۲ ۰	۱ ۵۶	۱ ۵۱	۱ ۴۷	۱ ۴۲	۱ ۳۸	۱ ۳۳	۱ ۲۹	۱ ۲۵	بجے رات تک
ورش	۵ ۲۳	۵ ۱۹	۵ ۱۴	۵ ۱۰	۵ ۶	۵ ۲	۴ ۵۷	۴ ۵۳	۴ ۴۹	۴ ۴۴	۴ ۴۰	۴ ۳۶	۴ ۳۱	۴ ۲۷	۴ ۲۳	۴ ۱۸	۴ ۱۴	۴ ۱۰	۴ ۵	۴ ۱	۳ ۵۷	۳ ۵۳	۳ ۴۸	۳ ۴۴	۳ ۴۰	۳ ۳۵	۳ ۳۱	۳ ۲۷	۳ ۲۳	۳ ۱۸	بجے رات تک

(لگن سارنی شراون مہینہ کے لئے) جیسے:- ۱۱ شراون کو ۹ بجے ۵۰ منٹ رات سے ۱۱ بجے ۹ منٹ رات تک مین لگن ۱۱ بجے ۹ منٹ رات سے ۱۲ بجے ۳۹ منٹ رات تک میش لگن ہے

لگن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰ ۳۲	تاریخ
کرکٹ	۷ ۵۴	۷ ۴۹	۷ ۴۵	۷ ۴۱	۷ ۳۷	۷ ۳۲	۷ ۲۸	۷ ۲۴	۷ ۲۰	۷ ۱۶	۷ ۱۲	۷ ۸	۷ ۴	۷ ۰	۶ ۵۶	۶ ۵۲	۶ ۴۸	۶ ۴۴	۶ ۴۰	۶ ۳۶	۶ ۳۲	۶ ۲۸	۶ ۲۴	۶ ۲۰	۶ ۱۶	۶ ۱۲	۶ ۸	۶ ۴	۶ ۰	۵ منٹ ۵۶	بجے صبح تک
سمہ	۱۰ ۱۸	۱۰ ۱۳	۱۰ ۹	۱۰ ۵	۱۰ ۰	۹ ۵۶	۹ ۵۲	۹ ۴۸	۹ ۴۴	۹ ۴۰	۹ ۳۶	۹ ۳۲	۹ ۲۸	۹ ۲۳	۹ ۲۰	۹ ۱۶	۹ ۱۲	۹ ۸	۹ ۴	۹ ۰	۸ ۵۶	۸ ۵۲	۸ ۴۸	۸ ۴۴	۸ ۴۰	۸ ۳۶	۸ ۳۲	۸ ۲۸	۸ ۲۴	۸ ۲۰	بجے صبح تک
کنیا	۱۲ ۴۱	۱۲ ۳۶	۱۲ ۳۲	۱۲ ۲۸	۱۲ ۲۴	۱۲ ۲۰	۱۲ ۱۵	۱۲ ۱۱	۱۲ ۷	۱۲ ۳	۱۱ ۵۹	۱۱ ۵۵	۱۱ ۵۱	۱۱ ۴۷	۱۱ ۴۳	۱۱ ۳۹	۱۱ ۳۵	۱۱ ۳۱	۱۱ ۲۷	۱۱ ۲۳	۱۱ ۱۹	۱۱ ۱۵	۱۱ ۱۰	۱۱ ۷	۱۱ ۳	۱۰ ۵۹	۱۰ ۵۵	۱۰ ۵۱	۱۰ ۴۷	۱۰ ۴۳	بجے صبح تک
تُلا	۳ ۶	۳ ۲	۲ ۵۸	۲ ۵۳	۲ ۴۹	۲ ۴۵	۲ ۴۰	۲ ۳۶	۲ ۳۲	۲ ۲۸	۲ ۲۳	۲ ۲۰	۲ ۱۶	۲ ۱۲	۲ ۸	۲ ۴	۲ ۰	۱ ۵۶	۱ ۵۲	۱ ۴۸	۱ ۴۴	۱ ۴۰	۱ ۳۶	۱ ۳۲	۱ ۲۸	۱ ۲۴	۱ ۲۰	۱ ۱۶	۱ ۱۲	۱ ۸	بجے دن تک
ورشچک	۵ ۲۷	۵ ۲۳	۵ ۱۹	۵ ۱۵	۵ ۱۰	۵ ۶	۵ ۲	۴ ۵۸	۴ ۵۴	۴ ۵۰	۴ ۴۶	۴ ۴۲	۴ ۳۸	۴ ۳۴	۴ ۳۰	۴ ۲۶	۴ ۲۲	۴ ۱۸	۴ ۱۴	۴ ۱۰	۴ ۶	۴ ۲	۳ ۵۸	۳ ۵۴	۳ ۵۰	۳ ۴۶	۳ ۴۲	۳ ۳۸	۳ ۳۴	۳ ۳۰	بجے دن تک
دھن	۷ ۳۰	۷ ۲۶	۷ ۲۲	۷ ۱۸	۷ ۱۳	۷ ۹	۷ ۵	۷ ۱	۶ ۵۷	۶ ۵۳	۶ ۴۹	۶ ۴۵	۶ ۴۱	۶ ۳۷	۶ ۳۳	۶ ۲۹	۶ ۲۵	۶ ۲۱	۶ ۱۷	۶ ۱۳	۶ ۹	۶ ۵	۶ ۱	۵ ۵۷	۵ ۵۳	۵ ۴۹	۵ ۴۵	۵ ۴۱	۵ ۳۷	۵ ۳۳	بجے دن تک
مکر	۹ ۹	۹ ۵	۹ ۱	۸ ۵۶	۸ ۵۲	۸ ۴۸	۸ ۴۳	۸ ۳۹	۸ ۳۵	۸ ۳۱	۸ ۲۷	۸ ۲۳	۸ ۱۹	۸ ۱۵	۸ ۱۱	۸ ۷	۸ ۳	۷ ۵۹	۷ ۵۵	۷ ۵۱	۷ ۴۷	۷ ۴۳	۷ ۳۹	۷ ۳۵	۷ ۳۱	۷ ۲۸	۷ ۲۴	۷ ۲۰	۷ ۱۶	۷ ۱۲	بجے شام تک
کمبھ	۱۰ ۳۱	۱۰ ۲۷	۱۰ ۲۳	۱۰ ۱۹	۱۰ ۱۵	۱۰ ۱۰	۱۰ ۶	۱۰ ۲	۹ ۵۸	۹ ۵۴	۹ ۵۰	۹ ۴۶	۹ ۴۲	۹ ۳۸	۹ ۳۴	۹ ۳۰	۹ ۲۶	۹ ۲۲	۹ ۱۸	۹ ۱۴	۹ ۱۰	۹ ۶	۹ ۲	۸ ۵۸	۸ ۵۴	۸ ۵۰	۸ ۴۶	۸ ۴۲	۸ ۳۸	۸ ۳۴	بجے شام تک
مین	۱۱ ۵۱	۱۱ ۴۶	۱۱ ۴۲	۱۱ ۳۸	۱۱ ۳۳	۱۱ ۲۹	۱۱ ۲۵	۱۱ ۲۱	۱۱ ۱۷	۱۱ ۱۳	۱۱ ۹	۱۱ ۵	۱۱ ۱	۱۰ ۵۷	۱۰ ۵۳	۱۰ ۴۹	۱۰ ۴۵	۱۰ ۴۱	۱۰ ۳۷	۱۰ ۳۳	۱۰ ۲۹	۱۰ ۲۵	۱۰ ۲۱	۱۰ ۱۷	۱۰ ۱۳	۱۰ ۹	۱۰ ۵	۱۰ ۱	۹ ۵۷	۹ ۵۳	بجے رات تک
میش	۱ ۲۱	۱ ۱۶	۱ ۱۲	۱ ۸	۱ ۴	۱۲ ۵۹	۱۲ ۵۵	۱۲ ۵۱	۱۲ ۴۷	۱۲ ۴۳	۱۲ ۳۹	۱۲ ۳۵	۱۲ ۳۱	۱۲ ۲۷	۱۲ ۲۳	۱۲ ۱۹	۱۲ ۱۵	۱۲ ۱۱	۱۲ ۷	۱۲ ۳	۱۱ ۵۹	۱۱ ۵۵	۱۱ ۵۱	۱۱ ۴۷	۱۱ ۴۳	۱۱ ۳۹	۱۱ ۳۵	۱۱ ۳۱	۱۱ ۲۷	۱۱ ۲۳	بجے رات تک
ورش	۳ ۱۴	۳ ۹	۳ ۵	۳ ۱	۲ ۵۷	۲ ۵۲	۲ ۴۸	۲ ۴۴	۲ ۴۰	۲ ۳۶	۲ ۳۲	۲ ۲۸	۲ ۲۴	۲ ۲۰	۲ ۱۶	۲ ۱۲	۲ ۸	۲ ۴	۲ ۰	۱ ۵۶	۱ ۵۲	۱ ۴۸	۱ ۴۴	۱ ۴۰	۱ ۳۶	۱ ۳۲	۱ ۲۸	۱ ۲۴	۱ ۲۰	۱ ۱۶	بجے رات تک
میتھن	۵ ۲۹	۵ ۲۵	۵ ۲۰	۵ ۱۶	۵ ۱۲	۵ ۸	۵ ۳	۴ ۵۹	۴ ۵۵	۴ ۵۱	۴ ۴۷	۴ ۴۳	۴ ۳۹	۴ ۳۵	۴ ۳۱	۴ ۲۷	۴ ۲۳	۴ ۱۹	۴ ۱۵	۴ ۱۱	۴ ۷	۴ ۳	۳ ۵۹	۳ ۵۵	۳ ۵۱	۳ ۴۷	۳ ۴۳	۳ ۳۹	۳ ۳۵	۳ ۳۱	بجے رات تک

(لگن ساری بھادروں مہینہ کے لئے) جیسے:- ۸ بھادروں کو سُریہ اُودے سے ۶ بجے ۸ ۴ منٹ صبح تک سہم لگن - ۸ بجے ۲ منٹ شام سے ۹ بجے ۱۸ منٹ رات تک مین لگن ہے

لگن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵
سہم	۸ ۱۶	۸ ۱۲	۸ ۸	۸ ۴	۸ ۰	۷ ۵۶	۷ ۵۲	۷ ۴۸	۷ ۴۴	۷ ۴۱	۷ ۳۷	۷ ۳۳	۷ ۳۰	۷ ۲۶	۷ ۲۲
کن	۱۰ ۳۹	۱۰ ۳۵	۱۰ ۳۱	۱۰ ۲۷	۱۰ ۲۳	۱۰ ۱۹	۱۰ ۱۵	۱۰ ۱۱	۱۰ ۸	۱۰ ۴	۱۰ ۰	۹ ۵۶	۹ ۵۳	۹ ۴۹	۹ ۴۵
طول	۱ ۵	۱ ۱	۱۲ ۵۷	۱۲ ۵۳	۱۲ ۴۹	۱۲ ۴۵	۱۲ ۴۱	۱۲ ۳۷	۱۲ ۳۳	۱۲ ۳۰	۱۲ ۲۶	۱۲ ۲۲	۱۲ ۱۸	۱۲ ۱۴	۱۲ ۱۱
ورچیک	۳ ۲۶	۳ ۲۲	۳ ۱۸	۳ ۱۴	۳ ۱۰	۳ ۶	۳ ۲	۲ ۵۸	۲ ۵۴	۲ ۵۱	۲ ۴۷	۲ ۴۳	۲ ۴۰	۲ ۳۶	۲ ۳۲
دھن	۵ ۲۹	۵ ۲۵	۵ ۲۱	۵ ۱۷	۵ ۱۳	۵ ۹	۵ ۵	۵ ۱	۴ ۵۷	۴ ۵۴	۴ ۵۰	۴ ۴۶	۴ ۴۳	۴ ۳۹	۴ ۳۵
مکر	۷ ۸	۷ ۴	۷ ۱	۶ ۵۶	۶ ۵۲	۶ ۴۸	۶ ۴۴	۶ ۴۰	۶ ۳۶	۶ ۳۲	۶ ۲۸	۶ ۲۵	۶ ۲۱	۶ ۱۷	۶ ۱۴
کنب	۸ ۳۰	۸ ۲۶	۸ ۲۲	۸ ۱۸	۸ ۱۴	۸ ۱۰	۸ ۶	۸ ۲	۷ ۵۸	۷ ۵۵	۷ ۵۱	۷ ۴۷	۷ ۴۳	۷ ۴۰	۷ ۳۶
مین	۹ ۴۹	۹ ۴۵	۹ ۴۰	۹ ۳۷	۹ ۳۳	۹ ۲۹	۹ ۲۵	۹ ۲۱	۹ ۱۸	۹ ۱۴	۹ ۱۰	۹ ۶	۹ ۳	۸ ۵۹	۸ ۵۵
میش	۱۱ ۱۹	۱۱ ۱۵	۱۱ ۱۱	۱۱ ۷	۱۱ ۳	۱۰ ۵۹	۱۰ ۵۵	۱۰ ۵۱	۱۰ ۴۸	۱۰ ۴۴	۱۰ ۴۰	۱۰ ۳۷	۱۰ ۳۳	۱۰ ۲۹	۱۰ ۲۵
ورش	۱ ۱۲	۱ ۸	۱ ۴	۱ ۰	۱۲ ۵۶	۱۲ ۵۲	۱۲ ۴۸	۱۲ ۴۴	۱۲ ۴۱	۱۲ ۳۷	۱۲ ۳۳	۱۲ ۲۹	۱۲ ۲۶	۱۲ ۲۲	۱۲ ۱۸
میتھن	۳ ۲۷	۳ ۲۳	۳ ۱۹	۳ ۱۵	۳ ۱۱	۳ ۷	۳ ۳	۳ ۰	۲ ۵۶	۲ ۵۲	۲ ۴۸	۲ ۴۵	۲ ۴۱	۲ ۳۷	۲ ۳۴
کرکٹ	۵ ۵۲	۵ ۴۸	۵ ۴۴	۵ ۴۰	۵ ۳۶	۵ ۳۲	۵ ۲۸	۵ ۲۴	۵ ۲۱	۵ ۱۷	۵ ۱۳	۵ ۹	۵ ۶	۵ ۲	۴ ۵۸

لگن	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	تاریخ
سہم	۷ ۱۸	۷ ۱۵	۷ ۱۲	۷ ۷	۷ ۴	۷ ۰	۶ ۵۶	۶ ۵۳	۶ ۴۹	۶ ۴۵	۶ ۴۱	۶ ۳۸	۶ ۳۴	۶ ۳۰	۶ بجے ۲۷ منٹ	بجے صبح تک
کن	۹ ۴۲	۹ ۳۸	۹ ۳۴	۹ ۳۱	۹ ۲۷	۹ ۲۳	۹ ۱۹	۹ ۱۶	۹ ۱۲	۹ ۹	۹ ۵	۹ ۱	۸ ۵۷	۸ ۵۴	۸ ۵۰	بجے صبح تک
طول	۱۲ ۷	۱۲ ۳	۱۲ ۰	۱۱ ۵۶	۱۱ ۵۲	۱۱ ۴۹	۱۱ ۴۵	۱۱ ۴۱	۱۱ ۳۷	۱۱ ۳۴	۱۱ ۳۰	۱۱ ۲۶	۱۱ ۲۳	۱۱ ۱۹	۱۱ ۱۵	بجے صبح تک
ورچیک	۲ ۲۸	۲ ۲۵	۲ ۲۱	۲ ۱۷	۲ ۱۴	۲ ۱۰	۲ ۶	۲ ۲	۱ ۵۹	۱ ۵۵	۱ ۵۱	۱ ۴۸	۱ ۴۴	۱ ۴۰	۱ ۳۷	بجے دن تک
دھن	۴ ۳۱	۴ ۲۸	۴ ۲۴	۴ ۲۱	۴ ۱۷	۴ ۱۳	۴ ۹	۴ ۶	۴ ۲	۳ ۵۸	۳ ۵۴	۳ ۵۱	۳ ۴۷	۳ ۴۳	۳ ۳۹	بجے دن تک
مکر	۶ ۱۰	۶ ۶	۶ ۳	۵ ۵۹	۵ ۵۵	۵ ۵۲	۵ ۴۸	۵ ۴۴	۵ ۴۰	۵ ۳۷	۵ ۳۳	۵ ۲۹	۵ ۲۶	۵ ۲۲	۵ ۱۸	بجے دن تک
کنب	۷ ۳۲	۷ ۲۹	۷ ۲۵	۷ ۲۱	۷ ۱۸	۷ ۱۴	۷ ۱۰	۷ ۶	۷ ۳	۶ ۵۹	۶ ۵۵	۶ ۵۲	۶ ۴۸	۶ ۴۴	۶ ۴۰	بجے شام تک
مین	۸ ۵۲	۸ ۴۹	۸ ۴۴	۸ ۴۰	۸ ۳۷	۸ ۳۳	۸ ۲۹	۸ ۲۶	۸ ۲۲	۸ ۱۸	۸ ۱۵	۸ ۱۱	۸ ۷	۸ ۳	۸ ۰	بجے رات تک
میش	۱۰ ۲۲	۱۰ ۱۸	۱۰ ۱۴	۱۰ ۱۱	۱۰ ۷	۱۰ ۳	۱۰ ۰	۹ ۵۶	۹ ۵۲	۹ ۴۸	۹ ۴۴	۹ ۴۱	۹ ۳۷	۹ ۳۳	۹ ۳۰	بجے رات تک
ورش	۱۲ ۱۵	۱۲ ۱۱	۱۲ ۷	۱۲ ۴	۱۲ ۰	۱۱ ۵۶	۱۱ ۵۲	۱۱ ۴۹	۱۱ ۴۵	۱۱ ۴۱	۱۱ ۳۸	۱۱ ۳۴	۱۱ ۳۰	۱۱ ۲۶	۱۱ ۲۳	بجے رات تک
میتھن	۲ ۳۰	۲ ۲۶	۲ ۲۲	۲ ۱۹	۲ ۱۵	۲ ۱۱	۲ ۸	۲ ۴	۲ ۰	۱ ۵۷	۱ ۵۳	۱ ۴۹	۱ ۴۶	۱ ۴۲	۱ ۳۸	بجے رات تک
کرکٹ	۴ ۵۵	۴ ۵۱	۴ ۴۷	۴ ۴۴	۴ ۴۰	۴ ۳۶	۴ ۳۲	۴ ۲۹	۴ ۲۵	۴ ۱۸	۴ ۱۷	۴ ۱۴	۴ ۷	۴ ۱۱	۴ ۳	بجے رات تک

(لگن ساری اسوج مہینہ کے لئے) جیسے:- ۲۵ اسوج کو سُریہ اُودے سے ۷ بجے ۱۰ منٹ صبح تک کن لگن - ۹ بجے ۵ منٹ رات سے ۱۲ بجے ۵۰ منٹ رات تک میتھن لگن ہے

لگن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵
کن	۸ ۴۶	۸ ۴۲	۸ ۳۹	۸ ۳۵	۸ ۳۱	۸ ۲۸	۸ ۲۴	۸ ۲۰	۸ ۱۶	۸ ۱۳	۸ ۹	۸ ۵	۸ ۲	۷ ۵۸	۷ ۵۴
طول	۱۱ ۱۲	۱۱ ۸	۱۱ ۴	۱۱ ۰	۱۰ ۵۷	۱۰ ۵۳	۱۰ ۴۹	۱۰ ۴۶	۱۰ ۴۲	۱۰ ۳۸	۱۰ ۳۵	۱۰ ۳۱	۱۰ ۲۷	۱۰ ۲۳	۱۰ ۲۰
ورچیک	۱ ۳۳	۱ ۲۹	۱ ۲۵	۱ ۲۲	۱ ۱۸	۱ ۱۴	۱ ۱۱	۱ ۷	۱ ۳	۱۲ ۵۹	۱۲ ۵۶	۱۲ ۵۲	۱۲ ۴۸	۱۲ ۴۵	۱۲ ۴۱
دھن	۳ ۳۶	۳ ۳۲	۳ ۲۸	۳ ۲۵	۳ ۲۱	۳ ۱۷	۳ ۱۴	۳ ۱۰	۳ ۶	۳ ۳	۲ ۵۹	۲ ۵۵	۲ ۵۱	۲ ۴۸	۲ ۴۴
مکر	۵ ۱۵	۵ ۱۱	۵ ۷	۵ ۳	۵ ۰	۴ ۵۶	۴ ۵۲	۴ ۴۹	۴ ۴۵	۴ ۴۱	۴ ۳۷	۴ ۳۴	۴ ۳۰	۴ ۲۶	۴ ۲۳
کنب	۶ ۳۷	۶ ۳۳	۶ ۲۹	۶ ۲۶	۶ ۲۲	۶ ۱۸	۶ ۱۵	۶ ۱۱	۶ ۷	۶ ۳	۶ ۰	۵ ۵۶	۵ ۵۲	۵ ۴۹	۵ ۴۵
مین	۷ ۵۶	۷ ۵۲	۷ ۴۹	۷ ۴۵	۷ ۴۱	۷ ۳۷	۷ ۳۴	۷ ۳۰	۷ ۲۶	۷ ۲۳	۷ ۱۹	۷ ۱۵	۷ ۱۲	۷ ۸	۷ ۴
میش	۹ ۲۶	۹ ۲۲	۹ ۱۹	۹ ۱۵	۹ ۱۱	۹ ۸	۹ ۴	۹ ۰	۸ ۵۶	۸ ۵۳	۸ ۴۹	۸ ۴۵	۸ ۴۲	۸ ۳۸	۸ ۳۴
ورش	۱۱ ۱۹	۱۱ ۱۵	۱۱ ۱۲	۱۱ ۸	۱۱ ۴	۱۱ ۱	۱۰ ۵۷	۱۰ ۵۳	۱۰ ۴۹	۱۰ ۴۶	۱۰ ۴۲	۱۰ ۳۸	۱۰ ۳۵	۱۰ ۳۱	۱۰ ۲۷
میتھن	۱ ۳۴	۱ ۳۱	۱ ۲۷	۱ ۲۳	۱ ۲۰	۱ ۱۶	۱ ۱۲	۱ ۸	۱ ۵	۱ ۱	۱۲ ۵۷	۱۲ ۵۴	۱۲ ۵۰	۱۲ ۴۶	۱۲ ۴۳
کرکٹ	۳ ۵۹	۳ ۵۵	۳ ۵۲	۳ ۴۸	۳ ۴۴	۳ ۴۱	۳ ۳۷	۳ ۳۳	۳ ۳۰	۳ ۲۶	۳ ۲۲	۳ ۱۹	۳ ۱۵	۳ ۱۱	۳ ۷
سہم	۶ ۲۳	۶ ۱۹	۶ ۱۵	۶ ۱۲	۶ ۸	۶ ۴	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

لگن	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	تاریخ
کن	۷ ۵۱	۷ ۴۷	۷ ۴۳	۷ ۳۹	۷ ۳۶	۷ ۳۲	۷ ۲۸	۷ ۲۵	۷ ۲۱	۷ ۱۷	۷ ۱۳	۷ ۱۰	۷ ۶	۷ ۲	۶ منٹ ۵۹	بجے صبح تک
طول	۱۰ ۱۶	۱۰ ۱۲	۱۰ ۹	۱۰ ۶	۱۰ ۲	۹ ۵۹	۹ ۵۵	۹ ۵۱	۹ ۴۸	۹ ۴۴	۹ ۴۰	۹ ۳۶	۹ ۳۳	۹ ۲۹	۹ ۲۵	بجے دن تک
ورچیک	۱۲ ۳۷	۱۲ ۳۴	۱۲ ۳۰	۱۲ ۲۷	۱۲ ۲۳	۱۲ ۲۰	۱۲ ۱۶	۱۲ ۱۲	۱۲ ۹	۱۲ ۵	۱۲ ۱	۱۱ ۵۷	۱۱ ۵۴	۱۱ ۵۰	۱۱ ۴۷	بجے دن تک
دھن	۲ ۴۰	۲ ۳۶	۲ ۳۳	۲ ۲۹	۲ ۲۵	۲ ۲۲	۲ ۱۸	۲ ۱۴	۲ ۱۱	۲ ۷	۲ ۳	۲ ۰	۱ ۵۶	۱ ۵۲	۱ ۴۸	بجے دن تک
مکر	۴ ۱۹	۴ ۱۵	۴ ۱۱	۴ ۸	۴ ۴	۴ ۰	۳ ۵۷	۳ ۵۳	۳ ۴۹	۳ ۴۶	۳ ۴۲	۳ ۳۸	۳ ۳۴	۳ ۳۱	۳ ۲۷	بجے دن تک
کنب	۵ ۴۱	۵ ۳۷	۵ ۳۴	۵ ۳۰	۵ ۲۶	۵ ۲۳	۵ ۱۹	۵ ۱۵	۵ ۱۲	۵ ۸	۵ ۴	۵ ۰	۴ ۵۷	۴ ۵۳	۴ ۴۹	بجے دن تک
مین	۷ ۰	۶ ۵۷	۶ ۵۳	۶ ۴۹	۶ ۴۶	۶ ۴۲	۶ ۳۸	۶ ۳۴	۶ ۳۱	۶ ۲۷	۶ ۲۳	۶ ۲۰	۶ ۱۶	۶ ۱۲	۶ ۸	بجے شام تک
میش	۸ ۳۱	۸ ۲۷	۸ ۲۳	۸ ۱۹	۸ ۱۶	۸ ۱۲	۸ ۹	۸ ۵	۸ ۱	۷ ۵۷	۷ ۵۳	۷ ۵۰	۷ ۴۶	۷ ۴۲	۷ ۳۸	بجے شام تک
ورش	۱۰ ۲۳	۱۰ ۲۰	۱۰ ۱۶	۱۰ ۱۲	۱۰ ۹	۱۰ ۵	۱۰ ۱	۹ ۵۸	۹ ۵۴	۹ ۵۰	۹ ۴۶	۹ ۴۳	۹ ۳۹	۹ ۳۵	۹ ۳۱	بجے رات تک
میتھن	۱۲ ۳۹	۱۲ ۳۵	۱۲ ۳۱	۱۲ ۲۸	۱۲ ۲۴	۱۲ ۲۰	۱۲ ۱۶	۱۲ ۱۳	۱۲ ۹	۱۲ ۵	۱۲ ۲	۱۱ ۵۸	۱۱ ۵۴	۱۱ ۵۰	۱۱ ۴۷	بجے رات تک
کرکٹ	۳ ۴	۳ ۰	۲ ۵۶	۲ ۵۲	۲ ۴۹	۲ ۴۵	۲ ۴۱	۲ ۳۸	۲ ۳۴	۲ ۳۰	۲ ۲۶	۲ ۲۳	۲ ۱۹	۲ ۱۵	۲ ۱۲	بجے رات تک
سہم	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	۴ ۳۶	۴ ۳۳	۴ ۲۹	۴ ۲۵	بجے رات تک

(لگن سارنی کتک مہینہ کے لئے) جیسے ۱۷ کتک کو شریہ اُودے سے ۸ بجے ۱۸ منٹ صبح تک طول لگن - ۸ بجے ۲۶ منٹ شام سے ۱۰ بجے ۴۱ منٹ رات تک میتھن لگن ہے

لگن	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	تاریخ
طول	9:21	9:17	9:13	9:9	9:5	9:2	8:55	8:54	8:50	8:46	8:43	8:38	8:34	8:30	8:26	8:22	8:18	8:14	8:10	8:6	8:2	7:58	7:54	7:50	7:46	7:42	7:38	7:34	7:31	7:27 منٹ	بجے صبح تک
درچک	11:42	11:38	11:34	11:30	11:27	11:23	11:19	11:16	11:12	11:8	11:4	11:0	10:56	10:52	10:48	10:44	10:40	10:36	10:32	10:28	10:24	10:20	10:16	10:12	10:8	10:4	10:0	9:56	9:52	9:48	بجے صبح تک
دھن	1:45	1:41	1:37	1:33	1:30	1:26	1:22	1:19	1:15	1:11	1:7	1:3	12:59	12:55	12:51	12:47	12:43	12:39	12:35	12:31	12:27	12:23	12:19	12:15	12:11	12:7	12:3	11:59	11:55	11:51	بجے صبح تک
مکر	3:23	3:20	3:16	3:12	3:9	3:5	3:1	2:57	2:53	2:49	2:45	2:41	2:37	2:33	2:29	2:25	2:21	2:17	2:13	2:9	2:5	2:1	1:57	1:53	1:49	1:46	1:42	1:38	1:34	1:30	بجے دن تک
قنب	4:46	4:42	4:38	4:34	4:31	4:27	4:23	4:20	4:16	4:12	4:8	4:3	4:0	3:56	3:52	3:48	3:44	3:40	3:36	3:32	3:28	3:24	3:20	3:17	3:13	3:8	3:4	3:1	2:56	2:52	بجے دن تک
مین	6:5	6:1	5:57	5:54	5:50	5:46	5:43	5:39	5:35	5:30	5:27	5:23	5:19	5:15	5:11	5:7	5:3	4:59	4:55	4:51	4:47	4:43	4:39	4:35	4:31	4:27	4:23	4:19	4:15	4:11	بجے دن تک
میکھ	7:35	7:31	7:28	7:24	7:20	7:17	7:13	7:9	7:5	7:1	6:58	6:53	6:49	6:45	6:41	6:37	6:33	6:29	6:25	6:21	6:17	6:13	6:9	6:5	6:1	5:57	5:53	5:49	5:45	5:41	بجے شام تک
ورش	9:28	9:24	9:20	9:17	9:13	9:9	9:6	9:2	8:58	8:54	8:50	8:46	8:42	8:38	8:34	8:30	8:26	8:22	8:18	8:14	8:10	8:6	8:2	7:58	7:54	7:51	7:46	7:42	7:38	7:34	بجے شام تک
میتھن	11:43	11:39	11:36	11:32	11:28	11:25	11:21	11:17	11:13	11:9	11:5	11:0	10:57	10:53	10:49	10:45	10:41	10:37	10:33	10:29	10:25	10:21	10:17	10:13	10:9	10:5	10:1	9:57	9:53	9:49	بجے رات تک
کرکٹ	2:8	2:4	2:0	1:57	1:53	1:49	1:46	1:42	1:38	1:34	1:30	1:26	1:23	1:18	1:14	1:10	1:6	1:2	12:58	12:54	12:50	12:46	12:42	12:39	12:34	12:30	12:26	12:22	12:18	12:14	بجے رات تک
سنگھ	4:32	4:28	4:24	4:20	4:17	4:13	4:9	4:6	4:2	3:58	3:54	3:51	3:47	3:43	3:38	3:34	3:30	3:26	3:22	3:18	3:14	3:10	3:6	3:2	2:58	2:54	2:50	2:46	2:42	2:38	بجے رات تک
کنیا	6:55	6:50	6:47	6:44	6:40	6:36	6:33	6:29	6:25	6:21	6:17	6:13	6:9	6:5	6:1	5:57	5:53	5:49	5:45	5:41	5:37	5:33	5:29	5:25	5:21	5:17	5:13	5:9	5:5	5:1	بجے رات تک

(لگن سارنی مگھر مہینہ کے لئے) جیسے:- ۹ مگھر کو شریہ اُودے سے ۹ بجے ۱۱ منٹ تک درچک لگن - ۹ بجے ۱۱ منٹ سے ۱۱ بجے ۵ منٹ دن تک دھن لگن ہے۔

لگن	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	تاریخ
درچک	9:44	9:40	9:35	9:31	9:27	9:23	9:19	9:16	9:11	9:7	9:3	8:59	8:54	8:50	8:46	8:41	8:37	8:33	8:28	8:24	8:20	8:15	8:11	8:7	8:3	7:58	7:54	7:49	7:45	7:41 منٹ	بجے صبح تک
دھن	11:47	11:43	11:39	11:35	11:31	11:27	11:23	11:19	11:15	11:10	11:6	11:2	10:57	10:53	10:49	10:44	10:40	10:36	10:31	10:29	10:23	10:19	10:14	10:10	10:6	10:1	9:57	9:53	9:48	9:44	بجے دن تک
مکر	11:23	11:27	11:31	11:35	11:40	11:44	11:49	11:53	11:57	12:2	12:6	12:10	12:14	12:19	12:23	12:27	12:32	12:36	12:40	12:45	12:49	12:53	12:57	1:2	1:6	1:10	1:14	1:18	1:22	1:26	بجے دن تک
قنب	2:48	2:44	2:40	2:36	2:32	2:28	2:24	2:20	2:15	2:11	2:7	2:3	1:58	1:54	1:50	1:45	1:41	1:36	1:32	1:28	1:23	1:19	1:15	1:11	1:6	1:2	12:58	12:54	12:49	12:45	بجے دن تک
مین	4:7	4:3	3:59	3:55	3:51	3:47	3:43	3:39	3:35	3:30	3:26	3:21	3:17	3:13	3:9	3:4	3:0	2:56	2:52	2:47	2:43	2:39	2:34	2:30	2:26	2:21	2:17	2:13	2:8	2:4	بجے دن تک
میکھ	5:37	5:33	5:29	5:25	5:21	5:17	5:13	5:9	5:5	5:1	4:56	4:52	4:47	4:43	4:39	4:34	4:30	4:26	4:22	4:17	4:13	4:9	4:4	4:0	3:56	3:52	3:47	3:43	3:39	3:34	بجے دن تک
ورش	7:30	7:26	7:52	7:19	7:24	7:10	7:6	7:2	6:58	6:53	6:49	6:45	6:40	6:36	6:32	6:28	6:23	6:19	6:15	6:10	6:6	6:2	5:57	5:53	5:49	5:45	5:40	5:36	5:32	5:27	بجے شام تک
میتھن	9:45	9:41	9:37	9:33	9:29	9:25	9:21	9:17	9:13	9:9	9:4	9:0	8:56	8:51	8:47	8:43	8:39	8:34	8:30	8:26	8:21	8:17	8:13	8:8	8:4	8:0	7:55	7:51	7:47	7:43	بجے رات تک
کرکٹ	12:11	12:6	12:2	11:58	11:54	11:50	11:46	11:42	11:38	11:33	11:29	11:25	11:20	11:16	11:12	11:8	11:3	10:59	10:55	10:50	10:46	10:42	10:37	10:33	10:29	10:24	10:20	10:16	10:12	10:7	بجے رات تک
سنگھ	2:34	2:30	2:26	2:22	2:18	2:14	2:10	2:6	2:2	1:56	1:53	1:49	1:44	1:40	1:36	1:31	1:27	1:23	1:18	1:14	1:10	1:6	1:1	12:57	12:53	12:48	12:44	12:40	12:35	12:31	بجے رات تک
کنیا	4:57	4:53	4:49	4:45	4:41	4:37	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	3:12	3:7	3:3	2:59	2:54	بجے رات تک
طول	7:23	7:19	7:15	7:11	7:7	7:3	6:59	6:54	6:50	6:46	6:42	6:37	6:33	6:29	6:24	6:20	6:16	6:11	6:7	6:3	5:58	5:54	5:50	5:46	5:41	5:37	5:33	5:28	5:24	5:20	بجے رات تک

(لگن سارنی پوہ مہینہ کے لئے) جیسے:۔ پوہ کو سُریہ اُدے سے ۹ بجے ۴۱ منٹ صبح تک دھن لگن ہے ۱۰ بجے ۱ منٹ رات سے ۱ بجے ۴۲ منٹ رات تک کن لگن ہے۔

لگن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵
دھن	۹ ۵۰	۹ ۴۵	۹ ۳۱	۹ ۲۷	۹ ۲۳	۹ ۱۸	۹ ۱۴	۹ ۱۰	۹ ۵	۹ ۰	۸ ۵۷	۸ ۵۲	۸ ۴۸	۸ ۴۴	۸ ۳۹
مکر	۱۱ ۱۸	۱۱ ۱۴	۱۱ ۱۰	۱۱ ۶	۱۱ ۱	۱۰ ۵۷	۱۰ ۵۳	۱۰ ۴۸	۱۰ ۴۴	۱۰ ۴۰	۱۰ ۳۵	۱۰ ۳۱	۱۰ ۲۶	۱۰ ۲۲	۱۰ ۱۹
قرنب	۱۲ ۴۱	۱۲ ۳۶	۱۲ ۳۲	۱۲ ۲۸	۱۲ ۲۳	۱۲ ۱۹	۱۲ ۱۵	۱۲ ۱۱	۱۲ ۶	۱۲ ۲	۱۱ ۵۸	۱۱ ۵۳	۱۱ ۴۹	۱۱ ۴۵	۱۱ ۴۰
مین	۲ ۰	۱ ۵۶	۱ ۵۱	۱ ۴۷	۱ ۴۳	۱ ۳۸	۱ ۳۴	۱ ۳۰	۱ ۲۶	۱ ۲۲	۱ ۱۷	۱ ۱۲	۱ ۸	۱ ۴	۱ ۰
میش	۳ ۳۰	۳ ۲۶	۳ ۲۱	۳ ۱۷	۳ ۱۳	۳ ۸	۳ ۴	۳ ۰	۲ ۵۶	۲ ۵۱	۲ ۴۷	۲ ۴۳	۲ ۳۸	۲ ۳۴	۲ ۳۰
ورش	۵ ۲۳	۵ ۱۹	۵ ۱۴	۵ ۱۰	۵ ۶	۵ ۲	۴ ۵۷	۴ ۵۳	۴ ۴۹	۴ ۴۴	۴ ۴۰	۴ ۳۶	۴ ۳۱	۴ ۲۷	۴ ۲۳
میتھن	۷ ۳۸	۷ ۳۴	۷ ۳۰	۷ ۲۵	۷ ۲۰	۷ ۱۶	۷ ۱۱	۷ ۷	۷ ۴	۶ ۵۹	۶ ۵۵	۶ ۵۱	۶ ۴۷	۶ ۴۲	۶ ۳۸
کرکٹ	۱۰ ۳	۹ ۵۹	۹ ۵۴	۹ ۵۰	۹ ۴۶	۹ ۴۱	۹ ۳۷	۹ ۳۳	۹ ۲۹	۹ ۲۴	۹ ۲۰	۹ ۱۶	۹ ۱۱	۹ ۷	۹ ۳
سہم	۱۲ ۲۷	۱۲ ۲۲	۱۲ ۱۸	۱۲ ۱۴	۱۲ ۱۰	۱۲ ۵	۱۲ ۱	۱۱ ۵۷	۱۱ ۵۲	۱۱ ۴۸	۱۱ ۴۴	۱۱ ۳۹	۱۱ ۳۵	۱۱ ۳۱	۱۱ ۲۶
کن	۲ ۵۰	۲ ۴۶	۲ ۴۱	۲ ۳۷	۲ ۳۳	۲ ۲۸	۲ ۲۴	۲ ۲۰	۲ ۱۶	۲ ۱۱	۲ ۷	۲ ۳	۱ ۵۸	۱ ۵۴	۱ ۵۰
طول	۵ ۱۵	۵ ۱۱	۵ ۷	۵ ۲	۴ ۵۸	۴ ۵۴	۴ ۵۰	۴ ۴۵	۴ ۴۱	۴ ۳۷	۴ ۳۳	۴ ۲۸	۴ ۲۴	۴ ۱۹	۴ ۱۵
ورچک	۷ ۳۷	۷ ۳۲	۷ ۲۸	۷ ۲۴	۷ ۱۹	۷ ۱۵	۷ ۱۱	۷ ۶	۷ ۲	۶ ۵۸	۶ ۵۴	۶ ۴۹	۶ ۴۵	۶ ۴۱	۶ ۳۶

لگن	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	تاریخ
دھن	۸ ۳۵	۸ ۳۱	۸ ۲۷	۸ ۲۲	۸ ۱۸	۸ ۱۴	۸ ۹	۸ ۵	۸ ۱	۷ ۵۶	۷ ۵۲	۷ ۴۸	۷ ۴۴	۷ ۳۹	۷ منٹ ۳۵	بجے صبح تک
مکر	۱۰ ۱۴	۱۰ ۱۰	۱۰ [illegible]	۱۰ ۱	۹ ۵۷	۹ ۵۲	۹ ۴۸	۹ ۴۴	۹ ۳۹	۹ ۳۵	۹ ۳۱	۹ ۲۶	۹ ۲۲	۹ ۱۸	۹ ۱۴	بجے صبح تک
قرنب	۱۱ ۳۶	۱۱ ۳۲	۱۱ ۲۷	۱۱ ۲۳	۱۱ ۱۹	۱۱ ۱۵	۱۱ ۱۰	۱۱ ۶	۱۱ ۲	۱۰ ۵۷	۱۰ ۵۳	۱۰ ۴۹	۱۰ ۴۴	۱۰ ۴۰	۱۰ ۳۶	بجے دن تک
مین	۱۲ ۵۵	۱۱ ۵۱	۱۲ ۴۷	۱۲ ۴۲	۱۲ ۳۸	۱۲ ۳۴	۱۲ ۲۹	۱۲ ۲۵	۱۲ ۲۱	۱۲ ۱۷	۱۲ ۱۲	۱۲ ۸	۱۲ ۳	۱۱ ۵۹	۱۱ ۵۵	بجے دن تک
میش	۲ ۲۶	۲ ۲۱	۲ ۱۷	۲ ۱۳	۲ ۸	۲ ۴	۲ ۰	۱ ۵۶	۱ ۵۱	۱ ۴۷	۱ ۴۳	۱ ۳۸	۱ ۳۴	۱ ۲۹	۱ ۲۵	بجے دن تک
ورش	۴ ۱۸	۴ ۱۴	۴ ۱۰	۴ ۵	۴ ۱	۳ ۵۷	۳ ۵۳	۳ ۴۸	۳ ۴۴	۳ ۴۰	۳ ۳۵	۳ ۳۱	۳ ۲۷	۳ ۲۲	۳ ۱۸	بجے دن تک
میتھن	۶ ۳۴	۶ ۲۹	۶ ۲۵	۶ ۲۱	۶ ۱۶	۶ ۱۲	۶ [illegible]	۶ ۳	۵ ۵۹	۵ ۵۵	۵ ۵۱	۵ ۴۶	۵ ۴۲	۵ ۳۸	۵ ۳۳	بجے دن تک
کرکٹ	۸ ۵۸	۸ ۵۴	۸ ۵۰	۸ ۴۵	۸ ۴۱	۸ ۳۷	۸ ۳۳	۸ ۲۸	۸ ۲۴	۸ ۲۰	۸ ۱۵	۸ ۱۱	۸ ۷	۸ ۲	۷ ۵۸	بجے شام تک
سہم	۱۱ ۲۲	۱۱ ۱۸	۱۱ ۱۴	۱۱ ۹	۱۱ ۵	۱۱ ۱	۱۰ ۵۶	۱۰ ۵۲	۱۰ ۴۸	۱۰ ۴۳	۱۰ ۳۹	۱۰ ۳۵	۱۰ ۳۰	۱۰ ۲۶	۱۰ ۲۲	بجے رات تک
کن	۱ ۴۵	۱ ۴۱	۱ ۳۷	۱ ۳۲	۱ ۲۸	۱ ۲۴	۱ ۲۰	۱ ۱۵	۱ ۱۱	۱ ۷	۱ ۲	۱۲ ۵۸	۱۲ ۵۴	۱۲ ۴۹	۱۲ ۴۵	بجے رات تک
طول	۴ ۱۱	۴ ۶	۴ ۲	۳ ۵۸	۳ ۵۴	۳ ۴۹	۳ ۴۵	۳ ۴۱	۳ ۳۶	۳ ۳۲	۳ ۲۸	۳ ۲۳	۳ ۱۹	۳ ۱۵	۳ ۱۰	بجے رات تک
ورچک	۶ ۳۲	۶ ۲۸	۶ ۲۳	۶ ۱۹	۶ ۱۵	۶ ۱۱	۶ ۶	۶ ۲	۵ ۵۸	۵ ۵۳	۵ ۴۹	۵ ۴۵	۵ ۴۰	۵ ۳۶	۵ ۳۲	بجے رات تک

(لگن سارنی ماگھ مہینہ کے لئے) جیسے:۔ ۵ ماگھ کو سُریہ اُدے سے ۸ بجے ۵۲ منٹ صبح تک مکر لگن ۱ بجے ۴ منٹ دن سے ۲ بجے ۵۷ منٹ دن تک ورلیش لگن ہے

لگن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵
مکر	۹ ۹	۹ ۵	۹ ۱	۸ ۵۶	۸ ۵۲	۸ ۴۸	۸ ۴۳	۸ ۳۹	۸ ۳۵	۸ ۳۱	۸ ۲۷	۸ ۲۳	۸ ۱۹	۸ ۱۵	۸ ۱۱
قرنب	۱۰ ۳۱	۱۰ ۲۷	۱۰ ۲۳	۱۰ ۱۹	۱۰ ۱۴	۱۰ ۱۰	۱۰ ۶	۱۰ ۲	۹ ۵۸	۹ ۵۴	۹ ۵۰	۹ ۴۶	۹ ۴۲	۹ ۳۸	۹ ۳۴
مین	۱۱ ۵۱	۱۱ ۴۶	۱۱ ۴۲	۱۱ ۳۸	۱۱ ۳۳	۱۱ ۲۹	۱۱ ۲۵	۱۱ ۲۱	۱۱ ۱۷	۱۱ ۱۳	۱۱ ۹	۱۱ ۵	۱۱ ۱	۱۰ ۵۷	۱۰ ۵۳
میش	۱ ۲۱	۱ ۱۷	۱ ۱۲	۱ ۸	۱ ۴	۱۲ ۵۹	۱۲ ۵۵	۱۲ ۵۱	۱۲ ۴۷	۱۲ ۴۳	۱۲ ۳۹	۱۲ ۳۵	۱۲ ۳۱	۱۲ ۲۷	۱۲ ۲۳
ورش	۳ ۱۴	۳ ۹	۳ ۵	۳ ۱	۲ ۵۷	۲ ۵۲	۲ ۴۸	۲ ۴۴	۲ ۴۰	۲ ۳۶	۲ ۳۲	۲ ۲۵	۲ ۲۴	۲ ۲۰	۲ ۱۶
میتھن	۵ ۲۹	۵ ۲۵	۵ ۲۰	۵ ۱۶	۵ ۱۲	۵ ۸	۵ ۳	۴ ۵۹	۴ ۵۵	۴ ۵۱	۴ ۴۷	۴ ۴۳	۴ ۳۹	۴ ۳۵	۴ ۳۱
کرکٹ	۷ ۵۴	۷ ۴۹	۷ ۴۵	۷ ۴۱	۷ ۳۷	۷ ۳۲	۷ ۲۸	۷ ۲۴	۷ ۲۰	۷ ۱۶	۷ ۱۲	۷ ۸	۷ ۴	۷ ۰	۶ ۵۶
سہم	۱۰ ۱۸	۱۰ ۱۳	۱۰ ۹	۱۰ ۵	۱۰ ۰	۹ ۵۶	۹ ۵۲	۹ ۴۸	۹ ۴۴	۹ ۴۰	۹ ۳۶	۹ ۳۲	۹ ۲۸	۹ ۲۳	۹ ۲۰
کن	۱۲ ۴۱	۱۲ ۳۶	۱۲ ۳۲	۱۲ ۲۸	۱۲ ۲۴	۱۲ ۲۰	۱۲ ۱۵	۱۲ ۱۱	۱۲ ۷	۱۲ ۳	۱۱ ۵۹	۱۱ ۵۵	۱۱ ۵۱	۱۱ ۴۷	۱۱ ۴۳
طول	۳ ۶	۳ ۲	۲ ۵۸	۲ ۵۳	۲ ۴۹	۲ ۴۵	۲ ۴۰	۲ ۳۶	۲ ۳۲	۲ ۲۸	۲ ۲۴	۲ ۲۰	۲ ۱۶	۲ ۱۲	۲ ۸
ورچک	۵ ۲۷	۵ ۲۳	۵ ۱۹	۵ ۱۵	۵ ۱۰	۵ ۶	۵ ۲	۴ ۵۸	۴ ۵۴	۴ ۵۰	۴ ۴۶	۴ ۴۲	۴ ۳۸	۴ ۳۴	۴ ۳۰
دھن	۷ ۳۱	۷ ۲۶	۷ ۲۲	۷ ۱۸	۷ ۱۳	۷ ۹	۷ ۵	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

لگن	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	تاریخ
مکر	۸ ۷	۸ ۳	۷ ۵۹	۷ ۵۵	۷ ۵۱	۷ ۴۷	۷ ۴۳	۷ ۳۹	۷ ۳۵	۷ ۳۱	۷ ۲۸	۷ ۲۴	۷ ۲۰	۷ ۱۶	۷ ۱۲ منٹ	بجے صبح تک
قرنب	۹ ۳۰	۹ ۲۶	۹ ۲۲	۹ ۱۸	۹ ۱۴	۹ ۱۰	۹ ۶	۹ ۲	۸ ۵۸	۸ ۵۴	۸ ۵۰	۸ ۴۶	۸ ۴۲	۸ ۳۸	۸ ۳۴	بجے دن تک
مین	۱۰ ۴۹	۱۰ ۴۵	۱۰ ۴۱	۱۰ ۳۷	۱۰ ۳۳	۱۰ ۲۹	۱۰ ۲۵	۱۰ ۲۱	۱۰ ۱۷	۱۰ ۱۳	۱۰ ۹	۱۰ ۵	۱۰ ۱	۹ ۵۷	۹ ۵۳	بجے دن تک
میش	۱۲ ۱۹	۱۲ ۱۵	۱۲ ۱۱	۱۲ ۷	۱۲ ۳	۱۱ ۵۹	۱۱ ۵۵	۱۱ ۵۱	۱۱ ۴۷	۱۱ ۴۳	۱۱ ۳۹	۱۱ ۳۵	۱۱ ۳۱	۱۱ ۲۷	۱۱ ۲۳	بجے دن تک
ورش	۲ ۱۲	۲ ۸	۲ ۴	۲ ۰	۱ ۵۶	۱ ۵۲	۱ ۴۸	۱ ۴۴	۱ ۴۰	۱ ۳۶	۱ ۳۲	۱ ۲۸	۱ ۲۴	۱ ۲۰	۱ ۱۶	بجے دن تک
میتھن	۴ ۲۷	۴ ۲۳	۴ ۱۹	۴ ۱۵	۴ ۱۱	۴ ۷	۴ ۳	۳ ۵۹	۳ ۵۵	۳ ۵۱	۳ ۴۷	۳ ۴۳	۳ ۳۹	۳ ۳۵	۳ ۳۱	بجے دن تک
کرکٹ	۶ ۵۲	۶ ۴۸	۶ ۴۴	۶ ۴۰	۶ ۳۶	۶ ۳۲	۶ ۲۸	۶ ۲۴	۶ ۲۰	۶ ۱۶	۶ ۱۲	۶ ۸	۶ ۴	۶ ۰	۵ ۵۶	بجے دن تک
سہم	۹ ۱۶	۹ ۱۲	۹ ۸	۹ ۴	۹ ۰	۸ ۵۶	۸ ۵۲	۸ ۴۸	۸ ۴۴	۸ ۴۰	۸ ۳۶	۸ ۳۲	۸ [illegible]	۸ ۲۴	۸ ۲۰	بجے شام تک
کن	۱۱ ۳۹	۱۱ ۳۵	۱۱ ۳۱	۱۱ ۲۷	۱۱ ۲۳	۱۱ ۱۹	۱۱ ۱۵	۱۱ ۱۰	۱۱ ۷	۱۱ ۳	۱۰ ۵۹	۱۰ ۵۵	۱۰ ۵۱	۱۰ ۴۷	۱۰ ۴۳	بجے رات تک
طول	۲ ۴	۲ ۰	۱ ۵۶	۱ ۵۲	۱ ۴۸	۱ ۴۴	۱ ۴۰	۱ ۳۶	۱ ۳۲	۱ ۲۸	۱ ۲۴	۱ ۲۰	۱ ۱۶	۱ ۱۲	۱ ۸	بجے رات تک
ورچک	۴ ۲۶	۴ ۲۲	۴ ۱۸	۴ ۱۴	۴ ۱۰	۴ ۶	۴ ۲	۳ ۵۸	۳ ۵۴	۳ ۵۰	۳ ۴۶	۳ ۴۲	۳ ۳۸	۳ ۳۴	۳ ۳۰	بجے رات تک
دھن	[illegible]	۶ [illegible]	۶ [illegible]	۶ [illegible]	۶ [illegible]	۶ [illegible]	۶ [illegible]	۶ [illegible]	۶ [illegible]	۵ [illegible]	۵ ۴۹	۵ ۴۵	۵ ۴۱	۵ ۳۷	۵ ۳۳	بجے رات تک

(لگن سارنی فاگھن مہینہ کے لئے) جیسے ۳ فاگھن کو سُریہ اُدے سے ۸ بجے ۲۲ منٹ صبح تک کنب لگن۔ ۱۲ بجے ۵۷ منٹ رات سے ۳ بجے ۱۸ منٹ رات تک ورچک لگن ہے۔

لگن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	تاریخ
کنب	۸:۳۰	۸:۲۶	۸:۲۲	۸:۱۸	۸:۱۴	۸:۱۰	۸:۶	۸:۲	۷:۵۸	۷:۵۵	۷:۵۱	۷:۴۷	۷:۴۳	۷:۴۰	۷:۳۶	۷:۳۲	۷:۲۹	۷:۲۵	۷:۲۱	۷:۱۸	۷:۱۴	۷:۱۰	۷:۶	۷:۳	۶:۵۹	۶:۵۵	۶:۵۲	۶:۴۸	۶:۴۴	۶:۴۰ منٹ	بجے صبح تک
مین	۹:۴۹	۹:۴۵	۹:۴۱	۹:۳۷	۹:۳۳	۹:۲۹	۹:۲۵	۹:۲۱	۹:۱۸	۹:۱۴	۹:۱۰	۹:۶	۹:۳	۸:۵۹	۸:۵۵	۸:۵۲	۸:۴۹	۸:۴۴	۸:۴۰	۸:۳۷	۸:۳۳	۸:۲۹	۸:۲۶	۸:۲۲	۸:۱۸	۸:۱۵	۸:۱۱	۸:۷	۸:۳	۸:۰	بجے صبح تک
میکھ	۱۱:۱۹	۱۱:۱۵	۱۱:۱۱	۱۱:۷	۱۱:۳	۱۰:۵۹	۱۰:۵۵	۱۰:۵۱	۱۰:۴۸	۱۰:۴۴	۱۰:۴۰	۱۰:۳۷	۱۰:۳۳	۱۰:۲۹	۱۰:۲۵	۱۰:۲۲	۱۰:۱۸	۱۰:۱۴	۱۰:۱۱	۱۰:۷	۱۰:۳	۱۰:۰	۹:۵۶	۹:۵۲	۹:۴۸	۹:۴۴	۹:۴۱	۹:۳۷	۹:۳۳	۹:۳۰	بجے دن تک
ورکھ	۱:۱۲	۱:۸	۱:۴	۱:۰	۱۲:۵۶	۱۲:۵۲	۱۲:۴۸	۱۲:۴۴	۱۲:۴۱	۱۲:۳۷	۱۲:۳۳	۱۲:۲۹	۱۲:۲۶	۱۲:۲۲	۱۲:۱۸	۱۲:۱۵	۱۲:۱۱	۱۲:۷	۱۲:۴	۱۲:۰	۱۱:۵۶	۱۱:۵۲	۱۱:۴۹	۱۱:۴۵	۱۱:۴۱	۱۱:۳۸	۱۱:۳۴	۱۱:۳۰	۱۱:۲۶	۱۱:۲۲	بجے دن تک
میتھن	۳:۲۷	۳:۲۳	۳:۱۹	۳:۱۵	۳:۱۱	۳:۷	۳:۳	۳:۰	۲:۵۶	۲:۵۲	۲:۴۸	۲:۴۵	۲:۴۱	۲:۳۷	۲:۳۳	۲:۳۰	۲:۲۶	۲:۲۳	۲:۱۹	۲:۱۵	۲:۱۱	۲:۸	۲:۴	۲:۰	۱:۵۷	۱:۵۳	۱:۴۹	۱:۴۶	۱:۴۲	۱:۳۸	بجے دن تک
کرکٹ	۵:۵۲	۵:۴۸	۵:۴۴	۵:۴۰	۵:۳۶	۵:۳۲	۵:۲۸	۵:۲۴	۵:۲۱	۵:۱۷	۵:۱۳	۵:۹	۵:۶	۵:۲	۴:۵۸	۴:۵۵	۴:۵۱	۴:۴۷	۴:۴۴	۴:۴۰	۴:۳۶	۴:۳۲	۴:۲۹	۴:۲۵	۴:۲۱	۴:۱۸	۴:۱۴	۴:۱۱	۴:۷	۴:۳	بجے دن تک
سمہ	۸:۱۶	۸:۱۲	۸:۸	۸:۴	۸:۰	۷:۵۶	۷:۵۲	۷:۴۸	۷:۴۴	۷:۴۱	۷:۳۷	۷:۳۳	۷:۳۰	۷:۲۶	۷:۲۲	۷:۱۸	۷:۱۵	۷:۱۲	۷:۷	۷:۴	۷:۰	۶:۵۶	۶:۵۳	۶:۴۹	۶:۴۵	۶:۴۱	۶:۳۸	۶:۳۴	۶:۳۰	۶:۲۷	بجے شام تک
کن	۱۰:۳۹	۱۰:۳۵	۱۰:۳۱	۱۰:۲۷	۱۰:۲۳	۱۰:۱۹	۱۰:۱۵	۱۰:۱۱	۱۰:۸	۱۰:۴	۱۰:۰	۹:۵۷	۹:۵۳	۹:۴۹	۹:۴۵	۹:۴۲	۹:۳۸	۹:۳۴	۹:۳۱	۹:۲۷	۹:۲۳	۹:۱۹	۹:۱۶	۹:۱۲	۹:۸	۹:۵	۹:۱	۸:۵۷	۸:۵۴	۸:۵۰	بجے رات تک
طول	۱:۵	۱:۱	۱۲:۵۷	۱۲:۵۳	۱۲:۴۹	۱۲:۴۵	۱۲:۴۱	۱۲:۳۷	۱۲:۳۳	۱۲:۳۰	۱۲:۲۶	۱۲:۲۲	۱۲:۱۸	۱۲:۱۴	۱۲:۱۱	۱۲:۷	۱۲:۳	۱۲:۰	۱۱:۵۶	۱۱:۵۲	۱۱:۴۹	۱۱:۴۵	۱۱:۴۱	۱۱:۳۷	۱۱:۳۴	۱۱:۳۰	۱۱:۲۶	۱۱:۲۳	۱۱:۱۹	۱۱:۱۵	بجے رات تک
ورچک	۳:۲۶	۳:۲۲	۳:۱۸	۳:۱۴	۳:۱۰	۳:۶	۳:۲	۲:۵۸	۲:۵۴	۲:۵۱	۲:۴۷	۲:۴۳	۲:۴۰	۲:۳۶	۲:۳۲	۲:۲۸	۲:۲۵	۲:۲۱	۲:۱۷	۲:۱۴	۲:۱۰	۲:۶	۲:۲	۱:۵۹	۱:۵۵	۱:۵۱	۱:۴۸	۱:۴۴	۱:۴۰	۱:۳۷	بجے رات تک
دھن	۵:۲۹	۵:۲۵	۵:۲۱	۵:۱۷	۵:۱۳	۵:۹	۵:۵	۵:۱	۴:۵۷	۴:۵۴	۴:۵۰	۴:۴۶	۴:۴۳	۴:۳۹	۴:۳۵	۴:۳۱	۴:۲۸	۴:۲۴	۴:۲۱	۴:۱۷	۴:۱۳	۴:۹	۴:۶	۴:۲	۳:۵۸	۳:۵۴	۳:۵۱	۳:۴۷	۳:۴۳	۳:۳۹	بجے رات تک
مکر	۷:۸	۷:۴	۷:۰	۶:۵۶	۶:۵۲	۶:۴۸	۶:۴۴	۶:۴۰	۶:۳۶	۶:۳۲	۶:۲۸	۶:۲۵	۶:۲۱	۶:۱۷	۶:۱۴	۶:۱۰	۶:۶	۶:۳	۵:۵۹	۵:۵۵	۵:۵۲	۵:۴۸	۵:۴۴	۵:۴۰	۵:۳۷	۵:۳۳	۵:۲۹	۵:۲۶	۵:۲۲	۵:۱۸	بجے رات تک

(لگن سارنی چیت مہینہ کے لئے) جیسے ۵ چیت کو سُریہ اُدے سے ۷ بجے ۴۱ منٹ صبح تک مین لگن ۱ بجے ۱۸ منٹ رات سے ۳ بجے ۴۱ منٹ رات تک دھن لگن ہے۔

لگن	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	تاریخ
مین	۷:۵۶	۷:۵۲	۷:۴۹	۷:۴۵	۷:۴۱	۷:۳۷	۷:۳۴	۷:۳۰	۷:۲۶	۷:۲۳	۷:۱۹	۷:۱۵	۷:۱۲	۷:۸	۷:۴	۷:۰	۶:۵۷	۶:۵۳	۶:۴۹	۶:۴۶	۶:۴۲	۶:۳۲	۶:۳۴	۶:۳۱	۶:۲۷	۶:۲۳	۶:۲۰	۶:۱۶	۶:۱۲	۶:۸ منٹ	بجے صبح تک
میکھ	۹:۲۶	۹:۲۲	۹:۱۹	۹:۱۵	۹:۱۱	۹:۸	۹:۴	۹:۰	۸:۵۶	۸:۵۳	۸:۴۹	۸:۴۵	۸:۴۲	۸:۳۸	۸:۳۴	۸:۳۱	۸:۲۷	۸:۲۳	۸:۱۹	۸:۱۶	۸:۱۲	۸:۸	۸:۵	۸:۱	۷:۵۷	۷:۵۳	۷:۵۰	۷:۴۶	۷:۴۲	۷:۳۸	بجے صبح تک
ورکھ	۱۱:۱۹	۱۱:۱۵	۱۱:۱۲	۱۱:۸	۱۱:۴	۱۱:۰	۱۰:۵۷	۱۰:۵۳	۱۰:۴۹	۱۰:۴۶	۱۰:۴۲	۱۰:۳۸	۱۰:۳۵	۱۰:۳۱	۱۰:۲۷	۱۰:۲۳	۱۰:۲۰	۱۰:۱۶	۱۰:۱۲	۱۰:۹	۱۰:۵	۱۰:۱	۹:۵۸	۹:۵۴	۹:۵۰	۹:۴۶	۹:۴۳	۹:۳۹	۹:۳۵	۹:۳۱	بجے دن تک
میتھن	۱:۳۴	۱:۳۱	۱:۲۷	۱:۲۳	۱:۲۰	۱:۱۶	۱:۱۲	۱:۸	۱:۵	۱:۱	۱۲:۵۷	۱۲:۵۴	۱۲:۵۰	۱۲:۴۶	۱۲:۴۳	۱۲:۳۹	۱۲:۳۵	۱۲:۳۱	۱۲:۲۸	۱۲:۲۴	۱۲:۲۰	۱۲:۱۷	۱۲:۱۳	۱۲:۹	۱۲:۵	۱۲:۲	۱۱:۵۸	۱۱:۵۴	۱۱:۵۰	۱۱:۴۷	بجے دن تک
کرکٹ	۳:۵۹	۳:۵۵	۳:۵۲	۳:۴۸	۳:۴۴	۳:۴۱	۳:۳۷	۳:۳۳	۳:۳۰	۳:۲۶	۳:۲۲	۳:۱۸	۳:۱۵	۳:۱۱	۳:۷	۳:۴	۳:۰	۲:۵۶	۲:۵۲	۲:۴۹	۲:۴۵	۲:۴۱	۲:۳۸	۲:۳۴	۲:۳۰	۲:۲۶	۲:۲۳	۲:۱۹	۲:۱۵	۲:۱۲	بجے دن تک
سمہ	۶:۲۳	۶:۱۹	۶:۱۵	۶:۱۲	۶:۸	۶:۴	۶:۱	۵:۵۷	۵:۵۳	۵:۵۰	۵:۴۶	۵:۴۲	۵:۳۸	۵:۳۵	۵:۳۱	۵:۲۷	۵:۲۴	۵:۲۰	۵:۱۶	۵:۱۲	۵:۹	۵:۵	۵:۱	۴:۵۹	۴:۵۴	۴:۵۰	۴:۴۶	۴:۴۳	۴:۳۹	۴:۳۵	بجے دن تک
کن	۸:۴۶	۸:۴۲	۸:۳۹	۸:۳۵	۸:۳۱	۸:۲۸	۸:۲۴	۸:۲۰	۸:۱۶	۸:۱۳	۸:۹	۸:۵	۸:۲	۷:۵۸	۷:۵۴	۷:۵۱	۷:۴۷	۷:۴۳	۷:۳۹	۷:۳۶	۷:۳۲	۷:۲۸	۷:۲۵	۷:۲۱	۷:۱۷	۷:۱۳	۷:۱۰	۷:۶	۷:۲	۶:۵۹	بجے شام تک
طول	۱۱:۱۲	۱۱:۸	۱۱:۴	۱۱:۰	۱۰:۵۷	۱۰:۵۳	۱۰:۴۹	۱۰:۴۶	۱۰:۴۲	۱۰:۳۸	۱۰:۳۵	۱۰:۳۱	۱۰:۲۷	۱۰:۲۳	۱۰:۲۰	۱۰:۱۶	۱۰:۱۲	۱۰:۹	۱۰:۶	۱۰:۲	۹:۵۹	۹:۵۵	۹:۵۱	۹:۴۸	۹:۴۴	۹:۴۰	۹:۳۶	۹:۳۳	۹:۲۹	۹:۲۵	بجے رات تک
ورچک	۱:۳۳	۱:۲۹	۱:۲۵	۱:۲۲	۱:۱۸	۱:۱۴	۱:۱۱	۱:۷	۱:۳	۱۲:۵۹	۱۲:۵۶	۱۲:۵۲	۱۲:۴۸	۱۲:۴۵	۱۲:۴۱	۱۲:۳۷	۱۲:۳۴	۱۲:۳۰	۱۲:۲۷	۱۲:۲۳	۱۲:۲۰	۱۲:۱۶	۱۲:۱۳	۱۲:۹	۱۲:۵	۱۲:۱	۱۱:۵۷	۱۱:۵۴	۱۱:۵۰	۱۱:۴۷	بجے رات تک
دھن	۳:۳۶	۳:۳۲	۳:۲۸	۳:۲۵	۳:۲۱	۳:۱۷	۳:۱۴	۳:۱۰	۳:۶	۳:۳	۲:۵۹	۲:۵۵	۲:۵۱	۲:۴۸	۲:۴۴	۲:۴۰	۲:۳۶	۲:۳۳	۲:۲۹	۲:۲۵	۲:۲۲	۲:۱۸	۲:۱۴	۲:۱۱	۲:۷	۲:۳	۲:۰	۱:۵۶	۱:۵۲	۱:۴۸	بجے رات تک
مکر	۵:۱۵	۵:۱۱	۵:۷	۵:۳	۵:۰	۴:۵۶	۴:۵۲	۴:۴۹	۴:۴۵	۴:۴۱	۴:۳۸	۴:۳۴	۴:۳۰	۴:۲۶	۴:۲۳	۴:۱۹	۴:۱۵	۴:۱۱	۴:۸	۴:۴	۴:۰	۳:۵۵	۳:۵۳	۳:۴۹	۳:۴۶	۳:۴۲	۳:۳۸	۳:۳۴	۳:۳۱	۳:۲۷	بجے رات تک
کنب	۶:۳۷	۶:۳۳	۶:۲۹	۶:۲۶	۶:۲۲	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	۵:۰	۴:۵۶	۴:۵۳	۴:۴۹	بجے رات تک

راس	نچھتر	میش			وریش			میتھن			کرکٹ			سنہم			کن			تلا			ورشیچک			دھن			مکر			کونب			مین		
		اشونی	بھرنی	کرتکا	کرتکا	روہنی	مرگشرا	مرگشرا	آردرا	پنروسو	پنروسو	پشیہ	اشلیشا	مگھا	پوروا	اترا	اترا	ہست	چترا	چترا	سواتی	وشاکھا	وشاکھا	انورادھا	جیشٹھا	مول	پورشاڑھا	اترشاڑھا	اترشاڑھا	شرون	دھنشٹھا	دھنشٹھا	شتبھشا	پوربھادرپد	پوربھادرپد	اتربھادرپد	ریوتی
میکھ	اشونی	۲۹	۳۳	۲۸	۱۸	۲۴	۲۳	۲۶	۱۶	۱۸	۲۲	۳۱	۲۶	۲۰	۲۴	۱۵	۱۱	۱۳	۱۳	۲۲	۲۸	۲۲	۱۹	۲۵	۱۳	۱۳	۲۵	۲۴	۲۵	۲۳	۲۰	۲۰	۱۵	۱۷	۱۴	۲۳	۲۹
	بھرنی	۳۳	۲۹	۲۹	۱۸	۲۶	۱۵	۱۸	۲۵	۲۶	۳۱	۲۳	۲۴	۱۹	۱۶	۲۴	۱۹	۱۱	۴	۱۳	۲۰	۲۱	۱۹	۱۸	۲۰	۲۰	۱۰	۲۶	۲۸	۲۶	۱۰	۱۰	۲۰	۲۳	۲۳	۱۷	۲۶
	کرتکا	۲۶	۲۸	۲۸	۱۸	۱۰	۱۶	۲۰	۲۰	۲۰	۲۵	۲۶	۲۳	۱۴	۱۹	۲۰	۱۵	۱۴	۱۸	۲۶	۱۴	۱۵	۱۷	۲۰	۲۶	۲۵	۱۹	۱۲	۱۴	۱۴	۱۵	۲۵	۲۵	۱۹	۱۰	۲۰	۱۱
ورکھ	کرتکا	۱۹	۱۹	۱۹	۲۸	۱۹	۲۶	۱۶	۱۶	۱۶	۲۱	۲۳	۱۹	۱۹	۲۱	۲۲	۲۰	۱۸	۲۳	۲۲	۹	۱۴	۲۲	۲۵	۳۱	۲۲	۱۵	۷	۱۲	۱۱	۲۵	۲۹	۳۰	۲۳	۲۰	۲۲	۱۳
	روہنی	۲۴	۲۳	۱۱	۲۰	۲۹	۳۶	۲۶	۲۳	۲۲	۲۶	۲۶	۱۲	۱۱	۲۵	۲۶	۲۶	۲۶	۱۹	۱۸	۱۵	۸	۱۵	۳۰	۲۴	۱۳	۲۰	۱۵	۱۸	۱۸	۱۹	۲۵	۲۴	۲۵	۲۰	۲۷	۱۵
	مرگشرا	۲۴	۱۵	۱۹	۲۸	۳۵	۲۸	۱۹	۲۴	۲۳	۲۶	۱۹	۲۱	۲۰	۱۷	۲۵	۲۳	۲۶	۱۲	۱۱	۲۵	۱۷	۲۴	۲۲	۲۵	۱۵	۱۱	۱۷	۲۲	۲۶	۱۲	۱۹	۲۷	۲۹	۲۵	۱۸	۲۷
متھن	مرگشرا	۲۶	۱۸	۲۲	۱۹	۲۷	۲۰	۲۸	۲۳	۳۲	۱۹	۱۲	۱۴	۲۳	۱۹	۲۸	۳۲	۳۴	۲۰	۱۳	۲۷	۲۰	۱۴	۱۴	۱۴	۲۳	۱۹	۲۵	۲۰	۲۴	۱۰	۱۲	۲۱	۲۳	۲۴	۱۷	۳۰
	آردرا	۱۹	۲۱	۲۲	۱۹	۲۴	۲۶	۲۴	۲۰	۲۵	۱۲	۲۱	۱۳	۲۲	۲۸	۲۱	۲۵	۲۵	۲۷	۲۰	۲۷	۲۰	۱۴	۱۵	۵	۱۵	۲۸	۲۷	۲۲	۲۳	۱۷	۱۵	۱۲	۱۷	۱۵	۲۶	۲۰
	پنروسو	۱۹	۲۶	۲۲	۱۹	۲۲	۲۳	۳۲	۲۴	۲۸	۱۴	۲۱	۱۶	۲۲	۲۶	۲۰	۲۴	۲۵	۲۷	۲۰	۲۷	۲۲	۱۵	۲۱	۴	۱۴	۲۷	۲۷	۲۲	۲۳	۱۷	۱۹	۱۳	۱۴	۱۰	۲۷	۲۶
کرک	پنروسو	۲۲	۲۹	۲۵	۲۱	۲۴	۲۵	۱۸	۱۰	۱۳	۲۸	۲۴	۲۹	۱۶	۲۱	۱۵	۱۷	۱۸	۲۰	۱۹	۲۷	۲۱	۱۹	۲۵	۱۱	۸	۲۱	۲۱	۲۴	۲۷	۲۱	۱۲	۶	۱۰	۱۷	۲۵	۲۵
	پشیہ	۳۰	۲۱	۲۷	۲۳	۲۵	۱۸	۱۱	۱۹	۲۴	۳۴	۲۸	۲۹	۱۹	۱۵	۲۴	۲۶	۲۶	۱۲	۱۱	۲۵	۲۱	۱۹	۱۷	۲۰	۱۸	۱۳	۲۱	۲۶	۲۷	۱۳	۴	۱۳	۱۹	۲۶	۱۹	۲۶
	اشلیشا	۲۵	۲۴	۲۲	۱۸	۱۱	۱۹	۱۲	۱۲	۱۳	۲۸	۲۸	۲۸	۱۵	۱۴	۱۸	۲۰	۲۰	۲۵	۲۵	۱۱	۱۶	۱۵	۱۹	۲۵	۲۳	۱۶	۷	۱۳	۱۳	۲۶	۱۷	۱۹	۱۱	۱۸	۲۰	۱۲
سنگھ	مگھا	۱۹	۱۹	۱۶	۱۷	۲	۱۸	۲۱	۲۱	۲۰	۱۶	۱۹	۱۶	۲۸	۳۰	۲۷	۱۵	۱۵	۲۰	۲۴	۱۱	۱۶	۲۵	۲۵	۳۲	۲۴	۱۹	۹	۴	۵	۱۰	۲۴	۲۵	۱۸	۱۸	۱۹	۱۲
	پوروا پھالگنی	۲۵	۱۷	۱۹	۲۰	۲۴	۱۶	۱۵	۲۷	۲۶	۲۳	۱۷	۱۷	۳۰	۲۸	۳۳	۲۴	۲۱	۶	۱۰	۲۵	۱۸	۲۴	۲۳	۲۵	۲۰	۱۷	۲۴	۱۹	۱۹	۶	۱۰	۱۱	۲۴	۲۴	۱۷	۲۵
	اترا پھالگنی	۱۶	۲۵	۲۰	۲۱	۲۶	۲۵	۲۸	۲۰	۱۱	۱۵	۲۶	۱۹	۲۷	۳۲	۲۸	۱۶	۱۵	۱۳	۱۷	۲۶	۱۷	۲۳	۳۱	۱۷	۱۰	۲۵	۲۵	۲۰	۲۰	۱۲	۱۸	۱۱	۱۴	۱۴	۲۷	۲۵
کنیا	اترا پھالگنی	۱۱	۲۱	۱۶	۲۱	۲۶	۲۴	۳۲	۲۲	۲۴	۱۸	۲۸	۲۱	۱۶	۲۳	۱۷	۲۸	۲۷	۲۵	۱۷	۲۶	۱۷	۱۸	۲۶	۱۲	۱۴	۳۰	۳۰	۲۴	۲۴	۱۶	۱۷	۲۰	۱۵	۱۷	۲۸	۲۴
	ہست	۱۱	۱۹	۲۹	۲۱	۲۴	۲۵	۳۲	۲۹	۲۴	۱۹	۲۷	۲۲	۱۶	۲۱	۱۵	۲۶	۲۸	۲۸	۲۰	۲۷	۱۹	۲۰	۲۶	۱۴	۱۵	۲۷	۲۹	۲۳	۲۴	۱۸	۱۶	۱۱	۱۴	۱۶	۲۶	۲۴
	چترا	۱۳	۵	۱۹	۲۳	۱۹	۱۱	۱۸	۲۲	۲۵	۲۰	۱۲	۲۵	۲۱	۷	۱۴	۲۵	۲۷	۲۸	۱۹	۱۲	۲۴	۲۷	۳۱	۲۵	۲۷	۱۳	۲۱	۱۶	۱۷	۱۵	۳۶	۲۴	۱۷	۱۹	۱۰	۱۶
تلا	چترا	۲۲	۱۴	۲۸	۲۳	۱۹	۱۱	۱۲	۲۰	۱۹	۲۰	۱۱	۲۵	۲۵	۱۱	۱۸	۱۸	۲۰	۲۰	۲۸	۲۷	۲۳	۲۳	۷	۲۱	۲۷	۱۳	۲۱	۲۴	۲۵	۲۳	۱۸	۲۶	۱۹	۱۲	۳	۱۲
	سواتی	۲۹	۲۸	۱۶	۱۱	۱۴	۲۴	۲۶	۲۶	۲۷	۲۸	۲۶	۲۳	۱۳	۲۴	۲۶	۲۶	۲۸	۲۱	۲۸	۲۸	۳۰	۹	۲۲	۱۷	۲۳	۲۶	۲۲	۲۲	۲۳	۲۷	۲۱	۲۲	۲۵	۱۹	۱۹	۱۱
	وشاکھا	۲۱	۲۲	۲۰	۱۵	۹	۱۷	۱۹	۲۰	۲۰	۲۱	۲۱	۱۷	۱۷	۱۹	۱۸	۱۸	۱۹	۲۶	۳۳	۱۹	۲۸	۱۴	۱۴	۲۲	۲۷	۲۱	۱۳	۱۷	۱۷	۳۰	۲۴	۲۶	۲۰	۱۴	۱۴	۴
ورشچک	وشاکھا	۱۶	۱۶	۱۵	۲۰	۱۴	۲۲	۱۱	۱۳	۱۳	۱۸	۱۸	۱۵	۲۵	۲۳	۲۲	۱۶	۱۸	۲۶	۲۲	۷	۱۵	۲۸	۲۷	۳۲	۲۲	۱۷	۸	۱۱	۱۱	۲۵	۲۴	۲۶	۲۰	۱۹	۱۸	۱۰
	انورادھا	۲۴	۱۵	۱۹	۲۴	۲۸	۲۱	۱۰	۱۵	۲۰	۲۵	۱۷	۲۰	۲۵	۲۱	۲۹	۲۴	۲۵	۲۱	۷	۲۱	۱۶	۲۸	۲۸	۳۱	۱۶	۱۴	۲۲	۲۵	۲۶	۱۲	۱۱	۲۰	۲۵	۲۴	۲۷	۲۶
	جیشٹھا	۱۰	۱۸	۲۴	۲۵	۲۲	۲۹	۱۲	۲	۴	۲۰	۱۹	۲۵	۳۱	۲۴	۱۷	۱۱	۱۱	۲۴	۲۰	۱۵	۱۹	۳۲	۳۰	۲۸	۱۴	۱۷	۱۷	۲۰	۲۰	۲۵	۲۳	۱۷	۱۰	۱۰	۲۰	۲۰
دھن	مول	۱۲	۱۹	۲۵	۲۰	۱۳	۱۳	۲۱	۱۴	۱۲	۸	۱۸	۲۳	۲۳	۱۸	۲۰	۱۳	۱۳	۲۶	۲۶	۲۱	۲۶	۲۳	۱۷	۱۶	۲۸	۲۹	۱۶	۱۴	۱۵	۲۰	۲۹	۲۲	۱۵	۱۷	۲۵	۲۶
	پوروا شاڑھا	۲۶	۱۸	۲۰	۱۴	۱۹	۱۱	۱۹	۲۶	۲۷	۲۳	۱۵	۱۷	۱۹	۱۷	۲۵	۱۹	۲۷	۱۲	۱۲	۲۷	۲۰	۱۷	۱۶	۱۸	۳۴	۲۸	۲۷	۲۲	۲۳	۶	۱۵	۲۴	۲۹	۳۰	۲۳	۳۱
	اترا شاڑھا	۲۴	۲۶	۱۲	۴	۱۰	۱۷	۲۵	۲۶	۲۷	۲۳	۲۳	۹	۹	۲۴	۲۵	۲۵	۲۹	۲۰	۲۰	۱۹	۱۲	۹	۲۴	۱۸	۲۵	۳۵	۲۸	۱۶	۱۵	۱۴	۲۴	۲۴	۲۹	۳۰	۳۱	۲۳
مکر	اترا شاڑھا	۲۷	۲۹	۱۵	۱۲	۱۶	۲۳	۲۰	۲۵	۲۲	۲۸	۲۸	۱۴	۱۵	۲۰	۲۱	۲۴	۲۴	۱۶	۲۳	۲۲	۱۵	۱۲	۲۷	۲۱	۱۵	۲۴	۱۷	۲۸	۲۷	۲۶	۱۶	۱۷	۲۲	۳۰	۳۱	۲۳
	شرون	۲۸	۲۷	۱۵	۱۲	۱۶	۲۶	۲۳	۲۰	۲۲	۲۸	۲۸	۱۴	۴	۱۹	۲۰	۲۳	۲۴	۱۹	۲۴	۲۲	۱۵	۱۲	۲۷	۲۱	۱۴	۲۳	۱۵	۲۶	۲۸	۲۷	۱۷	۱۸	۲۱	۲۹	۳۰	۳۴
	دھنشٹھا	۲۰	۱۱	۲۶	۲۴	۱۵	۱۱	۸	۱۷	۱۵	۲۳	۱۳	۲۷	۱۹	۵	۱۱	۱۷	۱۶	۱۵	۱۹	۲۴	۲۹	۲۶	۱۲	۲۶	۲۱	۷	۱۵	۲۶	۲۷	۲۸	۱۷	۲۳	۱۸	۲۵	۱۵	۲۳
کمبھ	دھنشٹھا	۲۰	۱۱	۲۶	۳۰	۲۶	۱۸	۱۱	۱۸	۱۶	۱۲	۴	۱۸	۲۵	۱۱	۱۹	۱۸	۱۹	۱۶	۱۸	۲۰	۲۶	۲۵	۱۱	۲۵	۳۰	۱۶	۲۴	۱۷	۱۸	۱۸	۲۸	۳۴	۲۸	۱۷	۷	۱۴
	شتبھشا	۱۵	۲۱	۲۷	۳۱	۲۵	۲۷	۲۰	۱۲	۱۲	۷	۱۳	۱۹	۲۶	۲۰	۱۲	۱۱	۱۱	۲۵	۲۶	۲۱	۲۶	۲۷	۲۰	۱۸	۲۳	۲۵	۲۵	۱۷	۱۸	۲۴	۲۳	۲۸	۲۹	۹	۱۵	۱۶
	پوروا بھادرپد	۱۸	۲۵	۲۰	۲۴	۳۰	۳۰	۲۴	۱۶	۱۶	۱۲	۲۰	۱۲	۱۹	۲۵	۱۷	۱۶	۱۶	۱۸	۱۹	۲۶	۲۰	۲۱	۲۷	۱۱	۱۵	۲۲	۳۰	۲۳	۲۳	۱۵	۲۰	۱۹	۲۸	۱۴	۲۲	۲۰
مین	پوروا بھادرپد	۱۵	۲۲	۱۷	۱۹	۲۵	۲۵	۲۴	۱۸	۱۸	۱۷	۲۵	۱۸	۱۷	۲۳	۱۵	۱۶	۱۶	۱۸	۱۱	۱۹	۱۳	۱۹	۲۵	۱۰	۱۴	۲۹	۲۹	۲۹	۲۹	۱۵	۱۶	۷	۱۵	۲۸	۲۳	۳۱
	اترا بھادرپد	۲۲	۱۷	۱۹	۲۱	۲۶	۱۸	۱۶	۲۵	۲۶	۳۶	۱۹	۲۰	۱۸	۱۵	۲۶	۲۷	۲۶	۹	۲	۱۹	۱۲	۱۹	۱۸	۲۰	۲۴	۲۲	۳۰	۳۰	۳۰	۱۵	۶	۲۵	۲۱	۳۳	۲۸	۳۳
	ریوتی	۲۵	۲۴	۱۱	۱۳	۱۷	۲۶	۲۵	۲۴	۲۵	۲۵	۲۶	۱۳	۱۲	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۱۹	۱۲	۱۰	۴	۱۱	۲۶	۲۱	۲۶	۲۹	۲۱	۲۴	۲۲	۲۳	۱۴	۱۶	۱۸	۳۰	۳۴	۲۸

یاترا کیلئے یوگنی چندرمہ، جو نشید ہے

دشا	وار	نکھتر	سنمکھ یوگنی	دائیں یوگنی	پیچھے کا چندرمہ	بایاں چندرمہ	دشا
پورب	سوموار، سنیچروار	زیشٹ	اکدو، نوم	پنچم، ترواہ	میتھن، طول، توب	کرکٹ، ورچک، مین	پورب
پچھم	اتوار، شکروار، منگلوار	روہن	شیم، چوداہ	ددی، دہم	میش، سمبھ، دھن	مکر، کن، ورشبھ	پچھم
دکن	اتوار، گوروار	پورفا	پنچم، ترواہ	شیم، چوداہ	کرکٹ، ورچک، مین	میش، سمبھ، دھن	دکن
اُتر	منگلوار، بدھوار، گوروار	اُترفا	ددی، دہم	اکدو، نوم	مکر، کن، ورشبھ	میتھن، طول، توب	اُتر

دیکھنے کا طریقہ: پورب کو جانے کیلئے سوموار سنیچروار، زیشٹ نکھتر، میتھن، طول، کرکٹ وغیرہ راشی میں چندرمہ اشبھ ہے ۔

یاترا کیلئے یوگنی چندرمہ، جو اُتم ہے

دشا	وار	سامنے کی یوگنی	پیچھے کی یوگنی	سنمکھ چندرمہ	دایاں چندرمہ	دشا
پورب	اتوار، منگلوار، بدھوار، گوروار، شکروار	ددی، دہم	شیم، چوداہ	میش، سمبھ، دھن	مکر، کن، ورشبھ	پورب
پچھم	سوموار، بدھوار، گوروار، سنیچروار	پنچم، ترواہ	اکدو، نوم	میتھن، تلا، توب	کرکٹ، ورچک، مین	پچھم
دکن	سوموار، منگلوار، بدھوار، شکروار، سنیچروار	اکدو، نوم	ددی، دہم	مکر، کن، ورشبھ	میتھن، طول، توب	دکن
اُتر	سوموار، شکروار، سنیچروار، اتوار	شیم، چوداہ	پنچم، ترواہ	کرکٹ، ورچک، مین	میش، سمبھ، دھن	اُتر

پرش اور استری کیلئے گھات چندرمہ دیکھنے کا نقشہ

گھات چندرمہ	میکھ	ورشبھ	متھن	کرکٹ	سمبھ	کن	طول	ورچک	دھن	مکر	کوب	مین
پرش کے لئے	۱	۵	۹	۲	۶	۱۰	۳	۷	۴	۸	۱۱	۱۲
استری کے لئے	۱	۸	۷	۹	۴	۲	۶	۲	۱۰	۱۱	۵	۲

پرش کیلئے میش کا پہلا چندرمہ اور پانچواں چندرمہ ورشبھ راشی والے کے لئے گھات چندرمہ ہے ۔

پرستھان: شبھ مہورت پر پرستھان نکالنا بھی شبھ پھلدایک ہوتا ہے جس طرف کو جانا ہو کوئی پریہ (عزیز) وستو اس طرف شبھ مہورت پر نکال کر رکھیں۔ اگر پورب کی طرف جانا ہو۔ تو پرستھان ۷ دن تک رہتا ہے۔ دکھن کی طرف ۵ دن تک، پچھم کی طرف تین دن تک اور اُتر کی طرف ۲ دن تک پرستھان رہتا ہے ۔ مہورت نہ ہو تو گرو یا راجہ کی آگیا سے یاترا شبھ پھلدایک ہے

ہر قسم کی پیشت اور صحیح جنم پتری بنوانے کا پتہ
جوتشی پریم ناتھ شاستری، کاشی ناتھ منز مار بجبہارا (کشمیر)

یاترا کیلئے — اوتم نکھتر	یاترا کیلئے — نشید نکھتر	یاترا کیلئے — نشید تتھی	یاترا کیلئے — مدھم نکھتر	یاترا کیلئے — نشید یوگ	یاترا کیلئے — اپنی اپنی راشی سے ہانی کارک چندرمہ	یاترا کیلئے — شبھ شگون درشن زنگ	یاترا کیلئے — خراب زنگ
اشون، پشیہ، انراد، مرگشر، ہست، ریوتی، شرون، دہنشٹ ۔	برن، کرتیک، آردرا، اشلیش، مگھ، چیتر، سواتی، وشاکھ ۔	چوتھ، شیم، نوم، دوادشی، چوداہ، پونم، اماوس، پکش کے آدی کی تتھی اور سنکرانتی	روہن، اُترفا، اُترشا، اُتربا، پوربا، پورنا، پورشا، زیشٹ، مول، شتبھکھ ۔	وگھاتی، ویاگھات، وجر، گنڈ، اتی گنڈ، پریگھ، ویدھرتی، شول ۔	چوتھا، آٹھواں، بارھواں	دو برہمن، مچھلی، گھوڑا، گائے، دودھ، بھرا ہوا کلش، ہرے پتے، پھل، پھول، سفید بیل، سفید کپڑا، شراب، پانی سے بھرا گھڑا، سجی ہوئی کنیا، بچہ سمیت عورت، رتن ۔	چوہا، بلی، سانپ، ننگا، بانجھ عورت، دھوبی، ننگے بال، خالی برتن، پاگل، روگی، دشمن، سنیاسی، بیمار، گھاس، ننگا، لال کپڑا، اندھا، بہرا، زردی، دائیں بری آواز ۔



आरती

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे
भगत जनों के सकट, क्षण में दूर करे।
ॐ जय जगदीश हरे। १।
जो ध्यावे फल पावे दुःख विनशे मनका
सुख सम्पत्ति घर आये कष्ट मिटे तनका।

मात पिता तुम मेरे शरण गहूं किसकी
तुम बिन और न दूजा आस करूं जिसकी। ३
तुम पूर्ण परमात्मा तुम अन्तर्यामी
पारब्रह्म परमेश्वर तुम सब के स्वमी।

सम्पादक :—
ज्योतिषी प्रेमनाथ शास्त्री



तुम करुणा के सागर तुम पालन कर्ता, मैं सेवक तुम स्वामी कृपा करो भर्ता। ५।
तुम हो एक अगोचर सब के प्राणपति, किस विध मिलूँ दयामय तुमको मैं कुमति। ६।
दीनबन्धु दुःखहर्ता तुम रक्षक मेरे, अपने चरण लगाओ द्वार पड़ा तेरे। ७।
विषय विकार मिटाओ पाप हरो देवा, श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ सन्तन की सेवा। ८।

मिलने का पता :(१) [illegible] फ़ोन : 276514-देहली

(३) श्री गोविन्द नवधारा गणपतयार श्रीनगर। जम्मू में मिलने का पता :—
[illegible] (३) विनोद बुक डिपो (४) नरेन्द्र स्टोर

(१) नन्दलाल एण्ड सनज़ बुकसेलज (२)